Adda247

द हिन्दू रिव्यू

जुलाई 2026

करेंट अफेयर्स

मासिक कैप्सूल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च 'ब्लू होराइजन' सम्मान

भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन शुरू

वैश्विक बाघ दिवस 2026 रिपोर्ट

सारनाथ का प्राचीन बौद्ध स्थल यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में दर्ज

1 जुलाई से लागू हुआ RBI का नया एकीकृत लोकपाल योजना

EPF

1 जुलाई 2026 से लागू हुए नए EPF निकासी नियम

फीफा विश्व कप 2026

परीक्षा केंद्रित विश्लेषण | मासिक कैप्सूल | तथ्य एवं आंकड़े | प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष

INDEX

महीने के सबसे महत्वपूर्ण करेंट अफेयर्स 3
राष्ट्रीय समाचार 11
सरकारी योजनाएँ 26
अंतरराष्ट्रीय मामले 28
बैंकिंग और वित्त 33
समझौता ज्ञापन/MOU's 40
नियुक्तियाँ और इस्तीफे 41
पुरस्कार 43
शिखर सम्मेलन, कार्यक्रम और आयोजन 44
सूचकांक 45
रक्षा 45
विज्ञान प्रौद्योगिकी 49
खेल 53
पुस्तकें और लेखक 59
निधन 59
महत्वपूर्ण दिन 60
विविध 61
स्टेटिक टेकअवे 62

महीने के सबसे महत्वपूर्ण करेंट अफेयर्स

FIFA वर्ल्ड कप 2026 अवार्ड्स: विजेताओं की पूरी लिस्ट FIFA

2026 का FIFA वर्ल्ड कप खत्म हो गया, और स्पेन को अर्जेंटीना के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में 1-0 के स्कोर से मैच जीतने के बाद टाइटल होल्डर का ताज पहनाया गया। FIFA ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वालों के लिए अपने जाने-माने इंडिविजुअल अवॉर्ड्स की घोषणा की है। ज़्यादातर ट्रॉफी टूर्नामेंट के विनर्स - स्पेन ने जीतीं, जहाँ रोड्री और उनाई सिमोन को उनकी कामयाबियों के लिए बड़े अवॉर्ड्स मिले, जबकि काइलियन एम्बाप्पे ने गोल्डन बूट जीतकर यह साबित कर दिया कि वह दुनिया के बेस्ट स्कोरर्स में से एक हैं। इन अवॉर्ड्स से टूर्नामेंट में प्लेयर्स और उनकी कामयाबियों को परखने में मदद मिली।

FIFA वर्ल्ड कप 2026 अवार्ड्स में स्पेन विजयी

वर्ल्ड कप में अपनी शानदार जीत के बाद स्पेन FIFA वर्ल्ड कप 2026 अवॉर्ड्स में सबसे बड़ा विजेता बनकर उभरा है।

देश को वर्ल्ड कप में स्पेन के शानदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाने वाले तीन खिलाड़ियों के लिए तीन अलग-अलग अवॉर्ड मिले।

स्पेन ने न सिर्फ़ टूर्नामेंट जीता, बल्कि पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ़ एक गोल खाया, जिससे उसने सबसे कम गोल खाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

ये अवॉर्ड स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते की लीडरशिप में डिफेंसिव ताकत, मिडफील्ड कंट्रोल और टैक्टिकल डिसिप्लिन के शानदार बैलेंस की वजह से मिले।

रोड्री ने एडिडास गोल्डन बॉल हासिल की

स्पैनिश फुटबॉलर रोड्री को कॉम्पिटिशन का टॉप प्लेयर होने के लिए एडिडास गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया।

रोड्री ने पूरे कॉम्पिटिशन में बहुत अच्छा परफॉर्म किया। बॉल कंट्रोल, सटीक पासिंग, अलर्ट डिफेंस और शानदार लीडरशिप में उनकी बेहतरीन स्किल्स स्पेन के टूर्नामेंट में खेले गए सभी आठ गेम में दिखीं।

उनके शानदार प्रदर्शन की वजह से स्पेन को दूसरा FIFA वर्ल्ड कप टाइटल जीतने में मदद मिली।

गोल्डन बॉल विजेता

- गोल्डन बॉल: रोड्री (स्पेन)
- सिल्वर बॉल: लियोनेल मेस्सी (अर्जेंटीना)
- कांस्य पदक: किलियन एमबाप्पे (फ्रांस)

किलियन एमबाप्पे को गोल्डन बूट मिला

हालांकि फ्रांस कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहा, लेकिन काइलियन एमबाप्पे ने एक बार फिर दिखा दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे अच्छे फॉरवर्ड में क्यों गिना जाना चाहिए।

उन्होंने कॉम्पिटिशन के दौरान सबसे ज़्यादा गोल किए, जो आठ मैचों में 10 थे, और टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर के तौर पर एडिडास गोल्डन बूट जीता।

नेट के सामने उनके ज़बरदस्त प्रदर्शन ने इतिहास रच दिया, क्योंकि वे लगातार दो बार वर्ल्ड कप गोल्डन बूट जीतने वाले अकेले खिलाड़ी बन गए। उनके नाम पुरुषों के FIFA वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में अब तक के सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड भी है, उन्होंने अपने करियर में 22 गोल किए हैं।

गोल्डन बूट के लिए मुख्य खिलाड़ी

- गोल्डन बूट: किलियन एमबाप्पे (फ्रांस) – 10 गोल
- सिल्वर बूट: लियोनेल मेस्सी (अर्जेंटीना) – 8 गोल
- ब्रॉन्ज़ बूट: जूड बेलिंगहम (इंग्लैंड) – 7 गोल

उनाई सिमोन ने गोल्डन ग्लव जीता

स्पेन की नेशनल टीम के गोलकीपर उनाई सिमोन को FIFA वर्ल्ड कप में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एडिडास गोल्डन ग्लव ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

साइमन फाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ नेट क्लीन रखते हुए पूरे टूर्नामेंट में कुल सात क्लीन शीट हासिल करने में कामयाब रहे, जिससे स्पेन के शानदार डिफेंस रिकॉर्ड में काफी मदद मिली।

सिमोन ने लगभग 650 मिनट तक कोई गोल न खाने का एक शानदार रिकॉर्ड बनाया, जिससे इस टूर्नामेंट में स्पेनिश डिफेंस का दबदबा दिखा।

पाऊ क्यूबार्सी को FIFA का बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया

FIFA वर्ल्ड कप के सबसे चमकते सितारों में से एक स्पेन के डिफेंडर पाऊ क्यूबार्सी थे , जिन्हें अरामको कंपनी से FIFA बेस्ट यंग प्लेयर अवॉर्ड मिला।

बहुत छोटा होने के बावजूद, क्यूबार्सी ने डिफेंस में बहुत अच्छी मैच्योरिटी, संतुलन और टैक्टिकल अवेयरनेस दिखाई।

स्पेनिश टीम के डिफेंस में अहम खिलाड़ी थे , क्योंकि टूर्नामेंट के दौरान टीम ने केवल एक गोल खाया था।

यह अवॉर्ड यह साबित करता है कि क्यूबार्सी फुटबॉल में दुनिया के सबसे अच्छे युवा डिफेंडरों में से एक हैं।

नीदरलैंड्स को FIFA गुड बिहेवियर अवार्ड मिला

मैकडोनाल्ड्स द्वारा दिया गया FIFA गुड बिहेवियर अवार्ड नीदरलैंड्स को दिया गया।

जीतने वाली टीम को टूर्नामेंट के दौरान उसके अनुशासन, खेल भावना और दूसरों के प्रति सम्मान के लिए पहचाना जाता है।

यह अवॉर्ड, कॉम्पिटिशन में सफलता के साथ-साथ अच्छे व्यवहार के सिद्धांतों के प्रति FIFA के कमिटमेंट का एक और संकेत है।

FIFA वर्ल्ड कप 2026 अवार्ड्स के विजेताओं की लिस्ट FIFA ...

टीम पुरस्कारों के विजेता

- चैंपियंस: स्पेन
- उपविजेता: अर्जेंटीना
- तीसरा स्थान: इंग्लैंड
- चौथा स्थान: फ्रांस

व्यक्तिगत पुरस्कारों के विजेता

- एडिडास गोल्डन बॉल: रोड्री (स्पेन)
- एडिडास सिल्वर बॉल: लियोनेल मेस्सी (अर्जेंटीना)
- एडिडास ब्रॉन्ज़ बॉल: किलियन एमबाप्पे (फ्रांस)
- एडिडास गोल्डन बूट: किलियन एमबाप्पे (फ्रांस)
- एडिडास सिल्वर बूट: लियोनेल मेस्सी (अर्जेंटीना)
- एडिडास ब्रॉन्ज़ बूट: जूड बेलिंगहम (इंग्लैंड)
- एडिडास गोल्डन ग्लव: उनाई सिमोन (स्पेन)

- FIFA बेस्ट यंग प्लेयर अवॉर्ड: पाउ क्यूबार्सी (स्पेन)
- FIFA फेयर प्ले ट्रॉफी: नीदरलैंड्स।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स के 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' राष्ट्रपति पद का सम्मान मिला

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'गार्डियन ऑफ़ द ब्लू होराइज़न' प्रेसिडेंशियल सम्मान से सम्मानित किया गया। सेशेल्स के माननीय राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने 28 जून, 2026 को भारतीय प्रधानमंत्री को यह अवॉर्ड दिया। यह पहचान क्लाइमेट एक्शन, ब्लू इकॉनमी प्रमोशन, पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में PM मोदी की बढ़ती भूमिका को दिखाती है।

'गार्डियन ऑफ़ द ब्लू होराइज़न' प्रेसिडेंशियल डिस्टिंक्शन के बारे में

'गार्डियन ऑफ़ द ब्लू होराइज़न' प्रेसिडेंशियल डिस्टिंक्शन एक प्रतिष्ठित सिविलियन सम्मान है जिसे सेशेल्स गणराज्य ने शुरू किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवॉर्ड को पाने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं , जो दुनिया में बेहतरीन ग्लोबल लीडरशिप को पहचान देता है।

- जलवायु कार्रवाई
- पर्यावरण संरक्षण
- समुद्री संसाधनों का सतत प्रबंधन
- नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना
- छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों (SIDS) के लिए समर्थन
- सतत विकास पहल

यह सम्मान उन इंटरनेशनल लीडर्स के लिए सेशेल्स की तारीफ़ को दिखाता है जिन्होंने मरीन इकोसिस्टम को बचाने और ग्लोबल एनवायरनमेंटल चुनौतियों से निपटने में अहम योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित क्यों किया गया ?

सेशेल्स सरकार के अनुसार, यह अवॉर्ड प्रधानमंत्री मोदी के एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और डेवलपिंग देशों के हितों के प्रति लंबे समय से चले आ रहे कमिटमेंट को देखते हुए दिया गया।

यह सम्मान , को बढ़ावा देने में उनके योगदान को मान्यता देता है,

- वैश्विक स्तर पर जलवायु कार्रवाई
- सतत महासागर शासन
- नीली अर्थव्यवस्था पहल
- हरित विकास
- पर्यावरण संरक्षण
- छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

यह पहचान आइलैंड देशों के बीच एनवायरनमेंटल रेजिलिएंस और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को सपोर्ट करने में भारत की बढ़ती भूमिका को भी दिखाती है।

सेशेल्स द्वारा मान्यता प्राप्त पर्यावरण पहल

यह सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई या प्रमोट की गई कई बड़ी पहलों पर रोशनी डालता है।

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए)
- मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली)
- एक पेड़ माँ के नाम
- अंतर्राष्ट्रीय बड़ी बिल्ली गठबंधन

ये पहल मिलकर दिखाती हैं कि भारत आर्थिक विकास और पर्यावरण की स्थिरता के बीच संतुलन बनाने पर कितना ज़ोर दे रहा है।

भारत-सेशेल्स संबंधों को मजबूत करना

यह अवॉर्ड ऐसे खास मौके पर मिला है, जब भारत और सेशेल्स डिप्लोमैटिक रिश्तों के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

सम्मान स्वीकार करते हुए , प्रधानमंत्री मोदी ने यह पहचान उन सभी देशों को समर्पित की जो पर्यावरण की रक्षा और क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि यह अंतर भारत और सेशेल्स के बीच पुरानी दोस्ती को और मज़बूत करेगा, साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में सस्टेनेबल डेवलपमेंट और समुद्री सुरक्षा में उनके सहयोग को और मज़बूत करेगा।

PM मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे से 18 बड़े नतीजे मिले, डिफेंस , एनर्जी, टेक्नोलॉजी और एजुकेशन के रिश्ते और गहरे हुए

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे से भारत-ऑस्ट्रेलिया रिश्तों में एक बड़ी कामयाबी मिली है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच तीसरे सालाना समिट में 18 एग्रीमेंट और पहल सामने आईं। ये एग्रीमेंट, जिनमें डिफेंस , मैरीटाइम सिक्योरिटी, क्लीन एनर्जी, ज़रूरी टेक्नोलॉजी, एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट, रिसर्च और कल्चरल कोऑपरेशन जैसे बड़े एरिया शामिल हैं, बताते हैं कि यह भारत-ऑस्ट्रेलिया कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के सबसे बड़े विस्तार में से एक है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी में नया चरण

समिट ने इस बात को फिर से कन्फर्म किया है कि मुश्किल जियोपॉलिटिकल हालात में भारत-ऑस्ट्रेलिया रिश्तों की स्ट्रेटेजिक अहमियत बढ़ रही है।

दोनों देशों ने डिफेंस, ट्रेड, टेक्नोलॉजी, एनर्जी सिक्योरिटी, एजुकेशन और इनोवेशन में सहयोग की ज़रूरत पर सहमति जताई, साथ ही एक फ्री, ओपन, इनक्लूसिव और रूल-बेस्ड इंडो-पैसिफिक रीजन के कॉमन विज़न के लिए कमिटमेंट को दोहराया।

ये 18 नतीजे रीजनल स्टेबिलिटी और ग्रोथ के लिए ज़रूरी मामलों में सहयोग करने के लंबे समय के इरादे को दिखाते हैं।

प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान हुए नतीजों की सूची

1. रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा (JDDSC)
2. समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप (MSCR)
3. ऊर्जा सुरक्षा पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त घोषणा
4. भारत-ऑस्ट्रेलिया सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट के एडमिनिस्ट्रेटिव अरेंजमेंट को फाइनल करना
5. साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ऑस्ट्रेलिया-भारत साझेदारी (PACTS)
6. भारतीय तटरक्षक बल (ICG) और ऑस्ट्रेलिया के MBC के बीच समझौता ज्ञापन
7. डिफेंस कॉलेज में भारतीय मिलिट्री ऑफिसर (2028-29)
8. खनन और एमईटीएस उत्कृष्टता केंद्र पर समझौता ज्ञापन
9. फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी ब्रांच बेंगलुरु में
10. NCVET और ASQA के बीच समझौते पर सहमति
11. तीन भारतीय कलाकृतियों का जीर्णोद्धार
12. रूफटॉप ट्रेनिंग अकादमी की शुरुआत
13. ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसीआईटीआई) साझेदारी पर समझौता ज्ञापन

14. जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया और जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के बीच समझौता ज्ञापन
15. पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी एक्सेस समझौता
16. CSIR और मेलबर्न विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन
17. एसआरएफटीआई कोलकाता और ग्रिफिथ फिल्म स्कूल के बीच समझौता ज्ञापन
18. गुरुग्राम में विक्टोरिया यूनिवर्सिटी कैंपस

इन पहलों का महत्व

तीसरे इंडिया-ऑस्ट्रेलिया एनुअल समिट के नतीजे इंटरनेशनल कोऑपरेशन के कॉन्सेप्ट से कहीं आगे हैं।

इन समझौतों का मतलब है ज़रूरी सेक्टर्स में बेहतर सहयोग, जिनमें शामिल हैं,

- रक्षा और हिंद-प्रशांत सुरक्षा
- नवीकरणीय ऊर्जा पर स्विच करें
- असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा पहल
- खनिज मंत्रालय सहयोग
- शिक्षा और कौशल विकास सहयोग
- अनुसंधान
- सांस्कृतिक विरासत संरक्षण

इन एक्टिविटीज़ का मकसद भारत के स्ट्रेटेजिक रिश्तों को मज़बूत करना और इस इलाके में स्टेबिलिटी, टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस और सस्टेनेबल ग्रोथ पक्का करना है।

भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन: फीचर्स, सेफ्टी, रूट और ग्लोबल महत्व

इंडियन रेलवे भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन लॉन्च करने के लिए तैयार है। इस ट्रेन को घरेलू टेक्नोलॉजी और हरियाणा के जींद में मौजूद हाइड्रोजन इकोसिस्टम की मदद से बनाया गया है। यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल की मदद से बिजली बनाती है, जिसका एकमात्र बाय-प्रोडक्ट पानी की भाप है। इस ट्रेन में लगभग 2,600 यात्री बैठ सकते हैं। हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन में लगभग ज़ीरो एमिशन के साथ सभी एडवांस्ड मल्टी-लेयर सेफ्टी सिस्टम लगे हैं। इसे रेलवे सिस्टम को ग्रीन बनाने के लिए क्लीन एनर्जी देने और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट की दिशा में भारत का कदम माना जा सकता है।

भारत में पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन के बारे में

भारत की हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन एक नेक्स्ट-जेन रेलवे गाड़ी है जो पुराने डीज़ल इंजन या ज़मीन के ऊपर लगे इलेक्ट्रिक सिस्टम के बजाय हाइड्रोजन फ्यूल सेल का इस्तेमाल करके ऑनबोर्ड बिजली बनाती है।

नॉर्मल ट्रेनों के मुकाबले, ट्रेन में टैंक में स्टोर हाइड्रोजन, ऑक्सीजन के साथ रिएक्ट करके PEM (प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन) फ्यूल सेल्स के ज़रिए बिजली बनाता है।

इसका इस्तेमाल ट्रेन के इंजन को चलाने के लिए किया जाता है, और इससे सिर्फ़ भाप निकलती है, जो इसे रेलवे के लिए सबसे साफ़ टेक्नोलॉजी में से एक बनाती है।

यह प्रोजेक्ट भारत में सस्टेनेबल और लो कार्बन ट्रांसपोर्ट की दिशा में एक बड़ा कदम है।

भारतीय रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतीक क्यों है ?

ब्रॉड गेज नेटवर्क को इलेक्ट्रिफाई करने में काफ़ी तरक्की की है , जिससे डीज़ल का इस्तेमाल काफ़ी कम हो गया है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन इस बदलाव को और भी बेहतर बनाती है,

- इसके ऑपरेशन के दौरान कार्बन एमिशन को रोकना।
- बोर्ड पर रहते हुए बिजली पैदा करना।
- क्लीन एनर्जी में बदलाव में भारत की मदद करना।
- देश के टेक्नोलॉजी सेक्टर में जो काबिलियत है, उसे साबित करना।
- नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन में योगदान देना।
- देश के नेट ज़ीरो लक्ष्यों में मदद करने के लिए एक नई संभावना बनाना।

यह रेलवे प्रोपल्शन सिस्टम के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत है, जो स्टीम से डीज़ल और अब इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम तक पहुँच गया है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन कैसे काम करती है?

डीज़ल ट्रेनों की तरह सिर्फ़ फ़ॉसिल फ़्यूल के जलने के बजाय, इस ट्रेन में एक छोटा पावर प्लांट है जो प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन (PEM) फ़्यूल सेल्स से बना है।

प्रक्रिया इस प्रकार है,

- ट्रेन के स्टोरेज टैंक से हाइड्रोजन फ्यूल सेल में जाता है।
- ऑक्सीजन हवा से मिलती है।
- इलेक्ट्रोकेमिकल रिएक्शन होता है।
- बिजली पैदा होती है।
- बिजली को ट्रैक्शन मोटर्स में भेजा जाता है।
- बाय-प्रोडक्ट के तौर पर सिर्फ़ भाप और गर्मी निकलती है।

डीज़ल इंजन के उलट, इसमें आग नहीं लगती, कोई एमिशन नहीं होता और कोई वेस्ट प्रोडक्ट भी नहीं निकलता।

संक्षेप में,

- हाइड्रोजन + ऑक्सीजन → बिजली + भाप + गर्मी

भारत की हाइड्रोजन ट्रेन की तकनीकी जानकारी भारत ...

एक जगह से दूसरी जगह बड़े पैमाने पर पैसेंजर ट्रांसपोर्ट के लिए नई हाइड्रोजन ट्रेन शुरू हो गई है।

प्रमुख विशेषताएँ

- ट्रेन की संरचना: 10 डिब्बे
- यात्री क्षमता: लगभग 2,600 यात्री
- पावर कारें: 2 हाइड्रोजन पावर कारें
- ट्रेलर कारें: 8
- पावर प्रोडक्शन: 1,200 kW (1,600 hp) प्रति पावर कार
- कुल पावर: 2,400 kW
- ऑपरेटिंग स्पीड: 75 km/h
- अधिकतम डिज़ाइन गति: 110 km/h

यह टेक्नोलॉजी हाइड्रोजन ट्रेन को दुनिया भर में चल रही दूसरी हाइड्रोजन पैसेंजर ट्रेनों से बड़ी बनाती है, जिनमें आम तौर पर सिर्फ़ दो से चार डिब्बे होते हैं।

मार्ग और संचालन

शुरुआत में यह ट्रेन नॉर्दर्न रेलवे के तहत जींद से सोनीपत तक चलेगी।
मार्ग के प्रमुख स्टेशन

- जींद जंक्शन
- जींद शहर
- पांडु पिंडारा जंक्शन
- गोहाना जंक्शन
- भंभेवा
- बुटाना
- मोहन
- सोनीपत
- सोनीपत न्यू

89 किलोमीटर के इस सेक्शन को नॉर्मल रेलवे कंडीशन में हाइड्रोलिक पैसेंजर ट्रेनों की परफॉर्मेंस, सेफ्टी और एफिशिएंसी के असेसमेंट के लिए चुना गया है।

भारत की पहली हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग सुविधा जींद में

इस प्रोजेक्ट की एक बड़ी खासियत सबसे बड़ा हाइड्रोजन रीफ्यूलिंग प्लांट लगाना है। हरियाणा के जींद में भारत में ट्रेनों के लिए केंद्र है।
इंटीग्रेटेड सेंटर में शामिल हैं,

हाइड्रोजन उत्पादन

हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलिसिस से मिलता है, यह पानी को बिजली की मदद से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ने का प्रोसेस है।

हाइड्रोजन स्टोरेज.

बनाए गए हाइड्रोजन को खास तौर पर डिज़ाइन किए गए कंटेनर में स्टोर किया जाता है।

संपीड़न.

हाइड्रोजन को लगभग 500 b का प्रेशर लगाकर कम्प्रेस किया जाता है।

ईंधन भरने

ट्रेन में ईंधन भरने के लिए इस्तेमाल होने वाला हाइड्रोजन एक ही समय में 350 बार पर चलने वाले दो डिस्पेंसर से आता है , ताकि दोनों मोटर कारों में ईंधन भर जाए।

भंडारण क्षमता

सेंटर की कैपेसिटी लगभग 3000 kg है जो ट्रेन ऑपरेशन की रेगुलर ज़रूरतों को पूरा करने के लिए काफ़ी है।

एडवांस्ड मल्टी-लेवल सिस्टम के साथ सुरक्षा के तरीके

हाइड्रोजन बहुत ज़्यादा जलने वाला होता है, इसलिए सुरक्षा पक्का करना ज़रूरी है।
इंडियन रेलवे ने लोगों की सेफ्टी और अपने ऑपरेशन के लिए कई इंडिपेंडेंट सेफ्टी सिस्टम बनाए हैं।

मुख्य सुरक्षा घटक

- रेगुलर हाइड्रोजन लीक का पता लगाना।
- फ्लेम डिटेक्शन डिवाइस।
- धुआं पता लगाने वाले डिवाइस।
- हीटिंग मॉनिटरिंग डिवाइस।
- हाइड्रोजन से डिवाइस बंद हो रहे हैं।
- लगातार वेंटिलेशन का मकसद गैस जमा होने से बचाना है।
- आग से बचाव के उपकरण।
- पानी स्प्रे करने वाले सिस्टम।
- ऑपरेशन का सामान्य तरीका नहीं।
- ट्रेन के केबिन में रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम।

कुल मिलाकर, ये प्रोटेक्टिव मैकेनिज्म, डिफेंस इन डेप्थ के इंटरनेशनल लेवल पर माने गए नियम को फॉलो करते हैं, जो सिर्फ एक एलिमेंट पर निर्भर रहने के बजाय एक पूरा सेफ्टी सॉल्यूशन देता है।

वैश्विक सुरक्षा विनियम

हाइड्रोजन इकोसिस्टम को भी दुनिया भर में माने गए स्टैंडर्ड्स के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है, जैसे,

- एनएफपीए-2
- आईएसओ 19880 श्रृंखला

यह सिस्टम PESO द्वारा दी गई कानूनी ज़रूरतों को भी पूरा करता है।
इस प्रोजेक्ट का सेफ्टी का इंडिपेंडेंट असेसमेंट एक थर्ड पार्टी ऑर्गनाइज़ेशन TÜV SÜD, जर्मनी ने किया है, जो दुनिया भर में जानी-मानी टेस्टिंग और सर्टिफ़िकेशन अथॉरिटी है।

ग्लोबल टाइगर डे 2026 रिपोर्ट: भारत में बाघों की आबादी बढ़कर 3,682 हुई; टाइगर रिज़र्व बढ़कर 58 हुए

ग्लोबल टाइगर डे 2026 के मौके पर , केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने पिछले 12 सालों में वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन में भारत की शानदार तरक्की के बारे में बताया। नई दिल्ली में नेशनल टाइगर कंज़र्वेशन अथॉरिटी (NTCA) द्वारा आयोजित सेलिब्रेशन को संबोधित करते हुए , मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में टाइगर की आबादी बढ़कर 3,682 हो गई है , जबकि टाइगर रिज़र्व की संख्या 58 हो गई है।
इस इवेंट में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह , सीनियर सरकारी अधिकारी, वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट, फ्रंटलाइन फॉरेस्ट कर्मचारी, स्टूडेंट्स और वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन के लिए कमिटेड दूसरे स्टेकहोल्डर्स शामिल हुए।

बाघ संरक्षण में भारत की बढ़ती सफलता

अपने भाषण के दौरान, श्री भूपेंद्र यादव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन का मतलब सिर्फ़ जानवरों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि इसमें लोगों और प्रकृति के बीच एक अच्छा रिश्ता बनाना भी शामिल है।
उन्होंने कहा कि पिछले 12 सालों में भारत में न सिर्फ़ बाघों और टाइगर रिज़र्व की संख्या में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है, बल्कि इन चीज़ों में भी बढ़ोतरी हुई है:

- हाथी अभ्यारण्य
- राष्ट्रीय उद्यान
- वन्यजीव अभयारण्य
- संरक्षित क्षेत्र
- सामुदायिक रिजर्व
- वेटलैंड्स

मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय लगातार संरक्षण प्रयासों, साइंटिफिक मैनेजमेंट और बढ़ती हुई पब्लिक भागीदारी को दिया।

NTCA ने इंटीग्रेटेड इको-टूरिज्म वेबपेज लॉन्च किया

NTCA इको-टूरिज्म वेबपेज का लॉन्च था , जो एक इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पूरे भारत के सभी टाइगर रिजर्व के बारे में असली जानकारी देता है।

प्रमुख विशेषताऐं

- ऑफिशियल टाइगर रिज़र्व वेबसाइट के डायरेक्ट लिंक।
- ऑनलाइन सफारी बुकिंग की जानकारी।
- रहने की बुकिंग की सुविधा।
- ज़िम्मेदार और सस्टेनेबल इको-टूरिज्म को बढ़ावा देना।
- विज़िटर्स के लिए वेरिफाइड जानकारी तक आसान एक्सेस।

इस पहल का मकसद इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी पक्का करते हुए नेचर-बेस्ड टूरिज्म को बढ़ावा देना है।

संरक्षण में ज्ञान साझा करने का महत्व

मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन सिर्फ़ साइंटिफिक डेटा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पारंपरिक ज्ञान, फ़ील्ड अनुभव और फ़ॉरेस्ट अधिकारियों का समर्पण भी शामिल है।

उन्होंने वाइल्डलाइफ अधिकारियों और कंजर्वेशनिस्ट को अपने अनुभव डॉक्यूमेंट करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि प्रैक्टिकल जानकारी भविष्य की कंजर्वेशन पॉलिसी और मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी में मदद कर सके।

क्षमता निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

श्री यादव ने दुनिया के सबसे अच्छे तरीकों को अपनाकर फॉरेस्ट अधिकारियों के लिए लगातार कैपेसिटी बिल्डिंग के महत्व पर ज़ोर दिया।

दुनिया भर में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए इंटरनेशनल सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और साइंटिफिक सहयोग को बढ़ावा देने में इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) की बढ़ती भूमिका पर भी ज़ोर दिया।

एनटीसीए पुरस्कार प्रदान किए गए

वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन में शानदार योगदान को पहचानने के लिए, NTCA अवॉर्ड्स दिए गए:

- वन्यजीव अधिकारी
- वन अधिकारियों
- संरक्षण पेशेवर
- अग्रिम पंक्ति के वन कर्मियों

इन अवॉर्ड्स में देश भर में टाइगर कंज़र्वेशन और प्रोटेक्टेड एरिया मैनेजमेंट में बहुत अच्छे काम को पहचान दी गई।

राष्ट्रव्यापी बाघ संरक्षण जागरूकता अभियान

ग्लोबल टाइगर डे सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर, NTCA ने मिनिस्ट्री के एनवायरनमेंट एजुकेशन प्रोग्राम के तहत इको-क्लब के ज़रिए पूरे देश में अवेयरनेस कैंपेन चलाया।

इस पर खास ज़ोर दिया गया:

- टाइगर रिज़र्व के पास स्थित स्कूल
- छात्र भागीदारी
- वन्यजीव जागरूकता गतिविधियाँ
- चित्रकला प्रतियोगिताएं
- स्केचिंग प्रतियोगिताएं
- नारा-लेखन प्रतियोगिताएं
- "बाघ बचाओ" थीम पर आधारित मास्क बनाने की प्रतियोगिता

जारी किए गए प्रकाशन

इस इवेंट के दौरान वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन और साइंटिफिक मैनेजमेंट पर फोकस करने वाले पाँच ज़रूरी पब्लिकेशन रिलीज़ किए गए:

1. स्ट्राइप्स – NTCA आउटरीच जर्नल (जुलाई 2026 एडिशन)
2. 24 टाइगर रिजर्व की सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट
3. भारत में बाघों वाले इलाकों में स्लॉथ भालुओं के लिए रहने की जगह की उपयुक्तता का आकलन
4. टाइगर्स ऑफ़ द वर्ल्ड (IBCA और ग्लोबल टाइगर फ़ोरम द्वारा प्रकाशित)
5. चंद्र प्रकाश गोयल और सत्य प्रकाश यादव की द रहमान खेड़ा टाइगर

इन पब्लिकेशन का मकसद वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन के बारे में रिसर्च, पॉलिसी-मेकिंग और पब्लिक अवेयरनेस को मज़बूत करना है।

पृष्ठभूमि: वैश्विक बाघ दिवस

दुनिया भर में बाघों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 29 जुलाई को ग्लोबल टाइगर डे मनाया जाता है।

इस दिन की स्थापना सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट (2010) के दौरान की गई थी , जहां 13 टाइगर रेंज देशों ने ग्लोबल टाइगर रिकवरी प्रोग्राम (GTRP) लॉन्च किया था।

समिट में बड़े TX2 गोल को भी पेश किया गया , जिसका मकसद 2022 तक दुनिया भर में जंगली बाघों की आबादी को दोगुना करना है।

बाघों के लिए खतरे

संरक्षण में सफलता के बावजूद, बाघों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है:

- अवैध शिकार
- अवैध वन्यजीव व्यापार
- प्राकृतवास नुकसान
- आवास विखंडन
- मानव-वन्यजीव संघर्ष
- जलवायु परिवर्तन

आज, जंगली बाघ अपनी ऐतिहासिक सीमा के 8% से भी कम क्षेत्र पर कब्जा करते हैं , जबकि तीन उप-प्रजातियां— बाली टाइगर, जावन टाइगर, और कैस्पियन टाइगर —विलुप्त हो गई हैं।

सारनाथ का प्राचीन बौद्ध स्थल UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल

उत्तर प्रदेश में मौजूद एक पुरानी बौद्ध जगह, सारनाथ, 25 जुलाई, 2026 को साउथ कोरिया के बुसान में हुए वर्ल्ड हेरिटेज कमिटी के 48वें सेशन में UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल हुई। इसके साथ ही सारनाथ भारत की 45वीं UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज साइट बन गई है, साथ ही इतिहास, धर्म और संस्कृति के मामले में भी इसकी अहमियत पर ज़ोर दिया गया है। यह जगह गौतम बुद्ध ने ज्ञान पाने के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, इस जगह के तौर पर इसे बड़े पैमाने पर जाना जाता है। सारनाथ 2500 सालों से शांति, ज्ञान और आध्यात्मिकता की निशानी रहा है। यह लिखावट भारत की समृद्ध विरासत में इज़ाफ़ा करती है और बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक को बचाने की दुनिया भर की कोशिशों को और भी अहमियत देती है।

सारनाथ को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया

वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी ने कोरिया गणराज्य के बुसान में हुई अपनी 48वीं मीटिंग में प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ को यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक और कल्चरल ऑर्गनाइज़ेशन की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल करने का फ़ैसला किया।

इस प्रकार,

- अब भारत में 45 वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स हैं।
- सारनाथ आउटस्टैंडिंग यूनिवर्सल वैल्यू वाली जगहों की लिस्ट में है।
- यह शिलालेख दुनिया के इतिहास, संस्कृति और धर्म में सारनाथ के योगदान को स्वीकार करता है।

UNESCO का यह फ़ैसला पूरी इंसानियत की सांस्कृतिक विरासत की जगहों को बचाने की उसकी कोशिशों को दिखाता है।

सारनाथ को क्या खास बनाता है?

सारनाथ का महत्व बौद्ध धर्म के इतिहास में इसके खास स्थान में है।

छठी सदी में बोधगया में ज्ञान पाने के बाद अपना पहला उपदेश (धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त) दिया था।

इस इवेंट का महत्व नीचे दी गई बातों में है,

- बौद्ध धर्म के प्रचार की शुरुआत।
- बौद्ध मठ (संघ) की स्थापना।
- बौद्ध धर्म का आधार।

यही वजह है कि सारनाथ, लुम्बिनी, बोधगया और कुशीनगर के बाद चौथा सबसे पवित्र बौद्ध स्थान है।

सारनाथ के ऐतिहासिक स्मारक

सदियों के बदलाव में राजाओं, साधुओं और बौद्ध धर्म के मानने वालों ने सारनाथ शहर को बौद्ध धर्म की पढ़ाई का एक जाना-माना सेंटर बना दिया है।

शहर के महत्वपूर्ण स्मारकों में निम्नलिखित शामिल हैं ,

धमेक स्तूप

धमेक स्तूप सारनाथ की सबसे मशहूर यादगार जगह है। यह बड़ा बेलनाकार स्तूप उस जगह पर बनाया गया था जहाँ कहा जाता है कि बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, जिसमें पत्थर पर बहुत अच्छी नक्काशी की गई है। यह हर साल हज़ारों लोगों को अपनी ओर खींचता है।

धर्मराजिका स्तूप

अभी खंडहर में पड़ा धर्मराजिका स्तूप बौद्ध धर्म के सबसे पुराने स्तूपों में से एक है और पारंपरिक रूप से सम्राट अशोक से जुड़ा रहा है, जिन्होंने बौद्ध धर्म को फैलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

चौखंडी स्तूप

चौखंडी स्तूप उस घटना की याद दिलाता है जब बुद्ध ने अपना पहला उपदेश देने से पहले अपने पहले शिष्यों से मुलाकात की थी। यह बौद्ध धर्म के इतिहास में एक अहम घटना थी।

ये स्मारक उस जगह को दिखाते हैं जिसे डियर पार्क (मृगदाव) के नाम से जाना जाता है, वह जगह जहाँ बौद्ध धर्म ने एक वर्ल्ड धर्म के तौर पर अपनी यात्रा शुरू की थी।

यूनेस्को की मान्यता और उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य

UNESCO ने इन वजहों से सारनाथ को इस लिस्ट में शामिल होने लायक और खास माना है,

- सारनाथ का एक प्रमुख धर्म से संबंध।
- दो हज़ार साल से भी ज़्यादा समय से इसका महत्व लगातार बना हुआ है।
- बौद्ध धर्म का सम्मान करने वाली पुरानी और बड़ी कलाकृतियां मौजूद हैं।
- पूरे एशिया में दर्शन, शिक्षा और तीर्थयात्रा पर प्रभाव।
- भविष्य अच्छा है क्योंकि इस साइट पर UNESCO की पहचान से पूरा ध्यान और सुरक्षा मिलेगी।

सारनाथ के इंटरनेशनल महत्व के बारे में UNESCO का संदेश

शिलालेख मिलने के बाद, UNESCO इंटरनेशनल ब्यूरो ऑफ़ साउथ एशिया के डायरेक्टर टिम कर्टिस ने भारत को बधाई दी और बताया कि सारनाथ दो हज़ार सालों से कई बौद्ध भिक्षुओं को प्रेरणा देता रहा है।

उन्होंने कहा कि सारनाथ के मंदिर, मठ और स्तूप दया, बुद्धिमत्ता, विश्वास और साझा मानवीय विरासत की निशानी हैं।

UNESCO ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि इस जगह की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी अभी की और आने वाली पीढ़ियों की है।

RBI की नई इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम 1 जुलाई से लागू होगी: खास बातें, शिकायत का प्रोसेस और फायदे

1 जुलाई, 2026 से, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) ने अपनी नई इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम लागू की है। यह स्कीम फाइनेंशियल कंपनियों के खिलाफ कस्टमर की शिकायतों को हल करने के लिए फ्रेमवर्क को मज़बूत करने के लिए शुरू की गई है। यह 2021 की स्कीम की जगह ले रही है और इस नए सिस्टम का मकसद एक फ्री, तेज़, ट्रांसपेरेंट शिकायत सुलझाने का सिस्टम देना है।

RBI इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम क्या है?

इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम, रेगुलेटेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के कस्टमर्स के लिए RBI का यूनिफाइड शिकायत निवारण सिस्टम है।

इस स्कीम से कस्टमर्स को कई अथॉरिटीज़ के पास जाए बिना, इन-सर्विस से जुड़ी शिकायतों का हल ढूंढने में मदद मिलती है।

यह "एक देश, एक लोकपाल" सिद्धांत को मानता है और यह पक्का करता है कि कस्टमर की लोकेशन या रेगुलेटेड एंटिटी की लोकेशन की परवाह किए बिना प्रोसेस किया जाए।

यह बदला हुआ फ्रेमवर्क इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम, 2021 की जगह लेगा, जबकि पहले वाली स्कीम के तहत फाइल की गई शिकायतों को पिछले नियमों के हिसाब से ही हैंडल किया जाता रहेगा।

कवर किए जाने वाले संस्थान

नई बदली हुई स्कीम RBI-रेगुलेटेड एंटिटीज़ की कई कैटेगरी तक अपना कवरेज बढ़ाती है, जिसमें शामिल हैं,

- शेड्यूल्ड और कमर्शियल बैंक।
- योग्य गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (NBFCs)।
- प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (PPI) जारी करने वाले।
- क्रेडिट सूचना कंपनियाँ (CICs)।

इस बड़े कवरेज से ज़्यादा फाइनेंशियल कंज्यूमर्स को सिंगल और स्टैंडर्ड शिकायत निवारण सिस्टम का इस्तेमाल करने में भी मदद मिलती है।

शिकायत प्रोसेस कैसे काम करता है?

नए फ्रेमवर्क में शिकायत दर्ज करने के लिए साफ़ स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस बताया गया है।

स्टेप 1: रेगुलेटेड एंटिटी से संपर्क करें

कस्टमर्स को सबसे पहले अपनी शिकायत संबंधित बैंक, NBFC, PPI जारी करने वाली कंपनी या क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी को देनी होगी।

स्टेप 2: जवाब का इंतज़ार करें

अगर एंटिटी,

- 30 दिनों के अंदर (या RBI, NPCI, या लागू कार्ड नेटवर्क नियमों द्वारा तय ज़्यादा समय के अंदर) जवाब नहीं देता है, या
- वह जवाब देता है जो ग्राहक को ठीक नहीं लगता,

तो शिकायत को आगे बढ़ाया जा सकता है।

स्टेप 3: RBI लोकपाल से संपर्क करें

कस्टमर फ़ाइनल जवाब मिलने के 90 दिनों के अंदर या जवाब का समय खत्म होने के बाद RBI ओम्बड्समैन के पास शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

यह स्ट्रक्चर्ड प्रोसेस रेगुलेटेड एंटिटीज़ को शिकायतों को पहले लेवल पर हल करने के लिए बढ़ावा देता है, साथ ही अनसुलझे मामलों के लिए इंडिपेंडेंट रास्ता पक्का करता है।

नई योजना की मुख्य विशेषताएं

रिवाइज्ड इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम में कई ज़रूरी सुधार किए गए हैं, जैसे,

- एक राष्ट्र, एक लोकपाल फ्रेमवर्क।
- पूरे भारत में एक जैसी शिकायत हैंडलिंग।
- बिना किसी खर्च के शिकायत का समाधान।
- बिना विरोध के विवाद सुलझाने की प्रक्रिया।
- शिकायतों की जांच में डिप्टी ओम्बड्समैन की भूमिका बढ़ाई गई।
- शिकायतों के लिए साफ़ तौर पर तय मेंटेनेंस क्राइटेरिया।
- ऑनलाइन और आसान शिकायत दर्ज करने का प्रोसेस।

RBI ने कस्टमर्स को नए फ्रेमवर्क को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के लिए एक डिटेल्ड अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (FAQ) डॉक्यूमेंट भी जारी किया है।

नए फ्रेमवर्क के तहत मुआवज़ा

जहां लोकपाल को सेवा में कमी मिलती है, तो वह,

- रेगुलेटेड एंटिटी को करेक्टिव एक्शन लेने का निर्देश देता है।
- और फाइनेंशियल नुकसान के लिए मुआवजा दें।

मुआवज़े की सीमाएँ हैं,

- इसके बाद हुए फ़ाइनेंशियल नुकसान के लिए ₹ 30 लाख तक का मुआवज़ा।
- समय की हानि, खर्च, परेशानी और मानसिक परेशानी के लिए ₹ 3 लाख तक का मुआवजा।

नए EPF विड्रॉल नियम 2026: 3-दिन में क्लेम सेटलमेंट, 25% बैलेंस नियम, ऑनलाइन प्रोसेस और EPFO के नए बदलाव

एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइज़ेशन (EPFO) ने अपने नए EPFO 3.0 डिजिटल इनिशिएटिव के तहत बड़े सुधार किए हैं, और प्रोविडेंट फंड (PF) विड्रॉल को तेज़, आसान और डिजिटल बना दिया है। ये EPF विड्रॉल रूल्स 2026 कुछ बदलाव लाएंगे। o ज़रूरी बदलावों में 3-दिन में क्लेम सेटलमेंट, ₹ 5 लाख की ज़्यादा ऑटो-प्रोसेसिंग लिमिट, आसान विड्रॉल कैटेगरी, और 25 % मिनिमम बैलेंस रखने का नियम शामिल हैं। नए EPF विड्रॉल रूल्स 2026 के बारे में आपको जो कुछ भी जानना चाहिए, वह सब यहाँ है।

नए EPF विड्रॉल नियम 2026 क्या हैं?

EPFO ने पैसे निकालने के प्रोसेस को आसान बना दिया है, जिसमें कई तरह की पैसे निकालने की कैटेगरी की जगह एक आसान स्ट्रक्चर और बढ़ी हुई डिजिटल सर्विस दी गई हैं।

इस नए फ्रेमवर्क का मकसद पार्शियल विड्रॉल को आसान बनाना है, साथ ही यह पक्का करना है कि कर्मचारी रिटायरमेंट या फाइनल सेटलमेंट तक अपनी रिटायरमेंट सेविंग्स का कुछ हिस्सा अपने पास रखें।

ईपीएफ निकासी नियम 2026 की मुख्य बातें

3 दिन में ऑनलाइन क्लेम सेटलमेंट

आधार-लिंक्ड और वेरिफाइड KYC वाले एलिजिबल ऑनलाइन PF एडवांस क्लेम अब सिर्फ़ तीन वर्किंग डेज़ में प्रोसेस हो जाएंगे, और इससे पहले का प्रोसेसिंग टाइम, जो लगभग 7 से 20 दिन का होता था, काफ़ी कम हो जाएगा।

अनिवार्य 25% शेष राशि प्रतिधारण

नए नियमों के अनुसार, कर्मचारियों को नौकरी में रहते हुए अपने कुल EPF बैलेंस का कम से कम 25% अपने पास रखना होगा।

12 महीने की वर्दी सेवा की आवश्यकता

पहले , अलग-अलग विड्रॉल के मकसद के लिए लगभग 3 से 7 साल की सर्विस ज़रूरी होती थी; अब ज़्यादातर पार्शियल विड्रॉल बेनिफिट्स EPF मेंबरशिप के 12 महीने पूरे होने पर मिलते हैं और इससे सिस्टम ज़्यादा एम्प्लॉई-फ्रेंडली हो गया है।

तीन सरलीकृत निकासी श्रेणियाँ

13 से ज़्यादा अलग-अलग विड्रॉल कारणों को अब तीन आसानी से समझ में आने वाली कैटेगरी में मिला दिया गया है, जो हैं,

- आवश्यक आवश्यकताएं
- आवास की ज़रूरतें
- विशेष परिस्थितियाँ

ऑटो-सेटलमेंट लिमिट बढ़ाकर ₹ 5 लाख की गई

ऑटोमैटिक ऑनलाइन क्लेम प्रोसेसिंग की लिमिट भी ₹ 1 लाख से बढ़ाकर ₹ 5 लाख कर दी गई है, इससे इस रकम से कम के एलिजिबल क्लेम बिना किसी मैनुअल वेरिफिकेशन के सेटल किए जा सकते हैं।

तीन नई EPF निकासी श्रेणियां

1. ज़रूरी ज़रूरतें

इस कैटेगरी में ज़रूरी पर्सनल और फ़ैमिली ज़रूरतें शामिल हैं।

चिकित्सा के खर्चे

मेंबर्स अपने या अपने परिवार के करीबी सदस्यों के इलाज के लिए निकाले जा सकने वाले बैलेंस का 100% तक निकाल सकते हैं (ज़रूरी 25% बैलेंस रखना होगा)। मेडिकल क्लेम की संख्या पर कोई रोक नहीं है।

शिक्षा

कर्मचारी अपनी EPF मेंबरशिप के दौरान पढ़ाई से जुड़े 10 पैसे तक निकाल सकते हैं। एलिजिबल मेंबर 12 महीने की सर्विस पूरी करने के बाद निकाले जा सकने वाले बैलेंस का 100% तक निकाल सकते हैं।

शादी

मेंबर अपने करियर के दौरान शादी के खर्च के लिए पांच बार तक पैसे निकाल सकते हैं, लेकिन यह एलिजिबिलिटी शर्तों पर निर्भर करता है।

2. आवास से संबंधित ज़रूरतें

कर्मचारी अपनी EPF सेविंग्स निकाल सकते हैं,

- भूमि क्रय करना
- घर खरीदना
- घर निर्माण
- घर का नवीनीकरण
- गृह ऋण चुकौती

मेंबर्स अपनी EPF मेंबरशिप के दौरान 12 महीने की सर्विस पूरी होने के बाद पांच बार तक हाउसिंग एडवांस भी क्लेम कर सकते हैं।

3. विशेष परिस्थितियाँ

इस कैटेगरी में ऐसी स्थितियाँ शामिल हैं,

- वित्तीय कठिनाई
- कारखाने बंद
- EPFO सेंट्रल बोर्ड द्वारा घोषित इमरजेंसी

एलिजिबल मेंबर हर फाइनेंशियल ईयर में कुल दो बार तक पैसे निकाल सकते हैं।

नए 25% मिनिमम बैलेंस नियम को समझना

EPF स्कीम 2026 के तहत बड़े सुधारों में से एक ज़रूरी रिटायरमेंट सेविंग्स प्रोटेक्शन सिस्टम की शुरुआत है।

कर्मचारी किसी सर्विस में काम करते समय अपना पूरा EPF बैलेंस नहीं निकाल सकते।

उदाहरण

अगर आपका कुल EPF बैलेंस ₹ 4 लाख है,

- EPF में रहने के लिए मिनिमम बैलेंस: ₹ 1 लाख (25%)
- विड्रॉल के लिए ज़्यादा से ज़्यादा अमाउंट: ₹ 3 लाख (75%)

बचा हुआ 25% हिस्सा रिटायरमेंट या किसी फ़ाइनल सेटलमेंट तक EPF पर ब्याज़ कमाता रहता है।

ईपीएफ निकासी के लिए ऑनलाइन आवेदन कैसे करें

सदस्य EPFO सदस्य ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से अपने ऑनलाइन दावे जमा कर सकते हैं।

स्टेप 1

अपने पासवर्ड का इस्तेमाल करके लॉग इन करें,

- यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन)
- पासवर्ड
- कॅप्चा

चरण दो

वेरिफ़ाई करें कि आपका KYC पूरा हो गया है।

और पक्का करें कि नीचे दी गई चीज़ें मंज़ूर हैं,

- **आधार**
- **कड़ाही**
- **बैंक खाता**

चरण 3

जाओ,

ऑनलाइन सर्विसेज़ → क्लेम (फॉर्म 31, 19, 10C और 10D)

चरण 4

यूज़र का रजिस्टर्ड बैंक अकाउंट वेरिफ़ाई करें।

चरण 5

PF एडवांस (फॉर्म 31) चुनें।

चरण 6

विड्रॉल कैटेगरी चुनें और अपनी एलिजिबल विड्रॉल लिमिट के अंदर टोटल ज़रूरी अमाउंट डालें।

चरण 7

रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजे गए आधार OTP का इस्तेमाल करके एप्लीकेशन को ऑथेंटिकेट करें।

एक बार वेरिफ़ाई हो जाने पर , आपका ऑनलाइन क्लेम सबमिट कर दिया जाएगा।

बेरोज़गारी और फ़ाइनल विड्रॉल के नियम

इन बदले हुए EPF नियमों में नौकरी छोड़ने के बाद पैसे निकालने के बारे में भी साफ़ किया गया है।

एक महीने की बेरोज़गारी के बाद

कर्मचारी अपने EPF बैलेंस का 75% तक निकाल सकते हैं।

12 महीने की लगातार बेरोज़गारी के बाद

बाकी 25% भी फाइनल सेटलमेंट के ज़रिए निकाला जा सकता है।

पूर्ण ईपीएफ निकासी

सदस्य इन मामलों में अपने EPF कॉर्पस का कुल 100% निकाल सकते हैं, **जैसे,**

- सेवानिवृत्ति (आयु 55-58, जैसा लागू हो)
- स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस)
- स्थायी विकलांगता
- स्थायी विदेशी प्रवास

नए EPFO 3.0 सुधारों के फ़ायदे

नए EPFO सुधारों से कर्मचारियों को कई फ़ायदे मिलेंगे,

- ऑनलाइन क्लेम सेटलमेंट तेज़ी से होगा।
- इससे आधार-बेस्ड वेरिफिकेशन के ज़रिए पेपरवर्क कम हो जाएगा।
- सिर्फ़ एक साल की सर्विस के बाद PF सेविंग्स तक आसान एक्सेस।
- ₹ 5 लाख की ज़्यादा ऑटोमैटिक प्रोसेसिंग लिमिट।
- कम कैटेगरी के साथ आसान विड्रॉल नियम।
- ज़रूरी बैलेंस बनाए रखने से रिटायरमेंट सेविंग्स की बेहतर सुरक्षा।

Test Prime By Adda247

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

Test. Analyze. Improve. Repeat.

Don't just prepare. Perform.

Test Prime – built only for mock tests.

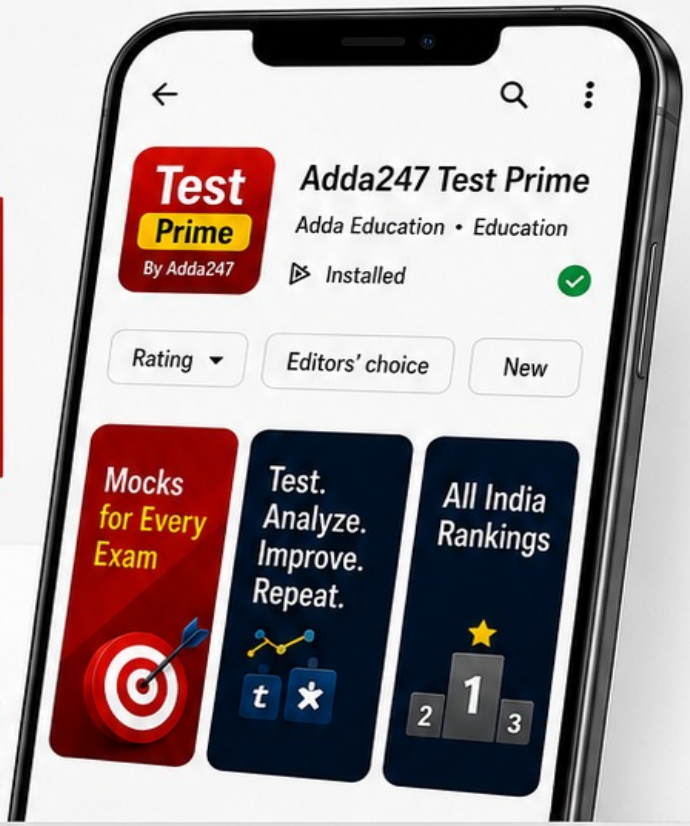

1,50,000+ Mock Tests

25,000+ Previous Year Papers

800+ Exam Covered

500% Refund on Selection

5 lakh+ Free Quizzes

Daily Free PDFs

Top Alerts Stay Updated

WHY TEST PRIME?

- Multilingual
- Strong and Weak Areas
- Detailed Solution
- All India Rankings

- Safe & Reliable
- Trusted by Lakhs of Aspirants
- Your Success, Our Mission

DOWNLOAD TEST PRIME

Your Success Partner!

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

राष्ट्रीय समाचार

कैबिनेट की मंज़ूरी

1. कैबिनेट ने मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (MPMS) को मंज़ूरी दी
यूनियन कैबिनेट ने भारत के मोबाइल फ़ोन मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए ₹ 62,500 करोड़ के कुल खर्च के साथ मोबाइल फ़ोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (MPMS) को मंज़ूरी दी है। यह पाँच साल की स्कीम FY 2026-27 से FY 2030-31 तक चलेगी। इसमें एलिजिबल बिक्री पर 2.25% से 5% तक के इंसेंटिव दिए जाएँगे , साथ ही ज़रूरी कंपोनेंट्स की घरेलू सोर्सिंग और भारतीय ब्रांड्स द्वारा डिज़ाइन और R&D एक्टिविटीज़ के लिए एक्स्ट्रा इंसेंटिव भी दिए जाएँगे। इस पहल का मकसद घरेलू वैल्यू एडिशन को बढ़ाना, सप्लाई चेन को मज़बूत करना, एक्सपोर्ट बढ़ाना और भारत को ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर स्थापित करना है। इस स्कीम के तहत, भारत से उम्मीद है कि इसके लागू होने के समय में वह ₹ 39 लाख करोड़ का मोबाइल फ़ोन प्रोडक्शन करेगा और लगभग 60,000 सीधी नौकरियाँ पैदा करेगा।

2. कैबिनेट ने ₹ 1.27 लाख करोड़ के परिव्यय के साथ सेमीकॉन 2.0 को मंज़ूरी दी
केंद्रीय कैबिनेट ने भारत के सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास में तेज़ी लाने के लिए ₹ 1,27,500 करोड़ के फ़ाइनेंशियल खर्च के साथ सेमीकॉन 2.0 को मंज़ूरी दी है। यह प्रोग्राम छह पिलर्स पर फ़ोकस करता है—चिप डिज़ाइन, मैन्युफैक्चरिंग इक्विपमेंट और मटीरियल, फ़ैब्रिकेशन यूनिट्स (fabs), ATMP/OSAT फ़ैसिलिटीज़, रिसर्च और डेवलपमेंट, और टैलेंट डेवलपमेंट। इसका मकसद सेमीकॉन 1.0 की सफलता को आगे बढ़ाना है , जिसके तहत ₹ 1.64 लाख करोड़ से ज़्यादा के इन्वेस्टमेंट के साथ 12 सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को पहले ही मंज़ूरी मिल चुकी है। इस पहल का मकसद भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब के तौर पर स्थापित करना है, साथ ही टेक्नोलॉजिकल आत्मनिर्भरता, सप्लाई चेन में लचीलापन और एडवांस्ड चिप मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को मज़बूत करना है।

3. कैबिनेट ने ओडिशा और झारखंड में दो रेलवे मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी
कैबिनेट कमिटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (CCEA) ने ओडिशा और झारखंड में ₹ 3,907 करोड़ के दो रेलवे मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी है। इन प्रोजेक्ट्स में पारादीप – हरिदासपुर डबलिंग और राजखरसावां – डांगोआपोसी चौथी लाइन शामिल हैं, जिससे रेलवे नेटवर्क में लगभग 145 km की बढ़ोतरी होगी। 2030-31 तक पूरा होने वाले इन प्रोजेक्ट्स से लगभग 14 लाख की आबादी वाले लगभग 1,526 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी , माल ढुलाई की क्षमता 44 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) बढ़ेगी , लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी, और PM गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत ऑपरेशनल एफिशिएंसी को बढ़ाते हुए कार्बन एमिशन में कटौती होगी।

4. कैबिनेट ने यूरिया के लिए राष्ट्रीय निवेश नीति-2026 (एनआईपीयू-2026) को मंज़ूरी दी
CCEA ने गैस-बेस्ड यूरिया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स में नए इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने और भारत की फर्टिलाइजर सेल्फ-सफिशिएंसी को मजबूत करने के लिए यूरिया-2026 (NIPU-2026) के लिए नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी को मंज़ूरी दी। पहले की NIP-2012 की जगह, इस पॉलिसी में अलग-अलग फिक्स्ड और वेरिएबल कॉस्ट कैलकुलेशन, 12% से 16% का रिटर्न ऑन इक्विटी (RoE) बैंड और फॉरेन एक्सचेंज रिस्क को कम करने के उपाय जैसे खास सुधार किए गए हैं। सरकार का अनुमान है कि नए फ्रेमवर्क के तहत हर प्लांट पर ₹ 250 करोड़ से ज़्यादा की बचत होगी। इस पॉलिसी का मकसद नई घरेलू प्रोडक्शन यूनिट्स की स्थापना को बढ़ावा देकर यूरिया इंपोर्ट पर भारत की निर्भरता को कम करना है।

5. कैबिनेट ने केमिकल पार्कों के लिए भव्य रसायन योजना को मंज़ूरी दी
यूनियन कैबिनेट ने पूरे भारत में तीन खास केमिकल पार्क बनाने के लिए ₹ 3,030 करोड़ के फाइनेंशियल खर्च के साथ भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (BHAVYA रसायन) को मंज़ूरी दी है। FY 2026-27 से FY 2030-31 तक लागू होने वाली इस योजना में , केंद्र हर पार्क के लिए ₹ 1,000 करोड़ तक की ग्रांट देगा, जबकि राज्य कम से कम ₹ 500 करोड़ का योगदान देंगे। हर पार्क कम से कम 2,000 एकड़ में फैला होगा और इसमें एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, खतरनाक वेस्ट मैनेजमेंट सुविधाएं, लॉजिस्टिक्स हब, स्टीम नेटवर्क और पानी सप्लाई सिस्टम जैसे कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर होंगे। इस योजना का मकसद भारत के केमिकल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करना, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देना, इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करना और रोजगार पैदा करना है।

6. कैबिनेट ने बल्लारी- गुंटकल रेलवे मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना को मंज़ूरी दी
आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बल्लारी और गुंटकल के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन को मंज़ूरी दी है , जिसकी अनुमानित लागत ₹ 1,264 करोड़ है। इस प्रोजेक्ट से रेलवे नेटवर्क में लगभग 46 km और जुड़ जाएगा और इसके 2028-29 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे लगभग 7 लाख की आबादी वाले लगभग 99 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी , मिनरल और इंडस्ट्रियल सामानों का ट्रांसपोर्टेशन आसान होगा, माल ढुलाई में 16.22 MTPA की बढ़ोतरी होगी , और फ्यूल की खपत और कार्बन एमिशन कम होगा, साथ ही ऑपरेशनल एफिशिएंसी में भी सुधार होगा।

7. कैबिनेट ने 'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना को मंज़ूरी दी
यूनियन कैबिनेट ने भारत के ऑफशोर तेल और गैस एक्सप्लोरेशन को बढ़ाने के लिए ₹ 84,084 करोड़ के कुल खर्च के साथ 'समुद्र मंथन' , नेशनल ऑफशोर एक्सप्लोरेशन स्कीम को मंज़ूरी दी है। इस स्कीम में बड़े पैमाने पर सिस्मिक सर्वे, गहरे पानी में ड्रिलिंग, साइंटिफिक एक्सप्लोरेशन, ऑफशोर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और एक इंटीग्रेटेड तेल और गैस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाना शामिल है। इसका मकसद 600 मिलियन मीट्रिक टन तेल के बराबर (MMTOE) से ज़्यादा के ऑफशोर एनर्जी रिज़र्व को अनलॉक करना, भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मज़बूत करना, घरेलू प्रोडक्शन को बढ़ावा देना, रोज़गार पैदा करना और विकसित भारत के विज़न के मुताबिक एडवांस्ड ऑफशोर टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना है।

खेलो इंडिया योजना को मंज़ूरी दी

यूनियन कैबिनेट ने 2026-27 से 2030-31 के लिए ₹ 36,441 करोड़ के कुल खर्च के साथ नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन (ANSF) को ज़्यादा मदद के साथ एक नई खेलो इंडिया स्कीम को मंज़ूरी दी। यह बड़ा प्रोग्राम ज़मीनी स्तर से लेकर एलीट कॉम्पिटिशन तक एथलीट डेवलपमेंट का एक बड़ा रास्ता दिखाता है, एथलीट सपोर्ट इकोसिस्टम को काफ़ी बढ़ाता है, खेलो इंडिया फीडर स्कूल और खेलो इंडिया उत्कृष्ट विद्यालयों के ज़रिए स्कूली खेलों को मज़बूत करता है , और कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटरनेशनल एक्सपोज़र को बढ़ाता है। इस पहल का मकसद भारत को भविष्य के ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट्स के लिए तैयार करना है, जिसमें 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और देश की ओलंपिक महत्वाकांक्षाएं शामिल हैं।

9. कैबिनेट ने पीएम-किसान योजना को जारी रखने की मंज़ूरी दी

केंद्रीय कैबिनेट ने ₹ 3.15 लाख करोड़ के फाइनेंशियल खर्च के साथ 2026-27 से 2030-31 तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) स्कीम को जारी रखने की मंज़ूरी दे दी है। इस स्कीम के तहत, योग्य किसान परिवारों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के ज़रिए तीन किश्तों में हर साल ₹ 6,000 मिलते रहेंगे। 2019 में लॉन्च होने के बाद से , इस स्कीम ने किसानों के बैंक अकाउंट में सीधे ₹ 4.47 लाख करोड़ से ज़्यादा ट्रांसफर किए हैं, जिससे लेटेस्ट किश्त के तहत 9.49 करोड़ से ज़्यादा किसानों को फ़ायदा हुआ है। इसे जारी रखने का मकसद किसानों की इनकम को मज़बूत करना, खेती में निवेश को सपोर्ट करना और गांवों की फाइनेंशियल स्थिरता को बेहतर बनाना है।

10. कैबिनेट ने प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई) को मंज़ूरी दी

यूनियन कैबिनेट ने एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के साथ जुड़े फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक (FSPV) प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए ₹ 5,070 करोड़ के कुल खर्च के साथ प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (PM-SSY) को मंज़ूरी दी है। इस स्कीम का टारगेट FY 2026-27 और FY 2030-31 के बीच 5,000 MW फ्लोटिंग सोलर कैपेसिटी के साथ 10,000 MWh एनर्जी स्टोरेज लगाना है। यह हर MW के लिए ₹ 1 करोड़ की सेंट्रल फाइनेंशियल मदद और फीजिबिलिटी स्टडीज़ के लिए एक्स्ट्रा मदद देता है। इस पहल का मकसद रिन्यूएबल एनर्जी बनाने के लिए जलाशयों और पानी की जगहों का इस्तेमाल करना, हर साल लगभग 10 मिलियन टन CO_2 एमिशन कम करना, 16,000-17,000 नौकरियां बनाना और भारत के क्लीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना है।

जुलाई महीने की राज्यवार महत्वपूर्ण घटनाएँ

आंध्र प्रदेश

- **श्रीकाकुलम ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट** : इसे UDAN स्कीम के तहत AAI-APADC द्वारा 1,383 एकड़ ज़मीन पर दो फेज़ में बनाया जाएगा, जो भोगापुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का साथ देगा।
- **पिल्लाले संपदा पहल** : संतुलित जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई; इसमें तल्लिकी शामिल है वंदनम स्कीम (हर बच्चे के लिए ₹ 15,000), स्वर्ण आंध्र 2047 विजन से जुड़ी है।
- **कॉमन ज़ोनिंग रेगुलेशन (CZR) 2026** : लैंड-यूज़ कैटेगरी को 16 से घटाकर 9 कर दिया गया है; नेगेटिव-लिस्ट ज़ोनिंग तरीका शुरू किया गया है।
- **मी भूमि–ब्लॉकचेन पायलट प्रोजेक्ट** : 7 मंडलों और 89 री-सर्वे गांवों में ज़मीन के रिकॉर्ड को मॉडर्न बनाने के लिए NIC के ज़रिए हाइपरलेजर फैब्रिक का इस्तेमाल करता है।
- **अल्लूरी सीताराम राजू इंटरनेशनल एयरपोर्ट, भोगापुरम** : PM मोदी ने उद्घाटन किया (1 Aug 2026); ₹ 5,000 करोड़, GMR ग्रुप ने बनाया; कमर्शियल ऑपरेशन 17 Aug 2026 से; पहले फेज़ की कैपेसिटी 6 मिलियन पैसेंजर/साल।

अरुणाचल प्रदेश

- **इमरजेंसी हेलीकॉप्टर राहत, लोअर सियांग** : स्काईवन एयरवेज एमआई-172 ने 11.5 मीट्रिक टन सामान पहुंचाया (पासीघाट – कोयू) और बाढ़/भूस्खलन के बाद 4 गंभीर मरीजों को निकाला।

असम

- **बोरजुली बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट (सोनितपुर):** ICAR-NBPGR और असम स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड के ज़रिए इन-सीटू जंगली चावल (ओरिज़ा रूफिपोगोन) के संरक्षण के लिए घोषित किया गया।
- **माचा चाय का प्रोडक्शन** : असम भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने कमर्शियली माचा का प्रोडक्शन किया है। इसे तिनसुकिया के छोटा टिंगराई टी एस्टेट में बनाया गया है और GTAC के ज़रिए नीलाम किया गया है।

बिहार

- **मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म और एयर टूरिज्म सर्विस स्कीम 2026 :** ₹ 15,422/टिकट तक की सब्सिडी ; 18 जुलाई 2026 से पटना को राजगीर, वाल्मीकिनगर , माँ मुंडेश्वरी मंदिर से जोड़ती है।

गुजरात

- **ऑपरेशन सुरक्षित साइबरस्पेस** : 28 दिन का साइबर अवेयरनेस कैंपेन (1–28 जुलाई 2026) साइबरस्टॉकिंग, फ्रॉड, हैरेसमेंट को टारगेट करके।
- **प्रोजेक्ट समर्थ** : IIT गांधीनगर में ₹ 190 करोड़ का सेमीकंडक्टर ट्रेनिंग हब, जिसका टारगेट 5 साल में 10,000 प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देना है।
- **इन्फ्लेटेबल रबर डैम (राजवासना और पाठकवाड़ी)** : साउथ कोरियन टेक, ₹ 162+ करोड़ का कुल इन्वेस्टमेंट; SCADA-ऑटोमेटेड।
- **विकसित गुजरात - डेटा सेंटर नीति 2026–29** : पूंजीगत सब्सिडी, एआई/क्लाउड/हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के लिए बिजली शुल्क समर्थन।
- **ऊंझा जीरा और सौंफ GI टैग :** ऊंझा APMC, SDAU, EDII के ज़रिए मेहसाणा ज़िले के मसालों को दिया गया।
- **ई-ज़ीरो FIR सिस्टम** : 1930 हेल्पलाइन साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों को अपने आप ई-FIR में बदलने के लिए 27 जुलाई 2026 को लॉन्च किया गया।
- **शिपबिल्डिंग और रिपेयर पॉलिसी 2026** : ₹ 27,000+ करोड़ के इन्वेस्टमेंट की उम्मीद; दो मेगा शिपबिल्डिंग पार्क और पोरबंदर ग्रीनफील्ड क्लस्टर।
- **कल्पसर प्रोजेक्ट (खंभात की खाड़ी)** : 64 km का बांध, जिससे ~13,000 MCM मीठे पानी का भंडार बनेगा; ~10 लाख हेक्टेयर में सिंचाई होगी; 2,470 MW हाइब्रिड रिन्यूएबल कैपेसिटी की योजना है।
- **पिथौरा पेंटिंग GI टैग** : राठवा आदिवासी म्यूरल आर्ट को दिया गया।

हरयाणा

- **यमुना वॉटर प्रोजेक्ट (राजस्थान के साथ)** : 30 साल का झगड़ा खत्म; सीकर, चूरू, झुंझुनू को पाइपलाइन से ~580 MCM पानी।
- **सिरसा किन्नू GI टैग** : हरियाणा का पहला फल GI टैग, खारीसुवेरियन किसान उत्पादक कंपनी को दिया गया।

हिमाचल प्रदेश

- **GI रजिस्ट्रेशन (8 नए प्रोडक्ट) :** स्पीति समेत अब कुल 17 GI टैग सीबकथॉर्न , किन्नौरी सेब, चंबा मेटल आर्ट, आदि।
- **रेगुलेटेड कैनेबिस की खेती** : NDPS अमेंडमेंट रूल्स 2026 के तहत इजाज़त देने वाला तीसरा राज्य (उत्तराखंड, MP के बाद); सिर्फ़ मेडिसिनल/साइंटिफिक इस्तेमाल के लिए।

झारखंड

- **AI पॉलिसी 2026–31** : ₹ 1,150 करोड़ का पब्लिक इन्वेस्टमेंट; ₹ 10,000+ करोड़ के प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, 50+ GCCs, 1,000 AI स्टार्टअप्स का टारगेट।
- **झारखंड फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट (JFTI)** : रांची में राज्य का पहला फिल्म इंस्टीट्यूट बनाने के लिए SRFTI के साथ MoU।

कर्नाटक

- **ड्राफ्ट कर्नाटक अपार्टमेंट (ओनरशिप और मैनेजमेंट) बिल, 2025** : RERA के साथ अलाइन; अपार्टमेंट ओनर्स काउंसिल; रीडेवलपमेंट के लिए 75% सहमति; 8+ यूनिट वाले कॉम्प्लेक्स पर लागू।
- **भारत की पहली सरकारी मदद वाली AI यूनिवर्सिटी** : CM डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु में Google I/O Connect India 2026 में इसकी घोषणा की।

महाराष्ट्र

- **भारत का पहला ऑफशोर एयरपोर्ट** : MADC द्वारा अरब सागर में पालघर के पास, उत्तान -विरार सी लिंक के पास मंज़ूर किया गया।
- **नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA)** : मुंबई और नागपुर में लेजिस्लेटिव प्रोसीडिंग्स को डिजिटाइज़ करने के लिए ₹ 48 करोड़ का प्रोजेक्ट।
- **AI-पावर्ड बर्ड सैंक्चुअरी** : AI-बेस्ड बर्ड डिटेक्शन/मॉनिटरिंग के लिए ठाणे क्रीक फ्लेमिंगो सैंक्चुअरी में ₹ 45 करोड़ का प्रोजेक्ट।
- **PM-RKVY की दूसरी किस्त : महाराष्ट्र** ₹ 335 करोड़ के शुरुआती आवंटन का 75%+ इस्तेमाल करने के बाद क्वालिफाई करने वाला पहला राज्य बना।

मध्य प्रदेश

- **सबमर ग्रुप इन्वेस्टमेंट** : स्पेन की कंपनी MP टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में $2 बिलियन (सेमीकंडक्टर फैसिलिटी + 1-GB डेटा सेंटर) इन्वेस्ट करेगी।
- **यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड (UCC) बिल 2026** : MP UCC को मंज़ूरी देने वाला चौथा राज्य बन गया (उत्तराखंड, गुजरात, असम के बाद); STs/PVTGs को छूट।

ओडिशा

- **डीप सी फिशिंग मिशन** : ब्लू इकॉनमी को बढ़ावा देने के लिए ₹ 2,295.45 करोड़ (2026–2036); 2 लाख MT अतिरिक्त मछली उत्पादन, 50,000 नौकरियों का लक्ष्य।
- **HCL टेक्नोलॉजीज AI डेटा सेंटर, भुवनेश्वर** : सर्वम AI के साथ ₹ 15,000 करोड़ का निवेश; ओडिशा सॉवरेन AI पार्क; 2028 तक 5,000 नौकरियां।
- **जगन्नाथ मंदिर ट्रेडमार्क** : SJTA ने 5 पवित्र नामों (जगन्नाथ धाम, श्री क्षेत्र, महाप्रसाद , नीलचक्र , कोइली वैकुंठ) के लिए ट्रेडमार्क हासिल किया।

राजस्थान

- **यमुना जल परियोजना (हरियाणा के साथ)** : हरियाणा प्रविष्टि देखें।
- **स्टेट वाटर प्लान 2047** : जल जीवन मिशन, AMRUT 2.0, अटल भूजल योजना को इंटीग्रेट करता है; AMRUT 2.0 के तहत ₹ 5,100 करोड़।
- **मुख्यमंत्री युवा सुयोग प्लेटफॉर्म :** बगरू और बारां में डिजिटल युवा प्लेटफॉर्म शुरू किया गया ; MY भारत प्रोग्राम के साथ इंटीग्रेटेड।
- **भारत टैक्सी कोऑपरेटिव मोबिलिटी प्लेटफॉर्म** : जयपुर में लॉन्च; देश भर में 8 लाख ड्राइवर, 41 लाख कस्टमर; ड्राइवरों के लिए ₹ 5 लाख का एक्सीडेंट इंश्योरेंस।

तेलंगाना

- **BRICS लेबर और एम्प्लॉयमेंट मिनिस्टर्स की मीटिंग** : भारत 15-16 जुलाई 2026 को हैदराबाद में 12वीं मीटिंग होस्ट कर रहा है, जिसकी अध्यक्षता मनसुख मंडाविया करेंगे।

तमिलनाडु

- **सबसे ज़्यादा ग्रॉस एनरोलमेंट रेश्यो (GER)** : हायर एजुकेशन में 52.3% (2023–24) बनाम नेशनल एवरेज 30%; महिला GER 53.1%।
- **सिक्योर आवर सिटी (SOC) कैंपेन, चेन्नई : सभी 5 फेज़ पूरे;** सिक्योरकैम इंडिया के ज़रिए फ्री CCTV इंस्टॉलेशन।
- **मदुरै बरगद का पेड़ : 107वां जन्मदिन मनाया गया;** मीनाक्षीपुरम में सौ साल पुराना आखिरी पेड़।

उत्तराखंड

- **छठा पूर्ण साक्षर राज्य** : उल्लास कार्यक्रम / एनईपी 2020 के तहत, मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा, एचपी, सिक्किम में शामिल।
- **GI प्रोडक्ट्स गैलरी, हल्द्वानी** : पहली ऐसी गैलरी; जिसमें 30+ GI प्रोडक्ट्स (मुनस्यारी सफेद राजमा, बेरीनाग चाय, वगैरह) दिखाए गए हैं।
- **हाथी रेडियो-कॉलरिंग** : हरिद्वार कुंभ मेला 2027 से पहले WII का सहयोग; राजाजी-कॉर्बेट लैंडस्केप स्टडी।

उतार प्रदेश।

- **स्टार्टअप पॉलिसी 2026** : ₹ 1,000 करोड़ का स्टार्टअप फंड; ₹ 15 लाख की सीड फंडिंग; 2030 तक $1 ट्रिलियन की इकॉनमी का टारगेट।
- **डेटा सेंटर पॉलिसी 2026** : ₹ 2 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट, 2 GW कैपेसिटी का टारगेट; बुंदेलखंड/ पूर्वांचल के लिए इंसेंटिव।
- **जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी कर दिया गया** : भगवान परशुराम के जन्मस्थान से जुड़े होने का हवाला देते हुए शाहजहांपुर शहर का नाम बदल दिया गया।
- **सबसे ज़्यादा साइबर फ्रॉड की शिकायतें** : UP में H1 2026 में 1.85 लाख शिकायतें (देश में सबसे ज़्यादा) रिपोर्ट की गईं।
- **कौशल सेतु और कौशल सारथी** : ट्रेनिंग सेंटर रजिस्ट्रेशन को डिजिटाइज़ करता है और स्टूडेंट्स को जॉब से जोड़ता है; AI/रोबोटिक्स/टेक्सटाइल पार्टनरशिप।

जुलाई महीने के लॉन्च और उद्घाटन:

- कानून और न्याय मंत्रालय ने नोटरी पोर्टल पर फ्रेश एप्लीकेशन मॉड्यूल लॉन्च किया है, ताकि योग्य वकील और कानूनी पेशेवर नोटरी एक्ट, 1952 और नोटरी रूल्स, 1956 के तहत नोटरी पब्लिक के तौर पर अपॉइंटमेंट के लिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकें। नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (NIC) के साथ मिलकर बनाया गया यह पोर्टल पेपरलेस एप्लीकेशन , ऑटोमेटेड स्क्रूटनी , रियल-टाइम ट्रैकिंग और ट्रांसपेरेंट प्रोसेसिंग देता है, जिससे देरी और कागजी कार्रवाई कम होती है। एप्लीकेशन खाली जगहों और इलाके की ज़रूरतों के आधार पर मंगाए जाएंगे। यह पहल देश भर में एफिशिएंसी , एक्सेसिबिलिटी , ट्रांसपेरेंसी , अकाउंटेबिलिटी में सुधार और कानूनी एडमिनिस्ट्रेशन को मॉडर्न बनाकर डिजिटल इंडिया को मजबूत करती है।
- नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (NHA) ने आयुष्मान भारत PM-JAY के तहत सर्विसेज़ तक पहुंच को आसान बनाने के लिए WhatsApp पर आधारित चैटबॉट आयुष्मान सारथी लॉन्च किया है। बेनिफिशियरी एलिजिबिलिटी वेरिफाई कर सकते हैं, आयुष्मान कार्ड के लिए अप्लाई और डाउनलोड कर सकते हैं, e-KYC पूरा कर सकते हैं , आधार लिंक कर सकते हैं , पैनल वाले हॉस्पिटल ढूंढ सकते हैं , शिकायतों को ट्रैक कर सकते हैं और सिक्योर API इंटीग्रेशन के ज़रिए फीडबैक दे सकते हैं। चैटबॉट 24×7 काम करता है, जिससे सरकारी ऑफिसों पर डिपेंडेंस कम होती है और सर्विस डिलीवरी तेज़ और ट्रांसपेरेंट होती है। यह पहल डिजिटल इंडिया , पेपरलेस गवर्नेंस , बेहतर हेल्थकेयर एक्सेसिबिलिटी, कुशल एडमिनिस्ट्रेशन और देश भर के लाखों बेनिफिशियरी के लिए नागरिक-केंद्रित डिजिटल हेल्थकेयर सर्विसेज़ को बढ़ावा देती है।
- भारत सरकार ने समग्र योजना शुरू की शिशु बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (SSBSK) नवजात और बचपन की हेल्थ सर्विस को मिलाकर जन्म से 36 महीने तक के बच्चों के लिए हेल्थकेयर को मज़बूत करता है। यह प्रोग्राम कम वज़न वाले , कुपोषित , समय से पहले जन्मे और विकास में कमज़ोर बच्चों को प्राथमिकता देता है , इसके लिए ज़्यादा होम विज़िट, शुरुआती स्क्रीनिंग, रेगुलर मॉनिटरिंग और फ्रंटलाइन वर्कर समय पर रेफ़रल करते हैं। यह न्यूट्रिशन , ब्रेस्टफीडिंग , बच्चों के विकास और स्क्रीन एक्सपोज़र को कम करने के बारे में जागरूकता भी बढ़ाता है। डिजिटल हेल्थ प्लेटफ़ॉर्म के साथ इंटीग्रेशन से लगातार मॉनिटरिंग हो पाती है, जिसका मकसद बच्चों के बचने की क्षमता, स्वस्थ विकास और कम्युनिटी-बेस्ड हेल्थकेयर डिलीवरी को बेहतर बनाना है।
- भारत सरकार ने समुद्री और साइबर सिक्योरिटी को मज़बूत करने के लिए पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज़ मिनिस्ट्री के तहत ब्यूरो ऑफ़ पोर्ट सिक्योरिटी (BoPS) बनाया है। ब्यूरो ऑफ़ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) की तरह , BoPS , पोर्ट और शिप सिक्योरिटी के लिए डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ़ मैरीटाइम एडमिनिस्ट्रेशन (DGMA) के तहत काम करेगा। CISF को सिक्योरिटी असेसमेंट, प्लानिंग और ट्रेनिंग के लिए रिकॉग्नाइज़्ड सिक्योरिटी ऑर्गनाइज़ेशन बनाया गया है। यह पहल भारत के ज़रूरी समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर की निगरानी, इंटेलिजेंस शेयरिंग, साइबर रेजिलिएंस, रेगुलेटरी कम्प्लायंस और सुरक्षा को बढ़ाती है।
- भारत टैक्सी को गुजरात में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 27 जून 2026 को " सहकार से समृद्धि" के विज़न के तहत एक कोऑपरेटिव-बेस्ड राइड-हेलिंग प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर लॉन्च किया था। प्राइवेट एग्रीगेटर्स के उलट, ड्राइवर (सारथी) शेयरहोल्डर बन जाते हैं, जिससे ओनरशिप, ज़्यादा कमाई, इंश्योरेंस, लोन, वेलफेयर और ट्रांसपेरेंसी पक्की होती है। यह प्लेटफ़ॉर्म टू-व्हीलर, ऑटो-रिक्शा और टैक्सियों को सपोर्ट करता है। 7 लाख से ज़्यादा सारथी और 37 लाख कस्टमर पहले ही इससे जुड़े हुए हैं। शुरुआत में गुजरात में लॉन्च किया गया, इसका मकसद 31 जुलाई तक सात शहरों और दो साल के अंदर 500+ शहरों में बड़े कोऑपरेटिव और ट्रांसपोर्ट इंस्टीट्यूशन के सपोर्ट से इसे बढ़ाना है।
- गुजरात ने 28 जून 2026 को मैटरनल और चाइल्ड वेलफेयर को मज़बूत करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर PM फैमिली केयर ट्रैकर (PM-FCT) और हेल्थ पासपोर्ट लॉन्च किया। यह डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रेग्नेंसी से लेकर 16-18 साल तक के बेनिफिशियरीज़ को ट्रैक करता है , जिसमें हेल्थ , एजुकेशन , न्यूट्रिशन , बर्थ और डेथ रजिस्ट्रेशन और वेलफेयर डेटाबेस को इंटीग्रेट किया गया है। यह छूटे हुए वैक्सीनेशन और स्कूल छोड़ने वालों के लिए ऑटोमैटिक अलर्ट जेनरेट करता है , जिससे समय पर सरकारी दखल दिया जा सके। जुड़े हुए डिपार्टमेंट में हेल्थ , महिला और बाल विकास और एजुकेशन शामिल हैं। Viksit Gujarat @2047 और Viksit India @2047 को सपोर्ट करते हुए , यह इंटीग्रेटेड डिजिटल गवर्नेंस और वेलफेयर डिलीवरी की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने e-Sushrut@Clinic लॉन्च किया है। यह एक क्लाउड-बेस्ड हॉस्पिटल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (HMIS) है जिसे C-DAC ने प्राइमरी हेल्थ सेंटर , सब- सेंटर और छोटे आउटपेशेंट क्लीनिक के लिए बनाया है। 29 जून 2026 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने इसे लॉन्च किया। यह मरीज़ों के रजिस्ट्रेशन , बिलिंग , MIS रिपोर्टिंग को डिजिटाइज़ करता है और क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट के साथ स्पीच-टू-टेक्स्ट डॉक्यूमेंटेशन देता है। क्लाउड होस्टिंग और SMS सर्विस के ज़रिए नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (NHA) से सपोर्टेड , यह हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री (HPR) और हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (HFR) के साथ इंटीग्रेट होता है। 800 से ज़्यादा हेल्थ फैसिलिटी पहले ही इसमें शामिल हो चुकी हैं।
- भारत सरकार ने डिजिटल गवर्नेंस को मज़बूत करने के लिए 30 जून 2026 को FCRA 2.0 पोर्टल और ई-ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ़ इंडिया (e-OCI) कार्ड लॉन्च किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किया गया FCRA 2.0 पोर्टल ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, रिन्यूअल, कम्प्लायंस मॉनिटरिंग, आधार ऑथेंटिकेशन , ई-सिग्नेचर, OCR वेरिफिकेशन और PAN , NGO दर्पण और UDIN के साथ इंटीग्रेशन को मुमकिन बनाता है। ई- OCI कार्ड मौजूदा OCI कार्ड की वैलिडिटी बनाए रखते हुए ऑनलाइन अपडेट और डिजिटल रिकॉर्ड के ज़रिए ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ़ इंडिया सर्विसेज़ को डिजिटाइज़ करता है, जिससे ट्रांसपेरेंसी, एफिशिएंसी और नागरिक-केंद्रित गवर्नेंस में सुधार होता है।
- केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश से पूरे देश में विकसित भारत – G-RAM G एक्ट लॉन्च किया , जिसमें हर योग्य ग्रामीण परिवार के लिए हर साल 125 दिन की मज़दूरी वाली नौकरी की कानूनी गारंटी दी गई है। पिछली 100-दिन की रोज़गार गारंटी की जगह, यह स्कीम काम न मिलने पर बेरोज़गारी भत्ता देती है। केंद्र पहले साल में ₹ 95,000 करोड़ से ज़्यादा का योगदान देगा, जिसमें ₹ 7.5 लाख करोड़ का लंबे समय का निवेश होगा। ग्राम सभाएँ डेवलपमेंट प्लानिंग को लीड करेंगी, जबकि आंध्र प्रदेश को ₹ 7,707 करोड़ , 74,212 PMAY-G घर और बड़े PMGSY-IV इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट मिले।

- UIDAI ने आधार ऐप के ज़रिए एक फ़्री ईमेल अपडेट सर्विस शुरू की है, जिससे यूज़र्स आधार सेवा केंद्र जाए बिना डिजिटली अपनी ईमेल ID जोड़ या अपडेट कर सकते हैं। 1 जुलाई 2026 से छह महीने के लिए फ़्री में उपलब्ध यह सर्विस, आधार ऑथेंटिकेशन के लिए रियल-टाइम नोटिफ़िकेशन भेजकर सुविधा, सुरक्षा और ट्रांसपेरेंसी बढ़ाती है। दो दिनों के अंदर, 2.5 लाख से ज़्यादा यूज़र्स ने अपनी ईमेल ID अपडेट कीं। यह ऐप मोबाइल नंबर, पता और दूसरे एलिजिबल अपडेट को भी सपोर्ट करता है, जो डिजिटल इंडिया इनिशिएटिव को अपनाने और पूरे भारत में नागरिक-केंद्रित डिजिटल गवर्नेंस में सुधार को दिखाता है।
- सरकार ने e-OCI कार्ड लॉन्च किया है, जिससे एलिजिबल ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) कार्डहोल्डर्स स्मार्टफोन पर अपने OCI कार्ड का सिक्योर डिजिटल वर्जन रख सकते हैं। OCI सर्विसेज पोर्टल के ज़रिए एक्सेसिबल, यह इमिग्रेशन अथॉरिटी और एयरलाइंस द्वारा डिजिटल वेरिफिकेशन की इजाज़त देकर ट्रैवल डॉक्यूमेंटेशन को आसान बनाता है। सरकार ने साफ़ किया कि फिजिकल OCI बुकलेट पूरी तरह से वैलिड है, जबकि डिजिटल वर्जन ऑप्शनल है। यह पहल डिजिटल गवर्नेंस को मज़बूत करती है, ट्रैवल को आसान बनाती है, डॉक्यूमेंट खोने के रिस्क को कम करती है, और दुनिया भर में लाखों OCI कार्डहोल्डर्स के लिए एक्सेसिबिलिटी को बेहतर बनाती है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के तहत गुजरात के साणंद में CG सेमी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (OSAT) फैसिलिटी का उद्घाटन किया। यह फैसिलिटी चिप पैकेजिंग, असेंबली, टेस्टिंग और क्वालिटी एश्योरेंस में मदद करके भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करती है। भारत, जापान और थाईलैंड के साथ मिलकर डेवलप की गई यह फैसिलिटी शुरू में हर साल 20 करोड़ सेमीकंडक्टर यूनिट बनाएगी, जिसे बढ़ाकर 500 करोड़ यूनिट करने का प्लान है। यह प्रोजेक्ट हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग को सपोर्ट करता है, इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करता है, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है और भारत के ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब बनने के सपने को पूरा करता है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया, जिसे HPCL और राजस्थान सरकार ने ₹ 79,450 करोड़ के निवेश से बनाया है। इस फैसिलिटी में 9 MMTPA क्रूड रिफाइनिंग कैपेसिटी और 2.4 MMTPA पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन कैपेसिटी है, जो फ्यूल और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट बनाती है। यह प्रोजेक्ट पेट्रोकेमिकल इंपोर्ट को कम करेगा, एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करेगा, रोजगार पैदा करेगा और डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्री को सपोर्ट करेगा। यह पेट्रोकेमिकल और प्लास्टिक पार्क को भी बढ़ावा देगा, जिससे पश्चिमी राजस्थान एक बड़ा इंडस्ट्रियल और मैन्युफैक्चरिंग हब बन जाएगा।
- ट्राइबल अफेयर्स मिनिस्ट्री ने ट्राइबएक्स लॉन्च किया है, जो ट्राइबल आर्ट्स, कल्चर, लैंग्वेज और ट्रेडिशनल नॉलेज के लिए इंडिया का पहला डेडिकेटेड डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म है। भुवनेश्वर में जुएल ओराम ने इसका उद्घाटन किया। यह प्लेटफॉर्म अभी 20 फ्री सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर करता है और इसे 100 से ज़्यादा कोर्स तक बढ़ाने का प्लान है। यह ट्राइबल स्टडीज़, म्यूज़ियोलॉजी, टेक्सटाइल और सस्टेनेबल लाइवलीहुड में UGC से मान्यता प्राप्त पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम भी शुरू करता है। संपूर्णानंद संस्कृत यूनिवर्सिटी के साथ एक MoU के सपोर्ट से, ट्राइबएक्स डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन, रिसर्च, स्किल डेवलपमेंट, नौकरी के मौके और इंडिया की रिच ट्राइबल हेरिटेज के बचाव को बढ़ावा देता है।
- IIM बैंगलोर ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 के तहत इंडोनेशिया के मलंग में सिंघासरी स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (SEZ) में अपने पहले विदेशी कैंपस की घोषणा की। PT इंटेलीजेंसिया के साथ एक MoU के ज़रिए डेवलप किया गया। ग्रहतमा के अनुसार, यह प्रोजेक्ट एग्जीक्यूटिव एजुकेशन और लीडरशिप प्रोग्राम से शुरू होगा, जिसके बाद फुल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स होंगे। एकेडमिक फोकस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, हेल्थकेयर मैनेजमेंट, क्लाइमेट और सस्टेनेबिलिटी, और ग्लोबल सप्लाई चेन मैनेजमेंट शामिल हैं। यह पहल भारत-इंडोनेशिया एजुकेशनल सहयोग को मजबूत करती है और भारतीय हायर एजुकेशन संस्थानों की ग्लोबल मौजूदगी को बढ़ाती है।
- भारत दुनिया का सबसे बड़ा रिटेल और FMCG ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) हब बन गया है, जिसमें 180 GCC हैं और 2.72 लाख से ज़्यादा प्रोफेशनल्स काम करते हैं। वॉलमार्ट, टेस्को, टारगेट, H&M, लॉरियल और लोव्स जैसी बड़ी कंपनियाँ भारत में टेक्नोलॉजी, एनालिटिक्स, फाइनेंस और सप्लाई-चेन सेंटर चलाती हैं। GCC में रोज़गार के मामले में बेंगलुरु सबसे आगे है, उसके बाद दिल्ली NCR और हैदराबाद हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को तेज़ी से अपनाने से लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (LLMs), GenAI ऑप्स, MLOps और डेटा एनालिटिक्स में स्पेशलिस्ट्स की डिमांड बढ़ी है, जिससे ग्लोबल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन हब के तौर पर भारत की जगह मज़बूत हुई है।
- एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (EPFO) ने CITES 2.01 (सेंट्रलाइज्ड IT इनेबल्ड सर्विसेज़) लॉन्च किया, जिससे लगभग 340 मिलियन मेंबर अकाउंट एक यूनिफाइड नेशनल प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट हो गए। मनसुख मंडाविया द्वारा इंट्रोड्यूस किया गया यह सिस्टम एक ही पोर्टल के ज़रिए सेंट्रलाइज्ड क्लेम प्रोसेसिंग, रियल-टाइम ट्रैकिंग और तेज़ डिजिटल सर्विसेज़ को इनेबल करता है। FY2025–26 के लिए EPF इंटरेस्ट रेट 8.25% बना हुआ है, जबकि ऑटो-सेटलमेंट लिमिट ₹ 1 लाख से बढ़कर ₹ 5 लाख हो गई है। फ्यूचर फीचर्स में UPI-बेस्ड PF विड्रॉल और PF बैलेंस का 75% तक विड्रॉल शामिल है।
- केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सस्टेनेबल खेती और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के लिए PRAGATI (रीजेनरेटिव एग्रीकल्चर, ग्रोथ, एग्री-एंटरप्रेन्योरशिप और ट्रांसफॉर्मेटिव इनोवेशन को बढ़ावा देना) पहल शुरू की। इस प्रोग्राम का मकसद रीजेनरेटिव खेती, डिजिटल टेक्नोलॉजी, मिट्टी की टेस्टिंग, मशीनीकरण और फाइनेंशियल लिटरेसी के ज़रिए 20,000 एग्री - एंटरप्रेन्योर को डेवलप करना और 20 लाख छोटे और मार्जिनल किसानों को फायदा पहुंचाना है। शुरुआत में आठ राज्यों को कवर करते हुए, इस पहल को पेप्सिको फाउंडेशन, SBI फाउंडेशन और गेट्स फाउंडेशन जैसे संगठनों का सपोर्ट है, जो क्लाइमेट-रेसिलिएंट और टेक्नोलॉजी-ड्रिवन खेती को बढ़ावा देते हैं।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कोयंबटूर के WII-SACON में इंसान-जानवरों के बीच टकराव पर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। यह सेंटर इंसान-जानवरों के बीच टकराव को सुलझाने के लिए रिसर्च, पॉलिसी सपोर्ट, कैपेसिटी बिल्डिंग और इनोवेशन के लिए एक नेशनल हब के तौर पर काम करेगा। यह टकराव कम करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), सैटेलाइट मैपिंग और प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स का इस्तेमाल करेगा। नेशनल इंसान-जानवरों के बीच टकराव पोर्टल और जंगली जानवरों के बीच टकराव पर एक स्टेटस रिपोर्ट भी लॉन्च की गई, जो साइंटिफिक कंज़र्वेशन, सबूतों पर आधारित पॉलिसी बनाने और जंगली जानवरों और इंसानी समुदायों दोनों की सुरक्षा को बढ़ावा देगी।

- वाइस प्रेसिडेंट सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली के मन्नम इंटरनेशनल सेंटर में मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन किया और मन्नथु पद्मनाभन की मूर्ति का अनावरण किया। यह मेमोरियल मशहूर समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी और नायर सर्विस सोसाइटी (NSS) के फाउंडर के सम्मान में बनाया गया है , जिन्होंने शिक्षा, बराबरी और समाज को ऊपर उठाने के लिए काम किया। वाइस प्रेसिडेंट ने न्याय, सम्मान और सबको साथ लेकर चलने के उनके विज़न की तारीफ़ करते हुए कहा कि यह जाति और इलाके की सीमाओं से ऊपर है। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम कैंपेन में भी हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने एक पौधा लगाया, पर्यावरण बचाने और कम्युनिटी सर्विस को बढ़ावा दिया।
- MeitY ने ड्रोन फेडरेशन इंडिया (DFI) के साथ मिलकर , स्वदेशी ड्रोन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए 2026-27 के लिए स्वयान इनिशिएटिव के तहत NIDAR 2.0 लॉन्च किया। इस कॉम्पिटिशन में ₹ 65 लाख से ज़्यादा के इनाम , स्टार्टअप इनक्यूबेशन, इंटर्नशिप, क्लाउड क्रेडिट और टेक्निकल सपोर्ट मिलता है। इसमें ड्रोन इनोवेशन और कंपोनेंट इनोवेशन ट्रैक शामिल हैं, जो ऑटोनॉमस ड्रोन, डिज़ास्टर रिस्पॉन्स, मेडिकल डिलीवरी, GPS-डिनाइड नेविगेशन, स्वदेशी फ़्लाइट कंट्रोलर और VEGA प्रोसेसर-बेस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स पर फोकस करते हैं। यह इनिशिएटिव भारत के ड्रोन और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मज़बूत करके आत्मनिर्भर भारत को सपोर्ट करता है।
- केंद्र सरकार संसद के मानसून सेशन में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026 पेश करने की योजना बना रही है। प्रस्तावित कानून वंदे मातरम को कानूनी सुरक्षा देने की कोशिश करता है, जिससे इसका अपमान या रुकावट राष्ट्रीय झंडे और राष्ट्रीय गान की तरह एक दंडनीय अपराध बन जाएगा। यह संशोधन "अपमान" और "रुकावट" का मतलब बताएगा , साथ ही बोलने की आज़ादी सहित संवैधानिक सुरक्षा उपाय भी सुनिश्चित करेगा। यह कदम भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक योगदान को मान्यता देता है और राष्ट्रीय प्रतीकों और देशभक्ति के मूल्यों को बनाए रखने की कोशिशों को मज़बूत करता है।
- इंडियन रेलवे, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत जींद-सोनीपत रूट पर भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन शुरू करेगा। प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन (PEM) फ्यूल सेल से चलने वाली यह ट्रेन सिर्फ़ पानी की भाप और गर्मी छोड़ती है। लगभग 2,600 यात्रियों के लिए डिज़ाइन की गई इस ट्रेन में जींद में 3,000 kg हाइड्रोजन रीफ्यूलिंग की सुविधा भी है। स्वदेशी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके बनाया गया यह प्रोजेक्ट नेट ज़ीरो लक्ष्यों को सपोर्ट करता है और क्लीन मोबिलिटी और सस्टेनेबल रेल ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देता है।
- सरकार ने गोइंग ग्लोबल: ए प्रैक्टिकल गाइड फॉर इंडियन MSMEs लॉन्च किया है , जिसे CTIL-IIFT और CII ने तैयार किया है , ताकि MSMEs को इंटरनेशनल मार्केट में आने में मदद मिल सके। इस गाइडबुक में एक्सपोर्ट प्लानिंग , ट्रेड इंटेलिजेंस , मार्केट एक्सेस , सस्टेनेबिलिटी स्टैंडर्ड , फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTAs) , रूल्स ऑफ ओरिजिन और ट्रेड रेमेडीज शामिल हैं। इसका मकसद ट्रेड में रुकावटों को कम करके और एक्सपोर्ट अवेयरनेस को बेहतर बनाकर MSME एक्सपोर्ट को मजबूत करना है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने PGIMER चंडीगढ़ में एडवांस्ड मदर एंड चाइल्ड सेंटर और एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज सेंटर का उद्घाटन किया और PM-ABHIM के तहत 150 बेड वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक की नींव रखी। ये प्रोजेक्ट्स मैटरनल केयर , पीडियाट्रिक सर्विसेज़ , न्यूरोलॉजी , न्यूरोसर्जरी , मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च को मज़बूत करेंगे। प्रधानमंत्री ने AIIMS के विस्तार , आयुष्मान आरोग्य मंदिर , ई-संजीवनी कंसल्टेशन और नए मेडिकल कॉलेज जैसी उपलब्धियों पर भी ज़ोर दिया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 15 जुलाई 2026 को सुश्रुत जयंती के मौके पर नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद (AIIA) में तीन दिन के इंटरनेशनल सेमिनार सौश्रुतम 2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने इंस्टीट्यूट के MRI सेक्शन का भी उद्घाटन किया और आचार्य सुश्रुत को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें सर्जरी का जनक माना जाता है। प्लास्टिक सर्जरी और सर्जिकल साइंस में उनके अहम योगदान पर रोशनी डालते हुए, उन्होंने आयुर्वेद को मॉडर्न साइंटिफिक रिसर्च और सबूतों पर आधारित दवा के साथ जोड़ने पर ज़ोर दिया। यह सेमिनार मॉडर्न हेल्थकेयर में आयुर्वेद की भूमिका को मज़बूत करते हुए आयुर्वेदिक रिसर्च में इनोवेशन, नैतिकता और ग्लोबल सहयोग को बढ़ावा देता है।
- इंडियन रेलवे ने रिफॉर्म एक्सप्रेस पहल शुरू की, जिसमें लॉजिस्टिक्स को मॉडर्न बनाने और माल ढुलाई की एफिशिएंसी को बेहतर बनाने के लिए आठ बड़े माल ढुलाई सुधार पेश किए गए। इसके साथ ही, प्लान किए गए 52 सुधारों में से 17 पूरे हो गए हैं। इन सुधारों में कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लिए आसान लाइसेंसिंग, कंटेनर वाले कार्गो मूवमेंट का विस्तार, माल ढुलाई के टैरिफ को सही करना और डिजिटाइज़्ड ज़मीन अधिग्रहण के लिए रेल भूमि पोर्टल शामिल हैं। इन उपायों का मकसद लॉजिस्टिक्स की लागत कम करना, प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को बढ़ावा देना, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना और रेल ट्रांसपोर्ट की कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ाते हुए भारत के माल ढुलाई इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना है।
- सरकार ने MSME एक्सपोर्ट को मज़बूत करने के लिए CTIL-IIFT और CII की बनाई ' गोइंग ग्लोबल: ए प्रैक्टिकल गाइड फॉर इंडियन MSMEs' नाम की एक किताब लॉन्च की है। इस गाइड में एक्सपोर्ट प्लानिंग , ट्रेड इंटेलिजेंस , मार्केट एक्सेस , फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTAs) , रूल्स ऑफ़ ओरिजिन , सस्टेनेबिलिटी स्टैंडर्ड और ग्लोबल कम्प्लायंस के बारे में बताया गया है। यह रेगुलेटरी चुनौतियों को सुलझाता है, एक्सपोर्ट अवेयरनेस को बेहतर बनाता है, ट्रेड में रुकावटों को कम करता है और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ाता है। इस पहल का मकसद भारतीय MSMEs को इंटरनेशनल मार्केट में फैलने में मदद करना और भारत की एक्सपोर्ट ग्रोथ में अहम योगदान देना है।
- भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को नेशनल ऑनर (अमेंडमेंट) बिल, 2026, प्रिवेंशन ऑफ़ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 के तहत कानूनी सुरक्षा देने के लिए 24 जुलाई 2026 को राज्यसभा में पेश किया गया था। प्रस्तावित संशोधन इसे राष्ट्रीय ध्वज , संविधान और राष्ट्रीय गान के समान कानूनी ढांचे के तहत रखने की कोशिश करता है , साथ ही जानबूझकर इसे गाने से रोकने या बाधित करने के लिए सज़ा भी तय करता है। वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह के जश्न के दौरान पेश किया गया यह बिल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में इसके ऐतिहासिक योगदान को मान्यता देता है और संसद की मंज़ूरी का इंतज़ार कर रहा है।

विविध राष्ट्रीय समाचार

- भारत ने ग्लोबल स्किल्स चैलेंज ऑस्ट्रेलिया 2026 में पाँच मेडल जीते , जिसमें 23-29 जून 2026 तक हुए कॉम्पिटिशन में तीन गोल्ड , एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। वर्ल्डस्किल्स शंघाई की तैयारी के लिए 16 देशों के लगभग 600 पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया। भारतीय पार्टिसिपेंट्स ने क्लाउड कंप्यूटिंग , एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग , हेल्थ और सोशल केयर , और डिजिटल गेम आर्ट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह उपलब्धि स्किल इंडिया मिशन की सफलता को दिखाती है , भारत के ग्लोबल लेवल पर कॉम्पिटिटिव वोकेशनल टैलेंट को दिखाती है, टेक्निकल करियर में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देती है, और इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट में देश की रेप्युटेशन को मज़बूत करती है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान , "गार्डियन ऑफ़ द ब्लू होराइजन" प्रेसीडेंशियल डिस्टिंक्शन के पहले प्राप्तकर्ता बने, जिसे 28 जून 2026 को राष्ट्रपति डॉ पैट्रिक हर्मिनी द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार जलवायु कार्रवाई , नीली अर्थव्यवस्था , पर्यावरण संरक्षण , महासागर शासन और छोटे द्वीप विकासशील राज्यों (SIDS) के लिए समर्थन में नेतृत्व को मान्यता देता है। यह अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) , मिशन LiFE , एक पेड़ माँ के नाम और अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस सहित भारत की पहलों को स्वीकार करता है। भारत-सेशेल्स राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के दौरान प्रस्तुत किया गया, यह समुद्री सुरक्षा , स्थिरता और क्षेत्रीय जलवायु लचीलेपन में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करता है।
- अपने सेशेल्स दौरे के दौरान , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेशेल्स नेशनल बोटैनिकल गार्डन गए , जहाँ वे दुनिया के सबसे बूढ़े ज़मीन पर रहने वाले जानवर जोनाथन से मिले। जोनाथन , एक सेशेल्स का बड़ा कछुआ , लगभग 1832 में पैदा हुआ था और गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उसकी उम्र लगभग 194 साल है। वह सेंट हेलेना , एक ब्रिटिश ओवरसीज़ टेरिटरी में रहता है। मोदी ने एक पेड़ भी लगाया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण , बायोडायवर्सिटी सुरक्षा , क्लाइमेट रेजिलिएंस , मिशन LiFE , और एक पेड़ माँ के नाम पर ज़ोर दिया गया। यह दौरा सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्लोबल पर्यावरण सहयोग के लिए भारत के कमिटमेंट का प्रतीक था।
- यूनियन हेल्थ मिनिस्ट्री ने 29 जून 2026 को एनीमिया मुक्त भारत अभियान की रिवाइज्ड गाइडलाइंस 2026 जारी कीं , जिसमें सात बेनिफिशियरी ग्रुप्स , सात इंटरवेंशन्स और सात इंस्टीट्यूशनल मैकेनिज्म को कवर करते हुए 7x7x7 स्ट्रैटेजी शुरू की गई। यह प्रोग्राम एक लाइफ-साइकल अप्रोच अपनाता है , जिसमें कम वजन वाले बच्चों (0–6 महीने) को एक नए टारगेट ग्रुप के तौर पर शामिल किया गया है, और आयरन से भरपूर डाइट को बढ़ावा देने के लिए "ईटिंग राइट" को जोड़ा गया है। यह फ्रेमवर्क T3 (टेस्ट, ट्रीट, टॉक) से T4 (टेस्ट, ट्रीट, टॉक, ट्रैक) में अपग्रेड होता है और JANANI , RBSK , और U-WIN प्लेटफॉर्म्स को इंटीग्रेट करता है, जिससे देश भर में एनीमिया की रोकथाम, मॉनिटरिंग, मैटरनल हेल्थ और चाइल्ड न्यूट्रिशन मजबूत होता है।
- टूरिज्म मिनिस्ट्री ने भारत के टूरिज्म डेस्टिनेशन की डिजिटल विजिबिलिटी बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MoU) साइन किया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में , यह एग्रीमेंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) , डिजिटल टेक्नोलॉजी और डेटा-ड्रिवन इनसाइट्स का इस्तेमाल करके कल्चरल, हिस्टोरिकल, स्पिरिचुअल और नेचुरल अट्रैक्शन की डिस्कवरेबिलिटी को बेहतर बनाता है। यह पर्सनलाइज्ड विजिटर एंगेजमेंट, ट्रैवल ट्रेंड एनालिसिस, डिजिटल मार्केटिंग और ऑफिशियल ट्रेनिंग को सपोर्ट करता है। यह नॉन-कमर्शियल, नॉन-बाइंडिंग MoU डिजिटल इंडिया , सस्टेनेबल टूरिज्म और भारत की ग्लोबल टूरिज्म कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ावा देते हुए इनक्रेडिबल इंडिया कैंपेन को मजबूत करता है।
- विकसित भारत – रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (VB-G RAM G) एक्ट, 2025 , 1 जुलाई 2026 से लागू हुआ , जिसने पहले के ग्रामीण रोज़गार फ्रेमवर्क की जगह ली। यह एक्ट हर योग्य ग्रामीण परिवार के लिए गारंटी वाले रोज़गार को 100 से बढ़ाकर 125 दिन करता है और टिकाऊ संपत्ति बनाने, पानी बचाने, पारदर्शी शासन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर ध्यान देता है। सरकार ने पूरे देश में इसे लागू करने के लिए ₹ 95,692.31 करोड़ दिए। यह सेल्फ-हेल्प ग्रुप (SHG) की भागीदारी, महिला सशक्तिकरण, टेक्नोलॉजी से चलने वाले काम और बेहतर ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बढ़ावा देता है। मौजूदा लाभार्थियों को बदलाव के दौरान बिना किसी रुकावट के फ़ायदे मिलते रहेंगे।
- नेशनल टाइगर कंज़र्वेशन अथॉरिटी (NTCA) ने 2018 में ट्रांसलोकेशन की नाकाम कोशिश के बाद ओडिशा के सतकोसिया टाइगर रिज़र्व में टाइगर रीइंट्रोडक्शन प्रोग्राम को फिर से शुरू करने के लिए इन-प्रिंसिपल मंज़ूरी दे दी है। 2024 के असेसमेंट में यह कन्फर्म हुआ कि यहाँ कोई टाइगर नहीं है और रीइंट्रोडक्शन से पहले हैबिटैट में सुधार करने की सलाह दी गई। 1,136 sq km में फैला यह रिज़र्व , जिसमें 523 sq km का कोर एरिया शामिल है , टाइगर के लिए सही हैबिटैट देता है। सुझाए गए उपायों में गाँव का रीलोकेशन, शिकार बढ़ाने, एंटी-पोचिंग पहल, स्टाफ ट्रेनिंग और टकराव कम करना शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट का मकसद इकोलॉजिकल बैलेंस, बायोडायवर्सिटी और टाइगर की एक सस्टेनेबल आबादी को फिर से बनाना है।
- व्हाइट -रम्प्ड वल्चर (जिप्स बेंगालेंसिस) IUCN रेड लिस्ट में क्रिटिकली एंडेंजर्ड बना हुआ है। इसकी आबादी में भारी गिरावट मुख्य रूप से डाइक्लोफेनाक , दूसरे नुकसानदायक NSAIDs , खराब लाशों, बिजली के झटके, रहने की जगह के नुकसान और शहरीकरण की वजह से हुई है। गिद्ध जानवरों की लाशों को हटाकर बीमारी फैलने से रोकते हैं। भारत कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम को बढ़ा रहा है, 700 से ज़्यादा गिद्धों को छोड़ने की योजना बना रहा है , जबकि कीटोप्रोफेन और निमेसुलाइड जैसी नुकसानदायक जानवरों की दवाओं पर बैन लगा रहा है। नेपाल और कंबोडिया में बचाव की कोशिशें , GPS ट्रैकिंग और सैटेलाइट मॉनिटरिंग के साथ , लंबे समय तक प्रजातियों की रिकवरी में मदद करती हैं।
- NEP 2020 के तहत , भारत एकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स (ABC) और ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (APAAR) के ज़रिए शिक्षा को बदल रहा है। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) द्वारा मैनेज किया जाने वाला ABC , स्टूडेंट्स को अलग-अलग संस्थानों में एकेडमिक क्रेडिट स्टोर करने, ट्रांसफर करने, जमा करने और रिडीम करने में मदद करता है। APAAR , एक 12-डिजिट की लाइफलॉन्ग स्टूडेंट ID है , जो स्कूल और हायर एजुकेशन रिकॉर्ड को DigiLocker और ABC के साथ इंटीग्रेट करता है। साथ मिलकर, वे मल्टीपल एंट्री और एग्जिट , एकेडमिक मोबिलिटी, SWAYAM के ज़रिए ऑनलाइन लर्निंग और फ्लेक्सिबल डिग्री कम्प्लीशन को सपोर्ट करते हैं, जिससे एक यूनिफाइड, ट्रांसपेरेंट और स्टूडेंट-सेंट्रिक एजुकेशन इकोसिस्टम बनता है।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹ 14,114.81 करोड़ की लागत वाली दो राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी , जिसमें दिल्ली में 8.1 किलोमीटर की छह लेन की सुरंग और उत्तर प्रदेश में 117.7 किलोमीटर का कानपुर -कबरई ग्रीनफील्ड राजमार्ग शामिल है। हाइब्रिड एन्युइटी मोड (HAM) के तहत निर्मित दिल्ली सुरंग, टनल बोरिंग मशीन (TBM) तकनीक का उपयोग करके दक्षिणी रिज वन के नीचे 3.14 किलोमीटर की ट्विन-ट्यूब सुरंग के माध्यम से द्वारका एक्सप्रेसवे को नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ेगी। BOT मॉडल के तहत NHAI द्वारा विकसित यह राजमार्ग यात्रा के समय को 3.5 घंटे से घटाकर 1.5 घंटे कर देगा , कनेक्टिविटी में सुधार करेगा और रोजगार पैदा करेगा।
- दक्षिणी बर्डविंग (ट्रोइड्स) मिनोस) , भारत की सबसे बड़ी तितली और कर्नाटक की स्टेट बटरफ्लाई , पहली बार तेलंगाना के अमराबाद टाइगर रिज़र्व में देखी गई है। पैपिलियोनिडे परिवार से जुड़ी और दक्षिण भारत की एंडेमिक , यह मुख्य रूप से वेस्टर्न घाट में पाई जाती है और IUCN रेड लिस्ट में लीस्ट कंसर्न के तौर पर लिस्टेड है। ईस्टर्न घाट की नल्लामाला हिल्स में इसका दिखना तेलंगाना के बायोडायवर्सिटी रिकॉर्ड को बेहतर बनाता है और अमराबाद टाइगर रिज़र्व के इकोलॉजिकल महत्व को दिखाता है।
- भारत सरकार ने मेटा को WhatsApp के यूज़रनेम फ़ीचर के रोलआउट को कुछ समय के लिए रोकने और तीन दिन के अंदर पूरी जानकारी देने का निर्देश दिया है। यह फ़ीचर यूज़र्स को मोबाइल नंबर के बजाय यूनिक यूज़रनेम से बात करने देगा , जिससे प्राइवेसी बढ़ेगी। हालांकि, सरकार ने प्राइवेसी सेफ़गार्ड , आइडेंटिटी वेरिफ़िकेशन , साइबर सिक्योरिटी , ट्रेसेबिलिटी , इम्पर्सनेशन रिस्क, फ़िशिंग, धोखाधड़ी की रोकथाम और भारतीय कानूनों के पालन को लेकर चिंता जताई है। जब तक बातचीत पूरी नहीं हो जाती, मेटा को भारत में यह फ़ीचर लॉन्च न करने का निर्देश दिया गया है, ताकि मज़बूत डिजिटल गवर्नेंस और यूज़र प्रोटेक्शन पक्का हो सके।
- यह मज़बूत घरेलू प्रोडक्शन और सरकार की इम्पोर्ट सब्स्टिट्यूशन स्ट्रैटेजी को दिखाता है। पावर सेक्टर का इम्पोर्ट 24.89% गिरा , जबकि इम्पोर्टेड कोल-बेस्ड (ICB) प्लांट्स में सबसे ज़्यादा 27.45% की गिरावट दर्ज की गई। घरेलू कोल-बेस्ड (DCB) प्लांट्स के लिए इम्पोर्ट भी 11.26% कम हुआ। कुल खपत में कोयले के इम्पोर्ट का हिस्सा 21.69% से घटकर 19.68% हो गया , जबकि स्टील की मांग के कारण कोकिंग कोल का इम्पोर्ट 1.34% बढ़ा। बेहतर लॉजिस्टिक्स, फर्स्ट-माइल कनेक्टिविटी और घरेलू सप्लाई ने एनर्जी सिक्योरिटी को मज़बूत किया।
- मानस (मादक पदार्थ) निषेध भारत की नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन (सूचना केंद्र) , नशा मुक्त भारत के विज़न को मज़बूत करती है। यह नागरिकों को बिना नाम बताए ड्रग की तस्करी, बेचने और गैर-कानूनी खेती की रिपोर्ट करने में मदद करती है। इसे गृह मंत्रालय ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (DIC) के साथ मिलकर शुरू किया था। यह 1933 हेल्पलाइन , उमंग ऐप , वेब पोर्टल और ईमेल के ज़रिए काम करती है। यह प्लेटफ़ॉर्म कॉल करने वालों को 14446 नशा मुक्ति हेल्पलाइन से भी जोड़ता है , जिसमें काउंसलिंग, रिहैबिलिटेशन सपोर्ट, कई भाषाओं वाली सर्विस, चैटबॉट इंटीग्रेशन, स्मार्ट IVRS और देश भर की एंटी-नारकोटिक्स एजेंसियों के साथ मज़बूत तालमेल मिलता है।
- नीति आयोग ने पीडब्ल्यूसी के साथ मिलकर "आयुर्वेद को वैश्विक बनाने के लिए रणनीतिक रोडमैप" जारी किया, जिसमें 2047 तक के चरणबद्ध विजन की रूपरेखा दी गई है। रोडमैप का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय नैदानिक परीक्षणों, वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट, वैज्ञानिक सत्यापन और पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) के आधुनिकीकरण के जरिए आयुर्वेद को साक्ष्य-आधारित वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में स्थापित करना है। यह एक पेटेंट-वॉच प्रणाली, जिनेवा , न्यूयॉर्क और टोक्यो में वैश्विक आयुर्वेद केंद्र और चिकित्सा मूल्य यात्रा क्षेत्रों का प्रस्ताव करता है। 2014 और 2023 के बीच आयुष निर्यात दोगुना होने के साथ , रोडमैप आयुष मंत्री के नेतृत्व में संस्थागत शासन के तहत वैश्विक बाजार विस्तार का समर्थन करता है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने व्हाट्सएप को पहले दिए गए नोटिस के बाद टेलीग्राम और सिग्नल को उनके यूजरनेम-आधारित कम्युनिकेशन फीचर्स के बारे में नोटिस जारी किए। सरकार ने चिंता जताई कि गुमनाम यूजरनेम धोखाधड़ी , फ़िशिंग , प्रतिरूपण और डिजिटल अरेस्ट स्कैम को आसान बना सकते हैं। प्लेटफॉर्म्स को तीन दिनों के अंदर सुरक्षा उपायों, पहचान वेरिफिकेशन सिस्टम और गलत इस्तेमाल की रोकथाम के बारे में बताने के लिए कहा गया था। इस बीच, ज़ोहो समर्थित अराटाई ने यूजरनेम-आधारित अकाउंट्स को बंद करने का फैसला किया। यह कदम डिजिटल गवर्नेंस , यूजर अकाउंटेबिलिटी, साइबर सिक्योरिटी और राष्ट्रीय नियमों के पालन को मजबूत करने पर भारत के फोकस को दिखाता है।
- ACME ग्रुप ने मित्सुबिशी गैस केमिकल (MGC) के साथ लगभग US$1 बिलियन का एग्रीमेंट किया है। यह एग्रीमेंट ओडिशा में अपनी आने वाली पारादीप फैसिलिटी से हर साल 100,000 टन ग्रीन मेथनॉल सप्लाई करने के लिए किया गया है। ग्रीन हाइड्रोजन और कैप्चर किए गए कार्बन डाइऑक्साइड का इस्तेमाल करके बनाया गया यह फ्यूल, EU RFNBO और भविष्य के IMO स्टैंडर्ड को पूरा करते हुए जापान के शिपिंग सेक्टर को सपोर्ट करेगा। यह डील इंडिया-जापान क्लीन एनर्जी कोऑपरेशन को मजबूत करती है , नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को सपोर्ट करती है , एक लॉन्ग-टर्म एक्सपोर्ट मार्केट सुरक्षित करती है, सस्टेनेबल फ्यूल को बढ़ावा देती है, और ग्रीन एनर्जी और ग्लोबल लो-कार्बन सप्लाई चेन में भारत की लीडरशिप को बढ़ाती है।
- केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने उत्तर प्रदेश के दादरी में AP मोलर-मार्सक के लिए बने भारत के पहले एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट शिपिंग कंटेनर का अनावरण किया। साथ ही, माएर्स्क ने DCM श्रीराम ग्रुप के साथ 1,000 अतिरिक्त कंटेनरों का ऑर्डर दिया , जो एक लंबे समय की साझेदारी को दर्शाता है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत , मेक इन इंडिया और मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047 को सपोर्ट करती है , साथ ही ₹ 10,000 करोड़ की कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग प्रमोशन स्कीम (CMPS) को भी सपोर्ट करती है। इसका मकसद घरेलू मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, रोज़गार, सप्लाई-चेन में लचीलापन, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देना और भारत को हाई-क्वालिटी शिपिंग कंटेनर के लिए ग्लोबल हब के रूप में स्थापित करना है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया, जिसे HPCL राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL) ने बनाया है। ₹ 79,450 करोड़ से ज़्यादा के निवेश से बनी इस रिफाइनरी की कैपेसिटी 9 MMTPA है और यह पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन को रिफाइनिंग के साथ जोड़ती है। यह प्रोजेक्ट भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मज़बूत करता है , पेट्रोकेमिकल में आत्मनिर्भरता बढ़ाता है, साफ़ फ्यूल प्रोडक्शन को सपोर्ट करता है, रोज़गार पैदा करता है, और वैल्यू-एडेड पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट बनाता है, जो देश के एनर्जी और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में एक बड़ा मील का पत्थर है।
- जापान ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (MAHSR) प्रोजेक्ट के लिए अपना सपोर्ट फिर से पक्का किया है , जिसका टारगेट 2027 तक प्रायोरिटी सेक्शन पर कमर्शियल ऑपरेशन करना है। शिंकानसेन E10 टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके बनाए गए 508 km के इस कॉरिडोर को JICA ने 0.1% इंटरेस्ट पर 50 साल के लोन के ज़रिए 81% फाइनेंस किया है। सूरत -बिलिमोरा /वापी के बीच पहला ऑपरेशनल हिस्सा 15 अगस्त 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है , जबकि पूरा कॉरिडोर 2029 तक पूरा होने का टारगेट है। यह प्रोजेक्ट हाई-स्पीड कनेक्टिविटी, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, इकोनॉमिक डेवलपमेंट को बढ़ाता है और लंबे समय की इंडिया-जापान स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मज़बूत करता है।
- ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस (GBA) ने नई दिल्ली में अपने पहले 15 ग्लोबल बायोफ्यूल चैंपियन फेलो को शामिल किया। 32 देशों से चुने गए हर फेलो को US$15,000 तक की रिसर्च फंडिंग मिलेगी और वे दो साल तक GBA एंबेसडर के तौर पर काम करेंगे। G20 समिट 2023 के दौरान बनाए गए इस अलायंस में अब 34 देश और 14 इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन शामिल हैं। यह फेलोशिप इथेनॉल , बायोडीज़ल और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF) में इनोवेशन को बढ़ावा देती है , रिसर्च में सहयोग, लीडरशिप डेवलपमेंट और सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन को सपोर्ट करने वाले ग्लोबल क्लीन एनर्जी सॉल्यूशंस को बढ़ावा देती है।
- भारत ने गृह मंत्रालय के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के नेतृत्व में गुवाहाटी, असम में BRICS ड्रग-रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक की मेजबानी की। विस्तारित 11-सदस्यीय BRICS के प्रतिनिधियों ने सिंथेटिक ड्रग्स , डार्कनेट ट्रैफिकिंग , न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस (NPS) और क्रिप्टोकरेंसी-आधारित मनी लॉन्ड्रिंग सहित चुनौतियों पर चर्चा की। भारत ने नारकोटिक्स कंट्रोल 2026–2029 पर अपना विज़न डॉक्यूमेंट पेश किया , जिसमें टेक्नोलॉजी-ड्रिवन जांच , सीमा निगरानी , खुफिया जानकारी साझा करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर ज़ोर दिया गया। शिखर सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स नेटवर्क के खिलाफ समन्वित वैश्विक कार्रवाई को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त घोषणा को अपनाने की उम्मीद है।
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के तहत भारत ने 104 करोड़ लिंक्ड डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड पार कर लिए हैं , जो 93 करोड़ से ज़्यादा ABHA अकाउंट से जुड़े हैं। आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (ABHA) एक 14-डिजिट की डिजिटल हेल्थ ID है जो मरीज़ों को हॉस्पिटल , डॉक्टर , लैब , फार्मेसी और इंश्योरेंस प्रोवाइडर से सुरक्षित रूप से जोड़ती है। यह पहल पेपरलेस हेल्थकेयर को मुमकिन बनाती है , पूरी मेडिकल हिस्ट्री को सुरक्षित रखती है और इलाज की कंटिन्यूटी में सुधार करती है। सरकार का मकसद देश भर में हेल्थकेयर सुविधाओं को इंटीग्रेट करके डिजिटल पब्लिक हेल्थ इकोसिस्टम को बढ़ाना है , ताकि सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित , आसान और कुशल डिजिटल हेल्थ सर्विस पक्की हो सके।
- भारत ने 2025-26 के दौरान 125 नए जियोग्राफिकल इंडिकेशन (GI) टैग रजिस्टर किए, जिससे रजिस्टर्ड GI प्रोडक्ट्स की कुल संख्या 822 हो गई। मध्य प्रदेश 26 रजिस्ट्रेशन के साथ सबसे आगे रहा , उसके बाद पश्चिम बंगाल , हिमाचल प्रदेश और झारखंड का नंबर रहा। नए रजिस्ट्रेशन में पारंपरिक हैंडीक्राफ्ट , खेती के प्रोडक्ट्स , आदिवासी विरासत और देसी ज्ञान शामिल हैं , जिससे एक्सपोर्ट और मार्केट वैल्यू को बेहतर बनाते हुए क्षेत्रीय पहचान को बनाए रखने में मदद मिलती है। सभी GI रजिस्ट्रेशन में हैंडीक्राफ्ट का हिस्सा 53% और खेती के प्रोडक्ट्स का 31% है। यह पहल असली क्षेत्रीय प्रोडक्ट्स की सुरक्षा को मज़बूत करती है और भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत को बढ़ावा देती है।
- ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स (GPI) 2026 में भारत 197 देशों में 125वें नंबर पर रहा , जबकि उसे अब तक का सबसे ज़्यादा 45.1 स्कोर मिला है। ग्लोबल सिटीजन सॉल्यूशंस का पब्लिश किया गया यह इंडेक्स मोबिलिटी , क्वालिटी ऑफ़ लिविंग और इन्वेस्टमेंट के मौकों के आधार पर पासपोर्ट को इवैल्यूएट करता है। मोबिलिटी में भारत 136वें , क्वालिटी ऑफ़ लिविंग में 118वें और इन्वेस्टमेंट पोटेंशियल में 94वें नंबर पर रहा। भारतीय पासपोर्ट होल्डर्स को अभी लगभग 26 जगहों पर वीज़ा-फ्री या वीज़ा-ऑन-अराइवल एक्सेस मिलता है , जबकि कई बड़े देशों के लिए वीज़ा अभी भी ज़रूरी है। स्वीडन ने 2026 की रैंकिंग में टॉप पोजीशन हासिल की।
- एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फ़ूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (APEDA) ने जम्मू और कश्मीर से यूनाइटेड अरब अमीरात (UAE) को प्रीमियम अरेको चेरी और सेंट्रोज़ प्लम का पहला एक्सपोर्ट किया। शोपियां और पुलवामा से मंगाया गया एक -मीट्रिक टन का शिपमेंट अबू धाबी और दुबई पहुंचा। बताया जा रहा है कि किसानों को घरेलू बाज़ारों के मुकाबले चेरी से लगभग 60% ज़्यादा और प्लम से 120% ज़्यादा रिटर्न मिला। इस पहल का मकसद भारत के ताज़े फलों के एक्सपोर्ट को बढ़ाना , किसानों की इनकम में सुधार करना, बागवानी एक्सपोर्ट को मज़बूत करना और जम्मू और कश्मीर को एक लीडिंग प्रीमियम फल-एक्सपोर्टिंग इलाका बनाना है।
- केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के मौके पर एक कोऑपरेटिव लाइफ इंश्योरेंस कंपनी बनाने और दो साल के अंदर भारत टैक्सी प्लेटफॉर्म को 500 शहरों तक बढ़ाने का ऐलान किया। इंश्योरेंस कंपनी का मकसद कोऑपरेटिव सेक्टर को मजबूत करना , फाइनेंशियल इनक्लूजन को बढ़ावा देना और इंश्योरेंस एक्सेस को बेहतर बनाना है। कोऑपरेटिव मॉडल के तहत काम करने वाली भारत टैक्सी के अभी 6.37 लाख ड्राइवर और 35.77 लाख कस्टमर हैं। यह पहल ऑर्गेनिक खेती , PACS के ज़रिए एंटरप्रेन्योरशिप और देश भर में कोऑपरेटिव की अगुवाई में आर्थिक विकास और रोज़गार पैदा करने को भी बढ़ावा देती है।

APEX

SSC CGL MAHAPACK

Complete 1+2 Prep.

Selection ka Saathi

APEX

SSC CGL MAHAPACK

Complete 1+2 Prep.

Quants | Reasoning | English | GS

COMPLETE TIER 1 + TIER 2 PREPARATION

Hinglish

What will you get

- Access to Structured Classes in Live & Recorded Form
- Mock & Topic Tests based on Latest Pattern with Detailed Solution
- Doubt Solving on App, Telegram Groups & In Person at Offline Centers
- Seminar & Topper Talks at Offline Centers
- In-Person Counseling, Physical Support Helpdesk at Offline Centers

SHOW MORE

For Admission Enquiry | CALL NOW

- Exams Covered: 2 (TIER 1 + TIER 2)
- Complete Preparation in One Mahapack
- Latest Pattern Focused Content
- Learn From Experts & Top Educators

Trusted by Lakhs of Aspirants | High Quality Content by Experts | Accessible Anytime, Anywhere | Dedicated Support for Your Success

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (NHM), मिजोरम विश्वविद्यालय को, जैविक विविधता अधिनियम, 2002 के तहत भारत के 21वें नामित भंडार के रूप में नामित किया है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA) द्वारा अनुशंसित , यह भंडार प्रमाणित जैविक नमूनों को संरक्षित करता है , प्रजातियों की पहचान का समर्थन करता है, और जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करता है। इंडो-बर्मा जैव विविधता हॉटस्पॉट में स्थित , संग्रहालय में पौधे, कवक, कीड़े, सरीसृप, उभयचर और मछलियों को कवर करने वाले 500 से अधिक नमूने हैं। यह मान्यता जैव विविधता प्रलेखन , पारिस्थितिक बहाली, वैज्ञानिक अनुसंधान और क्षेत्रीय संरक्षण संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ाती है
- केंद्र सरकार ने सेंट्रल ऑटोनॉमस बॉडीज़ (CABs) के कर्मचारियों को दो नए नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) लाइफ-साइकिल इन्वेस्टमेंट ऑप्शन दिए हैं। LC -75 हाई फंड लंबे समय में पैसा बनाने के लिए 75% तक इक्विटी एक्सपोज़र देता है, जबकि एग्रेसिव लाइफ साइकिल फंड लगभग 50% इक्विटी एक्सपोज़र देता है, जिससे 45 साल की उम्र के बाद रिस्क धीरे-धीरे कम होता है। पहले ये ऑप्शन सिर्फ़ सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारियों के लिए थे, ये रिटायरमेंट प्लानिंग को बेहतर बनाते हैं, इन्वेस्टमेंट की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाते हैं, पोर्टफोलियो को पर्सनल फाइनेंशियल लक्ष्यों के साथ जोड़ते हैं, और सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (CRA) प्लेटफॉर्म के ज़रिए NPS का आकर्षण बढ़ाते हैं।
- तमिलनाडु में कामराजार पोर्ट लिमिटेड (KPL) विशाखापत्तनम पोर्ट के बाद भारत का दूसरा पोर्ट बन गया है, जिसने ₹ 440 करोड़ के कैपिटल ड्रेजिंग फेज़ VI प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद 18-मीटर का ऑपरेशनल ड्राफ्ट हासिल किया है। इस अपग्रेड से 1,70,000 DWT तक के पूरी तरह से भरे हुए केपसाइज़ जहाजों को हैंडल किया जा सकेगा , जिससे कार्गो कैपेसिटी और ऑपरेशनल एफिशिएंसी में सुधार होगा। बेहतर चैनल डेप्थ, बर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और नेविगेशनल सुविधाओं से लॉजिस्टिक्स कॉस्ट कम होगी , जहाज का टर्नअराउंड टाइम बेहतर होगा , EXIM ट्रेड मजबूत होगा और भारत की ग्लोबल मैरीटाइम कॉम्पिटिटिवनेस काफी बढ़ेगी।
- मध्य प्रदेश , गुजरात , राजस्थान और महाराष्ट्र ने नर्मदा वॉटर डिस्प्यूट्स ट्रिब्यूनल (NWDT) अवॉर्ड के तहत सरदार सरोवर प्रोजेक्ट और इंदिरा सागर प्रोजेक्ट से जुड़े लंबे समय से रुके हुए फाइनेंशियल झगड़ों को सुलझाने के लिए एक अहम एग्रीमेंट पर साइन किए। इस एग्रीमेंट में हिस्सा लेने वाले राज्यों के बीच कॉस्ट-शेयरिंग , रिहैबिलिटेशन खर्च , ज़मीन का मुआवज़ा , ब्याज की देनदारियों और पेंडिंग ड्यूज़ को शामिल किया गया है। अमित शाह और सीआर पाटिल की मौजूदगी में साइन किए गए इस एग्रीमेंट से कोऑपरेटिव फेडरलिज़्म मज़बूत होता है , इंटर-स्टेट वॉटर गवर्नेंस में सुधार होता है , और नर्मदा बेसिन में सस्टेनेबल सिंचाई, हाइड्रोपावर जेनरेशन और पीने के पानी के मैनेजमेंट को सपोर्ट मिलता है।
- सरकार ने पांच साल में ₹ 60,000 करोड़ के निवेश के साथ अपग्रेडेड ITIs (PM-SETU) स्कीम के ज़रिए प्रधानमंत्री स्किलिंग और एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन को पूरे देश में लागू करने की मंज़ूरी दी है। इस पहल से अपग्रेडेड लैबोरेटरी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, एडवांस्ड इक्विपमेंट, बदले हुए करिकुलम और बेहतर प्लेसमेंट सपोर्ट के ज़रिए 1,000 सरकारी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (ITIs) को मॉडर्न बनाया जाएगा। यह हब-एंड-स्पोक मॉडल का इस्तेमाल करके पांच नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (NCoEs) भी बनाएगा। इस स्कीम का मकसद इंडस्ट्री के लिए तैयार वर्कफोर्स बनाना , वोकेशनल एजुकेशन को मज़बूत करना, एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ाना और इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलेबोरेशन को बढ़ावा देना है।
- इंडिया BESS मार्केट रिव्यू और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (CEA) के लेटेस्ट अनुमानों के मुताबिक , 2035-36 तक भारत की एनर्जी स्टोरेज की ज़रूरत 888 GWh तक पहुँचने का अनुमान है। इस ज़रूरत में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) से 80 GW/321 GWh और पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (PSPs) से 94 GW/567 GWh शामिल हैं। इंस्टॉल्ड BESS कैपेसिटी 2026 तक 10 GWh से ज़्यादा होने की उम्मीद है , जबकि लिथियम-आयन सेल मैन्युफैक्चरिंग 2030 तक 110 GWh तक पहुँच सकती है। यह विस्तार रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन , ग्रिड रिलायबिलिटी और भारत के लॉन्ग-टर्म क्लीन एनर्जी ट्रांज़िशन को सपोर्ट करता है।
- भारत ने नई दिल्ली में 13वीं ASEAN-इंडिया ट्रेड इन गुड्स एग्रीमेंट (AITIGA) जॉइंट कमिटी मीटिंग होस्ट की ताकि इंडिया-ASEAN ट्रेड पैक्ट के रिव्यू में तेज़ी लाई जा सके। सभी 10 ASEAN सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने रीजनल ट्रेड को मज़बूत करने के लिए कस्टम्स प्रोसीजर , ट्रेड फैसिलिटेशन , मार्केट एक्सेस और रूल्स ऑफ़ ओरिजिन पर चर्चा की। नितिन कुमार यादव और मस्तुरा अहमद मुस्तफा की को-चेयर में हुई इस मीटिंग में पेंडिंग बातचीत के लिए टाइम-बाउंड काम दिए गए। इंडिया के ग्लोबल ट्रेड में ASEAN का हिस्सा लगभग 11% है, और 2025-26 तक दोनों देशों का ट्रेड USD 128 बिलियन तक पहुँच जाएगा।
- जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ़ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स (JIM & WS) ने लद्दाख में माउंट ख्याम त्सो मैसिफ़ पर एक माउंटेनियरिंग अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। टीम ने खराब मौसम के बावजूद पीक Pt 5901 m , पीक Pt 6090 m , पीक Pt 5944 m , और आखिर में माउंट ख्याम-III (6,018 m) पर चढ़ाई की। अभियान के लीडर कर्नल हेम चंद्र सिंह ने 5,600 मीटर से पहली बार पैराग्लाइडिंग की उड़ान भी भरी। इस अभियान ने भारत की माउंटेनियरिंग में महारत, टेक्निकल एक्सपर्टीज़ और दूर-दराज के हिमालयी इलाकों को एक्सप्लोर करने के कमिटमेंट को दिखाया।
- जयपुर ने हैप्पी सिटी इंडेक्स 2026 में दुनिया भर में 6th पोजीशन हासिल की , और ग्लोबल टॉप टेन में अकेला भारतीय शहर बन गया। यह रैंकिंग गवर्नेंस , हेल्थकेयर , एजुकेशन , मोबिलिटी , एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी , इनोवेशन और क्वालिटी ऑफ़ लाइफ़ में बेहतरीन काम को पहचान देती है। जयपुर की सफलता कल्चरल हेरिटेज को बचाने और स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट , बेहतर सिविक सुविधाओं, टूरिज़्म, हैंडीक्राफ्ट और इकोनॉमिक मौकों को बढ़ावा देने के बीच इसके बैलेंस को दिखाती है। यह पहचान सस्टेनेबल , रहने लायक और सिटिज़न-सेंट्रिक अर्बन डेवलपमेंट पर भारत के बढ़ते ज़ोर को दिखाती है।

- हेल्थ और फैमिली वेलफेयर मिनिस्ट्री ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भारत का 42वां डेजिग्नेटेड ड्रग इंपोर्ट पोर्ट नोटिफाई किया है। यह नोटिफिकेशन दवाओं के लिए एक एक्स्ट्रा रेगुलेटेड एंट्री पॉइंट देकर देश के फार्मास्यूटिकल इंपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करता है। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (DTAB) से सलाह के बाद जारी किया गया यह फैसला हेल्थकेयर लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाता है , सप्लाई चेन की एफिशिएंसी बढ़ाता है , मौजूदा पोर्ट्स पर कंजेशन कम करता है, और भारत के बढ़ते फार्मास्यूटिकल सेक्टर को सपोर्ट करते हुए रेगुलेटरी ओवरसाइट को मजबूत करता है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के साथ , योग्याकार्ता में प्रम्बानन मंदिर कॉम्प्लेक्स गए और आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (ASI) के रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट को लॉन्च किया। 9वीं सदी में बना यह UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज साइट , इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर कॉम्प्लेक्स है, जो त्रिमूर्ति — शिव , विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित है। यह रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट सदियों पुराने भारत-इंडोनेशिया कल्चरल रिश्तों का प्रतीक है , हेरिटेज कंज़र्वेशन को मज़बूत करता है, और ऐतिहासिक स्मारकों और साझा सभ्यता की परंपराओं को बचाने में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।
- भारत ने सस्टेनेबल डीप-सी फिशिंग को बढ़ावा देने , ब्लू इकॉनमी को मज़बूत करने और मछुआरों की रोज़ी-रोटी को बेहतर बनाने के लिए लेटर ऑफ़ ऑथराइज़ेशन (LoA) सिस्टम लॉन्च किया। यह फ्रेमवर्क एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन (EEZ) और हाई सीज़ में रेगुलेटेड फिशिंग की इजाज़त देता है, जिससे कोस्टल फिशरीज़ पर दबाव कम होता है और सीफ़ूड एक्सपोर्ट बढ़ता है। फिश फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइज़ेशन (FFPOs) और कोऑपरेटिव्स को सपोर्ट करते हुए, यह पहल मरीन रिसोर्स मैनेजमेंट को बढ़ाती है। इसके साथ ही, ओडिशा ने फिशरीज़ इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्वापार्क, एक्सपोर्ट फैसिलिटीज़ और मॉडर्न मार्केट डेवलप करने के लिए ₹ 2,295.45 करोड़ के साथ डीप सी फिशिंग मिशन 2026–2036 लॉन्च किया , जिससे भारत की मरीन इकॉनमी और सस्टेनेबल फिशरीज़ ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा।
- जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (GSI) ने कर्नाटक के गुंडलूपेट में थोरियम वाले डिपॉज़िट खोजे हैं , जो लगभग 700 एकड़ में फैले हैं , जिसमें से 20 एकड़ माइनिंग के लिए पहचाने गए हैं। मोनाज़ाइट में पाए जाने वाले इन डिपॉज़िट में थोरियम , रेयर अर्थ एलिमेंट्स और यूरेनियम होते हैं। थोरियम से यूरेनियम-233 बन सकता है , जो इसे भविष्य का एक ज़रूरी न्यूक्लियर फ्यूल बनाता है। भारत के पास पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े थोरियम रिज़र्व में से एक है। यह खोज स्ट्रेटेजिक मिनरल सिक्योरिटी को मज़बूत करती है, भविष्य के एडवांस्ड न्यूक्लियर रिएक्टरों को सपोर्ट करती है , और रिसोर्स असेसमेंट को बेहतर बनाती है। मिनिस्ट्री ऑफ़ माइंस के तहत काम करते हुए , GSI भारत के लॉन्ग-टर्म न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए जियोलॉजिकल एक्सप्लोरेशन जारी रखे हुए है।
- इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (ICMR) हिमाचल प्रदेश के केलांग में भारत का पहला हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन और पब्लिक हेल्थ रिसर्च सेंटर बनाएगा। यह सेंटर एल्टीट्यूड फिजियोलॉजी , एक्यूट माउंटेन सिकनेस (AMS) , HAPE , HACE , डिजास्टर मेडिसिन, क्लाइमेट-सेंसिटिव बीमारियों, मैटरनल हेल्थ, न्यूट्रिशन और मेंटल हेल्थ पर रिसर्च करेगा। यह टेलीमेडिसिन , ड्रोन-बेस्ड हेल्थकेयर , डिजिटल सर्विलांस का इस्तेमाल करेगा और DRDO , AFMS और एकेडमिक इंस्टीट्यूशन के साथ मिलकर काम करेगा। 2,500 मीटर से ऊपर मौजूद यह फैसिलिटी एडवांस्ड माउंटेन मेडिसिन के ज़रिए भारत के हिमालयी और बॉर्डर इलाकों में हेल्थकेयर, इमरजेंसी रिस्पॉन्स और साइंटिफिक रिसर्च को मज़बूत करेगी।
- AISHE रिपोर्ट्स 2022–23 और 2023–24 में हायर एजुकेशन में रिकॉर्ड 4.5 करोड़ एनरोलमेंट का पता चला , जो 2014–15 से 31.5% ज़्यादा है। ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो (GER) बढ़कर 30 हो गया , जबकि 31.2 के GER के साथ महिलाओं का एनरोलमेंट 2.24 करोड़ तक पहुँच गया। जेंडर पैरिटी इंडेक्स (GPI) लगातार सातवें साल 1.08 से ऊपर रहा। STEM एनरोलमेंट एक करोड़ को पार कर गया , जिसमें 44% महिलाएँ स्टूडेंट थीं। फैकल्टी की संख्या 17.32 लाख तक पहुँच गई, जो NEP 2020 के तहत इनक्लूसिव, क्वालिटी-ड्रिवन हायर एजुकेशन और देश भर में बढ़ी हुई पहुँच की दिशा में हुई प्रोग्रेस को दिखाता है।
- NABARD ने 28 नए प्रोडक्ट्स के लिए जियोग्राफिकल इंडिकेशन (GI) रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी , जिससे उसके कुल सपोर्टेड GI प्रोडक्ट्स की संख्या बढ़कर 176 हो गई। नए रजिस्टर्ड आइटम्स में कई राज्यों के हैंडीक्राफ्ट्स, हैंडलूम टेक्सटाइल्स, बांस के क्राफ्ट्स, मिट्टी के बर्तन, पेंटिंग्स और म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं। जियोग्राफिकल इंडिकेशन्स ऑफ गुड्स एक्ट, 1999 के तहत , GI खास इलाकों से जुड़े प्रोडक्ट्स को प्रोटेक्ट करता है। NABARD ने GI फैसिलिटेशन सेंटर्स और एक GI स्टोर भी बनाए हैं , जिससे 13,000 से ज़्यादा कारीगरों को फायदा हुआ है और 50,000 से ज़्यादा सीधे नौकरी के मौके बने हैं।
- यूनियन हेल्थ मिनिस्ट्री ने अल्कोहल-बेस्ड मेडिसिनल फॉर्मूलेशन के रेगुलेशन को मज़बूत करने के लिए ड्रग्स रूल्स, 1945 में बदलाव किया है। 30 ml से ज़्यादा क्वांटिटी में 12% v/v एथिल अल्कोहल वाले प्रोडक्ट्स के लिए अब ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत मैन्युफैक्चरिंग और सेल लाइसेंस की ज़रूरत होगी। इन दवाओं को शेड्यूल H1 में शामिल किया गया है , जिससे ये सिर्फ़ प्रिस्क्रिप्शन वाली दवाएं बन गई हैं और इनके लिए फार्मेसी रिकॉर्ड ज़रूरी हैं। बदले हुए नियमों का मकसद जनवरी 2027 से दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकना है, साथ ही सही मेडिकल इस्तेमाल पक्का करना है।
- डिपार्टमेंट ऑफ़ पोस्ट्स (DoP) और TRAI ने 5.68 लाख गांवों को कवर करते हुए भारत का सबसे बड़ा रूरल टेलीकॉम नेटवर्क परफॉर्मेंस सर्वे करने के लिए एक MoU साइन किया है। एक Android-बेस्ड एप्लिकेशन का इस्तेमाल करके , ग्रामीण डाक सेवक (GDS) सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एयरटेल, जियो, वोडाफोन आइडिया और BSNL की मोबाइल सर्विसेज़ को असेस करेंगे। यह पहल नेटवर्क गैप्स की पहचान करेगी , सर्विस क्वालिटी को एवैल्यूएट करेगी, और एविडेंस-बेस्ड पॉलिसीमेकिंग के लिए डेटा देगी, जिससे डिजिटल इंडिया को मज़बूत करने , रूरल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट को गाइड करने में मदद मिलेगी।

- भारत 14 जुलाई 2026 को तीसरा नमस्ते दिवस मनाएगा , जिसमें नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (NAMASTE) स्कीम के तीन साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की अगुवाई में , यह पहल मैकेनाइज्ड सैनिटेशन को बढ़ावा देती है , हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करती है , और सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और भलाई सुनिश्चित करती है। देश भर में होने वाले इवेंट्स में हेल्थ कैंप, PPE जागरूकता, मैकेनाइज्ड इक्विपमेंट डेमोंस्ट्रेशन, स्किल ट्रेनिंग और वेलफेयर बेनिफिट डिस्ट्रीब्यूशन शामिल होंगे। 2023-24 में शुरू की गई यह स्कीम काम की जगह की सुरक्षा में सुधार करके और सफाई कर्मचारियों की सामाजिक और आर्थिक भलाई को बढ़ाकर एक समावेशी सैनिटेशन इकोसिस्टम का समर्थन करती है।
- ONGC ने लद्दाख की पुगा वैली में अपना दूसरा जियोथर्मल कुआं सफलतापूर्वक खोदा , जो 14,000 फीट से ज़्यादा ऊंचाई पर 1,000 मीटर की गहराई तक पहुंचा। ONGC एनर्जी सेंटर के ज़रिए डेवलप किया गया यह प्रोजेक्ट भारत के पहले 1 MW पायलट जियोथर्मल पावर प्लांट को सपोर्ट करता है। पहले कुएं की सफलता के बाद, यह इस इलाके की 24x7 क्लीन एनर्जी बनाने की जियोथर्मल क्षमता को कन्फर्म करता है। इस प्रोजेक्ट का मकसद फॉसिल फ्यूल पर डिपेंडेंस कम करना, दूर-दराज के हिमालयी इलाकों में एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करना और 2030 तक भारत के 500 GW नॉन-फॉसिल फ्यूल कैपेसिटी के टारगेट में योगदान देना है।
- डिजिटल इंडिया के 11 साल पूरे होने पर , eSaras प्लेटफॉर्म ग्रामीण एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने वाली एक बड़ी पहल के तौर पर सामने आया। ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ MeitY के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा डेवलप किया गया , यह सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स (SHGs), किसान प्रोड्यूसर ऑर्गनाइज़ेशन्स (FPOs), और ग्रामीण एंटरप्रेन्योर्स को ONDC-इनेबल्ड एप्लिकेशन्स के ज़रिए देश भर में प्रोडक्ट्स बेचने में मदद करता है। 8.99 करोड़ से ज़्यादा SHG मेंबर्स और 1,400+ प्रोडक्ट्स को सपोर्ट करते हुए, यह प्लेटफॉर्म डिजिटल पेमेंट्स, लॉजिस्टिक्स, BHASHINI के ज़रिए मल्टीलिंगुअल सपोर्ट और मार्केट एक्सेस देता है। यह सरकार के 6 करोड़ लखपति बनाने के टारगेट में भी मदद करता है। 2029 तक दीदी .
- भारत टेक्स 2026 , 14-17 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में होगा , जिसमें भारत की पूरी टेक्सटाइल वैल्यू चेन दिखाई जाएगी। भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन इसे टेक्सटाइल मंत्रालय के सपोर्ट से ऑर्गनाइज़ करेगा। यह इवेंट PM नरेंद्र मोदी के 5F विज़न — फार्म, फाइबर , फैक्ट्री, फैशन और फॉरेन से इंस्पायर्ड है। इसमें 1,600 से ज़्यादा एग्ज़िबिटर , 7,000 ग्लोबल खरीदार और 1.3 लाख विज़िटर के आने की उम्मीद है , जिससे ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन, एक्सपोर्ट को बढ़ावा मिलेगा और ग्लोबल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग और सोर्सिंग हब के तौर पर भारत की जगह मज़बूत होगी।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने CERT-In, CSIRT-Fin और SISA के साथ मिलकर भारत के बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज़ और इंश्योरेंस (BFSI) सेक्टर में साइबर सिक्योरिटी को मज़बूत करने के लिए डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट 2025–26 जारी की है। रिपोर्ट में AI-पावर्ड साइबर अटैक, क्रेडेंशियल चोरी, क्लाउड एक्सप्लॉइटेशन, सोशल इंजीनियरिंग और सप्लाई चेन अटैक से बढ़ते खतरों पर रोशनी डाली गई है। यह एक साइबर फेलियर एनाटॉमी फ्रेमवर्क पेश करता है और भारत के बढ़ते डिजिटल फाइनेंशियल इकोसिस्टम को सुरक्षित रखने के लिए लगातार मॉनिटरिंग, मज़बूत सिक्योरिटी कंट्रोल, सहयोग और प्रोएक्टिव साइबर रेजिलिएंस पर ज़ोर देते हुए 18 महीने के साइबर सिक्योरिटी रोडमैप की सिफारिश करता है।
- भारत सरकार ने ऑफिशियली सेंट्रल विस्टा रीडेवलपमेंट एरिया का नाम बदलकर कर्तव्य भवन एरिया (कर्तव्य भवन कॉम्प्लेक्स) कर दिया है। यूनियन मिनिस्टर मनोहर लाल ने सभी मिनिस्ट्री को ऑफिशियल डॉक्यूमेंट्स में सेंट्रल विस्टा शब्द का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया है। बदले गए एरिया में कर्तव्य पथ , कर्तव्य भवन , आने वाला कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और भविष्य के सरकारी ऑफिस शामिल हैं। यह फैसला 2022 में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करने के बाद लिया गया है और यह सरकार के उस मकसद को दिखाता है जिसमें कॉलोनियल-एरा के नामों को पब्लिक सर्विस, नेशनल आइडेंटिटी और डेमोक्रेटिक वैल्यूज़ की निशानी वाले टर्मिनोलॉजी से बदला जाएगा।
- इंडिया पोस्ट ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में ₹ 4,009 करोड़ का अब तक का सबसे ज़्यादा रेवेन्यू हासिल किया , जो साल-दर-साल 22% की बढ़ोतरी है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया की अध्यक्षता में तिमाही बिज़नेस रिव्यू मीटिंग के दौरान घोषित यह प्रदर्शन इंडिया पोस्ट के डिजिटल रूप से सशक्त, ग्राहक-केंद्रित में बदलाव को दिखाता है। ऑर्गनाइज़ेशन। सिटीज़न सेंट्रिक सर्विसेज़ में सबसे ज़्यादा ग्रोथ (86%) दर्ज की गई, इसके बाद पार्सल सर्विसेज़ (50%) , मेल सर्विसेज़ (42%) , और इंटरनेशनल बिज़नेस (34%) का नंबर आता है। आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल टॉप परफ़ॉर्म करने वाले सर्कल के तौर पर उभरे, जबकि ज़ीरो बिज़नेस ट्रांज़ैक्शन में भारी कमी से ऑपरेशनल एफ़िशिएंसी में काफ़ी सुधार हुआ।
- ICAR ने टेक्नोलॉजी , सस्टेनेबिलिटी और क्लाइमेट रेजिलिएंस के ज़रिए भारतीय खेती को मॉडर्न बनाने के लिए विकसित कृषि विज़न 2047 रोडमैप पेश किया। इस प्लान का मकसद 100 क्लाइमेट स्मार्ट विलेज बनाना , 100 मिलियन किसानों तक पहुंचना और डिजिटल नॉलेज प्लेटफॉर्म लॉन्च करना है। ICAR ने 43 नई फसल की किस्में , 17 खेती की टेक्नोलॉजी और 14 रिसर्च पब्लिकेशन भी जारी किए। यह रोडमैप AI , रोबोटिक्स , प्रिसिजन फार्मिंग और इनोवेशन के कमर्शियलाइज़ेशन को बढ़ावा देता है ताकि प्रोडक्टिविटी , किसानों की इनकम और फ़ूड सिक्योरिटी बढ़े , और विकसित भारत 2047 को सपोर्ट मिले।
- नीति आयोग ने आठ प्रमुख स्तंभों में 84 संकेतकों का उपयोग करके सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निवेश तत्परता का आकलन करने के लिए पहला निवेश मित्रता सूचकांक (IFI) जारी किया। एक बेंचमार्किंग टूल के रूप में डिज़ाइन किया गया , यह सूचकांक प्रतिस्पर्धा पैदा करने की बजाय निवेश पारिस्थितिकी तंत्रों को बेहतर बनाने के लिए सुधारों को प्रोत्साहित करता है। गुजरात 56.6 स्कोर के साथ शीर्ष प्रदर्शन करने वाले बड़े राज्य के रूप में उभरा , उसके बाद महाराष्ट्र , तमिलनाडु और ओडिशा का स्थान रहा , जबकि गोवा केंद्र शासित प्रदेश श्रेणी में सबसे आगे रहा। चूंकि किसी भी राज्य ने 60 का आंकड़ा पार नहीं किया, इसलिए रिपोर्ट में विकसित भारत को प्राप्त करने के लिए शासन , बुनियादी ढांचे , कारोबारी माहौल और नियामक सुधारों में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।

- नई दिल्ली में नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिस्पॉन्सिबल बिज़नेस कंडक्ट (NCRBC) 2026 का आयोजन किया गया, जिसका थीम था "विकसित भारत के लिए ESG-लेड ट्रांसफॉर्मेशन।" कॉर्पोरेट अफेयर्स मंत्रालय के तहत इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ कॉर्पोरेट अफेयर्स (IICA) द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रेंस का फोकस भारत की डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी में एनवायर्नमेंटल, सोशल और गवर्नेंस (ESG) प्रिंसिपल्स को इंटीग्रेट करना था। एक्सपर्ट्स ने सस्टेनेबिलिटी और इनक्लूसिव ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए ट्रांसपेरेंट ESG रिपोर्टिंग , AI-इनेबल्ड रिपोर्टिंग , कॉर्पोरेट गवर्नेंस , रिस्पॉन्सिबल सप्लाई चेन और ग्रीनवाशिंग की रोकथाम पर ज़ोर दिया।
- लखनऊ के कुकरैल रिज़र्व फ़ॉरेस्ट में अपनी पहली अर्बन नाइट सफ़ारी बनाने की मंज़ूरी मिल गई है। 855 एकड़ में फैले इस ₹ 1,510 करोड़ के प्रोजेक्ट में नेचुरल वाइल्डलाइफ़ के बाड़े , एक डे ज़ू , इको-फ्रेंडली सफ़ारी गाड़ियाँ , जंगल के रास्ते और एजुकेशनल सेंटर शामिल होंगे। सफ़ारी में एशियाई शेर , बंगाल टाइगर , तेंदुए , लकड़बग्घे , उड़ने वाली गिलहरी और घड़ियाल जैसी प्रजातियाँ रहेंगी , जिससे वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन , इको-टूरिज़्म और एनवायरनमेंटल एजुकेशन को बढ़ावा मिलेगा।
- लद्दाख की पुगा वैली में अपना पहला डीप जियोथर्मल वेल चालू किया है, जिसमें ONGC एनर्जी सेंटर ने 1,000 मीटर तक दो कुएं खोदे हैं। इस प्रोजेक्ट का मकसद 1 MW के पायलट जियोथर्मल पावर प्लांट को सपोर्ट करना है , जिसका रिकॉर्ड किया गया टेम्परेचर 135°C है , जो मज़बूत जियोथर्मल पोटेंशियल दिखाता है। यह पहल रिन्यूएबल एनर्जी , 24×7 क्लीन पावर और सस्टेनेबल एनर्जी जेनरेशन को बढ़ावा देती है।
- PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन में उत्तर प्रदेश भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया। राज्य में 2.28 GW कैपेसिटी के साथ 6.74 लाख से ज़्यादा इंस्टॉलेशन हुए , जो गुजरात से पीछे है। इस प्रोग्राम ने क्लीन एनर्जी अपनाने को बढ़ावा दिया है , बिजली की लागत कम की है, और सोलर सेक्टर में लगभग 85,000 नौकरियां पैदा की हैं।
- भारी उद्योग मंत्रालय ने ₹ 18,100 करोड़ की PLI स्कीम के तहत 10 GWh एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) बैटरी बनाने के लिए बोलियां मंगाई हैं। इस आखिरी एलोकेशन फेज़ का मकसद 50 GWh घरेलू बैटरी कैपेसिटी बनाने का टारगेट पूरा करना है , जिसमें से लगभग 40 GWh पहले ही अलॉट हो चुकी हैं। 2021 में लॉन्च हुई यह स्कीम इलेक्ट्रिक गाड़ियों और रिन्यूएबल एनर्जी स्टोरेज के लिए ज़रूरी अगली पीढ़ी की बैटरी को सपोर्ट करती है। इसका मकसद इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करना, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मज़बूत करना, एनर्जी सिक्योरिटी में सुधार करना और एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी के ज़रिए भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांज़िशन को तेज़ करना है।
- यूनियन कैबिनेट ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए ₹ 1.27 लाख करोड़ के खर्च के साथ Semicon 2.0 को मंज़ूरी दी है। Semicon 1.0 पर आधारित यह प्रोग्राम चिप डिज़ाइन, फैब्रिकेशन, पैकेजिंग, रिसर्च और वर्कफ़ोर्स डेवलपमेंट पर फ़ोकस करता है। सेमीकंडक्टर AI, इलेक्ट्रिक गाड़ियों, टेलीकॉम, हेल्थकेयर और डिफ़ेंस इंडस्ट्रीज़ के लिए बहुत ज़रूरी हैं। इस पहल का मकसद इम्पोर्टेड चिप्स पर निर्भरता कम करना, इनोवेशन को बढ़ावा देना, इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करना और भारत को एक भरोसेमंद ग्लोबल सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर स्थापित करना है, साथ ही लंबे समय तक टेक्नोलॉजिकल आत्मनिर्भरता को सपोर्ट करना है।
- यूनियन कैबिनेट ने वाराणसी डीकंजेशन प्लान के तहत ₹ 25,400 करोड़ से ज़्यादा के दो बड़े हाईवे प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी है। इन प्रोजेक्ट्स में वरुणा और गंगा नदियों के किनारे एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं, जिससे यात्रा का समय कम होगा और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। काशी विश्वनाथ मंदिर को जोड़ने वाला 910 मीटर का केबल-स्टेड ब्रिज और 1.32 km का ट्रैवलेटर वाला फुट ओवरब्रिज भी प्लान किया गया है। NHAI द्वारा हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत लागू किए गए इन प्रोजेक्ट्स का मकसद भीड़भाड़ कम करना, टूरिज्म बढ़ाना, शहरी मोबिलिटी में सुधार करना और वाराणसी के ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना है।
- केंद्र सरकार मानसून सेशन के दौरान राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026 पेश करेगी। यह बिल वंदे मातरम को कानूनी सुरक्षा देता है , जिससे इसका अपमान या रुकावट डालना राष्ट्रीय झंडे और राष्ट्रीय गान की तरह सज़ा का हकदार होगा। यह संविधान के तहत बोलने की आज़ादी की रक्षा करते हुए खास शब्दों को बताता है। यह कदम भारत के आज़ादी के आंदोलन में वंदे मातरम की ऐतिहासिक भूमिका को पहचान देता है और इसका मकसद राष्ट्रीय प्रतीकों , देशभक्ति के मूल्यों और राष्ट्रीय गीत के सम्मान को बनाए रखना है।
- ICAR ने AI , रोबोटिक्स , प्रिसिजन फार्मिंग और क्लाइमेट-स्मार्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके खेती को मॉडर्न बनाने के लिए विकसित कृषि विजन 2047 लॉन्च किया है। रोडमैप का टारगेट 100 क्लाइमेट स्मार्ट गांव बनाना है , जो 100 मिलियन किसानों तक पहुंचेगा , और इसमें 43 फसल की किस्में , 17 खेती की टेक्नोलॉजी और 14 रिसर्च पब्लिकेशन शामिल हैं। यह डिजिटल नॉलेज प्लेटफॉर्म , इनोवेशन कमर्शियलाइजेशन, किसानों की बेहतर इनकम , फूड सिक्योरिटी और सस्टेनेबल खेती को बढ़ावा देता है। यह पहल टेक्नोलॉजी से चलने वाला और क्लाइमेट-रेसिलिएंट खेती का इकोसिस्टम बनाकर विकसित भारत 2047 के विजन को सपोर्ट करती है।
- इंडियन रेलवे, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत हरियाणा में जींद-सोनीपत रूट पर भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन शुरू करेगा। PEM फ्यूल सेल से चलने वाली यह ट्रेन सिर्फ़ पानी की भाप और गर्मी छोड़ती है , जिससे यह इको-फ्रेंडली है। इसमें 2,600 यात्री बैठ सकते हैं , इसमें एडवांस्ड सेफ्टी सिस्टम हैं, और इसमें 3,000 kg हाइड्रोजन रीफ्यूलिंग की सुविधा भी है। स्वदेशी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके बनाया गया यह प्रोजेक्ट नेट ज़ीरो , क्लीन मोबिलिटी , सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट और हाइड्रोजन से चलने वाले रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में इनोवेशन को सपोर्ट करता है।
- भारत सरकार ने भारत के एग्जामिनेशन सिस्टम का भरोसा मज़बूत करने के लिए इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक हाई-पावर्ड एग्जाम रिफॉर्म टास्क फोर्स बनाई है। यह पैनल पेपर लीक रोकने , गलत तरीकों पर रोक लगाने , ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने , टेक्नोलॉजी-बेस्ड मॉनिटरिंग में सुधार करने , सिक्योरिटी सिस्टम को मज़बूत करने और एग्जाम मैनेजमेंट को मॉडर्न बनाने के लिए सुधारों की सिफारिश करेगा। दूसरे सदस्यों में डॉ. एस. सोमनाथ , तपन डेका , प्रो. वी. कामकोटि , अनीता करवाल और अमृत लाल मीणा शामिल हैं। यह पहल प्रपोज़्ड पब्लिक एग्जामिनेशन (गलत तरीकों से बचाव) अमेंडमेंट बिल, 2026 से पहले की गई है , जिसमें एग्जाम में धोखाधड़ी के लिए कड़ी सज़ा की मांग की गई है।

- यूनिवर्सिटी ऑफ़ लीड्स और IIT खड़गपुर ने रिसर्च , एजुकेशन , इनोवेशन और स्टूडेंट मोबिलिटी में सहयोग को गहरा करने के लिए एक स्ट्रेटेजिक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (MoU) पर साइन किए। यह पार्टनरशिप फैकल्टी और स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम , जॉइंट एकेडमिक पहल , एंटरप्रेन्योरशिप और इंडस्ट्री सहयोग को बढ़ावा देती है। यह इनोवेशन को प्रैक्टिकल सॉल्यूशन में बदलने के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर , इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी डेवलपमेंट , स्टार्टअप सपोर्ट और रिसर्च कमर्शियलाइज़ेशन पर भी फोकस करता है। यह एग्रीमेंट इंडिया-UK एकेडमिक संबंधों को और मजबूत करता है , ग्लोबल टैलेंट डेवलपमेंट को बढ़ाता है , इंटरनेशनल रिसर्च के मौकों को बढ़ाता है, और स्टूडेंट्स को वैल्यूएबल क्रॉस-कल्चरल लर्निंग एक्सपीरियंस देता है।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रोमानिया की बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ़ इकोनॉमिक स्टडीज़ (ASE) से उनकी शानदार पब्लिक सर्विस, शिक्षा के प्रति कमिटमेंट , सोशल इन्क्लूजन और भारत-रोमानिया रिश्तों को मज़बूत करने के लिए डॉक्टर ऑनोरिस कॉसा की ऑनरेरी डिग्री मिली। उन्होंने यह सम्मान भारत के 1.4 बिलियन लोगों को समर्पित किया और इसे दोनों देशों के बीच पक्की दोस्ती का प्रतीक बताया। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा बराबरी लाने वाला बताया, अपने गाँव से राष्ट्रपति पद तक के अपने प्रेरणा देने वाले सफ़र के बारे में बताया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को नैतिकता , दया , ज्ञान और इंसानी मूल्यों के साथ बैलेंस करने पर ज़ोर दिया।
- NEET-UG परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि यह फैसला स्टूडेंट्स के सबसे अच्छे हित में और भारत के एजुकेशन सिस्टम में भरोसा वापस लाने के लिए लिया गया था। उन्होंने स्टूडेंट्स की चिंताओं को माना, देश बनाने में शिक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया, परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ सरकारी कार्रवाई पर ज़ोर दिया और प्रधानमंत्री और मंत्रालय के अधिकारियों को धन्यवाद दिया। इस विवाद ने कंप्यूटर-बेस्ड परीक्षाओं , मज़बूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर , बेहतर मॉनिटरिंग सिस्टम और तेज़ी से शिकायत सुलझाने के तरीकों पर चर्चा को तेज़ कर दिया है।
- धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद , प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75(2) के तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस नियुक्ति को मंजूरी दी। जोशी अपनी नई जिम्मेदारी के साथ-साथ उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और नई और रिन्यूएबल ऊर्जा मंत्रालय का काम भी संभालते रहेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता और 2004 से धारवाड़ के सांसद , उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को लागू करने में प्रधान की भूमिका की भी सराहना की।
- 26 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के एक लेटेस्ट AI होलोबॉक्स का उद्घाटन किया गया। इस एग्ज़िबिशन में एक हाइपर-रियलिस्टिक 3D AI अवतार है जो ऑथेंटिकेटेड ऐतिहासिक रिकॉर्ड , भाषणों , लेखों और आर्काइवल मटीरियल का इस्तेमाल करके विज़िटर्स के साथ इंटरैक्ट कर सकता है। उद्घाटन 27वें कारगिल विजय दिवस के साथ हुआ और इसमें माइक्रोफिल्म , ऐतिहासिक तस्वीरें , आर्काइवल वीडियो , ऑफिशियल डॉक्यूमेंट्स और पर्सनल लेटर दिखाने वाली एक स्पेशल एग्ज़िबिशन शामिल थी। यह पहल दिखाती है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैसे इमर्सिव एजुकेशनल एक्सपीरियंस बनाते हुए भारत की पॉलिटिकल , हिस्टोरिकल और कल्चरल विरासत को बचा सकता है।
- भारत सरकार ने तीन साल के लिए एनहाइड्रस अमोनिया को फर्टिलाइज़र के तौर पर बनाने और खेती में इस्तेमाल करने की मंज़ूरी दी है। इसका मकसद नाइट्रोजन के इस्तेमाल की क्षमता को बेहतर बनाना और यूरिया पर निर्भरता कम करना है। इसमें लगभग 82% नाइट्रोजन होता है , यह बहुत ज़्यादा गाढ़ा पोषक तत्व देता है, लेकिन इसके खतरनाक होने की वजह से इसके लिए खास उपकरण , सुरक्षित स्टोरेज और ट्रेनिंग से संभालने की ज़रूरत होती है। यह पहल सस्टेनेबल खेती को सपोर्ट करती है, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के साथ जुड़ी हुई है , ग्रीन अमोनिया और ग्रीन यूरिया प्रोडक्शन को बढ़ावा देती है, फर्टिलाइज़र सिक्योरिटी को मज़बूत करती है , इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करती है , और पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों को बढ़ावा देती है।
- बिहार में सिंचाई के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-एक्सेलरेटेड इरिगेशन बेनिफिट प्रोग्राम (PMKSY-AIBP) के तहत कोसी - मेची इंट्रा-स्टेट लिंक प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दी गई है। इस प्रोजेक्ट की बाकी लागत ₹ 6,143.22 करोड़ है , जिसमें ₹ 3,652.56 करोड़ केंद्र की मदद से मिलेंगे, और यह मार्च 2029 तक पूरा होने वाला है। इससे कोसी नदी से बचा हुआ पानी मेची बेसिन में जाएगा , पूर्वी कोसी मेन कैनाल को मॉडर्न बनाया जाएगा, सिंचाई का दायरा बढ़ाया जाएगा, पानी के इस्तेमाल की क्षमता में सुधार होगा , किसानों को मदद मिलेगी, खेती की प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी और पानी के टिकाऊ मैनेजमेंट को बढ़ावा मिलेगा।
- मिनिस्ट्री ऑफ़ अर्थ साइंसेज (MoES) ने 27 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के पृथ्वी भवन में अपना 20वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर मौसम की भविष्यवाणी , ओशन रिसर्च , क्लाइमेट साइंस , पोलर एक्सप्लोरेशन और आपदा की तैयारी में दो दशकों की उपलब्धियों को दिखाया गया। 2006 में बनी इस मिनिस्ट्री ने मिशन मौसम , पृथ्वी सिस्टम और डीप ओशन मिशन जैसे एडवांस्ड प्रोग्राम चलाए हैं। इस मौके पर AI-बेस्ड कोस्टल मॉनिटरिंग सिस्टम , अपग्रेडेड साइक्लोन वॉर्निंग फैसिलिटी , एडवांस्ड वेदर प्लेटफॉर्म और 13 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लॉन्च किए गए, जिससे साइंटिफिक इनोवेशन और पब्लिक सेफ्टी के लिए भारत का कमिटमेंट और मज़बूत हुआ।
- नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA) डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के तहत कागज़ पर आधारित प्रक्रियाओं की जगह एक सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म लाकर पूरे भारत में कानूनी कामकाज को बदल रहा है। इसे "वन नेशन, वन एप्लीकेशन" के विज़न के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है। NeVA लेजिस्लेटिव डॉक्यूमेंट्स, प्रोसिडिंग्स और एडमिनिस्ट्रेटिव वर्कफ़्लो को डिजिटाइज़ करता है। लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, 37 में से 33 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के लेजिस्लेचर ने MoU साइन किए हैं , जबकि 21 लेजिस्लेटिव हाउस पहले ही पूरी तरह से डिजिटल हो चुके हैं। यह प्लेटफॉर्म लेजिस्लेटर्स, अधिकारियों और नागरिकों के बीच ट्रांसपेरेंसी , एफिशिएंसी , एक्सेसिबिलिटी और कोऑर्डिनेशन को बेहतर बनाता है, साथ ही पेपरलेस गवर्नेंस और लगातार टेक्नोलॉजिकल अपग्रेड को बढ़ावा देता है।

- एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फ़ूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (APEDA) ने 30 जुलाई 2026 को कर्नाटक के नीलम और तोतापुरी आमों की पहली एयर शिपमेंट मालदीव भेजी। कोलार ज़िले से लगभग एक मीट्रिक टन आम अहिल्या देवी वेंचर्स की अश्विनी ए ने एक्सपोर्ट किया। APEDA के चेयरमैन अभिषेक देव ने इसे हरी झंडी दिखाई , इस पहल से किसानों को प्रीमियम एक्सपोर्ट प्राइसिंग के ज़रिए 50% से ज़्यादा ज़्यादा रिटर्न कमाने में मदद मिली। किसान प्रोड्यूसर कंपनियों (FPCs) के सपोर्ट से , इसने महिलाओं के नेतृत्व वाले एग्री-बिज़नेस को बढ़ावा दिया, ग्लोबल हॉर्टिकल्चर एक्सपोर्ट को बढ़ाया , और किसानों की इनकम को मज़बूत किया।
- अहमदाबाद ने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेज़बानी के अपने विज़न को दिखाने के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के दौरान ग्लासगो में अहमदाबाद एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। गुजरात के डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी द्वारा खोला गया यह सेंटर अहमदाबाद के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर , गुजरात की कल्चरल हेरिटेज और गेम्स के सौवें एडिशन की तैयारियों को दिखाता है। इसने एक दिन में एथलीट्स, डेलीगेट्स और स्पोर्ट्स ऑफिशियल्स से 5,000 से ज़्यादा रजिस्ट्रेशन करवाए। लॉन्च में ट्रेडिशनल गरबा परफॉर्मेंस भी हुई, जबकि ब्रिटिश काउंसिल के साथ भविष्य की एजुकेशनल और कल्चरल पार्टनरशिप को मज़बूत करने पर बातचीत हुई।
- एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फ़ूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (APEDA) ने बिहार से कनाडा तक वैल्यू-एडेड फ्लेवर्ड मखाना (फॉक्स नट्स) की पहली समुद्री शिपमेंट को मुमकिन बनाया , जो भारत के एग्री -एक्सपोर्ट के लिए एक बड़ी कामयाबी है। न्यूट्रिविन द्वारा प्रोसेस किया गया 7-मेट्रिक-टन का कंसाइनमेंट एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को दरभंगा से मुंद्रा पोर्ट के ज़रिए ZKV फ़ूड्स, कनाडा भेजा गया। इंटरनेशनल फ़ूड सेफ़्टी और क्वालिटी स्टैंडर्ड के हिसाब से बनी यह पहल वैल्यू-एडेड एग्रीकल्चरल एक्सपोर्ट को बढ़ावा देती है , ब्रांडिंग , पैकेजिंग और ग्लोबल मार्केट तक पहुँच को बेहतर बनाती है , साथ ही किसानों को 50% से ज़्यादा इनकम कमाने में मदद करती है।
- लोकसभा ने नेशनल ऑनर के अपमान की रोकथाम (अमेंडमेंट) बिल, 2026 पास कर दिया है , जिससे भारत के नेशनल सॉन्ग वंदे मातरम को कानूनी सुरक्षा मिलेगी। नेशनल ऑनर के अपमान की रोकथाम एक्ट, 1971 में यह संशोधन, इसके गाए जाने के दौरान जानबूझकर अपमान या रुकावट को सज़ा का अपराध बनाता है , और इसे नेशनल फ्लैग , संविधान और नेशनल एंथम को मिली सुरक्षा के बराबर रखता है। संसद के दोनों सदनों से मंज़ूरी मिलने के बाद , बिल को प्रेसिडेंट के पास मंज़ूरी के लिए भेजा गया है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए वंदे मातरम ने भारत के आज़ादी के आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी।
- शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी ने आर्कटिक और अंटार्कटिक मामलों में भारत की भागीदारी को मज़बूत करने के लिए एक डेडिकेटेड पोलर रिप्रेजेंटेटिव नियुक्त करने की सिफारिश की। 30 जुलाई 2026 को पार्लियामेंट में पेश की गई, "आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में भारत की भूमिका और उपस्थिति" टाइटल वाली रिपोर्ट में पोलर डिप्लोमेसी , साइंटिफिक सहयोग और लॉन्ग-टर्म स्ट्रेटेजिक प्लानिंग को बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया। इसमें अंटार्कटिका में एक नए मैत्री रिसर्च स्टेशन के जल्द निर्माण की भी मांग की गई , जिसमें कहा गया कि पोलर क्षेत्रों में बदलाव भारत के क्लाइमेट, मानसून , समुद्र के लेवल और कोस्टल सिक्योरिटी पर काफी असर डालते हैं।
- इंडियन रेलवे ने 31 जुलाई 2026 से कन्फर्म रिज़र्व टिकट वाले पैसेंजर के लिए ऑनलाइन पर्सनल लगेज बुकिंग की सुविधा शुरू की है। सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (CRIS) का बनाया यह प्लेटफॉर्म पैसेंजर को टिकट रिज़र्व करते समय ज़्यादा लगेज ऑनलाइन बुक करने की सुविधा देता है , जिससे लगेज काउंटर पर जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। यह सिस्टम फ्री बैगेज अलाउंस , मंज़ूर लिमिट , चार्ज , मना की गई चीज़ें और लागू पेनल्टी दिखाता है। फ्री लगेज लिमिट सेकंड क्लास में 35 kg से लेकर AC फर्स्ट क्लास में 70 kg तक है , जबकि बड़े साइज़ के लगेज को ब्रेक वैन में अलग से बुक करना होगा।
- अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के चार साल पूरे होने पर , भारत की 15वीं राष्ट्रपति और पहली आदिवासी राष्ट्रपति , राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में कई नागरिक-केंद्रित और सस्टेनेबिलिटी-केंद्रित पहल शुरू कीं। इन पहलों में RAAHI (राष्ट्रपति भवन एक्सेस एंड हेरिटेज इंटरकनेक्टर) प्रोजेक्ट, एक एप्लीकेशन-बेस्ड ई-ऑडियो गाइड , ई- उपहार का तीसरा एडिशन , बच्चों के लिए बचपन - बाल परिसर , सर्विस ब्लॉक के लिए नेट ज़ीरो एनर्जी स्ट्रैटेजी और प्रेसिडेंट एस्टेट के अंदर बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। इन पहलों का मकसद विज़िटर एक्सपीरियंस , हेरिटेज कंज़र्वेशन , डिजिटल गवर्नेंस , पब्लिक एंगेजमेंट और एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी को बेहतर बनाना है।
- वस्त्र उत्सव 2026 , जिसे फ्रेंड्स ऑफ़ दक्षिणचित्र (FOD) ने चेन्नई के पास दक्षिणचित्र म्यूज़ियम के लिए फंडरेज़र के तौर पर ऑर्गनाइज़ किया है , भारत की हैंडलूम विरासत , पारंपरिक क्राफ्ट और सस्टेनेबल फ़ैशन का जश्न मनाता है। यह एग्ज़िबिशन देश भर के मास्टर बुनकरों, कारीगरों, डिज़ाइनरों, क्राफ्ट को फिर से ज़िंदा करने वालों और महिला एंटरप्रेन्योर्स को एक साथ लाती है। इसमें लगभग 50 स्टॉल्स हैं , जिनमें हाथ से बुने हुए कपड़े , नेचुरल फ़ाइबर , पारंपरिक रंगाई की तकनीक , SHG प्रोडक्ट , बाजरा से बने खाने की चीज़ें और देसी क्राफ्ट दिखाए जाते हैं। यह इवेंट कारीगरों की रोज़ी-रोटी , महिलाओं के एम्पावरमेंट , एथिकल फ़ैशन और भारत की रिच टेक्सटाइल और कल्चरल विरासत के बचाव को बढ़ावा देता है।
- मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत घरेलू टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को मज़बूत करने के लिए, भारत का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन (TMZ) ग्वालियर, मध्य प्रदेश में बनाया जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार और डिपार्टमेंट ऑफ़ टेलीकम्युनिकेशंस (DoT) के बीच एक MoU साइन किया जाएगा , जिसके बाद एक स्पेशल पर्पस कंपनी (SPC) बनाई जाएगी। 350 एकड़ में फैले इस प्रोजेक्ट में मोबाइल फ़ोन, टेलीकॉम इक्विपमेंट, ऑप्टिकल फ़ाइबर , सेमीकंडक्टर, 5G और 6G प्रोडक्ट बनाए जाएँगे। सेंट्रल फ़ंडिंग में ₹ 493 करोड़ से सपोर्टेड , इससे ₹ 12,000–15,000 करोड़ का इन्वेस्टमेंट आने और लगभग 5,000 डायरेक्ट जॉब्स बनने की उम्मीद है।

- भारत की सबसे पुरानी साइंटिफिक रिसर्च संस्था , इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस (IACS) ने 2026 में अपने 150 साल पूरे कर लिए हैं। 29 जुलाई 1876 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में डॉ. महेंद्रलाल सरकार ने इसे शुरू किया था। इस संस्था ने साइंटिफिक रिसर्च को बढ़ावा देने और भारतीय वैज्ञानिकों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है। बंगाल पुनर्जागरण के दौरान , IACS ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैटेरियल्स साइंस में अहम योगदान दिया। इसकी सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि सर सी.वी. रमन की 1928 में रमन इफेक्ट की खोज थी , जिसके लिए उन्हें 1930 में फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार मिला। अभी डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (DST) के तहत काम कर रही IACS भारत में इनोवेशन और एडवांस्ड रिसर्च को बढ़ावा दे रही है।
- इंडियन रेलवे ने 31 जुलाई 2026 को मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस के ज़रिए भारत का पहला लाइव डोनर हार्ट सक्सेसफुली ट्रांसपोर्ट करके एक बड़ा माइलस्टोन हासिल किया। ऑर्गन को सूरत से अहमदाबाद ले जाया गया और एक क्रिटिकल ट्रांसप्लांट प्रोसीजर के लिए यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर पहुंचाया गया। ट्रेन नंबर 20901 ने ज़रूरी ऑर्गन वायबिलिटी पीरियड के अंदर यह सफर पूरा किया। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) और गुजरात स्टेट पुलिस की मदद से अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से हॉस्पिटल तक एक स्पेशल ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इस ऑपरेशन ने इमरजेंसी हेल्थकेयर लॉजिस्टिक्स में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती भूमिका को हाईलाइट किया और इसमें रेलवे अधिकारियों, डॉक्टरों, सिक्योरिटी एजेंसियों और ट्रांसप्लांट टीमों के बीच कोऑर्डिनेशन शामिल था।

सरकारी योजनाएँ

केंद्र सरकार की योजनाएँ

पहल का नाम	मंत्रालय	वर्ष	उद्देश्य
भव्य रसायन योजना (भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन)	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	24 जुलाई 2026 को मंज़ूरी; FY 2026–31	विकसित भारत 2047 के तहत केमिकल इंडस्ट्री की कॉम्पिटिटिवनेस बढ़ाने, प्रोडक्शन कॉस्ट कम करने, इन्वेस्टमेंट अट्रैक्ट करने और रोज़गार पैदा करने के लिए शेयर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर (CETP, TSDF, खतरनाक वेस्ट मैनेजमेंट, पाइपलाइन, लॉजिस्टिक्स) के साथ तीन इंटीग्रेटेड केमिकल पार्क बनाए गए हैं।
ईपीएफओ एमनेस्टी स्कीम 2026	श्रम और रोजगार मंत्रालय	2026	छूट वाले PF ट्रस्ट के लिए छह महीने का एक बार का कम्प्लायंस विंडो, ताकि पेंडिंग कानूनी फॉर्मैलिटी पूरी हो सकें और गवर्नेंस बेहतर हो सके।
मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	वित्त वर्ष 2025–26	आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों के लिए योजना को एकीकृत करता है
सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन	शिक्षा मंत्रालय / कार्मिक	2026	पेपर लीक और धोखाधड़ी के लिए कम से कम जेल की सज़ा बढ़ाकर 5 साल और जुर्माना ₹ 10 करोड़ तक किया गया
सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) योजना 4.0	इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (डिजिटल इंडिया मिशन)	चल रहे	गांव के एंटरप्रेन्योर्स को 500+ डिजिटल सरकारी/प्राइवेट सर्विस देने में मदद करता है
ईपीएफ योजना 2026	श्रम और रोजगार मंत्रालय / ईपीएफओ	29 जून 2026 से प्रभावी	कुछ पैसे निकालने के नियमों में बदलाव; 25% मिनिमम बैलेंस का नियम, UPI से पैसे निकालना, WhatsApp सर्विस शुरू कीं
वीबी-जी रैम जी अधिनियम, 2025	ग्रामीण विकास मंत्रालय	1 जुलाई 2026 से प्रभावी	MGNREGA की जगह; राज्यवार बदली हुई मज़दूरी के साथ 125 दिन के ग्रामीण मज़दूरी वाले रोज़गार की गारंटी
ईपीएफओ विश्वास 2026	श्रम और रोजगार मंत्रालय / ईपीएफओ	2026 (29 जून से 6 महीने की अवधि)	पेंडिंग EPF डैमेज/पेनल्टी विवादों को कम पेनल्टी रेट के साथ सुलझाने के लिए वन-टाइम स्कीम
मोबाइल फोन विनिर्माण योजना (एमपीएमएस)	इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय	वित्त वर्ष 2026–27 से 2030–31	लोकल मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, वैल्यू एडिशन और इंडियन ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए ₹ 62,500 करोड़ की स्कीम
भारत टैक्सी (राष्ट्रीय सहकारी मंच)	सहकारिता मंत्रालय	2026	कोऑपरेटिव राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म (" सहकार से समृद्धि") ड्राइवरों को ओनरशिप/शेयरहोल्डिंग दे रहा है

राज्य सरकार की योजनाएँ

पहल का नाम	राज्य	वर्ष	उद्देश्य
महिला सामर्थ्य योजना	उत्तर प्रदेश (यूपीएसआरआरएलएम)	2026	SHGs के ज़रिए ग्रामीण महिलाओं को स्किल ट्रेनिंग, ₹ 15,000 का रिवॉल्विंग फंड, मार्केट लिंकेज के ज़रिए सशक्त बनाना
निःशुल्क बोरिंग योजना 2026	उतार प्रदेश।	2026 (मूल 1985)	छोटे/सीमांत/SC-ST किसानों के लिए मुफ़्त खेती के बोरवेल और सब्सिडी वाले पंप सेट
महिला उद्यम निधि योजना 2026	उतार प्रदेश।	2026	₹ 50,000– ₹ 10 लाख तक के लोन ~4% ब्याज पर
खेत सुरक्षा योजना 2026	उतार प्रदेश।	2026	आवारा जानवरों से फसलों को बचाने के लिए सोलर पावर्ड इलेक्ट्रिक फेंसिंग के लिए 70% तक सब्सिडी
एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना 2026	उतार प्रदेश।	2026	75 जिलों में पारंपरिक उद्योगों/कारीगरों के लिए ₹ 25 लाख तक के लोन , 25% मार्जिन सब्सिडी
दिल्ली लक्ष्मी योजना	दिल्ली	2026 (रजिस्ट्रेशन 1 अगस्त 2026 से)	योग्य महिलाओं को ₹ 2,500/महीना DBT; ₹ 5,110 करोड़ आवंटित, 17+ लाख महिलाओं को फ़ायदा
भारत टैक्सी (महाराष्ट्र लॉन्च)	महाराष्ट्र	2026	नवी मुंबई एयरपोर्ट पर फिक्स्ड किराए और बिना किसी सर्ज प्राइसिंग के कोऑपरेटिव राइड सर्विस
परिवर्तन योजना	दिल्ली	2026	टैक्स छूट और सब्सिडी के ज़रिए BS-IV कमर्शियल गाड़ियों की जगह BS-VI/EVs लाए जाएंगे
मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान	छत्तीसगढ	चल रहे	सुकमा में मां/बच्चे की हेल्थकेयर में सुधार; इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी बढ़कर 98.6% हुई
गृह ज्योति योजना	कर्नाटक	चल रहे	योग्य घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 200 यूनिट तक मुफ़्त बिजली
मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAAY)	राजस्थान	चल रहे	₹ 25 लाख तक का कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस , जिसमें 1,700+ प्रोसीजर कवर होते हैं
मिनी नंदी किसान समृद्धि योजना	कर्नाटक	चल रहे	देसी नस्ल की 10 गायों वाली डेयरी यूनिट के लिए 50% सब्सिडी (₹ 11.80 लाख तक)
उद्योगिनी योजना	कर्नाटक	चल रहे	₹ 3 लाख तक का कोलेटरल-फ्री लोन ; SC/ST महिलाओं के लिए 50% सब्सिडी
थायी भाग्य योजना	कर्नाटक	चल रहे	BPL/SC/ST महिलाओं को पहली दो डिलीवरी तक फ्री कैशलेस मैटरनिटी केयर
मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना (एमएमवाईएसवाई) 2026	राजस्थान	31 मार्च 2029 तक	युवा उद्यमियों (उम्र 18-45) के लिए ₹ 10 लाख तक का ब्याज-मुक्त, कोलैटरल-मुक्त लोन
कृषि अरण्य प्रोत्साहन योजना (KAPY)	कर्नाटक	चल रहे	3 साल तक हर पौधे के हिसाब से पेमेंट करके एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ावा देता है
मुख्यमंत्री मछुआरा सम्मान निधि योजना	हिमाचल प्रदेश	2026	मछली पकड़ने पर रोक से प्रभावित ~3,700 जलाशय मछुआरों को सालाना ₹ 3,500 DBT दिया जाएगा
महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना (एमजेपीजेएवाई)	महाराष्ट्र	2012	कैशलेस हेल्थ ट्रीटमेंट का खर्च ₹ 1.5 लाख/परिवार (ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए ₹ 2.5 लाख)
माझी कन्या भाग्यश्री योजना	महाराष्ट्र	2017	भ्रूण हत्या रोकने और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लड़कियों के लिए ₹ 50,000/ ₹ 25,000 का फिक्स्ड डिपॉजिट
जलवायु-लचीला ग्राम पहल (किल्लाई)	तमिलनाडु	2026	चक्रवात, बाढ़, समुद्र के बढ़ते जलस्तर के खिलाफ़ समुदाय-आधारित तटीय लचीलापन मॉडल

अंतरराष्ट्रीय मामले

- तारिक रहमान के बीजिंग दौरे के दौरान चीन के साथ बातचीत के बाद बांग्लादेश के तीस्ता नदी कॉम्प्रिहेंसिव मैनेजमेंट और रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट पर ध्यान गया। इस प्रोजेक्ट में 140 मिलियन क्यूबिक मीटर सेडिमेंट की ड्रेजिंग, 171 sq km ज़मीन को फिर से बनाना, 234 km के तटबंध बनाना और उनकी मरम्मत करना, 224 km का रोड नेटवर्क बनाना और 82 जेट्टी बनाना शामिल है। क्योंकि तीस्ता नदी सिक्किम , पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से होकर बहती है , इसलिए यह प्रोजेक्ट भारत-बांग्लादेश पानी के बंटवारे , रीजनल कनेक्टिविटी और बॉर्डर पार सहयोग के लिए स्ट्रेटेजिक महत्व रखता है। चीन ने किसी तीसरे देश को टारगेट किए बिना टेक्निकल सपोर्ट के तौर पर अपनी भूमिका पर ज़ोर दिया।
- इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (ITU) और सेल्सफोर्स ने AI फॉर गुड ग्लोबल कमीशन शुरू किया है। इसका मकसद दुनिया भर में ज़िम्मेदार , सबको साथ लेकर चलने वाले और टिकाऊ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस को बढ़ावा देना है। इस कमीशन में सरकारों, इंडस्ट्री, एकेडेमिया और इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन के 40 से ज़्यादा ग्लोबल लीडर शामिल हैं। भारतीय बिज़नेस लीडर मुकेश अंबानी , सुनील भारती मित्तल , लक्ष्मी एन. मित्तल और विशाल तलवार इसके फाउंडिंग मेंबर हैं, जो AI गवर्नेंस में भारत के बढ़ते असर को दिखाता है। पॉल कागामे और डोरेन बोगदान-मार्टिन के वाइस-चेयरमैन के साथ , यह कमीशन AI फॉर गुड ग्लोबल समिट 2026 के दौरान बातचीत शुरू करेगा।
- वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन (WHO) ने बुंडिबुग्यो इबोला वायरस के लिए पहला मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टेस्ट अपनी इमरजेंसी यूज़ लिस्टिंग (EUL) में जोड़ा है , जिससे बीमारी फैलने पर लैब में तेज़ी से कन्फर्मेशन हो सकेगा। यह टेस्ट ब्लड सैंपल में वायरल RNA का पता लगाता है, जिससे ज़ैरे इबोलावायरस से अलग स्ट्रेन का डायग्नोसिस बेहतर होता है। 2007 में युगांडा में पहली बार पहचाने गए इस वायरस ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो (DRC) में बड़ा आउटब्रेक किया है। यह नया डायग्नोस्टिक आउटब्रेक की तैयारी को मज़बूत करता है, टेस्टिंग कैपेसिटी बढ़ाता है, और वायरल हैमरेजिक फीवर और पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी के खिलाफ ग्लोबल रिस्पॉन्स को बेहतर बनाता है।
- भारत और माली ने बाइलेटरल ट्रेड और इन्वेस्टमेंट को इंस्टीट्यूशनल बनाने के लिए बमाको में एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए पहला इंडिया-माली फोरम लॉन्च किया। FY 2025-26 में बाइलेटरल ट्रेड US$326.61 मिलियन तक पहुंच गया, जिसमें भारत की DFTP स्कीम से 55% की ग्रोथ हुई। फोरम में B2B , B2G और G2G मीटिंग हुईं, जिनमें टेक्सटाइल, माइनिंग, फार्मास्यूटिकल्स, एनर्जी, डिजिटल ट्रेड और एग्रो-इंडस्ट्री पर फोकस किया गया। माली ने दिसंबर 2026 के लिए एक इन्वेस्टमेंट फोरम की भी घोषणा की , जो स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप, इन्वेस्टमेंट के मौकों और लंबे समय के इकोनॉमिक सहयोग को मजबूत करेगा।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप को मजबूत करने के लिए 6-11 जुलाई 2026 तक इंडोनेशिया , ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का छह दिन का डिप्लोमैटिक दौरा शुरू किया। इंडोनेशिया में, वे राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो से मिलेंगे और कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप का रिव्यू करेंगे। ऑस्ट्रेलिया में, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानसे के साथ चर्चा डिफेंस , ट्रेड , ज़रूरी टेक्नोलॉजी और एजुकेशन पर फोकस करेगी। न्यूजीलैंड दौरे में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ आर्थिक सहयोग पर बातचीत शामिल है। यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी , MAHASAGAR विजन और एक फ्री और इनक्लूसिव इंडो-पैसिफिक के प्रति कमिटमेंट को मजबूत करता है।
- भारत जिनेवा में कंज्यूमर प्रोटेक्शन लॉ और पॉलिसी पर UNCTAD इंटरगवर्नमेंटल ग्रुप ऑफ़ एक्सपर्ट्स (IGE) के नौवें सेशन की अध्यक्षता कर रहा है। निधि खरे की लीडरशिप में , यह मीटिंग ग्लोबल कंज्यूमर प्रोटेक्शन , इंटरनेशनल कोऑपरेशन और पॉलिसी कोऑर्डिनेशन को मजबूत करने पर फोकस कर रही है। एक बड़ी हाइलाइट कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी के लिए UN प्रिंसिपल्स का लॉन्च है , जिसे दिसंबर 2025 में UN जनरल असेंबली ने अपनाया था। भारत नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन और AI-पावर्ड ई-जागृति प्लेटफॉर्म जैसी पहल दिखा रहा है , जो डिजिटल कंज्यूमर शिकायत निवारण और इंटरनेशनल कंज्यूमर पॉलिसी में अपनी लीडरशिप को हाईलाइट करता है।
- भारत और इंडोनेशिया ने डिफेंस , ट्रेड , मैरीटाइम सिक्योरिटी , स्पेस , एजुकेशन , डिजिटल पेमेंट , हेल्थकेयर , ज़रूरी मिनरल्स और टेलीकम्युनिकेशन से जुड़े 14 एग्रीमेंट्स पर साइन करके अपनी कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मज़बूत किया। इंडोनेशिया US$600 मिलियन से ज़्यादा कीमत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल और एस्ट्रा बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (BVRAAMs) खरीदने पर राज़ी हुआ। दोनों देशों ने एक आज़ाद , खुले , सबको साथ लेकर चलने वाले और नियमों पर आधारित इंडो-पैसिफिक के लिए सपोर्ट को फिर से पक्का किया , जिसमें ASEAN सेंट्रलिटी , मैरीटाइम कोऑपरेशन, इंटरनेशनल लॉ और मज़बूत रीजनल सिक्योरिटी पर ज़ोर दिया गया, जिससे दोनों देशों के स्ट्रेटेजिक और डिफेंस रिश्ते और गहरे हुए।
- स्विट्जरलैंड ने घोषणा की है कि जिनेवा AI समिट 2027, ITU AI फॉर गुड ग्लोबल समिट के साथ 21-22 जून 2027 को होगा। इस इवेंट में दुनिया के लीडर , रिसर्चर , टेक्नोलॉजी कंपनियां और इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन AI गवर्नेंस , इनोवेशन , एथिक्स , AI सेफ्टी और ज़िम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होंगे। पिछले ग्लोबल AI समिट को आगे बढ़ाते हुए, इस कॉन्फ्रेंस का मकसद ह्यूमन-सेंट्रिक , इनक्लूसिव और भरोसेमंद AI को बढ़ावा देना है, साथ ही मल्टीलेटरल डिप्लोमेसी और इंटरनेशनल पॉलिसीमेकिंग के लिए ग्लोबल सेंटर के तौर पर जिनेवा की भूमिका को मज़बूत करना है।
- भारत और म्यांमार ने नई दिल्ली में 23वीं नेशनल-लेवल बॉर्डर कोऑर्डिनेशन मीटिंग की , जिसमें 1,643 km लंबे बॉर्डर पर सुरक्षा का रिव्यू किया गया। दोनों देश इंटेलिजेंस शेयरिंग और ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन को बढ़ाकर आतंकवाद , बगावत , नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग , हथियारों की तस्करी , ह्यूमन ट्रैफिकिंग , वाइल्डलाइफ क्राइम और साइबर क्राइम के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। चर्चा में कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट और भारत-म्यांमार-थाईलैंड ट्राइलेटरल हाईवे पर भी बात हुई , जो भारत के पड़ोस को सपोर्ट करता है।

APEX

RAILWAYS MAHAPACK

RRB NTPC, Group D, RRB ALP, Technician, RPF Constable & SI

Selection Ka Saathi

WHAT WILL YOU GET

- Access to Structured Classes in **Live** & **Recorded** Form
- Mock & Topic Tests based on **Latest Pattern** with Detailed Solution
- Doubt Solving on **App, Telegram** Groups & **In Person** at Offline Centers
- Seminar & **Topper Talks** at Offline Centers
- In-Person Counseling, Physical Support **Helpdesk** at Offline Centers

- Exams Covered: **8**
- Complete Preparation in One Mahapack
- Latest Pattern Focused Content
- Learn From Experts & Top Educators

PRODUCT OFFERINGS

13337	1620	9625	35420+
Mock Tests	E-Books	Videos	Live Classes

- Trusted by Lakhs of Aspirants
- High Quality Content by Experts
- Accessible Anytime, Anywhere
- Dedicated Support for Your Success

- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, OpenAI फ्रंटियर AI सिस्टम्स के लिए नए US डिपार्टमेंट ऑफ़ कॉमर्स फ्रेमवर्क के तहत इवैल्यूएशन पूरा करने के बाद GPT-5.6 को बड़े लेवल पर रोलआउट करने का प्लान बना रहा है। रिव्यू में एडवांस्ड AI मॉडल्स के लिए ओवरसाइट बनाने वाले 2026 के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के तहत साइबर सिक्योरिटी , नेशनल सिक्योरिटी , AI सेफ्टी और गलत इस्तेमाल के रिस्क का असेसमेंट किया गया। यह फ्रेमवर्क साइबर खतरों, गलत जानकारी, मिलिट्री गलत इस्तेमाल और दुश्मन एक्टर्स के खिलाफ सेफगार्ड्स के साथ इनोवेशन को बैलेंस करने की कोशिश करता है। OpenAI और US अथॉरिटीज़ की तरफ से अभी तक ऑफिशियल कन्फर्मेशन जारी नहीं किया गया था।
- भारत और किर्गिस्तान ने बिश्केक में इंटरनेशनल सेंटर फॉर सिविलाइज़ेशनल स्टडीज़ – मानस और महाभारत का उद्घाटन किया। इसका मकसद कम्पेरेटिव रिसर्च, कल्चरल डिप्लोमेसी और एकेडमिक सहयोग को बढ़ावा देना है। यह सेंटर महाभारत और मानस महाकाव्य की स्टडी करेगा , जिससे लिटरेचर, फिलॉसफी, इतिहास और इंटरनेशनल रिलेशन में इंटरडिसिप्लिनरी काम को बढ़ावा मिलेगा। सात किर्गिज़ यूनिवर्सिटी के साथ हुए एग्रीमेंट से फैकल्टी एक्सचेंज, जॉइंट रिसर्च और एजुकेशनल प्रोग्राम को सपोर्ट मिलेगा। इस इवेंट में मानस महाकाव्य का पहला हिंदी ट्रांसलेशन भी रिलीज़ हुआ , जिससे एजुकेशन और स्कॉलरशिप के ज़रिए दोनों देशों के बीच सदियों पुराने कल्चरल और सिविलाइज़ेशनल रिश्ते मज़बूत होंगे।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में तीसरे सालाना समिट के दौरान PACTS (साइबर, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन के लिए पार्टनरशिप) लॉन्च किया। यह पहल सरकारों, इंडस्ट्री, यूनिवर्सिटी और इनोवेटर्स के बीच सहयोग के ज़रिए साइबर सिक्योरिटी , आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , सेमीकंडक्टर , ज़रूरी मिनरल , डिजिटल रेजिलिएंस और डिफेंस रिसर्च में सहयोग को बढ़ावा देती है। पाँच स्ट्रेटेजिक पिलर्स के आस-पास बने PACTS का मकसद सुरक्षित सप्लाई चेन, टेक्नोलॉजी कमर्शियलाइज़ेशन और इनोवेशन को मज़बूत करना है। इसके साथ ही, दोनों देशों ने एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और रिसर्च में तीन-तरफ़ा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-इंडिया टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पार्टनरशिप (ACITI) लॉन्च की।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एंथनी अल्बानीज़ ने मेलबर्न में तीसरे इंडिया-ऑस्ट्रेलिया सालाना समिट के दौरान कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप (CSP) को फिर से पक्का किया। दोनों नेताओं ने 2020 से अब तक हुई प्रोग्रेस का रिव्यू किया और ट्रेड और इन्वेस्टमेंट को बढ़ाने के लिए कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक कोऑपरेशन एग्रीमेंट (CECA) को पूरा करने का वादा किया। बातचीत में डिफेंस , ज़रूरी मिनरल्स , क्लीन एनर्जी , साइबर सिक्योरिटी , स्पेस , सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन , एजुकेशन, रिन्यूएबल एनर्जी और रिसर्च शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया ने पुरानी भारतीय कलाकृतियों को वापस करने, स्ट्रेटेजिक कोऑपरेशन के साथ-साथ कल्चरल रिश्तों को मज़बूत करने और एक स्थिर, नियमों पर आधारित इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप को मज़बूत करने की भी घोषणा की।
- भारत और न्यूज़ीलैंड ने अपने रिश्तों को स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक बढ़ाया और 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना करके ₹ 35,000 करोड़ (NZ$7 बिलियन) करने का लक्ष्य रखा। दोनों देशों ने स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप रोडमैप 2030 अपनाया, जिसमें व्यापार, खेती, क्लीन एनर्जी, शिक्षा, इनोवेशन, स्किल्स और खेल पर ध्यान दिया गया। हाल ही में हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) से आर्थिक सहयोग मजबूत होने की उम्मीद है। न्यूज़ीलैंड ने लंबे समय के आर्थिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए भारत में $20 बिलियन के निवेश की भी घोषणा की।
- UN Women की एक रिपोर्ट में गंभीर मानवीय फंडिंग संकट पर ज़ोर दिया गया है , जिसमें कहा गया है कि डोनर सपोर्ट कम होने की वजह से दस लाख से ज़्यादा महिलाओं और लड़कियों को ज़रूरी मदद नहीं मिल पाई। महिलाओं के नेतृत्व वाले 855 संगठनों के सर्वे में पाया गया कि 40% के एक साल के अंदर बंद होने का खतरा है, जबकि कई ने अपने स्टाफ और सर्विस कम कर दिए हैं। फंडिंग की कमी ने जेंडर-बेस्ड वायलेंस प्रोटेक्शन, रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर, एजुकेशन और शेल्टर पर असर डाला है, जिससे महिलाओं के नेतृत्व वाले मानवीय संगठनों में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बढ़ाने की मांग उठ रही है।
- 322 लेबर MPs का सपोर्ट मिलने के बाद एंडी बर्नहैम यूनाइटेड किंगडम के अगले प्राइम मिनिस्टर बनने वाले हैं। लेबर पार्टी के नियमों के मुताबिक , एक विरोधी कैंडिडेट के लिए 81 नॉमिनेशन की ज़रूरत होती है , जिससे बर्नहैम का लीडरशिप लगभग पक्का हो गया है। उम्मीद है कि वह कीर स्टारमर की जगह लेंगे , जिन्होंने लेबर के खराब लोकल इलेक्शन परफॉर्मेंस के बाद इस्तीफा दे दिया था। लीडरशिप ट्रांज़िशन से पार्टी की स्ट्रेटेजी को नया शेप मिलने और आने वाले नेशनल इलेक्शन से पहले जनता का भरोसा वापस आने की उम्मीद है।
- भारत और न्यूज़ीलैंड ने 2030 तक के लिए स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप रोडमैप अपनाया , जिसमें डिफेंस , मैरीटाइम सिक्योरिटी, डिज़ास्टर मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, एजुकेशन, टूरिज्म, कल्चर और साइंटिफिक रिसर्च को कवर करने वाले 10 एग्रीमेंट साइन किए गए। मुख्य नतीजों में डिफेंस लॉजिस्टिक्स कोऑपरेशन , काउंटर-टेररिज्म पर जॉइंट वर्किंग ग्रुप , एनिमल हसबैंड्री एग्रीमेंट , नागालैंड और उत्तराखंड में कीवीफ्रूट सेंटर्स ऑफ़ एक्सीलेंस और बढ़ा हुआ इंडो-पैसिफिक कोऑपरेशन शामिल हैं। दोनों देशों ने ट्रेड, रिन्यूएबल एनर्जी, अंटार्कटिक रिसर्च और एकेडमिक कोऑपरेशन को बढ़ाने का भी वादा किया।
- 14 देशों ने साउथ चाइना सी आर्बिट्रेशन के फैसले को फिर से माना (90 शब्द)
- अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस समेत चौदह देशों ने UNCLOS के तहत 2016 के साउथ चाइना सी आर्बिट्रेशन अवॉर्ड को फिर से कन्फर्म किया , जिसमें चीन के नाइन-डैश लाइन के दावों को खारिज कर दिया गया। फैसले की 10वीं सालगिरह पर जारी जॉइंट स्टेटमेंट में ट्रिब्यूनल के फैसले को आखिरी और कानूनी तौर पर मानने वाला बताया गया। देशों ने बढ़ते तनाव, ज़बरदस्ती की समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरों पर चिंता जताई। उन्होंने स्ट्रेटेजिक रूप से महत्वपूर्ण साउथ चाइना सी में नेविगेशन की आज़ादी, शांतिपूर्ण विवाद समाधान, इंटरनेशनल कानून और नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था के लिए सपोर्ट को फिर से कन्फर्म किया।

- भारत ने इंडिया-ओमान कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (CEPA) के तहत टैरिफ रेट कोटा (TRQ) एलोकेशन प्रोसेस की घोषणा की, जो 1 जून 2026 से लागू होगा। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ फॉरेन ट्रेड (DGFT) द्वारा जारी यह नोटिफिकेशन , खजूर, मार्बल, एल्युमीनियम प्रोडक्ट, पेट्रोकेमिकल, कॉपर वेल्ड वायर और LDPE जैसे खास इंपोर्ट पर रियायती टैरिफ की अनुमति देता है। योग्य इंपोर्टर्स को ओमान से एक वैलिड सर्टिफिकेट ऑफ़ ओरिजिन लेना होगा। TRQ मैकेनिज्म का मकसद घरेलू इंडस्ट्री के हितों को बैलेंस करते हुए बाइलेटरल ट्रेड को आसान बनाना है।
- यूनाइटेड नेशंस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर अपनी पहली साइंटिफिक रिपोर्ट जारी की , जिसमें सरकारों से ग्लोबल AI गवर्नेंस को मजबूत करने की अपील की गई। AI पर इंडिपेंडेंट इंटरनेशनल साइंटिफिक पैनल द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में AI के मौकों, जोखिमों और अमेरिका और चीन के बढ़ते कंप्यूटिंग डिवाइड पर रोशनी डाली गई है। इसमें AI एप्लीकेशन, सुरक्षा, मानवाधिकार, पर्यावरण संबंधी चिंताएं, गवर्नेंस और आर्थिक असर शामिल हैं। भारत के लिए, रिपोर्ट में इंडियाAI मिशन के ज़रिए घरेलू कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया है ताकि टेक्नोलॉजिकल आत्मनिर्भरता और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस सुनिश्चित हो सके।
- ज़ांज़ीबार के प्रेसिडेंट डॉ. हुसैन अली म्विनी ने एजुकेशन , हेल्थकेयर , ट्रेड , इन्वेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी में कोऑपरेशन को मज़बूत करने के लिए भारत का दौरा किया। उन्होंने IIT मद्रास के 63वें कॉन्वोकेशन में हिस्सा लिया, जिसमें IIT मद्रास ज़ांज़ीबार कैंपस (2023) की सफलता पर ज़ोर दिया गया। इस दौरे ने इंडिया-तंजानिया रिश्तों और साउथ-साउथ कोऑपरेशन में इंडिया के रोल को मज़बूत किया।
- एंडी बर्नहैम को UK लेबर पार्टी का नया लीडर चुना गया है और उम्मीद है कि वे सर कीर स्टारमर की जगह यूनाइटेड किंगडम के प्राइम मिनिस्टर बनेंगे। उन्होंने जनता का भरोसा वापस लाने , पब्लिक सर्विसेज़ को मज़बूत करने , रीजनल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने, लोकल गवर्नमेंट की ऑटोनॉमी बढ़ाने और सबको साथ लेकर चलने वाले इकोनॉमिक ग्रोथ को सपोर्ट करने का वादा किया।
- राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की अगुवाई में सरकार में फेरबदल के बाद सेरही कोरेत्स्की को यूक्रेन का प्रधानमंत्री बनाया गया। पहले नैफ्टोगाज़ के CEO रहे , वे चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान एनर्जी सिक्योरिटी , आर्थिक स्थिरता , पब्लिक सर्विस और ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा पर ध्यान देंगे।
- भारत ने 16 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में 5वीं BIMSTEC नेशनल सिक्योरिटी एडवाइज़र्स मीटिंग होस्ट की , जिसमें सभी सात सदस्य देशों के सीनियर अधिकारी एक साथ आए। बातचीत साइबर सिक्योरिटी, आतंकवाद, ट्रांसनेशनल क्राइम, ट्रैफिकिंग, सैटेलाइट कोऑपरेशन और इंटेलिजेंस शेयरिंग पर फोकस रही। मीटिंग में रीजनल सिक्योरिटी कोऑपरेशन और उभरते खतरों के खिलाफ कलेक्टिव एक्शन के लिए भारत के कमिटमेंट पर ज़ोर दिया गया। इसने इस इलाके में शांति, स्टेबिलिटी और सिक्योर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए बंगाल की खाड़ी के देशों के बीच कोऑपरेशन को भी मज़बूत किया।
- कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC49) के 49वें सेशन में सात इंटरनेशनल फ़ूड स्टैंडर्ड्स को अपनाने में अहम भूमिका निभाई। FSSAI के CEO राजित पुन्हानी की अगुवाई में भारतीय डेलीगेशन ने सूखे धनिये के बीज और ताज़े करी पत्तों पर स्टैंडर्ड्स की अध्यक्षता की, जबकि वनीला, इलायची और फ़ूड-प्रोसेसिंग वॉटर सेफ़्टी पर गाइडलाइंस की को-चेयरिंग की। भारत ने काजू की गुठली के लिए ग्लोबल स्टैंडर्ड्स का भी प्रस्ताव रखा, जिससे फ़ूड सेफ़्टी, इंटरनेशनल ट्रेड और ग्लोबल स्टैंडर्ड-सेटिंग में उसकी लीडरशिप मज़बूत हुई।
- ज़ांज़ीबार के प्रेसिडेंट डॉ. हुसैन अली म्विनी एजुकेशन , हेल्थकेयर , ट्रेड , इन्वेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी में कोऑपरेशन को मज़बूत करने के लिए इंडिया आए। उन्होंने 63वें IIT मद्रास कॉन्वोकेशन में हिस्सा लिया और IIT मद्रास ज़ांज़ीबार कैंपस (2023) की सफलता पर ज़ोर दिया। इस विज़िट ने इंडिया-तंजानिया स्ट्रेटेजिक रिश्तों को मज़बूत किया , साउथ-साउथ कोऑपरेशन , एजुकेशनल कोलेबोरेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट और कैपेसिटी बिल्डिंग को बढ़ावा दिया, साथ ही दोनों देशों के बीच इकोनॉमिक, कल्चरल और डिप्लोमैटिक एंगेजमेंट को भी बढ़ाया।
- एंडी बर्नहैम 20 जुलाई 2026 को यूनाइटेड किंगडम के नए प्रधानमंत्री बने। उन्हें किंग चार्ल्स III ने कीर स्टारमर के इस्तीफे के बाद नियुक्त किया था। ग्रेटर मैनचेस्टर के पहले मेयर रहे बर्नहैम ने पार्लियामेंट्री कॉन्फिडेंस हासिल किया और उन्हें UK के कॉन्स्टिट्यूशनल प्रैक्टिस के तहत सरकार बनाने के लिए बुलाया गया। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर अपने पहले भाषण में , उन्होंने अपने एडमिनिस्ट्रेशन को " सर्किट ब्रेकर " सरकार बताया और पॉलिटिकल स्टेबिलिटी, इकोनॉमिक कॉन्फिडेंस और पब्लिक ट्रस्ट को वापस लाने के लिए लॉन्ग-टर्म रिफॉर्म्स का वादा किया।
- प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू ने चिसीनाउ में प्रेसिडेंट माइया सैंडू के साथ बातचीत करते हुए, किसी भारतीय प्रेसिडेंट का मोल्दोवा का पहला स्टेट विज़िट शुरू किया। दोनों नेताओं ने ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, एग्रीकल्चर, हेल्थकेयर, रिन्यूएबल एनर्जी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इनोवेशन और एजुकेशन में कोऑपरेशन पर चर्चा की। भारत ने ITEC ट्रेनिंग स्लॉट बढ़ाने , स्पेशलाइज़्ड AI और साइबर डिप्लोमेसी कोर्स शुरू करने की घोषणा की, और मोल्दोवा को कोएलिशन फॉर डिज़ास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (CDRI) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस (GBA) में शामिल होने के लिए इनवाइट किया , जिससे बाइलेटरल रिश्ते मज़बूत होंगे।
- भारत, फिशरीज़ सब्सिडी पर एग्रीमेंट को स्वीकार करने वाला 123वां WTO सदस्य बन गया है , जिससे सस्टेनेबल फिशरीज़ और समुद्री संरक्षण के लिए उसका कमिटमेंट और मज़बूत हुआ है। यह एग्रीमेंट, जिसे MC12 (2022) में अपनाया गया था और जो 15 सितंबर 2025 से लागू होगा , गैर-कानूनी, बिना रिपोर्ट की और बिना रेगुलेटेड (IUU) फिशिंग , ज़्यादा फिशिंग और मछली के घटते स्टॉक को सपोर्ट करने वाली सब्सिडी पर रोक लगाता है। यह सिर्फ़ समुद्री जंगली कैप्चर फिशरीज़ पर लागू होता है , जिससे एक्वाकल्चर और इनलैंड फिशरीज़ पर कोई असर नहीं पड़ता। यह कदम PMMSY और भारत की फिशरीज़ पॉलिसी के साथ मेल खाता है, साथ ही पारंपरिक मछुआरों की रक्षा भी करता है।

- खलील अल-हया को हमास का नया ओवरऑल लीडर चुना गया , जो याह्या सिनवार की जगह लेंगे , जो अक्टूबर 2024 में गाजा संघर्ष के दौरान मारे गए थे। हमास के एक सीनियर लीडर और मिस्र और कतर की मध्यस्थता से हुई इनडायरेक्ट सीज़फ़ायर बातचीत में मुख्य वार्ताकार , अल-हया ने 69 सदस्यों वाले इलेक्टोरल कॉलेज के ज़रिए दूसरे राउंड के रनऑफ़ में खालिद मेशाल को हराया। उन्होंने मिलिट्री नाकामियों, इंटरनेशनल जांच और चल रही सीज़फ़ायर बातचीत के बीच लीडरशिप संभाली है, और उम्मीद है कि हमास की भविष्य की स्ट्रैटेजी में डिप्लोमेसी सेंट्रल रहेगी।
- फ्रांस ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस्तेमाल करने से रोकने वाले एक अहम कानून को मंज़ूरी दी है। इस तरह, वह पूरे देश में ऐसी रोक लगाने वाला पहला यूरोपियन देश बन गया है। प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों के सपोर्ट से, यह कानून सितंबर 2026 से उम्र का वेरिफिकेशन ज़रूरी कर देगा , जबकि पूरा बैन जनवरी 2027 से लागू होगा। इस कानून का मकसद बच्चों की ऑनलाइन सेफ्टी को बेहतर बनाना , मेंटल हेल्थ की रक्षा करना, साइबरबुलिंग को कम करना और नुकसानदायक कंटेंट के संपर्क को कम करना है, हालांकि प्राइवेसी, डेटा प्रोटेक्शन और इसे लागू करने को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।
- भारतीय मूल के ब्रिटिश पॉलिटिशियन कनिष्क नारायण को यूनाइटेड किंगडम का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिनिस्टर बनाया गया है। बिहार के मुजफ्फरपुर में जन्मे और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़े कनिष्क नारायण UK की AI स्ट्रेटेजी को लीड करेंगे, जिसमें AI सेफ्टी, इनोवेशन, रेगुलेशन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, रिसर्च, स्टार्टअप्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और एथिकल गवर्नेंस शामिल हैं। उनका अपॉइंटमेंट गवर्नेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती इंपॉर्टेंस को दिखाता है, साथ ही भारतीय मूल के प्रोफेशनल्स की बढ़ती ग्लोबल लीडरशिप को भी हाईलाइट करता है।
- प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू नॉर्थ मैसेडोनिया का बाइलेटरल दौरा करने वाली पहली इंडियन प्रेसिडेंट बनीं , जिससे 1995 में बने रिश्ते और मज़बूत हुए। दोनों देश ट्रेड, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, टूरिज्म, एग्रीकल्चर, AI, फार्मास्यूटिकल्स, बायोटेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल और स्किल डेवलपमेंट में कोऑपरेशन को और गहरा करने पर सहमत हुए। इंडिया ने ITEC ट्रेनिंग को बढ़ाने , हेल्थकेयर MoU को पांच साल के लिए रिन्यू करने और बाइलेटरल रिश्तों को बढ़ाने के लिए इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA), कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (CDRI), और ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस (GBA) के ज़रिए कोऑपरेशन को बढ़ावा देने का ऐलान किया।
- भारत ने BRICS नेटवर्क यूनिवर्सिटी (BRICS NU) गवर्निंग बोर्ड मीटिंग और अपनी BRICS प्रेसीडेंसी 2026 के तहत ट्रेडिशनल और इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम पर पहली कॉन्फ्रेंस होस्ट की। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित इस इवेंट में हायर एजुकेशन, रिसर्च कोलेबोरेशन, फैकल्टी एक्सचेंज, इनोवेशन, एथिकल AI और इंडिजिनस नॉलेज के संरक्षण पर फोकस किया गया। भारत ने ट्रेडिशनल और इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम पर एक नया इंटरनेशनल थीमैटिक ग्रुप बनाने का प्रस्ताव रखा , जिसे एकेडमिक कोऑपरेशन को मजबूत करने के लिए BRICS सदस्य देशों से बड़ा सपोर्ट मिला।
- सस्टेनेबल सिटीज़ एंड सोसाइटी में छपी ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी में दिल्ली, मुंबई और चेन्नई को दुनिया के टॉप 10 शहरों में शामिल किया गया है , जो बहुत ज़्यादा गर्मी के लिए सबसे ज़्यादा असुरक्षित हैं। दुनिया के 205 शहरों का आकलन करते हुए , रिसर्च में तापमान के संपर्क, आबादी की कमज़ोरी और ढलने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया। दिल्ली दूसरे स्थान पर रही , जबकि मुंबई और चेन्नई क्रमशः छठे और नौवें स्थान पर रहे। स्टडी में बढ़ते क्लाइमेट से जुड़े जोखिमों से निपटने के लिए ग्रीन स्पेस, क्लाइमेट-रेज़िलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर सिस्टम, अर्बन प्लानिंग और हीट एक्शन प्लान को बढ़ाने की सलाह दी गई है।
- यूनाइटेड स्टेट्स ने US एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1954 के सेक्शन 123 के तहत सऊदी अरब के साथ 30 साल के सिविलियन न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट को मंज़ूरी दी। यह एग्रीमेंट रिएक्टर डेवलपमेंट, न्यूक्लियर फ्यूल सप्लाई, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्निकल एक्सपर्टीज़ में कोऑपरेशन को सपोर्ट करता है , जिससे सऊदी अरब के एनर्जी डायवर्सिफिकेशन में मदद मिलेगी। हालांकि, इस डील में यूरेनियम एनरिचमेंट और खर्च किए गए फ्यूल रीप्रोसेसिंग पर गोल्ड स्टैंडर्ड पाबंदियां शामिल नहीं हैं , जिससे न्यूक्लियर प्रोलिफरेशन रिस्क पर बहस छिड़ गई है , जबकि सपोर्टर्स इसे एक अहम स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के तौर पर देख रहे हैं।
- भारत ने केन्या को 4.5 टन मेडिकल मदद दी ताकि देश की इबोला से निपटने की तैयारी और बीमारी से निपटने की क्षमता बढ़ सके। नैरोबी में हाई कमिश्नर आदर्श स्वैका ने यह मदद दी , जिसमें PPE किट, सैंपल ट्रांसपोर्ट किट, इंफ्रारेड थर्मामीटर, फेस शील्ड और प्रोटेक्टिव बूट शामिल थे। यह सप्लाई हेल्थकेयर वर्कर, बीमारी की निगरानी, लैब टेस्टिंग और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम को सपोर्ट करेगी। यह पहल ग्लोबल हेल्थ कोऑपरेशन, मानवीय मदद और केन्या और अफ्रीकी देशों के साथ हेल्थकेयर में लंबे समय से चली आ रही पार्टनरशिप के लिए भारत के कमिटमेंट को दिखाती है।
- अपनी BRICS चेयरशिप 2026 के तहत चंडीगढ़ में 16वीं BRICS हेल्थ मिनिस्टर्स मीटिंग होस्ट की , जिसमें 11 सदस्य देशों के रिप्रेजेंटेटिव शामिल हुए। मीटिंग में महामारी की तैयारी, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज, डिजिटल हेल्थ, AI, टेलीमेडिसिन और सभी तक हेल्थकेयर की पहुंच पर फोकस किया गया। सदस्यों ने 16वें हेल्थ मिनिस्टीरियल डिक्लेरेशन को अपनाया, जिसमें मजबूत हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत करने के लिए सहयोग की पुष्टि की गई। भारत ने NIMHANS बेंगलुरु द्वारा कोऑर्डिनेट किए जाने वाले मेंटल वेलनेस पर सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस का एक BRICS नेटवर्क बनाने का प्रस्ताव रखा , साथ ही पारंपरिक मेडिसिन, इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड और सुरक्षित हेल्थ डेटा एक्सचेंज में सहयोग का भी समर्थन किया।
- स्पेन अपने अब तक के सबसे बड़े जंगल की आग से जूझ रहा है, जिसमें ग्वाडलहारा में तेज़ गर्मी की लहर के बीच 32,000 हेक्टेयर से ज़्यादा ज़मीन तबाह हो गई है। आग की वजह से 34 गांवों को खाली कराना पड़ा , जबकि 200 से ज़्यादा फायरफाइटर्स , हेलीकॉप्टर और एयरक्राफ्ट आग बुझाने का काम जारी रखे हुए हैं। अधिकारियों ने इसे कैस्टिला-ला मांचा में सबसे बड़ी और स्पेन के इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जंगल की आग बताया। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने इस आपदा को क्लाइमेट चेंज से जोड़ा , और ज़ोर दिया कि क्लाइमेट एक्शन को और मज़बूत करने की ज़रूरत है क्योंकि गर्मी की लहरें, सूखा और खराब मौसम पूरे यूरोप में जंगल की आग के खतरे को बढ़ा रहे हैं।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रोमानिया दौरे के दौरान , भारत ने साइंस और टेक्नोलॉजी, इंडियन स्टडीज़ और स्पोर्ट्स में सहयोग से जुड़े तीन एग्रीमेंट साइन किए। दोनों देशों ने तीन साल के अंदर आपसी व्यापार को दोगुना करने पर भी सहमति जताई और 2028 को इंडिया-रोमानिया ईयर ऑफ़ इनोवेशन घोषित किया। इस पार्टनरशिप का मकसद AI, रिन्यूएबल एनर्जी, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग और एजुकेशन में सहयोग को मज़बूत करना है , साथ ही डिप्लोमैटिक रिश्तों के 80 साल पूरे होने का जश्न मनाना है।
- भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को नई दिल्ली में BRICS समिट 2026 के लिए स्पेशल गेस्ट के तौर पर बुलाया है। हालांकि बांग्लादेश BRICS का सदस्य नहीं है, लेकिन यह न्योता ग्लोबल साउथ के लिए मज़बूत क्षेत्रीय सहयोग और सपोर्ट को दिखाता है। "क्रिएटिंग रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोलेबोरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी" थीम के तहत, भारत हेल्थ, क्लाइमेट रेजिलिएंस, डिज़ास्टर मैनेजमेंट, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और इकोनॉमिक डेवलपमेंट में सहयोग को बढ़ावा दे रहा है।
- भारत और इज़राइल ने नई दिल्ली में प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के लिए बातचीत का दूसरा राउंड पूरा कर लिया है। बातचीत में सामान और सर्विस के ट्रेड, कस्टम, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, ओरिजिन के नियम और इन्वेस्टमेंट पर फोकस रहा। FY 2025-26 में दोनों देशों के बीच मर्चेंडाइज़ ट्रेड USD 3.93 बिलियन तक पहुंचने के साथ , इस एग्रीमेंट का मकसद मार्केट एक्सेस, टेक्नोलॉजी में सहयोग, इन्वेस्टमेंट और सप्लाई चेन की मजबूती को बेहतर बनाना है।
- साउथ कोरिया के बुसान में हुए UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी के 48वें सेशन के दौरान , माउंट ओलिंपस (ग्रीस) और डी-डे लैंडिंग बीच (फ्रांस) को UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में जोड़ा गया। ग्रीस की सबसे ऊंची चोटी, 2,918 मीटर की माउंट ओलिंपस को अपनी बहुत अच्छी नेचुरल बायोडायवर्सिटी और पौराणिक महत्व के लिए मिक्स्ड वर्ल्ड हेरिटेज साइट के तौर पर पहचान मिली। नॉरमैंडी में डी-डे लैंडिंग बीच , जिसमें ओमाहा , यूटा , गोल्ड , जूनो , स्वॉर्ड बीच और पॉइंट डू होक शामिल हैं, को दूसरे वर्ल्ड वॉर में उनकी ऐतिहासिक भूमिका के लिए शामिल किया गया था। UNESCO ने क्लाइमेट चेंज , टूरिज्म और समुद्र के लेवल में बढ़ोतरी को लेकर भी चिंता जताई।
- कॉम्पिटियर फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक , भारत ने मार्केट डिस्टॉर्शन परफॉर्मेंस इंडेक्स में अपनी रैंकिंग 2010 में 82वें स्थान से सुधारकर 2023 में 57वें स्थान पर पहुंचाई है , और 25 पोजीशन ऊपर आया है। रिपोर्ट में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) , इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC) , रेगुलेटरी सिंपलिफिकेशन और ट्रेड फैसिलिटेशन उपायों जैसे सुधारों को मार्केट डिस्टॉर्शन को कम करने का क्रेडिट दिया गया है। इंडेक्स ओनरशिप राइट्स , घरेलू कॉम्पिटिशन और इंटरनेशनल कॉम्पिटिटिवनेस का आकलन करता है। नतीजे भारत की एक ज़्यादा ट्रांसपेरेंट , कॉम्पिटिटिव और इन्वेस्टमेंट-फ्रेंडली इकोनॉमी की ओर हुई तरक्की को दिखाते हैं , साथ ही लंबे समय तक इकोनॉमिक ग्रोथ बनाए रखने के लिए लगातार स्ट्रक्चरल सुधारों की ज़रूरत पर ज़ोर देते हैं।
- प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के बोर्ड ऑफ़ पीस के तहत US के सपोर्ट वाले शांति प्रस्ताव में, एक बड़े सीज़फ़ायर और रिकंस्ट्रक्शन प्लान के हिस्से के तौर पर गाज़ा में हमास और दूसरे मिलिटेंट ग्रुप्स के धीरे-धीरे हथियार खत्म करने की बात कही गई है। खबर है कि हमास ने इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से मान लिया है, लेकिन इज़राइल ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अभी तक इसे औपचारिक मंज़ूरी नहीं दी है। मिस्र , क़तर और तुर्की की मध्यस्थता से बने इस प्लान में वेरिफाइड हथियार खत्म करना , इज़राइली सैनिकों की धीरे-धीरे वापसी , एक इंटरनेशनल स्टेबिलाइज़ेशन फ़ोर्स की तैनाती , एक नई फ़िलिस्तीनी पुलिस फ़ोर्स की स्थापना , और इंटरनेशनल लेवल पर निगरानी में रिकंस्ट्रक्शन शामिल है, जिसे आपसी सहमति पर निर्भर करते हुए लागू किया जाएगा।
- वेनेजुएला ने औपचारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को रोम संविधि , अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की संस्थापक संधि से हटने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया है। विदेश मंत्री फेलिक्स प्लासेनिया ने अदालत द्वारा कथित भौगोलिक पूर्वाग्रह और असमान उपचार पर चिंताओं का हवाला देते हुए इस कदम को "दृढ़ और अपरिवर्तनीय" कहा। रोम संविधि के अनुच्छेद 127 के तहत , वापसी एक वर्ष के बाद प्रभावी हो जाएगी , और यह चल रही जांचों को नहीं रोकेगी, जिसमें 2021 में शुरू हुई वेनेजुएला में मानवता के खिलाफ कथित अपराधों की आईसीसी जांच भी शामिल है। नीदरलैंड के हेग में मुख्यालय वाली आईसीसी नरसंहार, युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों और आक्रमण की जांच करती है , और वेनेजुएला का बाहर निकलना वैश्विक न्याय प्रणाली के सामने बढ़ती चुनौतियों को बढ़ाता है।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 29 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में इंडियन कोस्ट गार्ड (ICG) के लिए दो बड़े सुधारों का ऐलान किया। इसका मकसद जेंडर इक्वालिटी को बढ़ावा देना और कर्मचारियों की भलाई को बेहतर बनाना है। नई पॉलिसी में जेंडर-न्यूट्रल ऑफिसर इंडक्शन फ्रेमवर्क लाया गया है , जिससे महिला ऑफिसर शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट (SSA) और परमानेंट अपॉइंटमेंट (PA) में शामिल हो सकती हैं , जबकि पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी SSA खोला गया है। इन सुधारों से ICG को ड्यूटी के दौरान समुद्र में गायब होने की स्थिति में कर्मचारियों को "मृत मान लिया गया" घोषित करने का अधिकार भी मिला है, जिससे अगले रिश्तेदार (NoK) को एक्स-ग्रेटिया मुआवज़ा , टर्मिनल बेनिफिट और फाइनेंशियल मदद तेज़ी से मिल सकेगी। इन पहलों से समुद्री सुरक्षा में नारी शक्ति , सबको साथ लेकर चलने और ऑपरेशनल एफिशिएंसी को मज़बूती मिलेगी।
- भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की, जब उसकी पहली डायरेक्ट कमर्शियल कंटेनर फ्रेट ट्रेन रिवाइज्ड इंडिया-नेपाल रेल ट्रांजिट प्रोटोकॉल के तहत कैनोला का कंसाइनमेंट लेकर नेपाल पहुंची। यह ट्रेन कोलकाता पोर्ट (इंडिया) से विराटनगर (नेपाल) तक 40 वैगन के साथ चली और बॉर्डर ट्रांसशिपमेंट की ज़रूरतें खत्म हो गईं। इस पहल का मकसद ट्रांजिट टाइम, लॉजिस्टिक्स कॉस्ट और कार्गो हैंडलिंग को कम करना है, साथ ही सप्लाई चेन एफिशिएंसी में सुधार करना है। डायरेक्ट फ्रेट सर्विस इंडिया-नेपाल ट्रेड रिलेशन को मजबूत करती है , रीजनल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देती है, और नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सस्टेनेबल रेल-बेस्ड ट्रांसपोर्टेशन को सपोर्ट करती है।

- पैसिफिक आइलैंड देश, जिसे पहले नाउरू के नाम से जाना जाता था, ने मई 2026 में पार्लियामेंट से कॉन्स्टिट्यूशनल अमेंडमेंट को मंज़ूरी मिलने और 31 जुलाई 2026 को प्रेसिडेंट डेविड एडियांग से कन्फर्मेशन मिलने के बाद ऑफिशियली अपना नाम बदलकर रिपब्लिक ऑफ़ नाओरो कर लिया है। नाम बदलने का मकसद देश की लोकल पहचान को वापस लाना , खतरे में पड़ी नाउरू भाषा (डोरेरिन) को बचाना है। नाओरो) , और सांस्कृतिक विरासत को मज़बूत करना। यूनाइटेड नेशंस को 26 जून 2026 को बताया गया और उसने ऑफिशियल रिकॉर्ड अपडेट करना शुरू कर दिया। देश का छोटा नाम अब नाओरो है , जबकि इसका कोड NRO बदला नहीं गया है। माइक्रोनेशिया में मौजूद यह देश लगभग 21 sq km में फैला है , यहाँ लगभग 12,000 लोग रहते हैं , यह ऑस्ट्रेलियन डॉलर इस्तेमाल करता है , और इसका एडमिनिस्ट्रेटिव सेंटर यारेन डिस्ट्रिक्ट है।

बैंकिंग और वित्त

- भारत का इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स (IIP) मई 2026 में 5.1% बढ़ा , जो पांच महीनों में इसकी सबसे ज़्यादा ग्रोथ है। मैन्युफैक्चरिंग में 5.5% की बढ़ोतरी हुई , जबकि गर्मियों की डिमांड और रिन्यूएबल एनर्जी जेनरेशन की वजह से बिजली और गैस सप्लाई में 9.9% की बढ़ोतरी हुई। कैपिटल गुड्स का आउटपुट 12.9% बढ़ा , जो मज़बूत इन्वेस्टमेंट दिखाता है, जबकि माइनिंग में कमी आई। रिलीज़ में 2022-23 बेस ईयर बताया गया और इंडस्ट्रियल आउटपुट को बेहतर तरीके से मापने के लिए होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) की जगह आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI) को लाया गया। ये आंकड़े मज़बूत होती इंडस्ट्रियल एक्टिविटी और इकोनॉमिक रिकवरी को दिखाते हैं।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) के मुताबिक , FY26 के आखिर में भारत का बाहरी कर्ज़ बढ़कर $762.8 बिलियन हो गया , जो पिछले साल के मुकाबले $26.3 बिलियन ज़्यादा है। बाहरी कर्ज़-से-GDP रेश्यो 19.8% से बढ़कर 20.8% हो गया। US डॉलर के मज़बूत होने से रिपोर्ट की गई बढ़ोतरी $24.6 बिलियन कम हो गई। कर्ज़ अभी भी अलग-अलग तरह का है, जिसमें US डॉलर का हिस्सा सबसे ज़्यादा है, उसके बाद भारतीय रुपया , जापानी येन और यूरो का नंबर आता है। मज़बूत फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व पूरे बाहरी सेक्टर की स्थिरता को सपोर्ट करता रहता है।
- यूरोबैंक ने NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) के साथ मिलकर ग्रीस के कस्टमर्स को तुरंत भारत में पैसे ट्रांसफर करने में मदद करने वाली UPI-बेस्ड क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस सर्विस शुरू की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस पहल का स्वागत किया, और कम ट्रांज़ैक्शन कॉस्ट और मज़बूत डिजिटल पेमेंट कनेक्टिविटी पर ज़ोर दिया। अपने ग्रीस दौरे के दौरान, उन्होंने इन्वेस्टमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और दोनों देशों के बीच सहयोग पर चर्चा करने के लिए यूरोबैंक के CEO फोकियन करावियास से भी मुलाकात की। यह पहल यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) की ग्लोबल पहुंच को बढ़ाती है , फाइनेंशियल कनेक्टिविटी को बढ़ाती है, आसान रेमिटेंस को बढ़ावा देती है, और डिजिटल पेमेंट इनोवेशन में भारत की लीडरशिप को मज़बूत करती है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के अनुसार , FY26 के आखिर तक भारत का बाहरी कर्ज़ बढ़कर $762.8 बिलियन हो गया , जो पिछले साल के मुकाबले $26.3 बिलियन ज़्यादा है, और कर्ज़-से-GDP रेश्यो बढ़कर 20.8% हो गया। US डॉलर के मज़बूत होने से रिपोर्ट की गई बढ़ोतरी $24.6 बिलियन कम हो गई , जबकि कर्ज़ की बनावट US डॉलर , भारतीय रुपया , जापानी येन और यूरो में अलग-अलग तरह की रही। कम समय के उधार में तेज़ी से बढ़ोतरी के बावजूद, भारत के मज़बूत विदेशी मुद्रा भंडार ने पूरे बाहरी सेक्टर में लचीलापन और स्थिरता बनाए रखी है।
- HDFC बैंक ने पूर्व चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार को तीन साल के लिए अपना पार्ट-टाइम चेयरमैन बनाया है , जो RBI की मंज़ूरी पर निर्भर है। उन्हें 30 जून 2026 से चार साल के लिए इंडिपेंडेंट डायरेक्टर भी बनाया गया है, जो शेयरहोल्डर की मंज़ूरी पर निर्भर है। अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद वह अंतरिम व्यवस्था की जगह लेंगे , जबकि केकी मिस्त्री मंज़ूरी पूरी होने तक अंतरिम चेयरमैन बने रहेंगे। 1984 बैच के IAS ऑफिसर , राजीव कुमार पहले डिपार्टमेंट ऑफ़ फाइनेंशियल सर्विसेज़ में सेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके हैं। गवर्नेंस, बैंकिंग सुधारों और पब्लिक फाइनेंस में उनकी एक्सपर्टीज़ से कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मज़बूत होने की उम्मीद है।
- ओपनAI ने उबर इंडिया और साउथ एशिया के पूर्व प्रेसिडेंट प्रभजीत सिंह को सितंबर 2026 से भारत के लिए अपना मैनेजिंग डायरेक्टर अपॉइंट किया है। किरण मणि को रिपोर्ट करते हुए , वे भारत के तेज़ी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इकोसिस्टम में स्ट्रैटेजी , ऑपरेशन्स , पार्टनरशिप्स और एक्सपेंशन की देखरेख करेंगे। टेक्नोलॉजी बिज़नेस को बढ़ाने और उबर की ग्रोथ को लीड करने का सिंह का अनुभव उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाता है। उनका अपॉइंटमेंट भारत के बड़े डिजिटल यूज़र बेस , बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम , बढ़ते एंटरप्राइज AI एडॉप्शन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सरकार के मज़बूत फोकस की वजह से भारत की स्ट्रेटेजिक अहमियत को दिखाता है , जिससे देश में ओपनAI के लॉन्ग-टर्म एक्सपेंशन प्लान्स मज़बूत होंगे।
- नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस (NSO) के अनुसार , भारत की बेरोज़गारी दर 2025 में घटकर 3.1% हो जाएगी , जो आठ सालों में सबसे कम है। यह बेहतर रोज़गार, आर्थिक सुधार और लेबर फ़ोर्स में भागीदारी में बढ़ोतरी को दिखाता है। यह सुधार 2030 तक प्रोडक्टिव रोज़गार को टारगेट करने वाले सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDGs) को सपोर्ट करता है। हालांकि शहरी महिलाओं की बेरोज़गारी 2017-18 में 10.8% से घटकर 2025 में 6.4% हो गई, लेकिन बिहार , हिमाचल प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में बेरोज़गारी की दर लगातार बढ़ रही है। गुजरात में जेंडर में काफ़ी समानता देखी गई, जबकि केरल और महाराष्ट्र में भी काफ़ी सुधार हुआ।
- कंट्रोलर जनरल ऑफ़ अकाउंट्स (CGA) के अनुसार , भारत का फिस्कल डेफिसिट अप्रैल-मई FY2026-27 के दौरान बढ़कर ₹ 1.62 लाख करोड़ हो गया , जो सालाना बजट अनुमान ₹ 16.96 लाख करोड़ का 9.6% है। कुल रिसीट घटकर ₹ 7.19 लाख करोड़ रह गई , जिसका मुख्य कारण कमज़ोर टैक्स कलेक्शन और फ्यूल टैक्स में कटौती के बाद एक्साइज़ ड्यूटी में लगभग 20% की गिरावट है। सरकारी खर्च 18% बढ़कर ₹ 8.81 लाख करोड़ हो गया, जबकि कैपिटल खर्च 13% से ज़्यादा बढ़ा। RBI के ₹ 2.87 लाख करोड़ के रिकॉर्ड डिविडेंड ने डेफिसिट को कुछ हद तक कम किया।

- जून 2026 में भारत का ग्रॉस GST कलेक्शन ₹ 1,94,812 करोड़ तक पहुँच गया , जो सालाना 13.9% की बढ़ोतरी है, जबकि रिफंड के बाद नेट GST कलेक्शन ₹ 1,62,377 करोड़ रहा , जो 11.2% ज़्यादा है। इम्पोर्ट से जुड़ा GST 34.6% बढ़कर ₹ 60,038 करोड़ हो गया , जो ग्रोथ का मुख्य कारण बना, जबकि घरेलू कलेक्शन 6.5% बढ़ा। रिफंड 29.1% बढ़कर ₹ 32,436 करोड़ हो गया। महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा कलेक्शन हुआ, उसके बाद कर्नाटक और गुजरात का नंबर रहा , जबकि सिक्किम , पुडुचेरी , हिमाचल प्रदेश , उत्तराखंड और तमिलनाडु ने GST रेवेन्यू में गिरावट की जानकारी दी।
- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने 1 जुलाई 2026 को नौ साल पूरे कर लिए हैं , जो भारत के "एक राष्ट्र,
- 2017 में "वन टैक्स" सुधार शुरू किया गया। GST ने कई इनडायरेक्ट टैक्स की जगह ली, एक यूनिफाइड नेशनल मार्केट बनाया, कैस्केडिंग टैक्सेशन कम किया और डिजिटल सिस्टम के ज़रिए कम्प्लायंस को बेहतर बनाया। GST 2.0 ने लग्ज़री और सिन गुड्स के लिए आसान 5% , 18% और 40% टैक्स स्लैब पेश किए, साथ ही रजिस्ट्रेशन, रिफंड और रिटर्न फाइलिंग को आसान बनाया। रजिस्टर्ड टैक्सपेयर्स की संख्या 66.5 लाख से बढ़कर 1.65 करोड़ हो गई , जो ज़्यादा फॉर्मलाइज़ेशन, ट्रांसपेरेंसी और मज़बूत रेवेन्यू कलेक्शन को दिखाता है।
- नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया (NPCI) ने HSBC इंडिया और JP मॉर्गन पेमेंट्स के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत क्रॉस-बॉर्डर UPI ट्रांज़ैक्शन के लिए रियल-टाइम फॉरेन एक्सचेंज (FX) कन्वर्ज़न और सेटलमेंट शुरू किया गया है। यह सिस्टम तुरंत करेंसी कन्वर्ज़न, तेज़ पेमेंट कन्फ़र्मेशन, रियल-टाइम सेटलमेंट और ट्रांसपेरेंट एक्सचेंज रेट देता है, साथ ही बिचौलियों और सेटलमेंट में देरी को भी कम करता है। यह पहल इंटरनेशनल पेमेंट में सिक्योरिटी, कस्टमर एक्सपीरियंस और ऑपरेशनल एफ़िशिएंसी को बेहतर बनाती है। क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट की बड़ी चुनौतियों को हल करके, यह पार्टनरशिप यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (UPI) की ग्लोबल पहुँच को बढ़ाती है और डिजिटल पेमेंट इनोवेशन में भारत की लीडरशिप को मज़बूत करती है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 1 जुलाई 2026 से "एक देश, एक लोकपाल" के सिद्धांत के तहत 2021 के फ्रेमवर्क की जगह, नई इंटीग्रेटेड लोकपाल स्कीम लागू की। यह स्कीम शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों , योग्य NBFCs , प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट जारी करने वालों और क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियों को कवर करते हुए एक मुफ़्त, तेज़ और पारदर्शी शिकायत निवारण सिस्टम देती है। अगर 30 दिनों के बाद भी शिकायतों का समाधान नहीं होता है, तो ग्राहक RBI से संपर्क कर सकते हैं। यह ऑनलाइन फाइलिंग , बिना विरोध के विवाद समाधान और फाइनेंशियल नुकसान के लिए ₹ 30 लाख तक और परेशानी के लिए ₹ 3 लाख तक का मुआवज़ा देती है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 1 जुलाई 2026 से रवि शंकर को अपना नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया है। इससे पहले वे डिपार्टमेंट ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट (DSIM) के एडवाइजर-इन-चार्ज के तौर पर काम कर रहे थे। उनके पास बैंकिंग स्टैटिस्टिक्स, गवर्नमेंट सिक्योरिटीज़, सेटलमेंट सिस्टम, पब्लिक डेब्ट मैनेजमेंट और इकोनॉमिक रिसर्च में 30 साल से ज़्यादा का अनुभव है। उन्होंने मैक्रोइकॉनॉमिक स्टैटिस्टिक्स , फाइनेंशियल सेक्टर एनालिसिस , इकोनॉमिक पॉलिसी और डेटा गवर्नेंस पर RBI की कई कमेटियों में योगदान दिया है, जो उनकी एक्सपर्टीज़ और लीडरशिप पर सेंट्रल बैंक के भरोसे को दिखाता है।
- स्टील मंत्रालय ने MECON लिमिटेड को मिनिरत्न कैटेगरी-I का दर्जा दिया है , जिससे उसके लगातार प्रॉफिट और ऑपरेशनल एक्सीलेंस को पहचान मिली है। 1959 में शुरू हुई और इसका हेडक्वार्टर रांची, झारखंड में है। MECON एक शेड्यूल 'A' सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज है जो इंजीनियरिंग, कंसल्टेंसी, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और कॉन्ट्रैक्टिंग सर्विस देता है। कंपनी ने लगातार तीन फाइनेंशियल ईयर में प्रॉफिट रिकॉर्ड करने के बाद 31 मार्च 2026 तक ₹ 535.42 करोड़ की नेट वर्थ हासिल की। नया स्टेटस ज़्यादा फाइनेंशियल ऑटोनॉमी देता है, जिससे तेज़ी से फैसले लेने, टेक्नोलॉजी मॉडर्नाइजेशन, बिजनेस बढ़ाने और मुख्य इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में कॉम्पिटिटिवनेस बढ़ाने में मदद मिलती है।
- माइक्रोसॉफ्ट और लाइटस्टॉर्म ने I-2SEA (भारत-2-दक्षिण पूर्व एशिया) अंडरसी केबल विकसित करने के लिए भागीदारी की , जो भारत , मलेशिया और सिंगापुर को जोड़ने वाला 3,600 किलोमीटर का सबमरीन फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क है। इस कंसोर्टियम में टाटा कम्युनिकेशंस , सिंगटेल , आसियान केबलशिप और एनईसी कॉर्पोरेशन शामिल हैं , जिसका लैंडिंग स्टेशन मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश में है। Q4 2029 तक चालू होने की उम्मीद है , यह केबल AI इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लाउड कंप्यूटिंग, हाइपरस्केल डेटा सेंटर और उच्च क्षमता वाली डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। पनडुब्बी केबलों के माध्यम से प्रसारित वैश्विक इंटरनेट यातायात के 95% हिस्से का वहन करते हुए , यह क्षेत्रीय डिजिटल लचीलापन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है।
- मिनिस्ट्री ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन (MoSPI) 2024-25 को बेस ईयर मानकर इंडेक्स ऑफ़ सर्विसेज़ प्रोडक्शन (ISP) लॉन्च करेगा। यह फॉर्मल सर्विसेज़ सेक्टर को मापने के लिए भारत का पहला मंथली इंडिकेटर होगा, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड (GVA) में लगभग 53% का योगदान देता है। लैसपेयर वॉल्यूम इंडेक्स मेथडोलॉजी का इस्तेमाल करके , यह इंडेक्स इंडेक्स ऑफ़ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP) को कॉम्प्लिमेंट करेगा और समय पर पॉलिसी डिसीजन लेने में मदद करेगा। GST डेटा , एडमिनिस्ट्रेटिव रिकॉर्ड और सेक्टोरल स्टैटिस्टिक्स का इस्तेमाल करके इकट्ठा किया गया ISP, भारत के इकोनॉमिक मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क को काफी मजबूत करेगा।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) ने महेश मुरलीधर पई को 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होने वाले तीन साल के टर्म के लिए साउथ इंडियन बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और CEO के तौर पर अपॉइंट करने की मंज़ूरी दे दी है। अभी केनरा बैंक में चीफ़ जनरल मैनेजर के तौर पर काम कर रहे पई के पास डिजिटल बैंकिंग , ट्रेजरी , फ़ॉरेन एक्सचेंज , रिटेल बैंकिंग , MSME फ़ाइनेंस और कॉर्पोरेट स्ट्रैटेजी में लगभग 30 साल का बैंकिंग एक्सपीरियंस है। वह PR शेषाद्रि की जगह लेंगे , जिससे त्रिशूर-बेस्ड प्राइवेट सेक्टर बैंक में लीडरशिप मज़बूत होगी।
- इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) ने भारत के FY2026–27 GDP ग्रोथ के अनुमान को बदलकर 6.4% कर दिया है , जो उसके पहले के अनुमान से थोड़ा कम है, जबकि FY2027–28 के अनुमान को बढ़ाकर 6.7% कर दिया है। यह बदलाव ग्लोबल एनर्जी की ऊंची कीमतों , जियोपॉलिटिकल तनाव और बढ़ी हुई इंपोर्ट लागत को दिखाता है। इन चुनौतियों के बावजूद, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है , जिसे मजबूत घरेलू मांग और एक मजबूत सर्विस सेक्टर का सपोर्ट मिला है। IMF ने कमोडिटी और एनर्जी की ऊंची कीमतों का हवाला देते हुए अपने ग्लोबल ग्रोथ के अनुमान को भी घटाकर 3.0% कर दिया।

- फेडरल बैंक को S&P ग्लोबल रेटिंग्स से अपनी पहली इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट-ग्रेड क्रेडिट रेटिंग मिली , जिससे उसे BBB-/स्टेबल लॉन्ग-टर्म और A-3 शॉर्ट-टर्म रेटिंग मिली। यह पहचान मज़बूत कैपिटलाइज़ेशन, डिसिप्लिन्ड रिस्क मैनेजमेंट , डाइवर्सिफाइड फंडिंग, हेल्दी फाइनेंशियल परफॉर्मेंस और स्टेबल बिज़नेस ऑपरेशन्स को दिखाती है। इन्वेस्टमेंट-ग्रेड रेटिंग इन्वेस्टर का भरोसा बढ़ाती है, फंडिंग कॉस्ट कम करती है, इंटरनेशनल क्रेडिबिलिटी बढ़ाती है और ग्लोबल कैपिटल मार्केट तक बेहतर एक्सेस देती है। यह माइलस्टोन इंटरनेशनल लेवल पर पहचाने जाने वाले फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स के बीच फेडरल बैंक की कॉम्पिटिटिव पोजीशन को मज़बूत करता है, साथ ही भविष्य में बिज़नेस बढ़ाने और सस्टेनेबल फाइनेंशियल ग्रोथ में भी मदद करता है।
- वर्ल्ड बैंक ने PM सूर्य घर: मुफ़्त बिजली योजना के लिए $890 मिलियन मंज़ूर किए , जिसमें $820 मिलियन का IBRD लोन , $60 मिलियन का क्लीन टेक्नोलॉजी फंड लोन और $10 मिलियन का ग्रांट शामिल है। इस प्रोग्राम का टारगेट एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन करना , $4.2 बिलियन का प्राइवेट इन्वेस्टमेंट जुटाना और 1.7 मिलियन नौकरियाँ बनाना है। यह बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए DISCOMs , फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन और वेंडर को भी मज़बूत करता है। यह पहल भारत के नेट-ज़ीरो 2070 टारगेट, रिन्यूएबल एनर्जी बढ़ाने, एनर्जी सिक्योरिटी और घरों में सोलर पावर अपनाने से सस्ती बिजली पाने में मदद करती है।
- सरकार ने GIFT City IFSC मैरीटाइम यूनिट्स को कोस्टल शिपिंग एक्ट, 2025 के सेक्शन 11 के तहत EXIM ट्रेड में इस्तेमाल होने वाले विदेशी जहाजों को चार्टर करने के लिए लाइसेंस लेने से छूट दे दी है। इस सुधार का मकसद मैरीटाइम लीजिंग, शिप फाइनेंसिंग और मैरीटाइम सर्विसेज़ को बढ़ावा देना है , साथ ही बिज़नेस करने में आसानी को बेहतर बनाना है। मौजूदा कैबोटेज नियम वैसे ही रहेंगे। इस कदम से ग्लोबल इन्वेस्टमेंट आने और GIFT City के एक इंटरनेशनल मैरीटाइम और फाइनेंशियल सर्विसेज़ हब के तौर पर मज़बूत होने की उम्मीद है।
- भारत ने चीन से इंपोर्ट होने वाले सीमलेस स्टील ट्यूब और पाइप पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी 27 जनवरी 2027 तक बढ़ा दी है। यह फैसला डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ़ ट्रेड रेमेडीज़ (DGTR) के सनसेट रिव्यू के बाद लिया गया , जिसमें यह नतीजा निकला कि ड्यूटी हटाने से घरेलू मैन्युफैक्चरर्स को नुकसान हो सकता है। कस्टम्स टैरिफ हेडिंग 7304 के तहत आने वाले प्रोडक्ट्स पर लागू , यह कदम भारतीय स्टील इंडस्ट्री को गलत कीमत वाले इंपोर्ट से बचाता है और फेयर कॉम्पिटिशन को सपोर्ट करता है।
- इंडियन पोटाश लिमिटेड (IPL) और जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड ने गुजरात में गन्ने की खेती के लिए ड्रिप इरिगेशन को बढ़ावा देने के लिए एक MoU साइन किया है। इस पार्टनरशिप में फील्ड सर्वे, सिस्टम डिज़ाइन, इंस्टॉलेशन, किसान ट्रेनिंग और फर्टिगेशन सपोर्ट शामिल हैं। किसानों को माइक्रो इरिगेशन सिस्टम अपनाने के लिए मदद मिलेगी , जिसमें क्रेडिट और सरकारी ग्रांट तक पहुंच शामिल है। इस पहल का मकसद पानी के इस्तेमाल की एफिशिएंसी में सुधार करना, फसल की प्रोडक्टिविटी बढ़ाना , सस्टेनेबल खेती को बढ़ावा देना और भारत के बायोफ्यूल फीडस्टॉक इकोसिस्टम को मजबूत करना है।
- जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने अपने प्रस्तावित IPO से पहले , किरण थॉमस की जगह पंकज पवार को अपना नया चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर नियुक्त किया है। पवार, जो 2000 से रिलायंस में हैं और रिलायंस जियो इंफोकॉम के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं , उनके पास टेलीकॉम का 30 साल से ज़्यादा का अनुभव है। लीडरशिप में बदलाव की जानकारी SEBI के पास फाइल किए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) में दी गई है। कंपनी का प्लान लगभग USD 4 बिलियन (₹ 37,700 करोड़) जुटाने का है, जो शायद इसे भारत का सबसे बड़ा IPO बना देगा।
- पॉलिसीबाजार ने पूरे भारत में हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस को बढ़ावा देने के लिए अमिताभ बच्चन को अपना इंश्योरेंस अवेयरनेस एंबेसडर बनाया है। यह कैंपेन IRDAI के 2047 तक सभी के लिए इंश्योरेंस विज़न को सपोर्ट करता है और परिवारों को फाइनेंशियल सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए बढ़ावा देता है। ' परिवार सबसे पहले' थीम के तहत , इस पहल का मकसद शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में इंश्योरेंस के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। बच्चन की भरोसेमंद इमेज फाइनेंशियल प्लानिंग, इंश्योरेंस की पहुंच और सोशल सिक्योरिटी को बढ़ावा देने में मदद करेगी, जिससे भारतीय परिवार समय पर इंश्योरेंस के फैसले लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे।
- भारत का जून 2026 में मर्चेंडाइज़ ट्रेड डेफिसिट बढ़कर $30.43 बिलियन हो गया , जो मई में $28.21 बिलियन और एक साल पहले $19.10 बिलियन था। मर्चेंडाइज़ एक्सपोर्ट घटकर $40.41 बिलियन हो गया, जबकि इम्पोर्ट $70.84 बिलियन रहा। बढ़ते डेफिसिट की वजह क्रूड ऑयल, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कीमती मेटल्स का ज़्यादा इम्पोर्ट और धीमी एक्सपोर्ट ग्रोथ थी। इस ट्रेंड से करंट अकाउंट डेफिसिट , रुपये की स्टेबिलिटी और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है , जिससे एक्सपोर्ट और मैन्युफैक्चरिंग कॉम्पिटिटिवनेस को मज़बूत करने की ज़रूरत पर ज़ोर पड़ता है।
- खाने की चीज़ों, बेसिक मेटल, केमिकल और मिनरल ऑयल की बढ़ती कीमतों की वजह से भारत का होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) इन्फ्लेशन मई के 9.68% से जून 2026 में बढ़कर 9.87% हो गया। रिटेल इन्फ्लेशन भी बढ़कर 4.38% हो गया , जबकि कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स 5.32% पर पहुंच गया। हालांकि कच्चे तेल की कम कीमतों की वजह से फ्यूल इन्फ्लेशन कम हुआ, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्लेशन ऊंचा बना रहा। खाने और कमोडिटी की कीमतों पर लगातार दबाव भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इन्फ्लेशन का खतरा बना हुआ है।
- EaseMyTrip ने झारखंड टूरिज्म डिपार्टमेंट के साथ एक MoU साइन किया है ताकि राज्य की धार्मिक, सांस्कृतिक, इको-टूरिज्म और आदिवासी विरासत को बढ़ावा दिया जा सके। इस पार्टनरशिप में डिजिटल कैंपेन और EasyDarshan प्लेटफॉर्म के ज़रिए बैद्यनाथ धाम, झरने, जंगल, वाइल्डलाइफ पार्क और हेरिटेज साइट्स जैसी जगहों की मार्केटिंग की जाएगी। इस पहल का मकसद टूरिस्ट की संख्या बढ़ाना, रोज़गार पैदा करना, लोकल बिज़नेस को सपोर्ट करना और असली ट्रैवल एक्सपीरियंस दिखाकर और पूरे भारत में डिजिटल विज़िबिलिटी को बेहतर बनाकर झारखंड की टूरिज्म इकॉनमी को मज़बूत करना है।

- MRF लिमिटेड को ब्रांड फाइनेंस इंडिया 100 – 2026 रिपोर्ट में भारत का सबसे कीमती और सबसे मज़बूत टायर ब्रांड बताया गया। इसे 87.7/100 के ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स (BSI) स्कोर के साथ दुनिया भर में तीसरा सबसे मज़बूत टायर ब्रांड भी मिला। यह पहचान MRF के मज़बूत फाइनेंशियल परफॉर्मेंस, मार्केट लीडरशिप, कस्टमर के भरोसे और ब्रांड वैल्यू को दिखाती है। 1946 में शुरू हुई MRF ऑटोमोबाइल, एयरक्राफ्ट, खेती की मशीनरी और कमर्शियल गाड़ियों के लिए टायर बनाती है , जिससे भारत के ऑटोमोटिव सेक्टर में इसकी लीडरशिप और मज़बूत होती है।
- मिनिस्ट्री ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन (MoSPI) ने 2024-25 को बेस ईयर मानकर भारत का पहला इंडेक्स ऑफ़ सर्विसेज़ प्रोडक्शन (ISP) लॉन्च किया। 19 फॉर्मल सर्विस सेक्टर को कवर करते हुए , यह इंडेक्स पॉलिसी बनाने और इकोनॉमिक मॉनिटरिंग के लिए मंथली डेटा देगा। पहली रिपोर्ट में दिखाया गया कि अप्रैल 2026 में 14 सेक्टर में डबल-डिजिट ग्रोथ हुई , जिसमें अकोमोडेशन एंड फ़ूड सर्विसेज़ (37.2%) , रिटेल (30.8%) , और एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज़ (28.7%) सबसे आगे रहे। इंडेक्स GST डेटा, एडमिनिस्ट्रेटिव रिकॉर्ड और सर्वे का इस्तेमाल करता है, और मंथली रिलीज़ 29 तारीख को शेड्यूल की गई है।
- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के मुताबिक , 13 जुलाई 2026 तक भारत का नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 16.4% बढ़कर ₹ 6.51 लाख करोड़ हो गया। कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन ₹ 2.40 लाख करोड़ तक पहुंच गया , जबकि नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स बढ़कर ₹ 3.85 लाख करोड़ हो गया। ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन ₹ 7.74 लाख करोड़ रहा , जिसमें रिफंड बढ़कर ₹ 1.22 लाख करोड़ हो गया। बढ़ते टैक्स कम्प्लायंस, मजबूत कॉर्पोरेट अर्निंग्स और ज्यादा मार्केट एक्टिविटी ने इस बढ़ोतरी में योगदान दिया, जिससे भारत की फिस्कल पोजीशन मजबूत हुई।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने स्पेसिफाइड नॉन-फाइनेंशियल एसेट्स (SNFAs) के लिए एक प्रूडेंशियल फ्रेमवर्क पेश किया है , जो 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगा। बैंकों , NBFCs , RRBs , SFBs और AIFIs पर लागू होने वाला यह फ्रेमवर्क एसेट एक्विजिशन , वैल्यूएशन , रिकवरी और डिस्पोजल को स्टैंडर्ड बनाता है , जिससे ट्रांसपेरेंसी और फाइनेंशियल गवर्नेंस में सुधार होता है।
- डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीज़न ने AI-पावर्ड मल्टीलिंगुअल बैंकिंग सर्विस शुरू करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक के साथ एक MoU साइन किया है। सेवा/ संचालन पहल के लिए भाषिनी के तहत, कस्टमर AI ट्रांसलेशन, स्पीच टेक्नोलॉजी और लैंग्वेज मॉडल का इस्तेमाल करके अपनी पसंदीदा भारतीय भाषाओं में बैंकिंग सर्विस का इस्तेमाल कर पाएँगे। इस इंटीग्रेशन का मकसद डिजिटल बैंकिंग की पहुँच को बेहतर बनाना है, खासकर ग्रामीण और क्षेत्रीय इलाकों में, साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को सपोर्ट करना और लैंग्वेज-फ्रेंडली बैंकिंग सॉल्यूशन के ज़रिए फाइनेंशियल इनक्लूजन को आगे बढ़ाना है।
- सरकार ने 16 जुलाई 2026 से पेट्रोलियम प्रोडक्ट एक्सपोर्ट पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (SAED) में बदलाव किया है। डीज़ल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ाई गई, जबकि पेट्रोल ड्यूटी कम की गई। इन बदलावों का मकसद देश में फ्यूल की सही उपलब्धता पक्का करना, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के समय में बहुत ज़्यादा एक्सपोर्ट को रोकना और ग्लोबल जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बीच भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मज़बूत करना है। पेट्रोल और डीज़ल पर घरेलू एक्साइज ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
- RBI फाइनेंशियल इन्क्लूजन इंडेक्स 67 (FY25) से बढ़कर 70 (FY26) हो गया , जो बैंकिंग , डिजिटल पेमेंट , इंश्योरेंस , पेंशन , इन्वेस्टमेंट और पोस्टल फाइनेंशियल सर्विसेज़ तक ज़्यादा पहुँच को दिखाता है। 2021 में शुरू किया गया यह इंडेक्स एक्सेस , यूसेज और क्वालिटी को मापता है। ग्रोथ फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विसेज़ को ज़्यादा अपनाने, फाइनेंशियल इन्क्लूजन , डिजिटल फाइनेंस , इनक्लूसिव ग्रोथ और सरकारी वेलफेयर बेनिफिट्स की अच्छे से डिलीवरी से हुई।
- FICCI-डेलॉइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की फ़ूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री 2030 तक USD 600 बिलियन तक पहुँच जाएगी। अभी सिर्फ़ 12-13% खेती की चीज़ों की प्रोसेसिंग होती है, इसलिए यह सेक्टर वैल्यू एडिशन , कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और किसानों की इनकम बढ़ाने के बड़े मौके देता है। ग्रोथ को AI , स्मार्ट लॉजिस्टिक्स , प्रिसिजन एग्रीकल्चर , एक्सपोर्ट, शहरीकरण और सरकारी कोशिशों से सपोर्ट मिलेगा , जिससे भारत की ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस और फ़ूड प्रोसेसिंग इकोसिस्टम मज़बूत होगा।
- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट (EGRs) लॉन्च किया है , जो फिजिकल गोल्ड की इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग के लिए SEBI द्वारा रेगुलेटेड डिजिटल सिस्टम है। EGRs अप्रूव्ड वॉल्ट मैनेजर के पास स्टोर किए गए स्टैंडर्ड, हाई-प्योरिटी गोल्ड के मालिकाना हक को दिखाते हैं , जिससे इन्वेस्टर बिना फिजिकल स्टोरेज के डीमैट अकाउंट के ज़रिए सोना खरीद, बेच, रख और भुना सकते हैं। यह सिस्टम सुरक्षित स्टोरेज , ट्रांसपेरेंट प्राइसिंग , स्टैंडर्ड क्वालिटी और बेहतर लिक्विडिटी देता है। यह पहल भारत के बुलियन मार्केट को मॉडर्न बनाती है, ऑर्गनाइज़्ड गोल्ड ट्रेडिंग को मज़बूत करती है, प्राइस डिस्कवरी को बढ़ाती है, और डिजिटल गोल्ड इन्वेस्टमेंट में इन्वेस्टर का भरोसा बढ़ाती है।
- ऑफिस ऑफ़ इकोनॉमिक एडवाइजर (OEA), DPIIT के अनुसार, जून 2026 में भारत के इंडेक्स ऑफ़ कोर इंडस्ट्रीज (ICI) में साल-दर-साल 5% की ग्रोथ दर्ज की गई। सरकार ने एक रिवाइज्ड 2022-23 बेस ईयर पेश किया और आयरन ओर को नौवीं कोर इंडस्ट्री के तौर पर जोड़ा। आयरन ओर में सबसे ज़्यादा 43.9% की ग्रोथ दर्ज की गई , इसके बाद इलेक्ट्रिसिटी और सीमेंट में 9.8% की ग्रोथ हुई , जबकि स्टील में 4.6% की ग्रोथ हुई। अप्रैल-जून 2026 के समय में 3.6% की ग्रोथ दर्ज की गई , जो मज़बूत इंडस्ट्रियल मोमेंटम दिखाता है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 8 जून से 17 जुलाई 2026 के बीच पेमेंट बैलेंस को मज़बूत करने , रुपये को सपोर्ट करने और फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व बढ़ाने के मकसद से कुछ समय के लिए फॉरेक्स उपायों के ज़रिए $20.72 बिलियन की विदेशी पूंजी खींची। इस इनफ्लो में FCNR डिपॉज़िट में $17.41 बिलियन , एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ECBs) के ज़रिए $1.34 बिलियन और ओवरसीज़ फॉरेन करेंसी बॉरोइंग (OFCBs) के ज़रिए $1.97 बिलियन शामिल थे। 10 जुलाई 2026 तक भारत का फॉरेक्स रिज़र्व $675.1 बिलियन था।

- EnKash ने भारत का पहला UPI-इनेबल्ड डिजिटल मील कार्ड लॉन्च किया , जो कर्मचारियों के मील बेनिफिट्स को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के साथ जोड़ता है। RuPay नेटवर्क पर फिजिकल और वर्चुअल दोनों फॉर्मेट में उपलब्ध , यह प्रीपेड कार्ड Swiggy, Zomato और Blinkit सहित 5 लाख से ज़्यादा फूड और ग्रोसरी आउटलेट्स पर टैप, स्वाइप, स्कैन और ऑनलाइन पेमेंट को सपोर्ट करता है। 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले बदले हुए इनकम टैक्स नियमों के अनुसार, कर्मचारी हर महीने ₹ 8,800 तक के टैक्स-फ्री मील बेनिफिट्स पा सकते हैं , जिससे डिजिटल पेमेंट और कैशलेस ट्रांजैक्शन को बढ़ावा मिलेगा।
- FY24 और FY26 के बीच भारत का फर्टिलाइज़र एक्सपोर्ट लगभग 52% बढ़ा , जो 0.31 मिलियन टन से बढ़कर 0.47 मिलियन टन हो गया , जिसकी मुख्य वजह पोटैशियम सल्फेट, सुपरफॉस्फेट, ऑर्गेनिक फर्टिलाइज़र और खास प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट था। इस दौरान ब्राज़ील सबसे बड़ा इंपोर्टर बनकर उभरा। एक्सपोर्ट ग्रोथ के बावजूद, भारत यूरिया, DAP और MOP के इंपोर्ट पर बहुत ज़्यादा निर्भर है , FY26 में कुल इंपोर्ट 28.17 मिलियन टन तक पहुँच गया , जो लंबे समय की एग्रीकल्चरल सिक्योरिटी के लिए इंपोर्ट पर निर्भरता कम करने की ज़रूरत को दिखाता है।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) ने सिक्योरिटी-ग्रेड पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट के लिए BRBNMPL के ज़रिए ग्लोबल एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट (EoI) मंगाकर अपने पॉलीमर बैंकनोट इनिशिएटिव को फिर से शुरू किया है। यह प्रपोज़ल टिकाऊ ₹ 10 और ₹ 20 के पॉलीमर नोट लाने पर फोकस करता है , जो नमी, गंदगी और फटने से बेहतर रेज़िस्टेंस देते हैं, साथ ही इनमें ट्रांसपेरेंट विंडो, होलोग्राम और रंग बदलने वाली इंक जैसे एडवांस्ड एंटी-नकली फ़ीचर भी शामिल हैं। हालांकि शुरू में ये ज़्यादा महंगे होते हैं, लेकिन पॉलीमर नोट ज़्यादा चलते हैं, जिससे बदलने का खर्च कम होता है और करेंसी को मॉडर्न बनाने में मदद मिलती है।
- वित्त मंत्रालय के अनुसार , यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (UPI) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ₹ 314.23 लाख करोड़ के 24,161.69 करोड़ ट्रांज़ैक्शन रिकॉर्ड किए। NPCI द्वारा ऑपरेट किए जाने वाले इस प्लेटफ़ॉर्म के जून 2026 तक 55.49 करोड़ यूज़र थे , जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में काफ़ी बेहतर है। साइबर सिक्योरिटी को मज़बूत करने के लिए, अधिकारियों ने रिस्क-बेस्ड ट्रांज़ैक्शन लिमिट , बेहतर ऑथेंटिकेशन और कॉम्प्रिहेंसिव UPI इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी फ्रेमवर्क (CUISF) 2025 पेश किया। UPI ने इंटरनेशनल लेवल पर भी विस्तार किया, जिससे भूटान, सिंगापुर और UAE जैसे देशों में मर्चेंट पेमेंट मुमकिन हो गए।
- RBI के डेटा के मुताबिक , अप्रैल-मई FY27 के दौरान NRI डिपॉज़िट इनफ्लो 29.25% घटकर $1.33 बिलियन रह गया, जिसका मुख्य कारण FCNR(B) और NRE डिपॉज़िट में धीमी ग्रोथ है। मई 2026 में बकाया NRI डिपॉज़िट $165.96 बिलियन था , जबकि NRO डिपॉज़िट में मामूली बढ़ोतरी हुई। गिरावट के बाद, RBI ने नए FCNR(B) डिपॉज़िट के लिए एक रियायती स्वैप सुविधा शुरू की , जिसके परिणामस्वरूप 8 जून और 17 जुलाई 2026 के बीच $17.4 बिलियन का नया इनफ्लो हुआ , जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ।
- इंफोसिस ने आशीष डैश को अपना अगला चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) और मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) अपॉइंट किया है। यह 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा। यह सलिल पारेख का दूसरा टर्म खत्म होने के बाद होगा। डैश, जो 1995 में इंफोसिस में शामिल हुए थे , कंपनी के पहले इंटरनली प्रमोटेड CEO बन गए हैं और उनके पास ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशंस में लगभग तीन दशकों का अनुभव है। उनका अपॉइंटमेंट ऐसे समय में हुआ है जब IT इंडस्ट्री आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और डिजिटल इनोवेशन से तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रही है। लीडरशिप ट्रांज़िशन से इंफोसिस की लगातार ग्रोथ, टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट और लॉन्ग-टर्म कॉम्पिटिटिवनेस को सपोर्ट मिलने की उम्मीद है।
- भारत यूरोपियन इन्वेस्टर्स के लिए एक तेज़ी से बढ़ते कंज्यूमर मार्केट के तौर पर उभर रहा है , जो इसकी तेज़ इकोनॉमिक ग्रोथ, बढ़ते मिडिल क्लास, स्किल्ड वर्कफोर्स और बिज़नेस-फ्रेंडली सुधारों की वजह से हो रहा है। यूरैक्टिव के मुताबिक , टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल और फाइनेंशियल सर्विसेज़ जैसे सेक्टर्स में इन्वेस्टमेंट के बड़े मौके हैं। चीन में आने वाली चुनौतियों की तुलना में , भारत इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और पॉलिसी सुधारों के ज़रिए लंबे समय तक ग्रोथ की ज़्यादा संभावना देता है। इस ट्रेंड से भारत-यूरोप ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और एक लीडिंग ग्लोबल इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के तौर पर भारत की स्थिति मज़बूत होने की उम्मीद है।
- भारत ने समुद्री रास्ते से उत्तर प्रदेश से दुबई तक 12.5 टन दशहरी और लंगड़ा आम सफलतापूर्वक एक्सपोर्ट किया , जो एग्रीकल्चरल एक्सपोर्ट में एक बड़ी कामयाबी है। ICAR-CISH और APEDA द्वारा डेवलप किए गए इस एक्सपोर्ट में METWASH ट्रीटमेंट, एडवांस्ड पोस्ट-हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी और बिना रुकावट वाली कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स का इस्तेमाल किया गया, जिससे 25 दिन की यात्रा के बाद लगभग 90% मार्केटेबल क्वालिटी पक्की हुई। समुद्र पर आधारित यह प्रोटोकॉल महंगे एयर फ्रेट पर निर्भरता कम करता है और किसानों की कमाई ₹ 15-20 प्रति kg बढ़ाता है, जिससे इंटरनेशनल मार्केट में भारतीय आम एक्सपोर्ट बढ़ाने के नए मौके बनते हैं।
- RBI के अनुसार, 17 जुलाई 2026 को खत्म हुए हफ़्ते में भारत का फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व $1.08 बिलियन बढ़कर $676.24 बिलियन हो गया। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से ज़्यादा फॉरेन करेंसी एसेट्स (FCAs) की वजह से हुई , हालांकि गोल्ड रिज़र्व में गिरावट आई। मज़बूत रिज़र्व रुपये की स्थिरता को बढ़ाते हैं, इम्पोर्ट को सपोर्ट करते हैं, इन्वेस्टर का भरोसा मज़बूत करते हैं, और भारत को ग्लोबल फाइनेंशियल अनिश्चितताओं का सामना करने में मदद करते हैं।
- SEBI की मंज़ूरी के बाद भारत 27 जुलाई 2026 से NSE पर अपना पहला बेंचमार्क-बेस्ड नैचुरल गैस फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च करेगा। NATGASIND के तहत ट्रेड होने वाला यह कॉन्ट्रैक्ट IGX दाहेज हब बेंचमार्क से जुड़ा है और प्रोड्यूसर, ट्रेडर और कंज्यूमर को गैस की कीमत में उतार-चढ़ाव से बचाव करने में मदद करता है। यह पहल प्राइस डिस्कवरी, ट्रांसपेरेंसी, रिस्क मैनेजमेंट को बेहतर बनाती है और भारत के गैस-बेस्ड इकॉनमी की ओर बदलाव में मदद करती है।

APEX

SSC CHSL MAHAPACK

Complete Tier 1+2 Prep.

Selection ka Saathi

SSC CHSL MAHA PACK

Complete Tier 1+2 Prep.

Quants | Reasoning | English | GS

Selection ka Saathi

What will you get

- Access to Structured Classes in Live & Recorded Form
- Mock & Topic Tests based on Latest Pattern with Detailed Solution
- Doubt Solving on App, Telegram Groups & In Person at Offline Centers
- Seminar & Topper Talks at Offline Centers
- In-Person Counseling, Physical Support Helpdesk at Offline Centers

SHOW MORE

For Admission Enquiry | CALL NOW

- Exams Covered: 2 (TIER 1 + TIER 2)
- Complete Preparation in One Mahapack
- Latest Pattern Focused Content
- Learn From Experts & Top Educators

Trusted by Lakhs of Aspirants | High Quality Content by Experts | Accessible Anytime, Anywhere | Dedicated Support for Your Success

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) , ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर , क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को तेज़ी से अपनाने की वजह से भारत रेड हैट के टॉप पांच ग्लोबल ग्रोथ मार्केट में से एक बन गया है। भारत और साउथ एशिया के वाइस प्रेसिडेंट और जनरल मैनेजर नवतेज सिंह बल के मुताबिक , देश रेड हैट और IBM के लिए एक बड़ा बिज़नेस , इंजीनियरिंग और इनोवेशन हब बन गया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि AI नौकरियों की जगह लेने के बजाय प्रोडक्टिविटी बढ़ाएगा , जिससे AI , साइबर सिक्योरिटी , डेटा साइंस और क्लाउड टेक्नोलॉजी में स्किल्स की मांग बढ़ेगी, साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत , AI डिप्लॉयमेंट और टैलेंट की कमी जैसी चुनौतियों पर भी ज़ोर दिया।
- भारत सरकार ने देश के करेंसी सिस्टम को मॉडर्न बनाने के लिए एक अरब ₹ 10 और एक अरब ₹ 20 के पॉलीमर बैंकनोट के फील्ड ट्रायल करने के रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) के प्रपोज़ल को मंज़ूरी दे दी है। फाइनेंस स्टेट मिनिस्टर पंकज चौधरी ने इस पहल की घोषणा की है। इस पहल में अलग-अलग मौसम और इस्तेमाल के हालात में नोटों की ड्यूरेबिलिटी , सिक्योरिटी और परफॉर्मेंस को जांचा जाएगा। एक खास प्लास्टिक पॉलीमर से बने ये नोट नमी , गंदगी और घिसाव के लिए ज़्यादा रेज़िस्टेंट होते हैं , इनमें ज़्यादा मज़बूत एंटी-काउंटरफीटिंग फ़ीचर होते हैं और बदलने का खर्च कम होता है। पॉलीमर नोटों के साथ-साथ पेपर करेंसी भी चलती रहेगी, जबकि डिजिटल पेमेंट सिस्टम पर कोई असर नहीं पड़ेगा।
- SBI लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड 2026 पैरा स्पोर्ट्स सीज़न के लिए पैरालंपिक कमेटी ऑफ़ इंडिया (PCI) की प्रिंसिपल पार्टनर बन गई है , जिससे इनक्लूसिव स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने और पैरा-एथलीटों को सपोर्ट करने का उसका कमिटमेंट और मज़बूत हुआ है। इस पार्टनरशिप के तहत, SBI लाइफ ग्लासगो में कॉमनवेल्थ पैरा गेम्स 2026 और ऐची-नागोया में एशियन पैरा गेम्स 2026 के लिए ऑफिशियल लाइफ इंश्योरेंस पार्टनर के तौर पर काम करेगी। इस कोलेबोरेशन का मकसद एथलीटों की अचीवमेंट्स का जश्न मनाना, पैरा स्पोर्ट्स के बारे में अवेयरनेस बढ़ाना और ज़्यादा पार्टिसिपेशन को बढ़ावा देना है। यह 2024 पेरिस पैरालंपिक गेम्स के दौरान इंडियन पैरा-एथलीटों के साथ अपने एसोसिएशन के बाद भी कंपनी का सपोर्ट जारी रखेगी।
- मालदीव मॉनेटरी अथॉरिटी (MMA) ने 30 जुलाई 2026 को फवारा-UPI क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट कॉरिडोर लॉन्च किया , जिससे मालदीव के मोबाइल बैंकिंग एप्लीकेशन से भारत में UPI-लिंक्ड बैंक अकाउंट में तुरंत पैसे ट्रांसफर किए जा सकेंगे। यह सिस्टम फवारा इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम को भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के साथ जोड़ता है , जिससे मालदीवियन रूफिया (MVR) अपने आप भारतीय रुपये (INR) में बदल जाता है। शुरुआत में बैंक ऑफ मालदीव Plc और मालदीव इस्लामिक बैंक Plc के ज़रिए उपलब्ध , इस पहल को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) के साथ मिलकर बनाया गया था , जिससे डिजिटल फाइनेंशियल कनेक्टिविटी और भारत-मालदीव आर्थिक सहयोग मजबूत हुआ।
- मिनिस्ट्री ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन (MoSPI) ने होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) की जगह आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI) को तिमाही और सालाना GDP अनुमानों के लिए GDP डिफ्लेटर के तौर पर इस्तेमाल करने का फैसला किया है, जहाँ भी लागू हो। DPIIT द्वारा जून 2026 में जारी किया गया PPI , प्रोड्यूसर प्राइस को बेहतर ढंग से दिखाता है और भारत को इंटरनेशनल स्टैटिस्टिकल स्टैंडर्ड्स के साथ जोड़ता है। यह सुधार डबल डिफ्लेशन मेथड लाता है , GDP बेस ईयर को 2011-12 से 2022-23 तक अपडेट करता है, और इसे Q1 FY 2026-27 से लागू किया जाएगा , जिससे रियल GDP , GVA अनुमान और इकोनॉमिक पॉलिसीमेकिंग में सुधार होगा।
- Eroute Technologies Pvt. Ltd. द्वारा विकसित OmniCard ने भारत का पहला UPI-आधारित Flexi Benefits Wallet लॉन्च किया है , जिसे Flexi Benefits Basket कहा जाता है, जो RBI-लाइसेंस प्राप्त प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (PPI) प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है। वॉलेट कर्मचारियों को एकल डिजिटल वॉलेट के माध्यम से कर-कुशल लाभों का प्रबंधन करने और लगभग 60 मिलियन UPI-सक्षम व्यापारियों पर UPI स्कैन-एंड-पे लेनदेन करने में सक्षम बनाता है। भोजन, ईंधन, दूरसंचार, पुस्तकें और गैजेट जैसी श्रेणियों का समर्थन करते हुए , यह अनुपालन के लिए मर्चेंट कैटेगरी कोड (MCC) नियंत्रण का उपयोग करता है। आयकर नियम, 2026 (1 अप्रैल 2026 से प्रभावी) के अनुरूप , यह भोजन के लिए ₹ 1,05,600 सहित सालाना ₹ 2 लाख से अधिक के कर-मुक्त लाभ प्रदान करता है।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) ने ट्रांसपेरेंसी, लिक्विडिटी, एफिशिएंसी और इन्वेस्टर प्रोटेक्शन को बेहतर बनाने के लिए सभी सिक्योरिटाइजेशन नोट्स (SNs) को सिर्फ़ डीमैट (डीमैट) फ़ॉर्म में जारी , होल्ड और ट्रांसफ़र करने के लिए ड्राफ़्ट अमेंडमेंट जारी किए हैं। RBI ने जारी करने और बाद में ट्रांसफ़र करने, दोनों में कम से कम ₹ 1 करोड़ की इन्वेस्टमेंट लिमिट भी बनाए रखी है। यह प्रपोज़ल लेंडर्स और स्पेशल पर्पस एंटिटीज़ (SPEs) के बीच कम्प्लायंस एग्रीमेंट को ज़रूरी बनाता है और पब्लिक इश्यू क्राइटेरिया को SEBI रेगुलेशंस के साथ अलाइन करता है। इन रिफ़ॉर्म्स का मकसद इंडिया के सिक्योरिटाइजेशन मार्केट को मॉडर्न बनाना , डेट मार्केट को मज़बूत करना और इन्वेस्टर का भरोसा बढ़ाना है।
- सिंगापुर में हेडक्वार्टर वाला DBS बैंक , ग्लोबल फाइनेंस ग्लोबल बैंक अवार्ड्स 2026 में "वर्ल्ड्स बेस्ट कॉर्पोरेट बैंक" का टाइटल जीतने वाला पहला साउथईस्ट एशियन बैंक बन गया , जो 2005 में इस कैटेगरी के शुरू होने के बाद से पहला रीजनल विनर है। बैंक को कॉर्पोरेट बैंकिंग , डिजिटल इनोवेशन और फाइनेंशियल सर्विसेज़ में एक्सीलेंस के लिए "एशिया का बेस्ट बैंक" और "सिंगापुर का बेस्ट बैंक" अवॉर्ड भी मिला। 19 इंटरनेशनल मार्केट में ऑपरेट करते हुए , DBS कॉर्पोरेट फाइनेंस, ट्रेड फाइनेंस, कैश मैनेजमेंट और ट्रेजरी सर्विसेज़ में AI-ड्रिवन सॉल्यूशन देता है, जो सिंगापुर की ग्लोबल फाइनेंशियल लीडरशिप और बैंकिंग में एशिया की बढ़ती हेडक्वार्टरशिप को और मज़बूत करता है।

- भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) को दुनिया भर में पहचान मिली है, जिसमें 24 देश इंडिया स्टैक को अपनाने के लिए पार्टनरशिप कर रहे हैं , जिसमें UPI , डिजिलॉकर , आधार , ई-KYC , ईसाइन और अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क शामिल हैं। UPI अब 10 इंटरनेशनल मार्केट में मर्चेंट पेमेंट के लिए उपलब्ध है , जबकि केन्या और क्यूबा ने डिजिलॉकर को लागू करना शुरू कर दिया है। भारत, ई-संजीवनी, ई-ऑफिस और ई-हॉस्पिटल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म को डिप्लॉय करने के लिए लाओस, सेशेल्स, वेनेजुएला, आर्मेनिया, फिजी, गुयाना और कोलंबिया के साथ भी बातचीत कर रहा है , जिससे डिजिटल गवर्नेंस , फाइनेंशियल इनक्लूजन और ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर इनिशिएटिव में उसकी लीडरशिप मजबूत होगी।
- राज्यसभा में पेश किए गए वित्त मंत्रालय के डेटा के अनुसार , भारतीय बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में मिनिमम एवरेज बैलेंस (MAB) न रखने पर पेनल्टी के तौर पर ₹ 7,086.63 करोड़ इकट्ठा किए। प्राइवेट सेक्टर के बैंकों ने ₹ 4,948.71 करोड़ इकट्ठा किए , जो कुल चार्ज का लगभग 70% है , जबकि पब्लिक सेक्टर के बैंकों (PSB) ने ₹ 2,137.92 करोड़ इकट्ठा किए। HDFC बैंक और एक्सिस बैंक प्राइवेट सेक्टर में सबसे ज़्यादा योगदान देने वाले बैंक थे। इस बीच, 12 में से 10 PSB ने सेविंग्स अकाउंट पेनल्टी बंद कर दी। बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट (BSBDA) , जिसमें PM जन धन योजना अकाउंट भी शामिल हैं , मिनिमम बैलेंस की ज़रूरतों से मुक्त हैं। RBI ट्रांसपेरेंट और बोर्ड से मंज़ूर पॉलिसी के तहत ऐसे चार्ज की इजाज़त देता है।
- भारतीय स्टेट बैंक (SBI) 2026 में बेसल III-अनुपालन अतिरिक्त टियर- I (AT-1) सतत बॉन्ड जारी करने वाला पहला भारतीय बैंक बनने के लिए तैयार है , जिसका उद्देश्य अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है। बैंक की योजना पांच साल के कॉल ऑप्शन के साथ बॉन्ड जारी करने के जरिए ₹ 5,000 करोड़ जुटाने की है , जो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और नियामकों से अनुमोदन के अधीन है। यह जारी करना SBI की वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड, AT-1 बॉन्ड और टियर- II बॉन्ड के माध्यम से ₹ 60,000 करोड़ की पूंजी जुटाने की बड़ी योजना का हिस्सा है। AT-1 सतत बॉन्ड बैंकों को पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR) में सुधार करने , बेसल III मानदंडों को पूरा करने , घाटे को अवशोषित करने और भविष्य की उधार वृद्धि का समर्थन करने में मदद करते हैं
- एक्सिस बैंक की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सब्सिडियरी कंपनी एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड (AFL) ने रिटेल और MSME लेंडिंग को बेहतर बनाने के लिए 'एक्सिस फाइनेंस दृष्टि' लॉन्च किया है। यह एक इन-हाउस बिजनेस रूल्स इंजन (BRE) और डिजिटल क्रेडिट डिसीजन प्लेटफॉर्म है। यह प्लेटफॉर्म तेज़, डेटा-ड्रिवन क्रेडिट असेसमेंट के लिए एडवांस्ड एनालिटिक्स, स्टैटिस्टिकल स्कोरकार्ड और कई डेटा सोर्स का इस्तेमाल करता है और रियल-टाइम डिसीजन-मेकिंग और स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग (STP) को सपोर्ट करता है। फेज-I में , दृष्टि को पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी (LAP), और दिशा होम लोन के लिए शुरू किया गया था। AFL एक नॉन-डिपॉजिट लेने वाली NBFC है, जिसे 1995 में शामिल किया गया था और इसका हेडक्वार्टर मुंबई, महाराष्ट्र में है।
- दिल्ली हाई कोर्ट से मंज़ूरी मिलने के बाद, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (PPBL) को बंद करने का ऐलान किया। RBI ने इस प्रोसेस को मैनेज करने के लिए स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (SBI) के पूर्व चीफ़ जनरल मैनेजर गिरिकुमार नायर को ऑफिशियल लिक्विडेटर अपॉइंट किया। यह कार्रवाई RBI के गंभीर रेगुलेटरी उल्लंघनों की वजह से PPBL का लाइसेंस कैंसिल करने के बाद की गई है। बैंक बंद करने का प्रोसेस बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 और कंपनीज़ एक्ट, 2013 के तहत किया जाएगा। RBI ने भरोसा दिलाया कि डिपॉज़िटर्स के पैसे सुरक्षित हैं और PPBL के पास देनदारियों को चुकाने के लिए काफ़ी लिक्विडिटी है।
- भारत का ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स (GST) कलेक्शन ₹ 2.11 लाख करोड़ तक पहुँच गया , जिसमें बेहतर टैक्स कम्प्लायंस , मज़बूत इकोनॉमिक एक्टिविटी और बेहतर बिज़नेस परफॉर्मेंस की वजह से साल-दर-साल 15.4% की बढ़ोतरी हुई। घरेलू GST कलेक्शन 10.1% बढ़कर ₹ 1.45 लाख करोड़ हो गया , जबकि इम्पोर्ट से GST 28.8% बढ़कर ₹ 66,511 करोड़ हो गया। ₹ 29,968 करोड़ के रिफंड के बाद , नेट GST रेवेन्यू ₹ 1.81 लाख करोड़ रहा , जो सालाना 15.8% बढ़ रहा है। अप्रैल-जुलाई FY 2026-27 के दौरान , कुल GST कलेक्शन ₹ 8.43 लाख करोड़ तक पहुँच गया। हरियाणा में सबसे ज़्यादा 25% की बढ़ोतरी हुई , उसके बाद गुजरात और तेलंगाना में 19% की बढ़ोतरी हुई। मजबूत रेवेन्यू परफॉर्मेंस से पता चलता है कि कंजम्पशन अच्छा है, इम्पोर्ट बढ़ा है, टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन अच्छा है, और सरकार की फाइनेंशियल कैपेसिटी बेहतर हुई है।
- भारत का वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान राजकोषीय घाटा ₹ 3.1 ट्रिलियन तक पहुंच गया , जो सरकार के ₹ 16.96 ट्रिलियन के वार्षिक लक्ष्य का 18.2% है। यह वृद्धि मुख्य रूप से पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर अधिक सरकारी खर्च के कारण हुई। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान ₹ 2.8 ट्रिलियन की तुलना में , घाटा नियोजित राजकोषीय ढांचे के भीतर रहा। सरकारी वित्त को मजबूत राजस्व संग्रह से समर्थन मिला, शुद्ध कर प्राप्तियां ₹ 5.4 ट्रिलियन से बढ़कर ₹ 6.4 ट्रिलियन हो गईं , जबकि गैर-कर राजस्व बढ़कर ₹ 3.8 ट्रिलियन हो गया। तिमाही के दौरान कुल सरकारी व्यय ₹ 13.6 ट्रिलियन तक पहुंच गया। डेटा निवेश-आधारित विकास पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने का संकेत देता है जबकि वित्त वर्ष 2027 के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को GDP के 4.3% पर बनाए रखा गया है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के अनुसार, 24 जुलाई 2026 को खत्म हुए हफ़्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार $6.12 बिलियन बढ़कर $682.35 बिलियन हो गया। इस बढ़ोतरी को मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट्स (FCAs) में बढ़ोतरी और ज़्यादा गोल्ड रिज़र्व से सपोर्ट मिला। FCAs $4.87 बिलियन बढ़कर $555.93 बिलियन हो गए , जबकि गोल्ड रिज़र्व $1.31 बिलियन बढ़ा। हालांकि, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) के साथ स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (SDRs) $53 मिलियन घटकर $18.62 बिलियन हो गए , और भारत का IMF रिज़र्व पोज़िशन $11 मिलियन घटकर $4.75 बिलियन हो गया। मज़बूत फॉरेक्स रिज़र्व रुपये की स्थिरता बनाए रखने , इम्पोर्ट पेमेंट को सपोर्ट करने, बाहरी ज़िम्मेदारियों को मैनेज करने और इकोनॉमी को ग्लोबल फाइनेंशियल अनिश्चितताओं से बचाने में मदद करते हैं।

समझौता ज्ञापन / MOU's

- आयुष मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत IndiaAI मिशन ने 31 जुलाई 2026 को भारत के पारंपरिक हेल्थकेयर सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को जोड़ने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर साइन किए। इस सहयोग से आयुर्वेद , योग और नेचुरोपैथी , यूनानी , सिद्ध और होम्योपैथी में AI-ड्रिवन रिसर्च , डिजिटल हेल्थकेयर , औषधीय पौधों की स्टडी , ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्य पहलों में AIKosh प्लेटफॉर्म , GPU-बेस्ड हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और IndiaAI इनोवेशन चैलेंज 2026 शामिल हैं , जो रिसर्चर्स, स्टार्टअप्स और सबूतों पर आधारित हेल्थकेयर को सपोर्ट करते हैं।
- भारत और सऊदी अरब ने जेद्दा में सऊदी वॉटर वीक के दौरान वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट और सस्टेनेबल सिंचाई में सहयोग को मज़बूत करने के लिए एक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (MoU) पर साइन किए। सुहेल खान और अब्दुलरहमान अब्दुलमोहसेन अलफदली द्वारा साइन किया गया यह एग्रीमेंट सिंचाई की कुशलता, टेक्नोलॉजी एक्सचेंज, इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी बिल्डिंग और बेस्ट प्रैक्टिस को शेयर करने को बढ़ावा देता है। यह क्लाइमेट चेंज , शहरीकरण और बढ़ती मांग से पैदा होने वाली पानी की चुनौतियों को हल करता है। यह पार्टनरशिप एनर्जी और ट्रेड से आगे बढ़कर लंबे समय की वॉटर सिक्योरिटी , क्लाइमेट रेजिलिएंस , एग्रीकल्चरल सस्टेनेबिलिटी और कोलेबोरेटिव रिसर्च को सपोर्ट करते हुए आपसी संबंधों को बढ़ाती है।
- 26 जून 2026 को , यूनाइटेड स्टेट्स , इज़राइल और लेबनान ने बॉर्डर पर तनाव कम करने और लंबे समय तक क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एक ट्राइलेटरल फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर साइन किए। US की मध्यस्थता वाले इस एग्रीमेंट में धीरे-धीरे इज़राइली मिलिट्री की फिर से तैनाती , लेबनानी आर्म्ड फोर्सेज़ (LAF) की ज़्यादा तैनाती, हिज़्बुल्लाह का वेरिफाइड डिसआर्मामेंट , पायलट सिक्योरिटी ज़ोन और US-समर्थित कोऑर्डिनेशन मैकेनिज़्म शामिल है। इसमें लेबनान के लिए 100 मिलियन US डॉलर की मानवीय मदद भी शामिल है। जहाँ लेबनान और यूनाइटेड स्टेट्स ने इस पहल का स्वागत किया, वहीं इज़राइल ने सेना की वापसी को हिज़्बुल्लाह के डिसआर्मामेंट से जोड़ा, जबकि हिज़्बुल्लाह ने इस एग्रीमेंट को पूरी तरह से खारिज कर दिया।
- प्रधानमंत्री साने ताकाइची के भारत दौरे के दौरान भारत और जापान ने अपनी स्पेशल स्ट्रेटेजिक और ग्लोबल पार्टनरशिप को मज़बूत किया। दोनों देशों ने इकोनॉमिक सिक्योरिटी , आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और एनर्जी रेजिलिएंस पर एग्रीमेंट साइन किए , साथ ही सेमीकंडक्टर , क्वांटम टेक्नोलॉजी , ज़रूरी मिनरल , एडवांस्ड मटीरियल और रेजिलिएंट सप्लाई चेन को कवर करने वाला एक रोडमैप लॉन्च किया। उन्होंने ज़िम्मेदार इनोवेशन को बढ़ावा देने वाली AI पार्टनरशिप की भी घोषणा की और GOBARdhan पहल के तहत लगभग 1,000 बायोगैस और ऑर्गेनिक फर्टिलाइज़र प्लांट लगाने की योजना बनाई। डिफेंस कोऑपरेशन, नेवल एक्सरसाइज और इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम कोऑपरेशन को भी काफी बढ़ाया जाएगा।
- भारत और रवांडा ने नई दिल्ली में दूसरी जॉइंट डिफेंस कोऑपरेशन कमिटी (JDCC) मीटिंग के दौरान डिफेंस संबंधों को मजबूत किया। 2018 के डिफेंस कोऑपरेशन एग्रीमेंट के आधार पर , दोनों देशों ने मिलिट्री ट्रेनिंग , जॉइंट एक्सरसाइज , डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग , मिलिट्री मेडिसिन और इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी बिल्डिंग को कवर करने वाला एक इम्प्लीमेंटेशन प्लान अपनाया। रवांडा के डेलीगेशन ने भारत की डिफेंस इंडस्ट्री के साथ भी बातचीत की और आर्मी हॉस्पिटल (रेफरल एंड रिसर्च) का दौरा किया। यह मीटिंग आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करती है , डिफेंस टेक्नोलॉजी में सहयोग को बढ़ाती है, मिलिट्री हेल्थकेयर सहयोग को मजबूत करती है, और अफ्रीकी पार्टनर्स के साथ भारत के बढ़ते स्ट्रेटेजिक जुड़ाव को दिखाती है।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एक एग्रीमेंट पर साइन किया है, जिससे IP ऑस्ट्रेलिया को CSIR और आयुष मंत्रालय द्वारा बनाई गई ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (TKDL) का एक्सेस मिलेगा। ऑस्ट्रेलियाई पेटेंट एग्ज़ामिनर पारंपरिक ज्ञान पर गलत पेटेंट को रोकने के लिए TKDL को प्रायर आर्ट के तौर पर इस्तेमाल करेंगे। 2001 में बने इस डेटाबेस में आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, सोवा रिग्पा और योग के 5.2 लाख से ज़्यादा फ़ॉर्मूलेशन हैं। ऑस्ट्रेलिया TKDL का एक्सेस रखने वाला 18वां पेटेंट ऑफ़िस बन गया है।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बुखारेस्ट दौरे के दौरान भारत और रोमानिया ने साइंस, टेक्नोलॉजी और स्पोर्ट्स में सहयोग को मज़बूत करने के लिए कई MoU पर साइन किए। राष्ट्रपति निकुसोर डैन के साथ बातचीत में ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, डिफेंस , IT, रिन्यूएबल एनर्जी, एजुकेशन और इनोवेशन पर भी बात हुई। राष्ट्रपति मुर्मू का कोट्रोसेनी पैलेस में औपचारिक स्वागत हुआ और उन्होंने इंडिया-रोमानिया बिज़नेस फोरम और इंडियन डायस्पोरा के साथ बातचीत में हिस्सा लिया। इन समझौतों से दोनों देशों के रिश्ते और गहरे होने, आर्थिक सहयोग बढ़ने और रोमानिया और यूरोपियन यूनियन के साथ भारत के जुड़ाव और मज़बूत होने की उम्मीद है।
- भारत और सेशेल्स ने समुद्री सुरक्षा, रक्षा , डिजिटल भुगतान, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, अंतरिक्ष सहयोग, बुनियादी ढांचे, कृषि और वित्तीय सहायता को कवर करने वाली 19 प्रमुख पहलों का अनावरण करके प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की तीन दिवसीय सेशेल्स यात्रा के दौरान अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया। विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, दोनों देशों ने भारत के महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) दृष्टिकोण के तहत सहयोग बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रमुख समझौतों में समुद्री सुरक्षा सहयोग, एक प्रत्यर्पण संधि, UPI-आधारित डिजिटल भुगतान, बाहरी अंतरिक्ष का शांतिपूर्ण उपयोग, स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा, शिक्षा, कृषि और एक्ज़िम बैंक लाइन ऑफ क्रेडिट शामिल हैं। भारत ने स्वदेश निर्मित फास्ट पेट्रोल वेसल , 10 उपयोगिता वाहन , पांच लेजर रेडियल सेलिंग नौकाओं , डोर्नियर समुद्री निगरानी विमान को अपग्रेड करने और सेशेल्स तटरक्षक बल के लिए पीएस जोरोस्टर के रीफिट को पूरा करके रक्षा सहायता की भी घोषणा की।

- भारत और न्यूज़ीलैंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यूज़ीलैंड के ऑफिशियल दौरे के दौरान 2030 तक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप रोडमैप लॉन्च करके और 10 एग्रीमेंट और मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (MoU) साइन करके अपने आपसी रिश्तों को स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक बढ़ाया। रोडमैप का फोकस डिफेंस और सिक्योरिटी, ट्रेड और इन्वेस्टमेंट, मैरीटाइम पार्टनरशिप, एग्रीकल्चर, टूरिज्म, स्पोर्ट्स, कल्चर, एजुकेशन, साइंटिफिक रिसर्च और ग्लोबल कोऑपरेशन में कोऑपरेशन को मजबूत करना है। इन एग्रीमेंट में डिफेंस फोर्स के बीच मैरीटाइम कोऑपरेशन, हाइड्रोग्राफी और नॉटिकल कार्टोग्राफी, इंडियन नेवी और न्यूज़ीलैंड डिफेंस फोर्स के बीच आपसी लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, काउंटर-टेररिज्म पर एक जॉइंट वर्किंग ग्रुप, डिजास्टर मैनेजमेंट, एनिमल हसबैंड्री और डेयरी, टूरिज्म, स्पोर्ट्स, लोथल, गुजरात में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (NMHC) का डेवलपमेंट और कल्चरल कोऑपरेशन शामिल हैं।

नियुक्तियाँ और इस्तीफे

- केंद्र सरकार ने कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमिटी (ACC) से मंज़ूरी मिलने के बाद, रवि अग्रवाल को 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2026 तक छह महीने के एक्स्ट्रा टर्म के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ डायरेक्ट टैक्सेस (CBDT) का चेयरमैन फिर से अपॉइंट किया है। 1988 बैच के इंडियन रेवेन्यू सर्विस (IRS) ऑफिसर, वे जून 2024 से CBDT चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे हैं। फाइनेंस मिनिस्ट्री के तहत CBDT, डायरेक्ट टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन के लिए सबसे बड़ी अथॉरिटी है, जो टैक्स पॉलिसी, इनकम-टैक्स एक्ट को लागू करने , कम्प्लायंस, ट्रांसपेरेंसी और टैक्स चोरी से निपटना।
- इंडियन REITs एसोसिएशन (IRA) ने नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के CEO शिरीष गोडबोले को आलोक अग्रवाल की जगह अपना नया चेयरपर्सन बनाया है। SEBI और फाइनेंस मिनिस्ट्री के गाइडेंस में 2023 में बना IRA, इंडिया के रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REIT) इकोसिस्टम के डेवलपमेंट को बढ़ावा देता है। गोडबोले ने गवर्नेंस, ट्रांसपेरेंसी, इन्वेस्टर अवेयरनेस और सस्टेनेबल सेक्टर ग्रोथ को मज़बूत करने का वादा किया। सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन के सपोर्ट वाला नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट , अभी मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के हिसाब से इंडिया का सबसे बड़ा लिस्टेड REIT है।
- भारत सरकार ने विदेश मंत्रालय में निरंतरता सुनिश्चित करते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी का कार्यकाल 1 जुलाई 2026 से एक साल के लिए बढ़ा दिया है। 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारी, वे 15 जुलाई 2024 को विदेश सचिव बने। तीन दशकों से ज़्यादा के डिप्लोमैटिक अनुभव के साथ , उन्होंने ब्रुसेल्स , ट्यूनिस , इस्लामाबाद , वाशिंगटन DC , श्रीलंका , म्यूनिख और स्पेन , म्यांमार और चीन में राजदूत के तौर पर काम किया है। उन्होंने 2022 और 2024 के बीच डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (स्ट्रेटेजिक अफेयर्स) के तौर पर भी काम किया।
- AGMUT कैडर के 2001 बैच के IAS ऑफिसर लोखंडे प्रशांत सीताराम को कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमिटी (ACC) से मंज़ूरी मिलने के बाद, गृह मंत्रालय के गृह विभाग में एडिशनल सेक्रेटरी बनाया गया। वे रेगुलर अपॉइंटमेंट होने तक सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) के चेयरपर्सन के तौर पर एडिशनल चार्ज के साथ काम करते हुए बड़ी पॉलिसी कोऑर्डिनेशन और एडमिनिस्ट्रेटिव ज़िम्मेदारियों को देखेंगे। यह अपॉइंटमेंट एजुकेशन और इंटरनल गवर्नेंस में उनके एडमिनिस्ट्रेटिव अनुभव पर सरकार के भरोसे को दिखाता है।
- केंद्र सरकार ने कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमिटी से मंज़ूरी के बाद तीन बड़े पुलिस इंस्टीट्यूशन के नए हेड अपॉइंट किए। आलोक कुमार मित्तल BPR&D के डायरेक्टर जनरल बने , अमित गर्ग NCRB के डायरेक्टर अपॉइंट किए गए , और सुजीत पांडे SVPNPA, हैदराबाद के डायरेक्टर बने। इन अपॉइंटमेंट का मकसद पुलिस मॉडर्नाइज़ेशन को मज़बूत करना , क्राइम डेटा मैनेजमेंट को बेहतर बनाना और IPS ऑफिसर की ट्रेनिंग को बेहतर बनाना है। BPR&D, मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स के अंडर काम करता है , जबकि NCRB नेशनल क्राइम रिकॉर्ड मैनेज करता है और SVPNPA इंडियन पुलिस सर्विस ऑफिसर को ट्रेनिंग देता है।
- विदेश मंत्रालय (MEA) ने 2008 बैच के इंडियन फॉरेन सर्विस (IFS) ऑफिसर संजीव जैन को नॉर्थ कोरिया (DPRK) में भारत का एम्बेसडर अपॉइंट किया है। पहले काबो वर्डे में एम्बेसडर के तौर पर काम कर चुके जैन के पास भारत के बाइलेटरल रिश्तों को मजबूत करने का बहुत डिप्लोमैटिक अनुभव है। वे ज़रूरी डिप्लोमैटिक फॉर्मैलिटी पूरी करने के बाद चार्ज संभालेंगे। उनके अपॉइंटमेंट से भारत-नॉर्थ कोरिया डिप्लोमैटिक एंगेजमेंट बढ़ने , भारत के बड़े फॉरेन पॉलिसी के मकसद को सपोर्ट करने और लगातार डिप्लोमैटिक बातचीत और स्ट्रेटेजिक तरीकों से रीजनल और इंटरनेशनल मुद्दों पर कोऑपरेशन मजबूत होने की उम्मीद है।
- डॉ. श्रीनिवास कुमार तुम्माला को मिनिस्ट्री ऑफ़ अर्थ साइंसेज (MoES) का सेक्रेटरी बनाया गया है। एक जाने-माने ओशनोग्राफर होने के नाते , उन्होंने सैटेलाइट ओशनोग्राफी , क्लाइमेट सर्विसेज़ , सुनामी वॉर्निंग सिस्टम और डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन में योगदान दिया है। INCOIS के डायरेक्टर के तौर पर , उन्होंने इंडियन सुनामी अर्ली वॉर्निंग सेंटर बनाने में मदद की।
- भारत सरकार ने सीनियर BJP लीडर हरजीत सिंह ग्रेवाल को नेशनल कमीशन फॉर माइनॉरिटीज़ (NCM) का नया चेयरपर्सन अपॉइंट किया है। नेशनल कमीशन फॉर माइनॉरिटीज़ एक्ट, 1992 के तहत बनी यह कानूनी बॉडी माइनॉरिटी के अधिकारों की सुरक्षा करती है, संवैधानिक सुरक्षा को मॉनिटर करती है, और सरकार को भलाई के उपायों पर सलाह देती है। ग्रेवाल कमीशन को हेड करने वाले तीसरे सिख और पंजाब के दूसरे व्यक्ति बन गए हैं और उन्हें यूनियन कैबिनेट मिनिस्टर का दर्जा मिला है। 1986 से BJP मेंबर , उन्होंने पहले BJP किसान मोर्चा शुरू किया और उसे लीड किया।

- ग्लोबल रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट फर्म हाइन्स ने अमित दीवान को एशिया-पैसिफिक और मिडिल ईस्ट ऑपरेशंस का हेड अपॉइंट किया है। पहले हाइन्स इंडिया को लीड कर रहे दीवान के पास रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट और डेवलपमेंट में लगभग 25 साल का एक्सपीरियंस है। वह हाई-ग्रोथ मार्केट में रीजनल इन्वेस्टमेंट, पार्टनरशिप, स्ट्रेटेजिक एक्सपेंशन और क्रॉस-बॉर्डर ऑपरेशन्स को देखेंगे। जॉन तनाका की जगह लेने वाले दीवान, जो जापान और कोरिया पर फोकस करेंगे, उनकी नियुक्ति ग्लोबल लीडरशिप और इंटरनेशनल रियल एस्टेट मार्केट में इंडियन प्रोफेशनल्स के बढ़ते असर को दिखाती है।
- IRCTC के डायरेक्टर (टूरिज्म और मार्केटिंग) राहुल हिमालियन को संजय कुमार जैन के इस्तीफे के बाद चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (CMD) का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। 1999 बैच के इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस (IRTS) ऑफिसर, जिन्हें 26 साल से ज़्यादा का अनुभव है, हिमालियन फरवरी 2024 से IRCTC बोर्ड में काम कर रहे हैं। वे टिकटिंग, कैटरिंग, टूरिज्म, रेल नीर और हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज़ के लिए ज़िम्मेदार मिनीरत्न PSU में लीडरशिप कंटिन्यूटी सुनिश्चित करते हुए टूरिज्म और मार्केटिंग की देखरेख करते रहेंगे।
- सीनियर IAS ऑफिसर अनुराग जैन को कैबिनेट की अपॉइंटमेंट्स कमिटी (ACC) से मंज़ूरी मिलने के बाद NITI आयोग का नया चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) बनाया गया है। 1989 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के ऑफिसर जैन के पास गवर्नेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्रियल पॉलिसी और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन का बहुत अनुभव है। वह दो साल या अगले ऑर्डर तक काम करेंगे , और विकसित भारत@2047 विज़न के तहत पॉलिसी सुधारों में मदद करेंगे और इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स 2026 जैसी पहलों को मज़बूत करेंगे।
- राजस्थान कैडर के 1994 बैच के IAS ऑफिसर नरेश पाल गंगवार को सरकार के एक बड़े फेरबदल के तहत शिक्षा मंत्रालय के तहत हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट का नया सेक्रेटरी बनाया गया है। कैबिनेट की अपॉइंटमेंट्स कमिटी (ACC) से मंज़ूरी मिलने के बाद , वे विनीत जोशी की जगह लेंगे , जिन्हें पंचायती राज डिपार्टमेंट में ट्रांसफर कर दिया गया है। गंगवार हायर एजुकेशन पॉलिसी को लागू करने, इंस्टीट्यूशनल सुधार, यूनिवर्सिटी कोऑर्डिनेशन और रेगुलेटरी मामलों की देखरेख करेंगे। राज्य और केंद्र दोनों लेवल पर बड़े एडमिनिस्ट्रेटिव अनुभव के साथ , उनसे भारत के हायर एजुकेशन सेक्टर में गवर्नेंस और सुधारों को मज़बूत करने की उम्मीद है।
- केंद्र सरकार ने 2005 बैच के IRS ऑफिसर सत्य पाल कुमार को फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट-इंडिया (FIU-इंडिया) का नया डायरेक्टर बनाया है। अपॉइंटमेंट्स कमिटी ऑफ़ कैबिनेट (ACC) से मंज़ूर इस अपॉइंटमेंट से मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फाइनेंसिंग, फाइनेंशियल फ्रॉड और संदिग्ध ट्रांज़ैक्शन के खिलाफ भारत की कोशिशों को मज़बूती मिलेगी। FIU-इंडिया फाइनेंशियल इंटेलिजेंस इकट्ठा करने और एनफोर्समेंट एजेंसियों के साथ शेयर करने में अहम भूमिका निभाता है।
- 1995 के AGMUT कैडर के IAS ऑफिसर श्री केशव चंद्रा ने 27 जुलाई 2026 को मिनिस्ट्री ऑफ़ माइंस के सेक्रेटरी का पद संभाला। ऑफिस संभालने के तुरंत बाद, उन्होंने मिनरल एक्सप्लोरेशन , मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी और ज़रूरी और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के डेवलपमेंट से जुड़े खास प्रोग्राम्स का असेसमेंट करने के लिए एक रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने माइनिंग रिफॉर्म्स को असरदार तरीके से लागू करने, स्टेकहोल्डर्स के बीच बेहतर कोऑर्डिनेशन और भारत की मिनरल सिक्योरिटी को मज़बूत करने पर ज़ोर दिया। मिनिस्ट्री इलेक्ट्रिक गाड़ियों , रिन्यूएबल एनर्जी , डिफेंस और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करने के लिए लिथियम , कोबाल्ट , निकल , ग्रेफाइट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे मिनरल्स को प्रायोरिटी दे रही है।
- विदेश मंत्रालय (MEA) ने सैन फ्रांसिस्को में भारत के वर्तमान महावाणिज्यदूत डॉ. के. श्रीकर रेड्डी को कतर में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत-कतर संबंध ऊर्जा , व्यापार , निवेश , तकनीक और रणनीतिक सहयोग में विस्तार कर रहे हैं। कतर भारत का सबसे बड़ा लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) आपूर्तिकर्ता बना हुआ है , जो वित्त वर्ष 2024-25 में 11.2 मिलियन टन या भारत के LNG आयात का 41% योगदान देगा। दोनों देशों ने फरवरी 2025 में अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को $14 बिलियन से $28 बिलियन तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है
- वर्षा अशोक अगलावे 31 जुलाई 2026 को 54वें महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभालने के बाद भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) की प्रमुख बनने वाली पहली महिला बनीं। उनकी नियुक्ति ने GSI के 176 साल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित किया और भारत के वैज्ञानिक नेतृत्व में महिलाओं के बढ़ते योगदान को उजागर किया। उन्होंने असित साहा का स्थान लिया और उनके पास भूविज्ञान, भूवैज्ञानिक अन्वेषण और प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। अगलावे भारतीय खान ब्यूरो के साथ काम करने के बाद 1992 में GSI में शामिल हुईं और इससे पहले कोलकाता के पूर्वी क्षेत्र के अतिरिक्त महानिदेशक और विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। जीवाश्म विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान की विशेषज्ञ , उन्होंने मध्य भारत में सालबर्डी-घोरपेंड डायनासोर के घोंसले के शिकार स्थल की पहचान करने में योगदान दिया
- केंद्र सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) के अध्यक्ष के रूप में के. राजारमन का कार्यकाल 24 अक्टूबर 2028 तक बढ़ा दिया है। विस्तार की घोषणा वित्त मंत्रालय के राजपत्र अधिसूचना दिनांक 30 जुलाई 2026 के माध्यम से की गई , जो 2023 में शुरू होने वाले उनके मूल तीन साल के कार्यकाल में 27 महीने जोड़ता है। राजारमन, एक वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी और दूरसंचार विभाग के पूर्व सचिव, GIFT अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (GIFT IFSC), गांधीनगर के विकास का मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे। IFSCA अधिनियम, 2019 के तहत अप्रैल 2020 में स्थापित , प्राधिकरण बैंकिंग, बीमा, पूंजी बाजार और धन सहित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं को नियंत्रित करता है। उनके निरंतर नेतृत्व का उद्देश्य वैश्विक निवेश को आकर्षित करना और अंतर्राष्ट्रीय वित्त में भारत की स्थिति को मजबूत करना है

पुरस्कार

- भारती एंटरप्राइजेज के फाउंडर और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल को वाशिंगटन , DC में अपने सालाना लीडरशिप समिट के दौरान US-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (USISPF) से 2026 का लीडरशिप अवॉर्ड मिला। यह सम्मान भारत-US के आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने और भारत के टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर को बदलने में उनके शानदार योगदान को पहचान देता है। मित्तल ने डिजिटल कनेक्टिविटी , इनोवेशन और इन्वेस्टमेंट के महत्व पर जोर दिया , साथ ही प्रस्तावित भारत-US ट्रेड एग्रीमेंट के जल्द पूरा होने का भरोसा जताया। यह अवॉर्ड दुनिया भर में कॉम्पिटिटिव बिजनेस और दो-तरफ़ा कमर्शियल सहयोग को बढ़ावा देने में उनके रोल को भी पहचान देता है।
- 2027 से , इंटरनेशनल बुकर प्राइज़ का नाम बदलकर बुखमैन इंटरनेशनल बुकर प्राइज़ कर दिया जाएगा। यह बुखमैन फिलैंथ्रोपीज़ के साथ 10 साल की पार्टनरशिप के तहत होगा। सालाना प्राइज़ मनी दोगुनी होकर £100,000 हो जाएगी, जो लेखक और ट्रांसलेटर के बीच बराबर बांटी जाएगी , जबकि शॉर्टलिस्ट की गई एंट्रीज़ में से हर एक को £5,000 मिलते रहेंगे। डारिया और दिमित्री बुखमैन द्वारा शुरू किया गया यह परोपकारी संगठन साहित्य, शिक्षा और हेल्थकेयर को सपोर्ट करता है। 2027 में केटी कितामुरा की अध्यक्षता में, यह अवॉर्ड UK या आयरलैंड में पब्लिश हुए बेहतरीन ट्रांसलेटेड फिक्शन को पहचान देना जारी रखेगा।
- इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (ICMR) को अपने AI-पावर्ड मेंटल हेल्थ प्लेटफॉर्म, ICMR-MINDS के लिए ई-गवर्नेंस 2026 के लिए नेशनल अवार्ड्स में गोल्ड अवार्ड मिला। इस अवार्ड ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ज़रिए नागरिक-केंद्रित हेल्थकेयर सर्विस देने में इनोवेशन को मान्यता दी। यह प्लेटफॉर्म मेंटल हेल्थ स्क्रीनिंग , असेसमेंट , ट्रीटमेंट रिकमेंडेशन और फॉलो-अप केयर में फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर्स की मदद करने के लिए AI-बेस्ड क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (CDSS) का इस्तेमाल करता है। मल्टीलिंगुअल सपोर्ट , ऑफलाइन फंक्शनैलिटी और रियल-टाइम डैशबोर्ड की सुविधा के साथ , ICMR-MINDS का मकसद पूरे भारत में एक्सेसिबल और एविडेंस-बेस्ड मेंटल हेल्थकेयर को बेहतर बनाना है।
- अहमदाबाद के आचार्य रणछोड़लाल गोस्वामी को हवेली संगीत को बचाने के लिए संगीत नाटक अकादमी ने उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार 2025 के लिए चुना है। ऐतिहासिक गोस्वामी हवेली के 16वीं पीढ़ी के आचार्य ने 2,200 से ज़्यादा भक्ति पद्य रचे हैं , आठ किताबें लिखी हैं , गुजरात यूनिवर्सिटी के हवेली संगीत करिकुलम में योगदान दिया है, और संगीत में डॉक्टरेट रिसर्च जारी रखे हुए हैं। यह पुरस्कार 550 साल पुरानी पुष्टिमार्ग भक्ति संगीत परंपरा को बचाने की उनकी कोशिशों को पहचान देता है , जो भारत की क्लासिकल संगीत विरासत का एक ज़रूरी हिस्सा है।
- डिपार्टमेंट ऑफ़ टेलीकम्युनिकेशन्स (DoT) ने भारतनेट से चलने वाले एक इंटीग्रेटेड फिजिटल रूरल सर्विस डिलीवरी मॉडल , समृद्ध ग्राम के लिए प्रतिष्ठित WSIS प्राइज़ 2026 जीता। एक्शन लाइन C6 के तहत अवार्डेड , यह पहल गांव-लेवल सेंटर्स के ज़रिए हेल्थकेयर, एजुकेशन, एग्रीकल्चर, फाइनेंशियल इनक्लूजन, गवर्नेंस और डिजिटल सर्विसेज़ देने वाले समृद्धि केंद्र बनाती है। 2.17 लाख से ज़्यादा ग्राम पंचायतों में भारतनेट की कनेक्टिविटी के सपोर्ट से , इस प्रोजेक्ट को ITU के इवैल्यूएशन और 2.2 मिलियन से ज़्यादा ग्लोबल वोटों के बाद चुना गया , जो डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) और इनक्लूसिव रूरल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में भारत की लीडरशिप को दिखाता है।
- कोलंबिया में हुए 56वें इंटरनेशनल फ़िज़िक्स ओलंपियाड (IPhO) 2026 में भारत ने ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की , जिसमें टीम के सभी पाँच सदस्यों ने गोल्ड मेडल जीते। भारत ने चीन, कज़ाकिस्तान, रूस, दक्षिण कोरिया और ताइवान के साथ मेडल टैली में संयुक्त रूप से टॉप किया। मेडल जीतने वालों में कनिष्क जैन, रिद्धेश थे। बेंडाले , ऋषित गर्ग, श्रेष्ठ सुरैया और स्वरित जोशी। HBCSE से ट्रेनिंग लेकर , टीम ने सिर्फ़ गोल्ड या सिल्वर मेडल जीतने के भारत के दशक भर के रिकॉर्ड को जारी रखा , जिससे इंटरनेशनल साइंस एजुकेशन में भारत की काबिलियत और मज़बूत हुई।
- मशहूर तमिल कवि और गीतकार आर. वैरामुथु को भारत का सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान , 60वां ज्ञानपीठ अवॉर्ड (2025) मिला। वे अकिलन और जयकांतन के बाद यह अवॉर्ड पाने वाले तीसरे तमिल लेखक बन गए हैं। डॉ. करण सिंह ने नई दिल्ली में यह अवॉर्ड दिया। इसमें ₹ 11 लाख , देवी वाग्देवी की एक कांसे की मूर्ति और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है। वैरामुथु को तमिल साहित्य में उनके असाधारण योगदान के लिए पहचान मिली , जिसमें कल्लीकट्टू जैसी रचनाएँ शामिल हैं। इतिहासम् , जिसने साहित्य अकादमी पुरस्कार जीता।
- उज़्बेकिस्तान के ताशकंद में हुए 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड (IChO) 2026 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की , जिसमें चारों पार्टिसिपेंट्स ने पहली बार गोल्ड मेडल जीते। देबदत्त प्रियदर्शी, हर्षित सिंगला, कबीर छिल्लर और संदीप कुची ने गोल्ड मेडल जीते, जिससे भारत चीन, वियतनाम और रूस के इंडिविजुअल पार्टिसिपेंट्स ग्रुप B के साथ टॉप परफॉर्म करने वाले देशों में शामिल हो गया। 93 देशों के 363 स्टूडेंट्स के साथ ऑर्गनाइज़ इस कॉम्पिटिशन में एडवांस्ड केमिस्ट्री कॉन्सेप्ट्स और लैबोरेटरी स्किल्स को टेस्ट किया गया। यह उपलब्धि HBCSE की कड़ी साइंटिफिक ट्रेनिंग की बेहतरीन क्वालिटी को दिखाती है।
- लिथुआनिया के विलनियस में हुए 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड (IBO) 2026 में एक गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल जीते। भव्य गुणवाल ने गोल्ड मेडल जीता , जबकि सौमिल मैती, निशित कलानी और अनमोल कुमार ने सिल्वर मेडल जीते , जिससे यह पक्का हुआ कि हर भारतीय पार्टिसिपेंट को अवॉर्ड मिले। इस इवेंट में 78 देशों के 307 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया, जिन्होंने जेनेटिक्स, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, इकोलॉजी और फिजियोलॉजी में थ्योरेटिकल और प्रैक्टिकल नॉलेज को परखा। HBCSE-TIFR के गाइडेंस में , भारत ने ग्लोबल साइंस कॉम्पिटिशन में अपनी रेप्युटेशन और मजबूत की।

- मशहूर अमेरिकन फिल्ममेकर जेम्स ग्रे को 9 अगस्त 2026 को 79वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में पार्डो अल्ला कैरियरा (ऑनरेरी करियर पार्डो अवॉर्ड) मिलेगा। यह सम्मान वर्ल्ड सिनेमा में उनके शानदार योगदान को पहचान देता है और उनकी नई फिल्म पेपर टाइगर की स्क्रीनिंग से पहले दिया जाएगा। ग्रे को लिटिल ओडेसा , वी ओन द नाइट , द इमिग्रेंट , द लॉस्ट सिटी ऑफ़ Z , एड एस्ट्रा और आर्मगेडन टाइम जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है , जिन्हें पहचान, परिवार, इमिग्रेशन और इंसानी मूल्यों को दिखाने के लिए जाना जाता है।
- पूर्व चेयरमैन डॉ. जी. सतीश रेड्डी को डिफेंस रिसर्च , साइंटिफिक इनोवेशन और टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता में उनके शानदार योगदान के लिए हैदराबाद में प्रतिष्ठित EMESCO–डॉ. BV पट्टाभिराम चेंजमेकर-2026 अवॉर्ड मिला। यह अवॉर्ड एक्टर और पॉलिटिशियन चिरंजीवी ने दिया। डॉ. रेड्डी ने स्वदेशी डिफेंस टेक्नोलॉजी में भारत की बढ़ती क्षमताओं पर ज़ोर दिया , जिससे ज़रूरी मिलिट्री सिस्टम के लिए विदेशी देशों पर निर्भरता काफी कम हो गई है। नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरी बोर्ड (NSAB) के सदस्य के तौर पर , वे साइंस आउटरीच , लेक्चर और इनोवेशन से जुड़ी पहलों के ज़रिए स्टूडेंट्स और युवा साइंटिस्ट्स को प्रेरित करते रहते हैं।
- इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (EMA) के 2025-26 के प्रेसिडेंट प्रेम के. वोरा को जुलाई 2026 में नई दिल्ली में हुए नेशनल लीडरशिप कॉन्क्लेव के दौरान प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अशोक सम्मान (भारत सम्मान) से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड इलेक्ट्रिकल ट्रेड सेक्टर , एथिकल बिज़नेस प्रैक्टिस , MSME डेवलपमेंट और सस्टेनेबल इंडस्ट्रियल ग्रोथ में उनके शानदार योगदान को पहचान देता है। उनके नेतृत्व में, EMA ने इंडस्ट्री में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन , ग्रीन इलेक्ट्रिकल्स इनिशिएटिव , इनोवेशन और मॉडर्नाइज़ेशन को बढ़ावा दिया है। उन्हें पहले ग्लोबल यूथ एंबेसडर अवॉर्ड और इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्री अवॉर्ड में आइकॉनिक इमर्जिंग लीडर जैसे सम्मान मिल चुके हैं।
- मैथेमेटिक्स में सबसे बड़ा सम्मान माना जाने वाला फील्ड्स मेडल 2026 , इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ़ मैथेमेटिशियंस (ICM) 2026 में हांग वांग, यू डेंग, जॉन पार्डन और जैकब सिमरमैन को दिया गया। यह अवॉर्ड खास मैथेमेटिकल अचीवमेंट्स और भविष्य की संभावनाओं को पहचानता है। हांग वांग को हार्मोनिक एनालिसिस और जियोमेट्रिक मेज़र थ्योरी में योगदान के लिए सम्मानित किया गया , जबकि यू डेंग को पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन (PDEs) में काम के लिए मिला। जॉन पार्डन को सिम्पलेक्टिक ज्योमेट्री और टोपोलॉजी के लिए , और जैकब सिमरमैन को अरिथमेटिक ज्योमेट्री में तरक्की के लिए सम्मानित किया गया। फील्ड्स मेडल हर चार साल में इंटरनेशनल मैथेमेटिकल यूनियन (IMU) द्वारा 40 साल से कम उम्र के मैथेमेटिशियंस को दिया जाता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मामलों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 1 अगस्त 2026 को पुणे, महाराष्ट्र में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 मिला। यह पुरस्कार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 106वीं पुण्यतिथि पर लोकमान्य तिलक स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक समारोह के दौरान प्रदान किया। डोभाल को खुफिया अभियानों, आतंकवाद, सीमा सुरक्षा और सुरक्षा नीति निर्माण में दशकों से चली आ रही उनकी सेवा के लिए मान्यता दी गई थी। 1968 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (IPS) अधिकारी, वे भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। सम्मान में एक स्मृति चिह्न , प्रशस्ति पत्र और ₹ 1 लाख नकद पुरस्कार शामिल

शिखर सम्मेलन, कार्यक्रम और आयोजन

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई दिल्ली में "इलेक्ट्रिक मोबिलिटी: विकसित भारत के लिए भारत को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी हब बनाना" विषय पर ASSOCHAM के नेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। उन्होंने ज़ोर दिया कि भारत के इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) ट्रांज़िशन में ग्रीन ग्रोथ , मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपेरेंट गवर्नेंस और सर्कुलर इकॉनमी को प्राथमिकता देनी चाहिए। चर्चा में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बैटरी सप्लाई चेन, लोकलाइज़ेशन, फाइनेंसिंग और इनोवेशन शामिल थे। मंत्री ने PARIVESH पोर्टल , बैटरी रीसाइक्लिंग, ज़रूरी मिनरल सिक्योरिटी और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग पर ज़ोर दिया, जिससे विकसित भारत 2047 विज़न के तहत क्लीन मोबिलिटी में ग्लोबल लीडर बनने की भारत की इच्छा को बल मिला।
- जल शक्ति मंत्रालय CR पाटिल की अध्यक्षता में नई दिल्ली में जल संसाधन विभागों के सबसे सीनियर सचिवों का ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया। कॉन्फ्रेंस में वॉटर गवर्नेंस, सिंचाई की क्षमता, डैम सुरक्षा, जलाशय मैनेजमेंट, कैच द रेन कैंपेन, स्टेट वॉटर रिफॉर्म्स फ्रेमवर्क और मॉडल स्टेट वॉटर अवॉर्ड्स पर फोकस किया गया। राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, सेंट्रल वॉटर कमीशन और नेशनल डैम सेफ्टी अथॉरिटी के सीनियर अधिकारियों ने सेंटर-स्टेट कोऑर्डिनेशन को मजबूत करने और सस्टेनेबल वॉटर कंजर्वेशन और लॉन्ग-टर्म वॉटर सिक्योरिटी के लिए सुधारों में तेजी लाने के लिए हिस्सा लिया।
- केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 7-10 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में होने वाले 10वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) 2026 के लिए "स्केल विदाउट बाउंड्रीज़" थीम का अनावरण किया। दूरसंचार विभाग (DoT) और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) द्वारा आयोजित , एशिया का सबसे बड़ा डिजिटल प्रौद्योगिकी मंच चार स्तंभों- सृष्टि, सुरक्षा, सशक्त और संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह कार्यक्रम 5G, 6G, AI, IoT, सैटेलाइट कम्युनिकेशंस, क्वांटम टेक्नोलॉजीज और ग्रीन टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन करेगा , जबकि भारत 6G अलायंस , PLI स्कीम और संचार साथी पोर्टल जैसी पहलों पर प्रकाश डाला जाएगा ,

सूचकांक

- BIMCO-ICS सीफ़ेयरर वर्कफ़ोर्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार , भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सीफ़ेयरर सप्लायर बन गया है , जिसमें 311,936 मैरीटाइम प्रोफ़ेशनल और ग्लोबल सीफ़ेयरिंग वर्कफ़ोर्स का 12.16% हिस्सा है। भारत फिलीपींस के बाद और चीन, रूस और इंडोनेशिया से आगे है। मैरीटाइम एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट और ट्रेनिंग इंफ़्रास्ट्रक्चर में बढ़ोतरी की वजह से भारत का ग्लोबल शेयर 2015 में 5.2% से बढ़कर 2026 में 12.16% हो गया। यह रिपोर्ट BIMCO (बाल्टिक एंड इंटरनेशनल मैरीटाइम काउंसिल) और ICS (इंटरनेशनल चैंबर ऑफ़ शिपिंग) ने तैयार की है , जो ग्लोबल शिपिंग इंडस्ट्री में भारत की बढ़ती भूमिका को दिखाती है।
- येल सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल लॉ एंड पॉलिसी , कोलंबिया यूनिवर्सिटी के CIESIN और येल सेंटर फॉर जियोस्पेशियल सॉल्यूशंस द्वारा तैयार एनवायर्नमेंटल परफॉर्मेंस इंडेक्स (EPI) 2026 ने क्लाइमेट चेंज , एयर क्वालिटी , बायोडायवर्सिटी , वॉटर रिसोर्स और इकोसिस्टम हेल्थ को कवर करने वाले 47 इंडिकेटर्स के आधार पर 177 देशों का मूल्यांकन किया। एस्टोनिया 74.79 स्कोर के साथ रैंकिंग में टॉप पर रहा , जबकि भारत 22.46 स्कोर के साथ 176वें स्थान पर रहा , जो केवल लाओस से ऊपर है। रिपोर्ट में पॉल्यूशन , इकोसिस्टम कंजर्वेशन और सस्टेनेबिलिटी से जुड़ी चुनौतियों पर रोशनी डाली गई है , हालांकि भारत पहले भी EPI मेथड और डेटा असेसमेंट प्रोसेस पर सवाल उठा चुका है।

रक्षा

- जनरल धीरज सेठ ने 30 जून 2026 को 31वें चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ़ (COAS) का पद संभाला , वे जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे। उनका कार्यकाल 31 अगस्त 2028 तक रहेगा। इससे पहले वे 49वें वाइस चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ़ के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) से ग्रेजुएशन करने के बाद दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कॉर्प्स में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों की सर्विस में, उन्होंने अहम फ़ॉर्मेशन की कमान संभाली है और 1997 में जनरल शंकर रॉय चौधरी के बाद आर्मी चीफ बनने वाले पहले आर्मर्ड कॉर्प्स ऑफिसर बने।
- पोर्ट और जहाज़ों की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी अथॉरिटी के तौर पर पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के तहत पोर्ट सिक्योरिटी ब्यूरो (BoPS) बनाया गया है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ मैरीटाइम एडमिनिस्ट्रेशन (DGMA) के तहत काम करने वाला और BCAS की तरह , BoPS निगरानी, इंटेलिजेंस शेयरिंग, साइबर सिक्योरिटी, कम्प्लायंस और रिस्क मैनेजमेंट की देखरेख करेगा। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फ़ोर्स (CISF) सिक्योरिटी असेसमेंट करेगा, सिक्योरिटी प्लान तैयार करेगा और ट्रेनिंग देगा। यह पहल भारत के मैरीटाइम सिक्योरिटी आर्किटेक्चर को मॉडर्न बनाती है और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए फिजिकल और साइबर खतरों से सुरक्षा को मज़बूत करती है।
- प्रोजेक्ट ब्रह्मंक , बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइज़ेशन (BRO) की एक खास पहल है। इसने अरुणाचल प्रदेश में अपना 16वां स्थापना दिवस मनाया , जो स्ट्रेटेजिक बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के पंद्रह साल पूरे होने का जश्न है। 2011 से , इसने मुश्किल हिमालयी इलाकों में सैकड़ों किलोमीटर सड़कें और खास पुल बनाए और उनकी देखभाल की है। इस प्रोजेक्ट ने दूर-दराज के इलाकों में बॉर्डर कनेक्टिविटी, मिलिट्री मोबिलिटी, आपदा से निपटने की क्षमता और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाया है। बॉर्डर इलाकों में हर मौसम में पहुंच देकर, यह भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करता है और साथ ही स्थानीय समुदायों के लिए हेल्थकेयर, शिक्षा और ज़रूरी सेवाओं में सुधार करता है।
- रक्षा मंत्रालय ने डिफेंस रिसर्च की एफिशिएंसी और ट्रांसपेरेंसी को बेहतर बनाने के लिए DRDO को फाइनेंशियल पावर्स का डेलीगेशन 2026 (DFP-2026) पेश किया। यह फ्रेमवर्क डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) के अलग-अलग लेवल पर ज़्यादा फाइनेंशियल ऑटोनॉमी देता है , जिससे प्रोक्योरमेंट, रिसर्च, इनोवेशन और टेस्टिंग के लिए तेज़ी से अप्रूवल मिल पाते हैं। यह टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (TDF) , एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च (EMR) , और डिफेंस इनोवेशन एक्सेलेरेटर जैसे प्रोग्राम को मज़बूत करता है। यह रिफॉर्म प्रोसेस में होने वाली देरी को कम करता है, इंडस्ट्री, स्टार्टअप्स, MSMEs, एकेडेमिया के साथ कोलेबोरेशन को बढ़ावा देता है और डिफेंस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर भारत को सपोर्ट करता है।
- भारत ने 27 जून 2026 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में भारतीय तटरक्षक (इंडियन कोस्ट गार्ड) बेड़े में नई पीढ़ी के फास्ट पेट्रोल वेसल (FPV) ICGS अक्षय को शामिल किया। आत्मनिर्भर भारत के तहत निर्मित , इस पोत को तटीय निगरानी , समुद्री कानून प्रवर्तन , खोज और बचाव , तस्करी विरोधी अभियानों , आपदा प्रतिक्रिया और पर्यावरण संरक्षण के लिए डिज़ाइन किया गया है। संस्कृत शब्द "अक्षय" जिसका अर्थ अविनाशी है , के नाम पर रखा गया यह पोत भारत के 7,500 किलोमीटर के समुद्र तट और विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में समुद्री सुरक्षा को बढ़ाता है। यह पोत समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए समुद्री अपराध से निपटने की भारत की क्षमता को मजबूत करता है।
- इंडियन आर्मी 1 जुलाई 2026 को पानागढ़ में XVII कॉर्प्स (माउंटेन स्ट्राइक कॉर्प्स) के तहत अपने पहले इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप्स (IBGs) को ऑपरेशनलाइज़ करेगी। हर IBG एक ब्रिगेड के साइज़ का, सेल्फ-सफिशिएंट फॉर्मेशन है जिसमें 5,000 से ज़्यादा सैनिक होंगे , जिसमें एक मेजर जनरल के अंडर इन्फेंट्री , आर्टिलरी , आर्मर , इंजीनियर , एयर डिफेंस , सिग्नल , लॉजिस्टिक्स और मेडिकल सपोर्ट इंटीग्रेट होंगे। 48 घंटे के अंदर डिप्लॉयमेंट के लिए डिज़ाइन किया गया यह कॉन्सेप्ट जनरल बिपिन रावत ने प्रपोज़ किया था और एक्सरसाइज हिमविजय (2019) के दौरान टेस्ट किया गया था। यह रिफॉर्म मल्टी-डोमेन वॉरफेयर के लिए भारत की तैयारी को काफी बढ़ाता है , खासकर भारत-चीन बॉर्डर पर।

- वें आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने टेक्नोलॉजी से चलने वाली, भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना बनाने के लिए VIJAY विज़न पेश किया। यह फ्रेमवर्क विजिलेंस और रेडीनेस , इनोवेशन और ट्रांसफॉर्मेशन , जॉइंटनेस और इंटीग्रेशन , आत्मनिर्भरता और योद्धा फर्स्ट पर फोकस करता है , जिसमें बॉर्डर सिक्योरिटी, मॉडर्नाइजेशन, स्वदेशी डिफेंस कैपेबिलिटी और सैनिक वेलफेयर पर ज़ोर दिया गया है। लगभग चार दशकों की सर्विस के साथ नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) के पूर्व छात्र, जनरल सेठ का लक्ष्य मिलिट्री मॉडर्नाइजेशन में तेज़ी लाना, तीनों सेनाओं के इंटीग्रेशन को मज़बूत करना और आर्मी को विकसित भारत 2047 के नेशनल विज़न के साथ जोड़ना है।
- K9 वज्र-टी स्व-चालित होवित्जर कार्यक्रम मेक इन इंडिया के तहत भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रणनीतिक रक्षा सहयोग को उजागर करता है। हनवा एयरोस्पेस और लार्सन एंड टूब्रो (L&T) के बीच सहयोग के माध्यम से विकसित , 155 मिमी/52-कैलिबर तोपखाना प्रणाली गुजरात के हजीरा में निर्मित है , जिसमें 50-60% स्वदेशी सामग्री है। भारत ने 2021 तक 100 इकाइयां शामिल कीं, 2024 में अन्य 100 का ऑर्डर दिया , और ₹ 23,000 करोड़ के आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत 300 अतिरिक्त तोपों की योजना है। यह प्रणाली चुनौतीपूर्ण इलाकों में लंबी दूरी की तोपखाने की क्षमता और सीमा की तैयारी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है।
- एयर मार्शल जसवीर सिंह मान , एवीएसएम, वीएसएम , ने 1 जुलाई 2026 को दक्षिणी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) के रूप में पदभार ग्रहण किया , वे एयर मार्शल मनीष खन्ना का स्थान लेंगे। 1989 में फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त , वे एक पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर हैं, जिन्होंने अपाचे , मिग-21 , जगुआर , मिग-29 , एसयू-30 और राफेल सहित विमानों पर 3,000 से अधिक उड़ान घंटे का अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने पहले सहायक वायुसेनाध्यक्ष (ऑपरेशंस-आक्रामक) , महानिदेशक (हथियार प्रणाली) और वरिष्ठ वायु कर्मचारी अधिकारी के रूप में कार्य किया ,
- एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 1 जुलाई 2026 को एयर मार्शल नागेश कपूर की जगह वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ (VCAS) का पद संभाला। 1986 में कमीशन प्राप्त एक फाइटर पायलट , उन्होंने 20 से ज़्यादा तरह के एयरक्राफ्ट पर 3,300 से ज़्यादा फ्लाइंग घंटे जमा किए हैं। उनके शानदार करियर में मिराज-2000 स्क्वाड्रन , एक फ्रंटलाइन फाइटर बेस की कमान संभालना, और एयर डिफेंस कमांडर , डायरेक्टर ऑफ एयर स्टाफ रिक्वायरमेंट्स , और चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (CISC) के तौर पर काम करना शामिल है। साथ ही, एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने नए CISC का पद संभाला।
- लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर , AVSM, VSM , ने 1 जुलाई 2026 को लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन की जगह लेते हुए सदर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (GOC-in-C) का पद संभाला। नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) के पूर्व छात्र, 1988 में 74 आर्मर्ड रेजिमेंट में कमीशन हुए , उनके पास लगभग चार दशकों की मिलिट्री सर्विस है। उन्होंने एक आर्मर्ड रेजिमेंट , इंडिपेंडेंट आर्मर्ड ब्रिगेड , इन्फैंट्री डिवीजन और 2 कोर (खरगा कोर) की कमान संभाली है। पुणे में हेडक्वार्टर वाली सदर्न कमांड, दक्षिणी और मध्य भारत में ऑपरेशनल तैयारी, लॉजिस्टिक्स, आपदा राहत और डिफेंस की देखरेख करती है।
- एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने चेयरमैन चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (CISC) के इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के चीफ का चार्ज संभाला। नेशनल वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि देने के बाद , उन्हें सेरेमोनियल ट्राई-सर्विस गार्ड ऑफ ऑनर मिला। 1987 में इंडियन एयर फोर्स में कमीशन हुए , वे कैटेगरी 'A' क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं, जिनके पास 4,500 से ज़्यादा फ्लाइंग घंटे हैं। उन्होंने एक फाइटर स्क्वाड्रन , रडार स्टेशन , फाइटर बेस और जम्मू और कश्मीर एयर कमांड को कमांड किया है, और उन्हें वायु सेना मेडल , अति विशिष्ट सेवा मेडल और परम विशिष्ट सेवा मेडल मिल चुके हैं।
- इंडियन नेवी ने दुनिया की सबसे बड़ी मल्टीनेशनल नेवल एक्सरसाइज़ RIMPAC 2026 के लिए हवाई में एक P-8I लंबी दूरी का समुद्री टोही और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर एयरक्राफ्ट तैनात किया है। US पैसिफिक फ्लीट की होस्ट की हुई यह एक्सरसाइज़ 24 जून से 31 जुलाई 2026 तक चलेगी , जिसमें 30 से ज़्यादा देश , वॉरशिप, सबमरीन, एयरक्राफ्ट और लोग शामिल होंगे। भारत 2014 से इसमें हिस्सा ले रहा है, जिससे इंडो-पैसिफिक में समुद्री सहयोग मज़बूत हुआ है। यह तैनाती सर्विलांस, एंटी-सबमरीन क्षमताओं, इंटरऑपरेबिलिटी, कलेक्टिव रेडीनेस को मज़बूत करती है और एक फ्री और ओपन इंडो-पैसिफिक विज़न को सपोर्ट करती है।
- डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (DAC) ने भारत की आर्म्ड फोर्सेज़ को मॉडर्न बनाने और स्वदेशी क्षमताओं को मज़बूत करने के लिए ₹ 52,000 करोड़ के डिफेंस प्रोक्योरमेंट प्रपोज़ल्स को मंज़ूरी दी। ये मंज़ूरियां आर्मी, नेवी और एयर फ़ोर्स में ऑपरेशनल तैयारियों को बढ़ाते हुए एडवांस्ड डिफेंस इक्विपमेंट की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत को सपोर्ट करती हैं। प्रोक्योरमेंट पैकेज कॉम्बैट रेडीनेस, टेक्नोलॉजी इंडक्शन, सेल्फ-रिलाएंस, डिफेंस इंडस्ट्रियल ग्रोथ और नेशनल सिक्योरिटी को बेहतर बनाने पर फोकस करता है। यह फैसला स्वदेशी डिफेंस प्रोडक्शन को भी बढ़ावा देता है, इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करता है, और भारत के लॉन्ग-टर्म स्ट्रेटेजिक कैपेबिलिटी डेवलपमेंट प्लान्स के तहत मिलिट्री मॉडर्नाइज़ेशन को तेज़ करता है।
- अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के पाली में ₹ 2,500 करोड़ की मिसाइल बनाने की फैसिलिटी के लिए फाउंडेशन का काम शुरू कर दिया है। इस प्रोजेक्ट में मीडियम और लॉन्ग-रेंज मिसाइल सिस्टम के साथ-साथ कम्पोजिट प्रोपेलेंट , TNT और दूसरे एक्सप्लोसिव मटीरियल बनाए जाएंगे। इसे तीन साल में पूरा करने का प्लान है और इससे लगभग 5,000 डायरेक्ट और इनडायरेक्ट नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है, साथ ही 50 से ज़्यादा MSMEs को भी जोड़ा जाएगा। यह फैसिलिटी भारत के डिफेंस बनाने के इकोसिस्टम को मजबूत करेगी , आत्मनिर्भर भारत को सपोर्ट करेगी और देश की स्वदेशी मिसाइल बनाने की क्षमताओं को बढ़ाएगी।
- प्रोजेक्ट 17A (नीलगिरी -क्लास) के तहत छठा स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट , INS महेंद्रगिरी (F38) , 11 जुलाई 2026 को विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा 75% से ज़्यादा स्वदेशी सामग्री के साथ बनाया गया , इस युद्धपोत में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें , सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें , इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली , पनडुब्बी रोधी क्षमताएं और एक CODOG प्रोपल्शन सिस्टम हैं। यह पूर्वी बेड़े में शामिल होगा , जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा मज़बूत होगी और रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भर भारत पहल को समर्थन मिलेगा।

Test Prime By Adda247

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

Test. Analyze. Improve. Repeat.

Don't just prepare. Perform.

Test Prime – built only for mock tests.

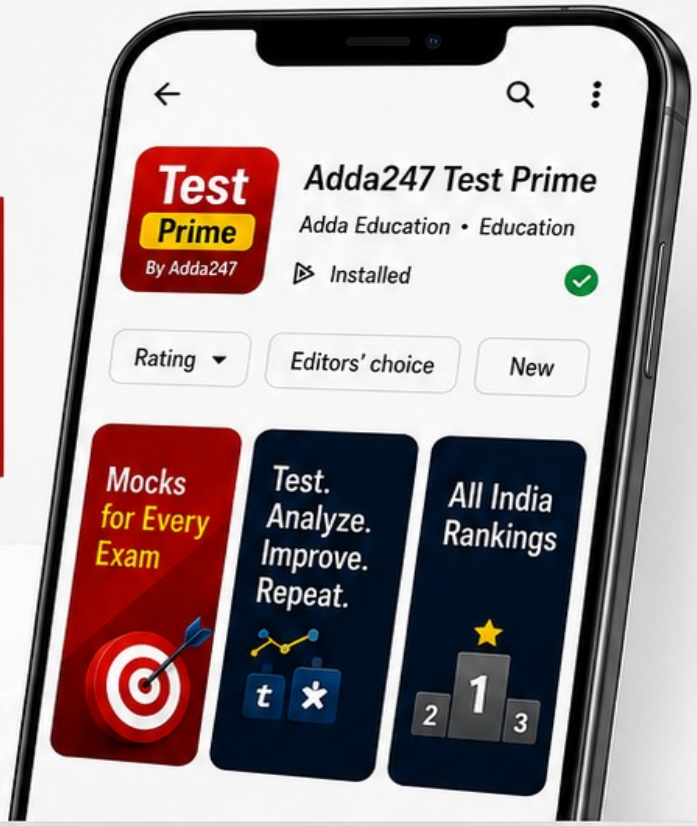

1,50,000+ Mock Tests

25,000+ Previous Year Papers

800+ Exam Covered

500% Refund on Selection

5 lakh+ Free Quizzes

Daily Free PDFs

Top Alerts Stay Updated

WHY TEST PRIME?

- Multilingual
- Detailed Solution
- Strong and Weak Areas
- All India Rankings

- Safe & Reliable
- Trusted by Lakhs of Aspirants
- Your Success, Our Mission

DOWNLOAD TEST PRIME

Your Success Partner!

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच बातचीत के दौरान इंडोनेशिया ने भारत की स्वदेशी एस्ट्रा बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (BVRAAM) को इंपोर्ट करने का फैसला किया। DRDO द्वारा डेवलप और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) द्वारा बनाई गई , एस्ट्रा भारत की पहली स्वदेशी लंबी दूरी की एयर-टू-एयर मिसाइल है। इस एग्रीमेंट में ब्रह्मोस मिसाइल सप्लाई , इंडोनेशिया-स्पेसिफिक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) और सबांग पोर्ट के डेवलपमेंट के ज़रिए बढ़ा हुआ कोऑपरेशन भी शामिल है। यह डील भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को मज़बूत करती है , मेक इन इंडिया को सपोर्ट करती है, और इंडो-पैसिफिक रीजन में स्ट्रेटेजिक कोऑपरेशन को बढ़ाती है।
- डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) ने ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (ITR) में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (LRGR) का सफल फ्लाइट-टेस्ट किया। रॉकेट ने 60 km की अपनी मिनिमम ऑपरेशनल रेंज को सही-सही दिखाया , सभी प्लान किए गए मैनूवर को सफलतापूर्वक पूरा किया और टारगेट को बहुत सटीकता से हिट किया। ARDE , HEMRL , DRDL और RCI द्वारा डेवलप किया गया LRGR, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL) सिस्टम को एडवांस्ड गाइडेंस , नेविगेशन और सटीक स्ट्राइक क्षमताओं के साथ बेहतर बनाता है , जिससे भारत का आत्मनिर्भर भारत मजबूत होता है। रक्षा कार्यक्रम .
- CSIR -NAL ने स्वदेशी सरस MkII का डिज़ाइन चरण पूरा कर लिया है। 19-सीटर ट्विन-टर्बोप्रॉप एयरक्राफ्ट , जो भारत के एविएशन प्रोग्राम में एक बड़ा मील का पत्थर है। UDAN स्कीम के तहत रीजनल कनेक्टिविटी के लिए डिज़ाइन किया गया , इसमें प्रेशराइज़्ड केबिन , ग्लास कॉकपिट , डिजिटल एवियोनिक्स , ऑटोपायलट और कमांड-बाय-वायर फ़्लाइट कंट्रोल हैं। HAL प्रोटोटाइप मैन्युफैक्चरिंग और कंपोनेंट प्रोडक्शन में मदद करेगा, जबकि पहली फ़्लाइट दिसंबर 2027 के लिए तय है। इंडियन एयर फ़ोर्स (IAF) ने 15 एयरक्राफ्ट की शुरुआती ज़रूरत बताई है , जिससे पूरे भारत में स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमता, सिविल एविएशन और डिफ़ेंस ट्रांसपोर्ट ऑपरेशन मज़बूत होंगे।
- भारतीय वायु सेना (IAF) ने अभ्यास पिच ब्लैक 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया में राफेल लड़ाकू जेट तैनात किए। रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना (RAAF) द्वारा आयोजित , यह अभ्यास इंटरऑपरेबिलिटी , वायु युद्ध प्रशिक्षण और भारत-प्रशांत रक्षा सहयोग को बढ़ाता है।
- ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2 को इंडियन नेवी और कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज़ (CMF) ने मिलकर चलाया है। इसका मकसद समुद्री सुरक्षा , इंटरऑपरेबिलिटी को बेहतर बनाना , पाइरेसी , आतंकवाद और गैर-कानूनी ट्रैफिकिंग से निपटना और नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था को मज़बूत करना है।
- भारतीय नौसेना INS मालवन को चालू करेगी , जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) द्वारा निर्मित दूसरा माहे-क्लास एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) है, जिसमें 80% स्वदेशी सामग्री है। यह तटीय निगरानी , पनडुब्बी रोधी युद्ध , समुद्री सुरक्षा को मजबूत करता है और आत्मनिर्भर भारत का समर्थन करता है।
- पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज की सब्सिडियरी कंपनी पारस सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड ने इंदौर-उज्जैन इलाके में ₹ 6,200 करोड़ की OSAT (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट) फैसिलिटी बनाने के लिए MP स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के साथ एक MoU साइन किया है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन को सपोर्ट करते हुए, यह प्रोजेक्ट 3D इंटीग्रेशन, चिपलेट इंटीग्रेशन, हाइब्रिड बॉन्डिंग, वेफर बंपिंग और फ्लिप-चिप असेंबली जैसी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करेगा। इससे 2,500 से ज़्यादा डायरेक्ट जॉब्स बनने की उम्मीद है , यह फैसिलिटी शुरू में डिफेंस , स्पेस, सेंसर और ऑप्टिकल सेक्टर्स को सर्विस देगी, फिर AI चिप पैकेजिंग में एक्सपैंड करेगी।
- इंडियन नेवी ने कोच्चि के सदर्न नेवल कमांड में ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2 लॉन्च किया। यह पहली बार है जब भारत में मल्टीनेशनल मैरीटाइम एक्सरसाइज होस्ट की गई है। कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज (CMF) के कंबाइंड टास्क फोर्स 154 (CTF 154) के तहत होने वाली इस एक्सरसाइज में 26 देशों के 254 पार्टिसिपेंट्स शामिल हैं। प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, सिम्युलेटर एक्सरसाइज और डिस्कशन के ज़रिए, इसका मकसद इंडियन ओशन रीजन में मैरीटाइम कोऑपरेशन, इंटरऑपरेबिलिटी, ऑपरेशनल रेडीनेस और रीजनल सिक्योरिटी को बढ़ाना है।
- नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल को भारत की नेशनल सिक्योरिटी में उनके खास योगदान के लिए तिलक स्मारक ट्रस्ट ने लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड 2026 के लिए चुना है। यह अवॉर्ड 1 अगस्त 2026 को पुणे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देंगे। इंडियन पुलिस सर्विस (IPS) के पूर्व ऑफिसर और इंटेलिजेंस ब्यूरो के अनुभवी डोभाल को काउंटर-टेररिज्म, इंटेलिजेंस कोऑर्डिनेशन, स्ट्रेटेजिक प्लानिंग और दशकों की शानदार पब्लिक सर्विस के ज़रिए भारत के राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा में उनकी लीडरशिप के लिए सम्मानित किया जा रहा है।
- समुद्र प्रदक्षिणा के साथ इतिहास रचा , यह देश का पहला तीनों सेनाओं का महिला दुनिया भर में यात्रा करने वाला अभियान था , जिसे भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की नौ महिला अधिकारियों ने स्वदेशी IASV त्रिवेणी पर सवार होकर पूरा किया। 314 दिन की इस यात्रा में करीब 25,500 नॉटिकल मील की दूरी तय की गई , भूमध्य रेखा को दो बार पार किया गया , इंटरनेशनल डेट लाइन , सभी मेरिडियन को पार किया गया और केप ल्यूविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप का चक्कर लगाया गया। इस मिशन ने आत्मनिर्भर भारत , नारी शक्ति , स्वदेशी जहाज निर्माण, समुद्री उत्कृष्टता और तीनों सेनाओं के बीच निर्बाध सहयोग को दिखाया।
- इंडियन नेवी ने आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत कारवार नेवल बेस पर INS मालवन , दूसरा माहे-क्लास एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) को कमीशन किया। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा 80% से ज़्यादा स्वदेशी सामग्री के साथ बनाया गया यह जहाज़ एंटी-सबमरीन वारफेयर, अंडरवाटर सर्विलांस, माइन वारफेयर और कोस्टल सिक्योरिटी ऑपरेशन के लिए डिज़ाइन किया गया है। महाराष्ट्र में मालवन के नाम पर रखा गया यह वॉरशिप समुद्री डोमेन अवेयरनेस को मज़बूत करता है, शैलो-वॉटर ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ाता है, और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को मज़बूत करता है।

- DRDO ने स्वदेशी AEW&C Mk-II प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए दो बड़े कॉन्ट्रैक्ट साइन किए , जिससे आत्मनिर्भर भारत के तहत भारत की एयर डिफेंस क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। CABS ने छह एयरबस A321 एयरक्राफ्ट को एयरबोर्न सर्विलांस प्लेटफॉर्म में बदलने के लिए AI इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (AIESL) के साथ पार्टनरशिप की , जबकि अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (ADSTL) एडवांस्ड मिशन सिस्टम डेवलप करेगा। यह प्रोजेक्ट लंबी दूरी की निगरानी, अर्ली वॉर्निंग, सिक्योर कम्युनिकेशन और कमांड-एंड-कंट्रोल क्षमताएं देगा , जिससे स्वदेशी एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग और इंडियन एयर फोर्स की ऑपरेशनल तैयारी मजबूत होगी।
- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन्स ने दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले CFM LEAP एयरक्राफ्ट इंजन के लिए सुपरलॉय टर्बाइन रिंग फोर्जिंग बनाने के लिए एक लॉन्ग-टर्म एग्रीमेंट साइन किया है। प्रोडक्शन बेंगलुरु में HAL के फाउंड्री और फोर्ज डिवीजन में होगा , जो एयरबस A320neo, बोइंग 737 MAX, और COMAC C919 जैसे एयरक्राफ्ट के लिए कंपोनेंट्स सप्लाई करेगा। यह पार्टनरशिप भारत के एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बेहतर बनाती है , हाई-वैल्यू कंपोनेंट्स के एक्सपोर्ट को बढ़ाती है, ग्लोबल सप्लाई चेन इंटीग्रेशन को मजबूत करती है, और ग्लोबल एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के भारत के एम्बिशन को सपोर्ट करती है।
- DRDO ने 23 जुलाई 2026 को ओडिशा के डॉ. APJ अब्दुल कलाम आइलैंड से स्वदेशी कुशा लॉन्ग-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (LR-SAM) का पहला फ्लाइट टेस्ट सफलतापूर्वक किया। मिसाइल ने एक हाई-स्पीड एरियल टारगेट को सटीक रूप से इंटरसेप्ट किया, जिससे इसकी एडवांस्ड एयर डिफेंस क्षमता साबित हुई। एडवांस्ड रडार, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम और स्वदेशी टेक्नोलॉजी से लैस यह सिस्टम एयरक्राफ्ट, मिसाइल और UAV का मुकाबला कर सकता है। यह सफल ट्रायल आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करता है , भारत के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क को बढ़ाता है, और ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दिखाता है।
- भारत ने 350 kg थ्रस्ट कैटेगरी में अपना पहला स्वदेशी एक्सपेंडेबल टर्बोजेट इंजन बनाया है, जिसे GTRE-DRDO ने डिज़ाइन किया है और आज़ाद इंजीनियरिंग ने बनाया है। 24 महीनों में डिलीवर होने वाला यह इंजन मिसाइलों, UAVs और एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए है। यह उपलब्धि भारत की स्वदेशी प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देती है, विदेशी इंजनों पर निर्भरता कम करती है, और पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बीच सफल सहयोग को दिखाती है। यह आत्मनिर्भर भारत और भारत की एडवांस्ड एयरोस्पेस और डिफेंस क्षमताओं को मजबूत करने में एक बड़ा मील का पत्थर है।
- भार्गवस्त्र एक देश में बना एंटी-स्वार्म ड्रोन डिफेंस सिस्टम है जिसे दुश्मन के ड्रोन और घूम रहे हथियारों को बेअसर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे 24 जुलाई 2026 को नागपुर में मेक-II प्रोजेक्ट लॉन्च के दौरान भारतीय सेना को दिखाया गया था। यह मोबाइल और सस्ता सिस्टम रियल-टाइम खतरे का पता लगाने और ट्रैकिंग के लिए रडार , EO/IR सेंसर , पैसिव RF डिटेक्टर और C4I सिस्टम को जोड़ता है। यह दो-लेयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है , जिसमें ड्रोन झुंड के खिलाफ मिनी-रॉकेट और 2.5 km तक सटीक हमले के लिए स्मार्ट मिनी-मिसाइल का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिस्टम 10 km से बड़े UAV और 6 km से छोटे ड्रोन का पता लगा सकता है , साथ ही भारत के लेयर्ड एयर डिफेंस को मजबूत करने के लिए सॉफ्ट-किल इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर को हार्ड-किल हथियारों के साथ जोड़ता है।
- थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने 31 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में स्वदेशी रूप से विकसित एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (XWG) डीज़ल लॉन्च किया, ताकि ऊंचाई वाले और बर्फीले क्षेत्रों में सैन्य गतिशीलता में सुधार हो सके। भारतीय सेना और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित , यह विशेष ईंधन -42 डिग्री सेल्सियस जैसे कम तापमान पर कुशलता से काम करता है , जिससे इंजन की विफलताओं और ईंधन फिल्टर की रुकावटों को रोका जा सकता है। सेना के मौजूदा वाहन बेड़े के अनुकूल, यह ईंधन BS-VI उत्सर्जन मानदंडों और IS 1460:2025 मानकों का अनुपालन करता है , जो रणनीतिक सीमा क्षेत्रों में रक्षा रसद , परिचालन तैयारी और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करता है।
- भारतीय नौसेना ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा निर्मित आठ एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) में से सातवें मछलीपट्टनम को लॉन्च किया , जो भारत की तटीय सुरक्षा और समुद्री रक्षा क्षमताओं को बढ़ाता है। 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ , पोत आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करता है और इसे पानी के नीचे निगरानी , पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) , कम तीव्रता वाले समुद्री संचालन (लिमो) और माइन वारफेयर के लिए डिज़ाइन किया गया है। आंध्र प्रदेश के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर मछलीपट्टनम के नाम पर , यह शिल्प समुद्री डोमेन जागरूकता को मजबूत करेगा, रणनीतिक समुद्री लेन की रक्षा करेगा और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में परिचालन तत्परता में सुधार करेगा।
- भारत सरकार ने सशस्त्र सीमा बल (SSB) भर्ती नियम, 2026 को नोटिफ़ाई किया है , जिसमें अग्निपथ स्कीम के तहत अपनी सर्विस पूरी करने वाले एक्स- अग्निवीरों के लिए कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) की 50% वैकेंसी रिज़र्व की गई हैं। नए नियम रिक्रूटमेंट में बड़ी छूट देते हैं, जिसमें रिटन एग्जाम , फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST) , और फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट (PET) से छूट शामिल है , जबकि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल एग्जामिनेशन की ज़रूरतें बनी रहेंगी। एक्स-अग्निवीरों को पहले बैच के लिए 5 साल और बाद के बैच के लिए 3 साल की छूट मिलेगी। इस सुधार का मकसद सर्विस के बाद के रोज़गार के मौकों को सपोर्ट करना और सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPFs) को मज़बूत करना है। SSB मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स (MHA) के तहत काम करता है और नेपाल और भूटान के साथ भारत की सीमाओं की रक्षा करता है।

- एयर मार्शल संदीप थरेजा को 31 अगस्त 2026 से प्रभावी , भारतीय सशस्त्र बलों में सर्वोच्च चिकित्सा पद, महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (DGAFMS) के रूप में नियुक्त किया गया है। वह सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन की सेवानिवृत्ति के बाद उनका स्थान लेंगे। थरेजा ने पहले महानिदेशक चिकित्सा सेवा (वायु) के रूप में कार्य किया और सैन्य चिकित्सा, स्वास्थ्य सेवा प्रशासन और परिचालन चिकित्सा सहायता में लगभग चार दशकों का अनुभव रखते हैं। AFMC पुणे के स्नातक , उन्होंने मेडिसिन में MD और AIIMS नई दिल्ली से गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में DM की डिग्री प्राप्त की है , जहाँ उन्हें सर्वश्रेष्ठ DM छात्र का पुरस्कार मिला था। उन्होंने प्रमुख सैन्य अस्पतालों की कमान संभाली है, AFMC के कमांडेंट के रूप में कार्य किया है और गगनयान और BHISHM क्यूब पहल जैसे मिशनों के लिए स्वास्थ्य सेवा तैयारियों में योगदान दिया है।
- भारतीय वायु सेना के उप वायु सेना प्रमुख (डीसीएएस) , एयर मार्शल एके भारती कई दशकों के विशिष्ट सैन्य करियर के बाद 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हुए। 2025 के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की तीनों सेनाओं की मीडिया ब्रीफिंग के सार्वजनिक चेहरे के रूप में उन्हें राष्ट्रीय पहचान मिली। महानिदेशक वायु संचालन (डीजीएओ) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान , उन्होंने महत्वपूर्ण हवाई अभियानों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने और परिचालन तैयारियों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग के दौरान भारतीय वायु सेना का प्रतिनिधित्व किया, रणनीतिक विकास और सैन्य अभियानों की व्याख्या की। सेवानिवृत्ति से पहले , उन्होंने डीसीएएस के रूप में भारतीय वायुसेना के सर्वोच्च नेतृत्व वाले पदों में से एक पर कार्य किया।

विज्ञान प्रौद्योगिकी

- ISRO ने 24 जून 2026 को महेंद्रगिरी के ISRO प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में अपने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड टेस्ट आर्टिकल (PHTA) का आठवां हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक किया। इंजन ने 175 टन थ्रस्ट पैदा किया , जो इसकी तय 200 टन क्षमता का लगभग 88% है , जिससे प्री-बर्नर , टर्बोपंप और प्रोपेलेंट फीड सिस्टम जैसे ज़रूरी सिस्टम को वैलिडेट किया गया। लिक्विड ऑक्सीजन (LOX) और इसरोसीन से चलने वाला SE2000 इंजन LVM3 लॉन्च व्हीकल के SC120 स्टेज को आगे बढ़ाएगा। इस कामयाबी से पेलोड क्षमता , फ्यूल एफिशिएंसी , स्वदेशी क्षमता और गगनयान , चंद्रयान और कमर्शियल सैटेलाइट लॉन्च जैसे भविष्य के मिशन को बढ़ावा मिलेगा।
- ब्रैकीबैक्टीरियम नेताजी एक नई खोजी गई बैक्टीरियल स्पीशीज़ है जिसे पश्चिम बंगाल में हुगली नदी से अलग किया गया है। पॉलीफेसिक टैक्सोनॉमिक कैरेक्टराइजेशन से पहचाना गया यह बैक्टीरिया पी-नाइट्रोफेनॉल (PNP) को खत्म करने के लिए जाना जाता है, जो डाई और पेस्टिसाइड में पाया जाने वाला एक ज़हरीला इंडस्ट्रियल केमिकल है। यह आर्सेनिक , कैडमियम , लेड और मरकरी जैसे हेवी मेटल्स को भी झेल सकता है , और 9% तक के सलिनिटी लेवल पर भी ज़िंदा रहता है , जिससे यह प्रदूषित माहौल में बायोरेमेडिएशन के लिए काम का है। नेताजी महाविद्यालय , बर्दवान यूनिवर्सिटी , IIT (BHU) और हिरोशिमा यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स द्वारा खोजा गया , यह सम्मान देता है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस .
- उंडावल्ली हेलीपोर्ट पर हेलीकॉप्टर ऑपरेशन के लिए अपने पहले प्राइवेट पॉइंट-इन-स्पेस (PinS) इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रोसीजर को मंज़ूरी दी है , जो एविएशन नेविगेशन में एक बड़ी तरक्की है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (AAI) द्वारा डेवलप और डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन (DGCA) द्वारा मंज़ूर , सैटेलाइट-बेस्ड PinS सिस्टम पारंपरिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बिना, खासकर खराब मौसम और दूर के इलाकों में सुरक्षित और सटीक हेलीकॉप्टर लैंडिंग को मुमकिन बनाता है। सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू के अनुसार, इस पहल से फ्लाइट सेफ्टी , इमरजेंसी मेडिकल सर्विस, आपदा राहत, टूरिज्म, ऑफशोर ऑपरेशन, तीर्थ यात्रा सर्विस, कॉर्पोरेट एविएशन और रीजनल कनेक्टिविटी बढ़ेगी।
- उंडवल्ली हेलीपोर्ट पर हेलीकॉप्टर संचालन के लिए अपने पहले निजी पॉइंट-इन-स्पेस (पिनएस) इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रिया को मंजूरी दी, जिसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा विकसित और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा अनुमोदित किया गया है। इंस्ट्रूमेंट फ़्लाइट रूल्स (आईएफआर) के तहत ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) तकनीक का उपयोग करते हुए , उपग्रह-आधारित प्रणाली पारंपरिक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) के बिना सटीक लैंडिंग को सक्षम बनाती है। यह बुनियादी ढांचे की लागत को कम करने और आईसीएओ मानकों के साथ संरेखित करते हुए सभी मौसम संचालन, उड़ान सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, आपदा प्रतिक्रिया, अपतटीय मिशन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाता है
- स्काईरूट एयरोस्पेस, भारत के पहले प्राइवेट तौर पर बनाए गए ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल विक्रम-1 को 12 जुलाई से 4 अगस्त 2026 के बीच श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से मिशन आगमन पर लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। डॉ. विक्रम साराभाई के नाम पर बना यह चार स्टेज वाला रॉकेट, लो अर्थ ऑर्बिट में 350 kg और सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट में 260 kg वज़न ले जा सकता है। 3D-प्रिंटेड इंजन , एक ऑल-कार्बन कम्पोजिट स्ट्रक्चर और देसी नेविगेशन सिस्टम वाला यह मिशन, भारतीय स्टार्टअप्स और इंटरनेशनल कस्टमर्स से पेलोड ले जाते हुए कमर्शियल लॉन्च टेक्नोलॉजी को वैलिडेट करेगा।
- चिली में NSF –DOE वेरा सी. रुबिन ऑब्ज़र्वेटरी ने दुनिया के सबसे बड़े 3,200-मेगापिक्सल डिजिटल कैमरे का इस्तेमाल करके 10-साल का लेगेसी सर्वे ऑफ़ स्पेस एंड टाइम (LSST) लॉन्च किया। ऑब्ज़र्वेटरी हर 40 सेकंड में दक्षिणी आसमान को स्कैन करेगी , जिससे हर रात लगभग 10 TB डेटा और कॉस्मिक घटनाओं पर 7 मिलियन तक अलर्ट मिलेंगे। साइंटिस्ट 20 बिलियन गैलेक्सी , डार्क मैटर , सुपरनोवा , ब्लैक होल और ग्रेविटेशनल लेंस की स्टडी करेंगे। IUCAA और NCRA-TIFR के भारतीय रिसर्चर कॉस्मोलॉजी और डायनामिक यूनिवर्स की ग्लोबल समझ को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दे रहे हैं।

- रिसर्चर्स ने साइंटिफिक तरीके से कन्फर्म किया है कि बिहार के मुंगेर में 700 साल पुराना बरगद का पेड़ , सबसे पुराना और सही तारीख वाला फिक्स बेंघालेंसिस है। बीरबल साहनी इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैलियोसाइंसेज (BSIP) के साइंटिस्ट्स ने अल्फा-सेल्यूलोज सैंपल्स पर एक्सेलेरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री (AMS) रेडियोकार्बन डेटिंग का इस्तेमाल किया , जिसे IntCal20 कर्व और OxCal सॉफ्टवेयर से कैलिब्रेट किया गया। क्योंकि बरगद के पेड़ों में सालाना ग्रोथ रिंग्स नहीं होतीं, इसलिए यह इस स्पीशीज़ के लिए पहला वैलिडेट किया गया साइंटिफिक डेटिंग प्रोटोकॉल है। इन नतीजों से लोकल हिस्ट्री में बदलाव हुआ है, जिससे यह साबित होता है कि यह पेड़ आस-पास की कॉलोनियल स्ट्रक्चर से भी पुराना है और एक पुराने नेचुरल फॉरेस्ट इकोसिस्टम का हिस्सा था।
- जापान के हायाबुसा2 स्पेसक्राफ्ट , जिसे JAXA चलाता है , ने 5 जुलाई 2026 को एस्टेरॉयड टोरिफ्यून (2001 CC21) के पास से तेज़ी से गुज़रते हुए कामयाबी से उड़ान भरी। 5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ़्तार से चलते हुए , यह एस्टेरॉयड के सेंटर से लगभग 800 मीटर दूर से गुज़रा ताकि उसकी सतह , बनावट और तापमान की स्टडी की जा सके। यह मिशन एडवांस्ड नेविगेशन , सटीक गाइडेंस और तेज़ी से टोही टेक्नोलॉजी की टेस्टिंग करके ग्रहों की सुरक्षा रिसर्च को सपोर्ट करता है। 2020 में अपने कामयाब रयुगु सैंपल-रिटर्न मिशन के बाद , हायाबुसा2 एस्टेरॉयड 1998 KY26 की ओर अपना बड़ा मिशन जारी रखेगा , जिसका टारगेट 2031 है।
- इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन (ISRO) ने गगनयान मिशन के तहत सतीश धवन स्पेस सेंटर , श्रीहरिकोटा में सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स (SOLVE) का पहला ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस टेस्ट ने व्हीकल के सॉलिड प्रोपल्शन सिस्टम को वैलिडेट किया, जिसे 10-17 km की ऊंचाई से क्रू मॉड्यूल रिकवरी , पैराशूट डिप्लॉयमेंट और सेफ वॉटर लैंडिंग को एवैल्यूएट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मॉडिफाइड PSLV-बेस्ड प्रोपल्शन और एडवांस्ड नोजल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, SOLVE भारत के पहले स्वदेशी ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन की तैयारियों को मजबूत करता है , जिससे क्रू सेफ्टी और स्पेस मिशन रिलायबिलिटी बढ़ती है।
- चीन ने साउथ पैसिफिक में सबमरीन-लॉन्च्ड बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) का टेस्ट किया , जो 1982 के बाद किसी न्यूक्लियर-पावर्ड सबमरीन से उसका पहला सबमरीन-बेस्ड स्ट्रेटेजिक मिसाइल लॉन्च था। मिसाइल में एक डमी वॉरहेड था और इसे रूस के साथ जॉइंट सी-2026 नेवल एक्सरसाइज के दौरान लॉन्च किया गया था। इस टेस्ट ने ऑस्ट्रेलिया , न्यूज़ीलैंड और जापान की चिंता बढ़ाई , साथ ही चीन की समुद्र पर आधारित न्यूक्लियर डिटरेंस क्षमताओं को भी हाईलाइट किया। इस लॉन्च ने रारोटोंगा (1985) की संधि पर भी फिर से ध्यान खींचा , जिसने साउथ पैसिफिक को न्यूक्लियर-फ्री ज़ोन बनाया।
- चीनी AI स्टार्टअप डीपसीक विदेशी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी पर निर्भरता कम करने के लिए एक कस्टम AI इंफरेंस चिप बना रहा है। चीन की लीडिंग सेमीकंडक्टर फाउंड्री SMIC के साथ मिलकर बनाई गई यह चिप मुख्य रूप से AI इंफरेंस के लिए डिज़ाइन की गई है , जिससे अच्छे से टेक्स्ट, इमेज और प्रेडिक्शन जेनरेशन हो सके। डीपसीक के V4-Pro और V4-Flash मॉडल Huawei Ascend प्रोसेसर के लिए ऑप्टिमाइज़ किए गए हैं , जो इंटरनेशनल एक्सपोर्ट पाबंदियों के बीच चीन के घरेलू AI इकोसिस्टम को सपोर्ट करते हैं। यह पहल चीन की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता को मज़बूत करती है, स्वदेशी AI हार्डवेयर को आगे बढ़ाती है, और लंबे समय तक टेक्नोलॉजिकल आज़ादी को सपोर्ट करती है।
- US फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) ने ER-पॉज़िटिव , HER2-नेगेटिव , ESR1-म्यूटेटेड एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर के लिए दुनिया की पहली PROTAC-बेस्ड दवा के तौर पर वेपडेगेस्ट्रेंट (वेप्पनु) को मंज़ूरी दी है। अर्विनास और फ़ाइज़र की बनाई इस दवा ने फ़ेज़ 3 VERITAC-2 ट्रायल में बेहतर परफ़ॉर्मेंस दिखाई , और फ़ुलवेस्ट्रेंट के मुकाबले बिना प्रोग्रेशन के बचने की संभावना को बेहतर बनाया। FDA ने ESR1 म्यूटेशन का पता लगाने के लिए एक साथी डायग्नोस्टिक के तौर पर गार्डेंट360 CDx को भी मंज़ूरी दी है। यह मंज़ूरी नई प्रोटीन डिग्रेडेशन टेक्नोलॉजी के ज़रिए टारगेटेड कैंसर थेरेपी में एक बड़ी कामयाबी है।
- इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन (ISRO) ने मध्य प्रदेश के श्योपुर में गगनयान मिशन के लिए इंटीग्रेटेड मेन पैराशूट एयरड्रॉप टेस्ट-05 (IMAT-05) सफलतापूर्वक किया। इंडियन एयर फ़ोर्स के IL-76 एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल करके 2.5 km की ऊंचाई से एक सिम्युलेटेड क्रू मॉड्यूल गिराया गया , जिससे पैराशूट डिप्लॉयमेंट का पूरा सीक्वेंस और सुरक्षित डिसेंट वैलिडेट हुआ। ISRO , DRDO , इंडियन एयर फ़ोर्स और इंडियन आर्मी ने मिलकर यह सफल टेस्ट किया, जिससे गगनयान G1 मिशन और भारत के पहले स्वदेशी ह्यूमन स्पेसफ़्लाइट प्रोग्राम की तैयारियों को मज़बूती मिली है।
- मिनिस्ट्री ऑफ़ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज़ (MoRTH) ने IIT मद्रास और C-DAC को नेशनल ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर को मैनेज करने का काम सौंपा है , जो ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम (BHMS) को सपोर्ट करता है। एडवांस्ड सेंसर का इस्तेमाल करके, यह सिस्टम बेहतर स्ट्रक्चरल सेफ्टी के लिए ब्रिज के स्ट्रेस, वाइब्रेशन, मूवमेंट और लोड को मॉनिटर करता है। NHAI , NHIDCL , BRO और राज्य PWDs जैसी एजेंसियों को 30 सितंबर 2026 तक पूरे देश में डिजिटल ब्रिज इन्वेंट्री पूरी करनी होगी। यह पहल पूरे भारत में सेंट्रलाइज़्ड डेटा एनालिसिस, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस, बेहतर ब्रिज सेफ्टी और कुशल लॉन्ग-टर्म इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट को मुमकिन बनाती है।
- नोवो नॉर्डिस्क इंडिया ने Awiqli (इंसुलिन icodec) लॉन्च किया है , जो टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज वाले बड़ों के लिए दुनिया का पहला हफ़्ते में एक बार दिया जाने वाला बेसल इंसुलिन है। इस थेरेपी से हर साल लगने वाले इंजेक्शन की संख्या 365 से घटकर 52 हो जाती है , जिससे मरीज़ को आसानी होती है और इलाज का पालन बेहतर होता है। FlexTouch डिवाइस से दिया जाने वाला Awiqli पूरे हफ़्ते स्टेबल ग्लूकोज़ कंट्रोल देता है। ONWARDS-1 ट्रायल के क्लिनिकल नतीजों में रोज़ाना इंसुलिन की तुलना में HbA1c में बेहतर कमी , बेहतर Time in Range , और हाइपोग्लाइसीमिया की कम चिंताएँ दिखीं। यह इनोवेशन भारत के लिए बहुत ज़रूरी है, जहाँ 101 मिलियन से ज़्यादा डायबिटीज़ के मरीज़ हैं।

- साइंटिस्ट्स ने स्पर्म व्हेल्स के बीच स्ट्रक्चर्ड कम्युनिकेशन को डिकोड करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल किया , जिससे फोनेटिक कम्युनिकेशन सिस्टम जैसे 156 अलग-अलग कोडा की पहचान हुई। प्रोजेक्ट CETI (सिटेशियन ट्रांसलेशन इनिशिएटिव) के तहत किए गए इस रिसर्च में 2005 और 2018 के बीच इकट्ठा की गई लगभग 400 व्हेल्स की रिकॉर्डिंग को एनालाइज़ किया गया। नेचर कम्युनिकेशंस में पब्लिश हुई इस स्टडी में रूबाटो और ऑर्नामेंटेशन समेत कम्युनिकेशन फीचर्स की पहचान की गई , जो सोफिस्टिकेटेड वोकल पैटर्न का सुझाव देते हैं। रिसर्चर्स ने बिहेवियरल डेटा इकट्ठा करने के लिए AI-पावर्ड बायो-लॉगर्स और ऑटोनॉमस अंडरवाटर ग्लाइडर्स भी डेवलप किए , जो मरीन बायोलॉजी और एनिमल कम्युनिकेशन रिसर्च में AI की बढ़ती भूमिका को दिखाते हैं।
- जापान के JAXA ने नोशिरो रॉकेट टेस्टिंग सेंटर में RV-X रीयूज़ेबल रॉकेट का पहला लिफ्ट-ऑफ और लैंडिंग टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रोटोटाइप ने 40 सेकंड की उड़ान पूरी की , हॉरिजॉन्टल मूवमेंट के बाद सुरक्षित रूप से लैंडिंग से पहले 10-11 मीटर तक पहुंचा। रॉकेट रिकवरी, सटीक लैंडिंग, गाइडेंस और रीयूज़ेबल लॉन्च टेक्नोलॉजी को टेस्ट करने के लिए डेवलप किया गया यह प्रोग्राम भविष्य में स्पेस लॉन्च की लागत को कम करने का लक्ष्य रखता है। 160 से ज़्यादा कंबशन टेस्ट के बाद, सफल डेमोंस्ट्रेशन रीयूज़ेबल स्पेस ट्रांसपोर्टेशन में जापान की भूमिका को मज़बूत करता है और फ्रांस और जर्मनी के साथ इंटरनेशनल CALLISTO रीयूज़ेबल रॉकेट प्रोजेक्ट को सपोर्ट करता है।
- ISRO ने गगनयान क्रू मॉड्यूल के लिए तीन बड़े क्वालिफिकेशन टेस्ट सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं , जिसमें क्रू मॉड्यूल अपराइटिंग सिस्टम (CMUS) , क्रू-सर्विस अम्बिलिकल यूनिट (CSU-2) , और एपेक्स कवर सेपरेशन सिस्टम को वैलिडेट किया गया है। ये सिस्टम भारत के पहले ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन के दौरान सुरक्षित स्प्लैशडाउन, फ्लोटेशन, पैराशूट डिप्लॉयमेंट, री-एंट्री और एस्ट्रोनॉट की रिकवरी सुनिश्चित करते हैं। 12 जुलाई 2026 को किए गए इन टेस्ट से मिशन की तैयारी में काफी सुधार हुआ है और ज़रूरी सेफ्टी सिस्टम के भरोसेमंद होने की पुष्टि हुई है। यह उपलब्धि लो अर्थ ऑर्बिट में भारत के पहले स्वदेशी ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन , गगनयान को लॉन्च करने की दिशा में एक और मील का पत्थर है।
- में सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (CeNS) के साइंटिस्ट्स ने एक सेल्फ-पावर्ड वियरेबल अमोनिया गैस सेंसर बनाया है जो 319 ppb जितनी कम कंसंट्रेशन का भी पता लगा सकता है। VOx /VS_2 हेट्रोस्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके बनाया गया यह फ्लेक्सिबल सेंसर, बिना किसी बाहरी हीटिंग के कमरे के तापमान पर अच्छे से काम करता है। यह हाई सेंसिटिविटी, स्टेबिलिटी और रियल-टाइम अलर्ट देता है, जिससे यह इंडस्ट्रियल सेफ्टी, हेल्थकेयर, एनवायरनमेंट मॉनिटरिंग और स्मार्ट टेक्सटाइल एप्लीकेशन के लिए कम एनर्जी इस्तेमाल करते हुए काम का है।
- ISRO के पूर्व चेयरमैन एस. सोमनाथ अग्निकुल कॉसमॉस के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स में ऑब्ज़र्वर के तौर पर शामिल हुए। चेन्नई का यह प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप मिशन 02 की तैयारी कर रहा है , जो रीयूज़ेबल लॉन्च टेक्नोलॉजी और बूस्टर रिकवरी पर फोकस करता है। लॉन्च व्हीकल डेवलपमेंट में सोमनाथ की एक्सपर्टीज़ भारत के पब्लिक और प्राइवेट स्पेस सेक्टर के बीच कोलेबोरेशन को मज़बूत करेगी, इनोवेशन, कमर्शियल स्पेस एक्टिविटीज़ और देश की एक लीडिंग ग्लोबल स्पेस पावर बनने की महत्वाकांक्षाओं को सपोर्ट करेगी।
- भारत ने 20 जुलाई, 2026 को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया (DCGI) से मंज़ूरी मिलने के बाद , देश की पहली डेंगू वैक्सीन QDENGA (TAK-003) को मंज़ूरी दे दी है। जापान की टेकेडा बायोफार्मास्युटिकल्स की बनाई यह लाइव-एटेन्यूएटेड टेट्रावैलेंट वैक्सीन , डेंगू वायरस के सभी चार सीरोटाइप (DENV-1 से DENV-4) से बचाती है और इसे 4-60 साल के लोगों के लिए मंज़ूरी दी गई है , चाहे उन्हें पहले कोई इन्फेक्शन हुआ हो या नहीं। बायोलॉजिकल E इस वैक्सीन को देश में ही बनाएगी, जिसकी सालाना क्षमता 50 मिलियन डोज़ होगी , जिससे डेंगू के खिलाफ भारत की लड़ाई में मदद मिलेगी और गंभीर इन्फेक्शन कम होंगे।
- भारत ने वन नेशन, वन टाइम पहल को आगे बढ़ाते हुए व्हाइट रैबिट टेक्नोलॉजी पर आधारित इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (IST) डिसेमिनेशन नेटवर्क शुरू किया। डिपार्टमेंट ऑफ़ कंज्यूमर अफेयर्स, CSIR-NPL और ISRO का बनाया यह स्वदेशी सिस्टम फाइबर -ऑप्टिक नेटवर्क पर सब-नैनोसेकंड एक्यूरेसी के साथ UTC (NPLI)-ट्रेसेबल IST देता है। यह बैंकिंग, फाइनेंशियल मार्केट, टेलीकम्युनिकेशन, पावर ग्रिड, साइबर सिक्योरिटी और ट्रांसपोर्टेशन के लिए सुरक्षित और सटीक टाइम सिंक्रोनाइज़ेशन पक्का करता है। RRSL बेंगलुरु और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सफल डेमोंस्ट्रेशन ने इसके भरोसे को दिखाया और भारत की टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता को मज़बूत किया।
- IIT कानपुर , UPNEDA की मदद से उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी 2024 के तहत ग्रीन हाइड्रोजन के लिए इनोवेटिव और इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम पर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (ECOGEN) बना रहा है। यह सेंटर प्रोडक्शन, स्टोरेज, इस्तेमाल और सिस्टम इंटीग्रेशन समेत पूरी ग्रीन हाइड्रोजन वैल्यू चेन पर फोकस करेगा। इसका मकसद सस्ती हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी डेवलप करना, स्टोरेज सॉल्यूशन को बेहतर बनाना, इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन को बढ़ावा देना, फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता कम करना, रिन्यूएबल एनर्जी को अपनाने को मज़बूत करना और भारत के लंबे समय के नेट-ज़ीरो और क्लीन एनर्जी लक्ष्यों को सपोर्ट करना है।
- भारत ने टेकेडा बायोफार्मास्युटिकल्स की बनाई QDENGA को पब्लिक इस्तेमाल के लिए अपनी पहली डेंगू वैक्सीन के तौर पर मंज़ूरी दी है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया (DCGI) से मंज़ूरी मिली यह वैक्सीन सभी चार डेंगू वायरस सीरोटाइप (DENV-1 से DENV-4) से बचाती है और इसे 4-60 साल के लोगों के लिए मंज़ूरी दी गई है, इसके लिए प्री-वैक्सीनेशन स्क्रीनिंग की ज़रूरत नहीं है। भारत की TIDES फेज़ III स्टडी सहित 28,000 से ज़्यादा पार्टिसिपेंट्स वाले ग्लोबल क्लिनिकल ट्रायल्स से सपोर्टेड , यह वैक्सीन डेंगू इन्फेक्शन और हॉस्पिटलाइज़ेशन को काफ़ी कम करती है , जिससे भारत की बीमारी रोकने की स्ट्रैटेजी मज़बूत होती है।

- इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (ICMR) ने मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र पहल के तहत तीन देसी हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड और बायोलॉजिकल ई लिमिटेड को ट्रांसफर कीं। इनमें HPV से जुड़े सर्वाइकल प्रीकैंसर के इलाज के लिए SHetA2 , एक फ्यूजन प्रोटीन-बेस्ड टाइफाइड वैक्सीन , और साल्मोनेला टाइफी, साल्मोनेला पैराटाइफी, और शिगेला को टारगेट करने वाली एक रिकॉम्बिनेंट मल्टीवैलेंट वैक्सीन शामिल हैं। यह टेक्नोलॉजी ट्रांसफर मेक इन इंडिया को बढ़ावा देता है , बायोटेक्नोलॉजी इनोवेशन को मजबूत करता है, सस्ती हेल्थकेयर को सपोर्ट करता है, और देसी मेडिकल रिसर्च के कमर्शियलाइजेशन को तेज करता है।
- IIT कानपुर, उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी 2024 के तहत ग्रीन हाइड्रोजन के लिए इनोवेटिव और इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम पर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (ECOGEN) बना रहा है। यह सेंटर ग्रीन हाइड्रोजन प्रोडक्शन, स्टोरेज, इस्तेमाल और सिस्टम इंटीग्रेशन पर फोकस करेगा , और कॉस्ट-इफेक्टिव क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन को सपोर्ट करेगा। रिसर्च, इंडस्ट्री में सहयोग और स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देकर, ECOGEN का मकसद कार्बन एमिशन कम करना, रिन्यूएबल एनर्जी अपनाने को मज़बूत करना, भारत के नेट-ज़ीरो लक्ष्यों को सपोर्ट करना और उत्तर प्रदेश को एक बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन हब बनाना है।
- एमएसीएस अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के वैज्ञानिकों ने पश्चिमी घाट में पांच नई एलोग्राफा लाइकेन प्रजातियों की खोज की , जो इस क्षेत्र में इस जीनस का पहला व्यापक आणविक अध्ययन है। नई पहचानी गई प्रजातियाँ- एलोग्राफा केरालेंसिस , ए. नायके , ए. पैराकोनसांगुनीया , ए. पर्सिस्टिनस्पर्सा , और ए. सेमीकार्बोनिसाटा — की पुष्टि फील्ड सर्वे, DNA सीक्वेंसिंग, केमिकल एनालिसिस और मॉर्फोलॉजिकल स्टडीज़ से की गई। चूंकि लाइकेन पर्यावरण स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण बायोइंडिकेटर हैं , इसलिए यह खोज दुनिया के सबसे समृद्ध बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट में से एक में बायोडायवर्सिटी रिसर्च, इकोसिस्टम मॉनिटरिंग और संरक्षण को मजबूत करती है।
- क्लाउड फैबल 5 , हार्वर्ड के मैथमैटिशियन लेवेंट एल्पोगे और एंथ्रोपिक से जुड़ी एक AI-असिस्टेड मैथमेटिकल सफलता ने 1939 में प्रपोज़ किए गए लंबे समय से चले आ रहे जैकोबियन कंजेक्चर को चुनौती दी है। AI ने कथित तौर पर एक काउंटरएग्जांपल की पहचान की , जिसे बाद में SymPy और लीन प्रूफ असिस्टेंट का इस्तेमाल करके वेरिफाई किया गया। अगर इंडिपेंडेंट पीयर रिव्यू से कन्फर्म होता है, तो यह खोज अलजेब्रिक ज्योमेट्री , पॉलीनोमियल मैपिंग और कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स को बदल सकती है, साथ ही मैथमेटिकल रिसर्च, थ्योरम एक्सप्लोरेशन और फॉर्मल प्रूफ वेरिफिकेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका को भी दिखा सकती है।
- IIT मद्रास 1-2 अगस्त को MeitY और RISC-V इंटरनेशनल के साथ मिलकर "भारत के सेमीकंडक्टर भविष्य को सशक्त बनाना" थीम के तहत तीसरे डिजिटल इंडिया RISC-V (DIR-V) सिम्पोजियम 2026 की मेजबानी करेगा। सिम्पोजियम में पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स, स्टार्टअप्स, इंडस्ट्री लीडर्स, इन्वेस्टर्स और स्टूडेंट्स RISC-V आर्किटेक्चर, सेमीकंडक्टर डिज़ाइन, AI, सिक्योर कंप्यूटिंग और हार्डवेयर इनोवेशन पर चर्चा करने के लिए एक साथ आएंगे। एक बड़ा आकर्षण DIR-V ग्रैंड चैलेंज हैकथॉन होगा , जो भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को सपोर्ट करेगा, ओपन-सोर्स प्रोसेसर डेवलपमेंट , स्टार्टअप इनोवेशन और स्किल्ड वर्कफोर्स क्रिएशन को बढ़ावा देगा।
- 30 जुलाई से 1 अगस्त तक जोधपुर में इंटरनेशनल टाइप 1 डायबिटीज समिट 2026 होस्ट करेगा। फ्रेंड्स ऑफ मेवाड़, ब्रेकथ्रू T1D और विलियम जे. क्लिंटन फाउंडेशन द्वारा ऑर्गनाइज़ इस समिट में दुनिया भर के एक्सपर्ट्स सस्ते इंसुलिन, इंसुलिन पंप, डिजिटल हेल्थ, मेंटल हेल्थ, लगातार ग्लूकोज मॉनिटरिंग और रिसर्च में सहयोग पर चर्चा करेंगे। इस इवेंट का मकसद टाइप 1 डायबिटीज केयर को बेहतर बनाना , इंटरनेशनल पार्टनरशिप को मजबूत करना और दुनिया भर में बेहतर मरीज़ों के नतीजों के लिए नए हेल्थकेयर सॉल्यूशन को बढ़ावा देना है।
- भारत के प्राइवेट स्पेस सेक्टर ने 31 मार्च 2026 तक कुल 618.5 मिलियन USD का इन्वेस्टमेंट किया , जो रिफॉर्म्स और इन्वेस्टर्स के भरोसे से हुई मज़बूत ग्रोथ को दिखाता है। 400 से ज़्यादा स्पेस स्टार्टअप्स अब सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग, लॉन्च सर्विसेज़ और अर्थ ऑब्ज़र्वेशन में काम कर रहे हैं। IN- SPACe ने 105 ऑथराइज़ेशन जारी किए हैं , जबकि इंडिया स्पेस पॉलिसी 2023 और आसान FDI नॉर्म्स जैसी पॉलिसीज़ इनोवेशन को बढ़ावा देती हैं। यह बढ़ोतरी भारत के कमर्शियल स्पेस इकोसिस्टम, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, रोज़गार और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस को मज़बूत करती है।
- चीन की प्राइवेट एयरोस्पेस कंपनी ओरिएनस्पेस ने ईस्ट चाइना सी में एक मैरीटाइम प्लेटफॉर्म से ग्रैविटी-1 रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया , जिससे नौ सैटेलाइट ऑर्बिट में पहुंच गए। यह मिशन यांग्त्ज़ी रिवर डेल्टा से चीन का पहला कमर्शियल दूर-समुद्री लॉन्च और रॉकेट की तीसरी सफल उड़ान थी। ये सैटेलाइट अर्थ ऑब्ज़र्वेशन, एग्रीकल्चर, फॉरेस्ट्री, मिनरल एक्सप्लोरेशन और एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग में मदद करते हैं। यह लॉन्च चीन के कमर्शियल स्पेस एम्बिशन को मज़बूत करता है और साथ ही भविष्य के ग्रैविटी-2 और ग्रैविटी-3 को भी आगे बढ़ाता है। कार्यक्रम .
- भारत ने घोषणा की है कि भविष्य के स्पेस लॉन्च व्हीकल में देश में बने सेमीकंडक्टर चिप्स लगे होंगे , जो टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्काईरूट एयरोस्पेस के विक्रम-1 के सफल ऑर्बिटल टेस्ट फ़्लाइट के बाद इस पहल की घोषणा की , जिससे भारत के प्राइवेट स्पेस सेक्टर की तेज़ ग्रोथ पर रोशनी पड़ी। ये स्पेस-ग्रेड सेमीकंडक्टर नेविगेशन , फ़्लाइट कंट्रोल , टेलीमेट्री , ऑनबोर्ड कंप्यूटर और कम्युनिकेशन जैसे ज़रूरी सिस्टम को पावर देते हैं , और बहुत ज़्यादा रेडिएशन , वाइब्रेशन और तापमान में बदलाव को भी झेलते हैं। यह कदम सप्लाई-चेन सिक्योरिटी को मज़बूत करता है , इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करता है , और चार साल के अंदर देश में बने प्रोसेसर और मिशन इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने के ISRO के प्लान को सपोर्ट करता है।
- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) के वैज्ञानिकों ने मकड़ी की दो नई प्रजातियों की खोज की है - मेघालय से सिमोनिया लॉबाह और हमातलिवा आंध्र प्रदेश से पापिकोंडा — भारत की डॉक्यूमेंटेड बायोडायवर्सिटी को बढ़ा रहा है। ये खोजें साइंटिफिक जर्नल ज़ूटाक्सा और रिकॉर्ड्स ऑफ़ द ज़ूलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया में पब्लिश हुईं। सिमोनिया लॉबाह , क्रेम के अंदर खोजा गया। लॉबाह गुफा , सिमोनिया जीनस की भारत की पहली दर्ज प्रजाति है और यह गुफा में रहने वाली रे स्पाइडर है। हमातलिवा पापिकोंडा , पापिकोंडा नेशनल पार्क में पाई जाने वाली एक एक्टिव शिकार करने वाली लिंक्स मकड़ी है। ये नतीजे भारत में टैक्सोनॉमी , वाइल्डलाइफ सर्वे और बायोडायवर्सिटी कंज़र्वेशन के महत्व को दिखाते हैं।

- ज़ूलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (ZSI) ने 12 साल की रिसर्च के बाद , तितलियों और पतंगों की 13,703 प्रजातियों को डॉक्यूमेंट करते हुए, देश की पहली बड़ी लेपिडोप्टेरा इन्वेंट्री पूरी की। डॉ. नवनीत सिंह और डॉ. राहुल जोशी के नेतृत्व में , इस प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर फील्ड सर्वे , म्यूज़ियम कलेक्शन , सैंपल वेरिफ़िकेशन और लिटरेचर रिव्यू शामिल थे , जिसके नतीजे में ज़ूटाक्सा में 22-वॉल्यूम का कैटलॉग पब्लिश हुआ। इन्वेंट्री में 3,705 जेनेरा , 102 फ़ैमिली , 240 सबफ़ैमिली और 31 सुपरफ़ैमिली रिकॉर्ड हैं, जबकि भारत को 2,205 प्रजातियों के साथ जियोमेट्रोइडिया पतंगे की डाइवर्सिटी के लिए ग्लोबल हॉटस्पॉट के तौर पर पहचाना गया है , जो टैक्सोनॉमी , बायोडायवर्सिटी कंज़र्वेशन और क्लाइमेट रिसर्च में काफ़ी मदद करता है।
- आईबीएम और भारतीय एआई स्टार्टअप सर्वम ने भारत की सरकारों और विनियमित क्षेत्रों के लिए सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) समाधानों के विकास में तेजी लाने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। सहयोग का उद्देश्य बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक प्रशासन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे सहित क्षेत्रों के लिए सुरक्षित, बहुभाषी और शासन केंद्रित एआई सिस्टम बनाना है। आईबीएम डेटा सुरक्षा, एआई शासन, अनुपालन और बुनियादी ढांचे के नियंत्रण का समर्थन करने के लिए अपना सॉवरेन कोर प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा, जबकि सर्वम बहुभाषी भाषा मॉडल, वॉयस एआई और स्थानीय रूप से विकसित तर्क मॉडल जैसी भारत-विशिष्ट तकनीकों का योगदान देगा। यह पहल डेटा , मॉडल और संचालन पर नियंत्रण सुनिश्चित करते हुए संगठनों को एआई प्रयोग से बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन में स्थानांतरित करने पर केंद्रित है।
- स्यूडोलागुविया नाम की एक नई मीठे पानी की हिलस्ट्रीम कैटफ़िश प्रजाति की खोज की खैरी ओडिशा के मयूरभंज जिले के बुधबलंगा नदी में पाई जाती है। इस खोज को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका ज़ूटाक्सा में 26 जुलाई 2026 को प्रकाशित किया गया था , जो भारत के मीठे पानी की जैव विविधता के रिकॉर्ड में शामिल हो गया। प्रजाति स्यूडोलागुविया जीनस से संबंधित है, जो आमतौर पर दक्षिण एशिया की तेज बहने वाली नदियों में पाई जाती है और स्वस्थ जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संकेतक के रूप में कार्य करती है। शोधकर्ताओं ने इस प्रजाति की पहचान इसकी अनूठी शारीरिक विशेषताओं के माध्यम से की, जिसमें इसके पृष्ठीय पंख के आधार पर एक विशिष्ट मांसल उभार शामिल है। इस प्रजाति का नाम खैरी के नाम पर रखा गया , जो प्रसिद्ध अनाथ रॉयल बंगाल बाघिन थी , जो संरक्षणवादी सरोज राज चौधरी से जुड़ी थी , जो ओडिशा की वन्यजीव संरक्षण विरासत पर प्रकाश डालती है।

खेल

- किदांबी श्रीकांत ने US ओपन 2026 में पुरुषों के सिंगल्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीता , और चीनी ताइपे के सु ली-यांग के बाद दूसरे नंबर पर रहे। पहला गेम 15-21 से हारने के बाद , श्रीकांत ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-16 से जीता , लेकिन आखिर में 9-21 से हार गए। यह परफॉर्मेंस हाल के सालों में उनके सबसे अच्छे इंटरनेशनल नतीजों में से एक है और इससे भविष्य के BWF टूर्नामेंट से पहले उनका कॉन्फिडेंस बढ़ा है। उनका आखिरी BWF टाइटल 2017 फ्रेंच ओपन में आया था , और वह एक और चैंपियनशिप जीतने की कोशिश कर रहे हैं।
- क्रिकेट एक सदी से भी ज़्यादा समय के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक गेम्स (LA28) में पुरुषों और महिलाओं के T20 टूर्नामेंट के साथ वापस आएगा , जिसमें हर टूर्नामेंट में छह टीमें होंगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने ICC रैंकिंग , कॉन्टिनेंटल रिप्रेजेंटेशन, होस्ट देश की एलिजिबिलिटी और 2027 ओलंपिक क्वालिफायर टूर्नामेंट के आधार पर एक क्वालिफिकेशन सिस्टम की घोषणा की है। चार महिला टीमें—ऑस्ट्रेलिया , भारत , दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन —पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। ओलंपिक में वापसी से क्रिकेट की ग्लोबल पहुंच बढ़ने, नए दर्शकों को आकर्षित करने और इसकी इंटरनेशनल प्रोफ़ाइल को मज़बूत करने की उम्मीद है।
- इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ट्रेंट ब्रिज में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ तीसरे टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया , जिससे उनके 15 साल के शानदार करियर का अंत हो गया। वह इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान का पद भी छोड़ देंगे , यह पद अप्रैल 2022 से था। स्टोक्स को 2019 ICC वर्ल्ड कप फ़ाइनल में मैच जिताने वाली 84 रन की पारी और 2019 एशेज़ के दौरान हेडिंग्ले में शानदार 135 रन के लिए याद किया जाता है। उनका सबसे ज़्यादा टेस्ट स्कोर साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ 258 रन है। कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ , उन्होंने आक्रामक बाज़बॉल सोच के ज़रिए इंग्लैंड के टेस्ट अप्रोच को बदल दिया।
- केरल की एंसी सोजन ने भुवनेश्वर में 2026 नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अंजू बॉबी जॉर्ज का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। 22 साल का नेशनल लॉन्ग जंप रिकॉर्ड। 25 साल की इस खिलाड़ी ने 6.88 मीटर की छलांग लगाई , जो 2004 में बनाए गए 6.83 मीटर के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर है। केरल को रिप्रेजेंट करते हुए और इंडियन नेवी में चीफ पेटी ऑफिसर के तौर पर काम करते हुए, उन्होंने गोल्ड मेडल जीता और 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन हासिल की। एंसी ने इससे पहले 2023 एशियन गेम्स और 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीते थे , जिससे वह इंडिया के टॉप फील्ड एथलीट्स में शामिल हो गईं।
- इंडोनेशिया ने अहमदाबाद में कोरिया को हराकर अपना पहला AVC मेन्स वॉलीबॉल कप 2026 का खिताब जीता। पहले ग्रुप-स्टेज की हार से उबरकर फाइनल में 3-0 से जीत हासिल की। बॉय अर्नेज़ अरबी ने 17 पॉइंट्स बनाए , मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (MVP) अवॉर्ड जीता, और ड्रीम टीम में जगह बनाई। कोरिया ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीता , जबकि मेज़बान भारत ने डिफेंडिंग चैंपियन बहरीन को हराकर ऐतिहासिक ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। 3-1 से हराया। इंडोनेशिया के शानदार प्रदर्शन ने FIVB वर्ल्ड रैंकिंग में भी उसकी स्थिति 52वें से 43वें स्थान पर पहुंचा दी , जो टूर्नामेंट में उसका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

- जॉर्ज रसेल ने रेड बुल रिंग में 2026 ऑस्ट्रियन ग्रैंड प्रिक्स जीता , पोल पोजीशन को अपनी सातवीं फॉर्मूला 1 जीत में बदला और मर्सिडीज की चैंपियनशिप चुनौती को मजबूत किया। उन्होंने मैक्स वेरस्टैपेन को पीछे छोड़ा , जो दूसरे स्थान पर रहे, जबकि चैंपियनशिप लीडर किमी एंटोनेली ने तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे उनकी बढ़त 40 पॉइंट हो गई। कार्लोस सैन्ज़ के रिटायरमेंट और कई टेक्निकल रिटायरमेंट के बाद रेस में एक वर्चुअल सेफ्टी कार शामिल थी। रसेल की जीत ने उन्हें चैंपियनशिप स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया, जिससे मर्सिडीज , रेड बुल और मैकलारेन के बीच 2026 फॉर्मूला 1 टाइटल की लड़ाई और तेज हो गई।
- स्विट्जरलैंड के ल्यूसर्न में वर्ल्ड रोइंग कप 2026 में भारत ने इतिहास रच दिया , जब इंडियन आर्मी के हवलदार लक्ष्य और उज्ज्वल कुमार सिंह ने लाइटवेट मेन्स डबल स्कल्स (LM2x) इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने 6:26.09 का समय निकाला, और हांगकांग और नीदरलैंड्स के कॉम्पिटिटर्स को बहुत कम अंतर से हराया। पुणे के आर्मी रोइंग नोड में ट्रेनिंग लेने वाले , उन्होंने वीज़ा अप्रूवल में देरी और तैयारी के कम समय को पार किया। उनकी जीत इंडियन रोइंग के लिए एक बड़ी कामयाबी है और यह एलीट स्पोर्ट्स डेवलपमेंट में आर्म्ड फोर्सेज़ के योगदान को दिखाती है।
- इंग्लैंड की तेज़ गेंदबाज़ लॉरेन बेल ने मई 2026 के लिए ICC विमेंस प्लेयर ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड जीता , और यह सम्मान पहली बार हासिल किया। न्यूज़ीलैंड और भारत के ख़िलाफ़ शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने नॉमिनी मैडी ग्रीन और गुल फ़िरोज़ा से बेहतर प्रदर्शन किया। बेल ने ODI सीरीज़ में पाँच विकेट लिए, जिसमें 3/20 शामिल हैं , और चार T20I में लगातार इकॉनमी रेट से आठ विकेट लिए। उनकी असरदार बॉलिंग ने इंग्लैंड के पेस अटैक को मज़बूत किया और विमेंस T20 वर्ल्ड कप सहित बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन से पहले उनकी बढ़ती अहमियत को दिखाया।
- बांग्लादेश के बैटर मुशफिकुर रहीम को पाकिस्तान के खिलाफ शानदार परफॉर्मेंस के बाद मई 2026 के लिए ICC मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला। उन्होंने 63.25 की एवरेज से 253 रन बनाए, जिससे बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज में 2-0 से ऐतिहासिक जीत हासिल की और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता। उनकी खास पारियों में पहले टेस्ट में 71 और दूसरे टेस्ट में सिलहट में 137 रन शामिल हैं। यह उनका दूसरा ICC मंथली अवॉर्ड था , जिससे बांग्लादेश की सफलता और ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के लिए उनकी अहमियत और पक्की हो गई।
- भारतीय पैरा-एथलीट होकाटो होतोझे सेमा 2 जुलाई 2026 को पुरुषों की शॉट पुट F57 रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बन गए। 9 असम रेजिमेंट में सूबेदार और पेरिस 2024 पैरालंपिक ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट , उन्होंने 14.65 मीटर का पर्सनल बेस्ट थ्रो हासिल किया। सेमा अति विशिष्ट सेवा मेडल पाने वाले पहले पैरालंपियन हैं और उन्हें अर्जुन अवॉर्ड भी मिला है। 2002 में एक लैंडमाइन ब्लास्ट में अपना पैर गंवाने के बाद , वह अपने शानदार पक्के इरादे और इंटरनेशनल सफलता से भारत के जाने-माने पैरा-एथलीट में से एक बन गए।
- क्रिस्टियानो रोनाल्डो FIFA वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए , उन्होंने 41 साल और 147 दिन की उम्र में क्रोएशिया के खिलाफ गोल किया। उनकी पेनल्टी ने पुर्तगाल को 2-1 से जीत दिलाई और राउंड ऑफ़ 16 के लिए क्वालिफ़ाई किया , जहाँ उनका सामना स्पेन से होगा। यह गोल 2006 में डेब्यू करने के बाद उनका पहला वर्ल्ड कप नॉकआउट गोल था। रोनाल्डो वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच शुरू करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफ़ील्ड खिलाड़ी भी बन गए और 26 वर्ल्ड कप मैचों के साथ लोथर मैथॉस के रिकॉर्ड के करीब पहुँच गए।
- ब्राज़ील के फ़ुटबॉल के दिग्गज नेमार जूनियर ने मेटलाइफ़ स्टेडियम में नॉर्वे से ब्राज़ील की 2-1 से FIFA विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ़ 16 की हार के बाद इंटरनेशनल फ़ुटबॉल से संन्यास ले लिया। 16 साल के इंटरनेशनल करियर का अंत करते हुए , नेमार ने ब्राज़ील के लिए आखिरी समय में पेनल्टी पर एकमात्र गोल किया। वे 130 मैचों में 80 गोल और 59 असिस्ट के साथ ब्राज़ील के ऑल-टाइम लीडिंग पुरुष स्कोरर के तौर पर रिटायर हो रहे हैं। उनकी उपलब्धियों में 2013 FIFA कन्फ़ेडरेशन कप और 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडल शामिल हैं , हालाँकि उनके शानदार इंटरनेशनल करियर के दौरान FIFA विश्व कप का टाइटल उनसे दूर ही रहा।
- ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर ICC विमेंस T20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल जीता , और रिकॉर्ड सातवीं चैंपियनशिप पक्की की। इंग्लैंड ने कैप्टन नैट साइवर-ब्रंट के नाबाद 58 रन की मदद से 150/4 का स्कोर बनाया , लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 153/3 का स्कोर आराम से हासिल कर लिया। बेथ मूनी ने 64 रन बनाकर पारी को संभाला और प्लेयर ऑफ़ द मैच का अवॉर्ड जीता, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 48 रन बनाए। इस जीत ने विमेंस T20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे सफल टीम के तौर पर ऑस्ट्रेलिया की पहचान को और मज़बूत किया।
- वैभव सूर्यवंशी 15 साल और 99 दिन की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत को रिप्रेजेंट करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन गए , उन्होंने ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ T20I में डेब्यू किया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 16 साल और 205 दिन की उम्र में डेब्यू करने के लंबे समय के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वैभव भारत के सबसे कम उम्र के पुरुष T20I डेब्यू करने वाले खिलाड़ी भी बने , जिससे देश में उभरते क्रिकेट टैलेंट पाइपलाइन का पता चला। हालांकि, सबसे कम उम्र के पुरुष T20I इंटरनेशनल का ओवरऑल रिकॉर्ड रोमानिया के मैरियन घेरासिम के नाम है , जबकि आयरलैंड के जोशुआ लिटिल ने पहले फुल ICC मेंबर्स में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था।
- चार्ल्स लेक्लर्क ने सिल्वरस्टोन में 2026 ब्रिटिश ग्रैंड प्रिक्स जीता , और एक एक्शन से भरपूर रेस के बाद फेरारी के लिए अपनी नौवीं फ़ॉर्मूला वन जीत हासिल की। मैक्स वर्स्टैपेन के क्रैश की वजह से देर से आई एक सेफ़्टी कार ने फ़ाइनल स्टैंडिंग को लॉक कर दिया। जॉर्ज रसेल मर्सिडीज़ के लिए दूसरे स्थान पर रहे , जबकि रेस के बाद की जांच के बावजूद लुईस हैमिल्टन तीसरे स्थान पर रहे। लैंडो नॉरिस मैकलारेन के लिए चौथे स्थान पर रहे , और किमी एंटोनेली मैकेनिकल दिक्कतों और पेनल्टी के बाद सोलहवें स्थान पर आ गए। फेरारी की मज़बूत स्ट्रैटेजी और लगातार रफ़्तार ने सीज़न की सबसे रोमांचक रेस में से एक में यादगार जीत दिलाई।

- भारत ग्लासगो में 2026 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान एक इंटरनेशनल मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में अपने एथलीटों को जूट-विस्कोस ब्लेंडेड कपड़े पहनाने वाला पहला देश बन जाएगा। नेशनल जूट बोर्ड (NJB) , ग्लॉस्टर जूट मिल्स और NIFT द्वारा डेवलप की गई ये यूनिफॉर्म 100% बायोडिग्रेडेबल फैब्रिक से बनी हैं, जो सस्टेनेबल टेक्सटाइल और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देती हैं। भारत का 124 सदस्यों वाला दल ऑफिशियल सेरेमनी के दौरान इको-फ्रेंडली कपड़े पहनेगा, जो इनोवेशन, एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी, वैल्यू-एडेड जूट प्रोडक्ट्स और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत के कमिटमेंट को हाईलाइट करेगा।
- FIFA वर्ल्ड कप 2026 राउंड ऑफ़ 16 पूरा होने के बाद क्वार्टरफ़ाइनल स्टेज में पहुँच गया है। फ़्रांस , मोरक्को , स्पेन , बेल्जियम , नॉर्वे , इंग्लैंड , अर्जेंटीना और स्विट्ज़रलैंड आखिरी आठ में पहुँच गए हैं। क्वार्टरफ़ाइनल में फ़्रांस बनाम मोरक्को , स्पेन बनाम बेल्जियम , नॉर्वे बनाम इंग्लैंड और अर्जेंटीना बनाम स्विट्ज़रलैंड के मैच शामिल हैं , जो 10-12 जुलाई 2026 (IST) तक खेले जाएँगे। जीतने वाली टीम फ़ाइनल से पहले दो सेमीफ़ाइनल खेलेगी। बाकी मैचों में कड़ा मुकाबला होगा क्योंकि टीमें फ़ुटबॉल के सबसे बड़े इंटरनेशनल टाइटल के लिए लड़ेंगी।
- कन्याकुमारी के सत्रह साल के अश्वथ एस 2026 पुणे इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर राउंड रॉबिन में अपना आखिरी ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल करने के बाद भारत के 98वें चेस ग्रैंडमास्टर बन गए। उन्होंने आखिरी राउंड में FM कन्नन वैद्यनाथन को हराकर यह टाइटल जीता , जिसमें उन्होंने 9 गेम में 7 पॉइंट हासिल किए। इससे पहले, उन्होंने ग्रेंके ओपन और बुडापेस्ट फर्स्ट सैटरडे GM टूर्नामेंट में ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किए थे , साथ ही ज़रूरी 2500 FIDE रेटिंग भी पार की थी , जिससे दुनिया भर में चेस की बड़ी ताकत के तौर पर भारत की बढ़ती साख और मज़बूत हुई।
- तेलंगाना 8वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) 2026 को होस्ट करेगा , जो युवा एथलीटों को अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक नेशनल प्लेटफॉर्म देगा। युवा मामले और खेल मंत्रालय के खेलो इंडिया प्रोग्राम के तहत आयोजित इन गेम्स का मकसद भविष्य के चैंपियन की पहचान करना, जमीनी स्तर के खेलों को मजबूत करना और एथलीटों को इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन के लिए तैयार करना है। इस इवेंट में हजारों लोग, कोच और अधिकारी आएंगे, जिससे स्पोर्ट्स टूरिज्म , आर्थिक गतिविधि और युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी। तेलंगाना का चुनाव इसके बढ़ते स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को दिखाता है और एक मजबूत स्पोर्ट्स कल्चर बनाने के भारत के लंबे समय के विजन को सपोर्ट करता है।
- पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को मशहूर ICC हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल किया गया , और वे यह सम्मान पाने वाले 12वें भारतीय क्रिकेटर बन गए। अपनी निडर लीडरशिप के लिए पहचाने जाने वाले गांगुली ने टीम को 2003 ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप फ़ाइनल तक पहुँचाकर और MS धोनी , युवराज सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे भविष्य के सितारों को तैयार करके भारतीय क्रिकेट को बदल दिया। अपने करियर के दौरान, उन्होंने 113 टेस्ट और 308 ODI खेले। यह सम्मान उनकी शानदार उपलब्धियों, लीडरशिप और भारत को क्रिकेट की सबसे मज़बूत इंटरनेशनल टीमों में से एक बनाने में उनके लंबे समय तक चलने वाले योगदान को सेलिब्रेट करता है।
- लिंडा नोस्कोवा ने साथी चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। विंबलडन 2026 के विमेंस सिंगल्स फाइनल में 6-2, 5-7, 6-3 से जीत हासिल की। सिर्फ़ 21 साल की उम्र में , वह लगातार नौवीं बार विंबलडन विमेंस चैंपियन बनीं। इस जीत ने मार्केटा वोंद्रोसोवा (2023) और बारबोरा क्रेजसिकोवा (2024) के टाइटल जीतने के बाद विंबलडन में चेक रिपब्लिक का दबदबा और बढ़ा दिया। नोस्कोवा ने यह इमोशनल जीत अपनी गुज़र चुकी मां को डेडिकेट की, जबकि मुचोवा की उनके फाइटिंग स्पिरिट के लिए तारीफ़ की गई। इस ऐतिहासिक ऑल-चेक फाइनल ने ग्लोबल स्टेज पर चेक विमेंस टेनिस की ज़बरदस्त ताकत और गहराई को दिखाया।
- दुनिया के नंबर 1 जैनिक सिनर ने विंबलडन मेंस सिंगल्स का अपना टाइटल सफलतापूर्वक डिफेंड किया , उन्होंने जर्मन खिलाड़ी पर लगातार 10वीं जीत के लिए अलेक्जेंडर ज़ेवरेव को चार सेट में हराया। महिलाओं के फ़ाइनल में, लिंडा नोस्कोवा ने कैरोलिना मुचोवा को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता, और लगातार नौवीं बार पहली बार महिला चैंपियन बनीं। हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा ने मेंस डबल्स जीता , गुओ हान्यू और क्रिस्टीना म्लादेनोविच ने महिला डबल्स जीता , जबकि मार्सेलो एरेवालो और जेलेना ओस्टापेंको ने मिक्स्ड डबल्स का टाइटल जीता , जिससे विंबलडन 2026 एक यादगार चैंपियनशिप बन गया।
- भारतीय पेसर क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ शानदार पांच विकेट लेकर मशहूर लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में शामिल होने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने टैमी ब्यूमोंट, माइया बाउचियर, नैट साइवर-ब्रंट, एलिस कैप्सी और लॉरेन बेल को आउट किया , और यह सम्मान पाने वाली 15वीं भारतीय गेंदबाज बन गईं। कपिल देव, बिशन सिंह बेदी, इशांत शर्मा, भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गजों के साथ , गौड़ की इस उपलब्धि ने भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक अहम पल को चिह्नित किया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर इसकी बढ़ती प्रमुखता को दिखाया।
- यास्तिका भाटिया लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर टेस्ट सेंचुरी बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं , उन्होंने इंग्लैंड विमेंस के खिलाफ 113 रन बनाए। पहली इनिंग में सिर्फ 12 रन बनाने के बाद, उन्होंने 145 गेंदों में सेंचुरी बनाकर शानदार वापसी की। इस पारी ने उन्हें मशहूर लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में जगह दिलाई और यह उनकी पहली इंटरनेशनल सेंचुरी थी। यास्तिका लॉर्ड्स में टेस्ट सेंचुरी बनाकर राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, दिलीप वेंगसरकर, वीनू मांकड़ और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गज भारतीय बैट्समैन में भी शामिल हो गईं।
- भारतीय शूटर नीरू ढांडा ने इटली के लोनाटो में ISSF शॉटगन वर्ल्ड कप 2026 में महिलाओं का ट्रैप गोल्ड मेडल जीता , जिससे भारत को इस सीज़न का पहला शॉटगन गोल्ड मिला। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 121/125 के साथ टॉप किया और फिर एक रोमांचक फाइनल में फ्रांस की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन कैरोल कॉर्मेनियर को हराया। इस जीत ने ढांडा का पहला इंडिविजुअल ISSF वर्ल्ड कप मेडल बनाया, जिसमें अल्माटी में पहले जीता गया उनका मिक्स्ड ट्रैप ब्रॉन्ज़ मेडल भी शामिल है। उनके शानदार प्रदर्शन ने इंटरनेशनल शूटिंग और महिलाओं के ट्रैप इवेंट्स में भारत की बढ़ती ताकत को दिखाया।

APEX

SSC CGL MAHAPACK

Complete 1+2 Prep.

Selection ka Saathi

APEX

SSC CGL MAHAPACK

Complete 1+2 Prep.

Quants | Reasoning | English | GS

COMPLETE TIER 1 + TIER 2 PREPARATION

Hinglish

What will you get

- Access to Structured Classes in Live & Recorded Form
- Mock & Topic Tests based on Latest Pattern with Detailed Solution
- Doubt Solving on App, Telegram Groups & In Person at Offline Centers
- Seminar & Topper Talks at Offline Centers
- In-Person Counseling, Physical Support Helpdesk at Offline Centers

SHOW MORE

For Admission Enquiry | CALL NOW

- Exams Covered: 2 (TIER 1 + TIER 2)
- Complete Preparation in One Mahapack
- Latest Pattern Focused Content
- Learn From Experts & Top Educators

Trusted by Lakhs of Aspirants | High Quality Content by Experts | Accessible Anytime, Anywhere | Dedicated Support for Your Success

- पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ ऐतिहासिक महिला टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा की , जिससे उनके शानदार 16 साल के करियर का अंत हो गया। उन्होंने 320 इंटरनेशनल मैच खेले , 7,988 रन बनाए और 2017 ICC महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को जीत दिलाई। नाइट अब द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट की जनरल मैनेजर के तौर पर काम करेंगी। उनके रिटायरमेंट से इंग्लैंड के सबसे सफल करियर में से एक और महिला क्रिकेट में एक अहम चैप्टर का अंत हो गया है।
- भारत ने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर पहले विमेंस टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यस्तिका भाटिया लॉर्ड्स में टेस्ट सेंचुरी बनाने वाली पहली महिला बनीं , जबकि क्रांति गौड़ पांच विकेट लेकर मशहूर लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में शामिल होने वाली पहली महिला बॉलर बनीं। हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में , भारत की इस बड़ी जीत ने टीम के दबदबे को दिखाया और इस आइकॉनिक स्टेज पर भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक बड़ी कामयाबी साबित हुई।
- दिल्ली ने 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 का ऑफिशियल मैस्कॉट 'मयूर' लॉन्च किया, जो 27 जुलाई से 2 अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम में होगा। भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रेरित यह मैस्कॉट किसका प्रतीक है? एकता, विविधता, दोस्ती और खेल भावना। लगभग 35 कॉमनवेल्थ देशों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा शुरू की गई इस चैंपियनशिप को दिल्ली सरकार और टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (TTFI) मिलकर ऑर्गनाइज़ कर रहे हैं , जो दिल्ली को एक ग्लोबल स्पोर्टिंग डेस्टिनेशन के तौर पर दिखाता है।
- स्पेन ने न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में एक्स्ट्रा टाइम के बाद अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर FIFA वर्ल्ड कप 2026 जीता। फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में विनिंग गोल किया , जिससे स्पेन को 2010 के बाद दूसरा वर्ल्ड कप टाइटल मिला। कोच लुइस डे ला फुएंते के अंडर, स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ़ एक गोल खाया, जिससे चैंपियंस का डिफेंसिव रिकॉर्ड बना। USA, मैक्सिको और कनाडा में होस्ट किए गए 48 टीमों के इस बड़े टूर्नामेंट ने अरबों दर्शकों को अट्रैक्ट किया और स्पेन का टैक्टिकल दबदबा दिखाया।
- काइलियन एम्बाप्पे FIFA वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 2026 टूर्नामेंट में 22 गोल करके लियोनेल मेसी के 21 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। तीन वर्ल्ड कप में यह मुकाम हासिल करते हुए , इस फ्रेंच स्टार ने मिरोस्लाव क्लोस, रोनाल्डो नाज़ारियो, गर्ड मुलर, पेले, हैरी केन और क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। सिर्फ़ 27 साल की उम्र में , एम्बाप्पे के पास अपना शानदार रिकॉर्ड बढ़ाने और फुटबॉल के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह मज़बूत करने के कई मौके हैं।
- रोहित शर्मा 19 जुलाई, 2026 को लॉर्ड्स में ODI सेंचुरी बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर बने। 39 साल और 80 दिन की उम्र में बनाया गया उनका 34वां ODI सेंचुरी , उन्हें सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे उम्रदराज इंटरनेशनल सेंचुरी बनाने वाला खिलाड़ी बनाता है। रोहित इंग्लैंड में आठ ODI सेंचुरी के साथ एक ही देश में सबसे सफल विज़िटिंग बैट्समैन भी बन गए। विराट कोहली के साथ , उन्होंने अपने 400वें इंटरनेशनल मैच में 113 रन की पार्टनरशिप की , जिससे एक और बड़ा माइलस्टोन बना।
- लियोनेल मेसी तीन FIFA वर्ल्ड कप फाइनल में खेलने वाले पहले फुटबॉलर बन गए , उन्होंने स्पेन के खिलाफ 2026 के फाइनल में यह उपलब्धि हासिल की। वे पिछली बार 2014 और 2022 में फाइनल में पहुंचे थे , और उन्होंने कैफू को पीछे छोड़ दिया , जो सिर्फ दो फाइनल में खेले थे। हालांकि अर्जेंटीना एक्स्ट्रा टाइम के बाद 1-0 से हार गया , लेकिन मेसी ने आठ गोल और चार असिस्ट के साथ एक शानदार टूर्नामेंट खेला , जिससे लगातार वर्ल्ड कप खिताब जीतने का मौका चूकने के बावजूद फुटबॉल के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी पहचान और मजबूत हुई।
- पीवी सिंधु ने BWF जापान ओपन 2026 जीता , और BWF सुपर 750 टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने अकाने यामागुची को हराया। 21-17, 21-17 से टोक्यो में जीत हासिल की, जो 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद उनका पहला बड़ा टाइटल है। 31 साल की उम्र में , सिंधु सुपर 750 इवेंट जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला भी बन गईं। इस जीत से उनकी वर्ल्ड रैंकिंग 18वें से 9वें नंबर पर आ गई, जिससे BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले उनकी वापसी पक्की हो गई।
- FIFA वर्ल्ड कप 2030, टूर्नामेंट की 100वीं सालगिरह को एक ऐतिहासिक मल्टी-कॉन्टिनेंट फ़ॉर्मेट के साथ मनाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को मुख्य होस्ट होंगे, जबकि उरुग्वे, अर्जेंटीना और पैराग्वे सौ साल पूरे होने पर ओपनिंग मैच खेलेंगे। 8 जून से 21 जुलाई, 2030 तक (FIFA के कन्फ़र्मेशन पर निर्भर) होने वाले इस इवेंट में 48 टीमों का एक बड़ा फ़ॉर्मेट होगा, जिसमें छह ऑटोमैटिक होस्ट बर्थ शामिल हैं। यह तीन कॉन्टिनेंट और छह देशों में होस्ट किया जाने वाला पहला पुरुषों का वर्ल्ड कप बन जाएगा।
- वें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026, 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होंगे। इसमें 74 कॉमनवेल्थ देश , 10 खेल और 215 गोल्ड मेडल इवेंट होंगे। भारत ने 120 सदस्यों वाले दल की घोषणा की है, जिसमें नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू, लवलीना बोरगोहेन, श्रीहरि नटराज और मुरली श्रीशंकर जैसे मेडल के बड़े दावेदार शामिल हैं। मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन भारत के फ्लैग बेयरर होंगे , जबकि कॉम्पिटिशन ग्लासगो के बड़े स्पोर्टिंग वेन्यू पर होंगे।
- फ्रांस के लेस मेन्यूइर्स में मेन्यूइर्स इंटरनेशनल चेस चैंपियनशिप 2026 में भारत का दबदबा रहा , जिसमें ग्रैंडमास्टर एस. रोहित कृष्णा ने गोल्ड मेडल जीता और ग्रैंडमास्टर राजा ऋत्विक ने सिल्वर मेडल जीता। दोनों बिना हारे रहे , नौ राउंड में 7 पॉइंट बनाए, जिसमें रोहित ने बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर पर टाइटल जीता। फाइनल राउंड में मैक्सिम लेगार्ड पर ऋत्विक की जीत टूर्नामेंट की खास बात थी, जिसने कॉम्पिटिटिव चेस में भारत की बढ़ती ताकत और इंटरनेशनल पहचान को और पक्का किया।
- स्कॉटलैंड के राष्ट्रीय जानवर—यूनिकॉर्न से प्रेरित फिनी को ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के ऑफिशियल मैस्कॉट के तौर पर पेश किया गया है। ग्लासगो के मशहूर फिनिएस्टन क्रेन के नाम पर रखा गया यह मैस्कॉट स्कॉटिश कल्चर, लोकगीत, क्रिएटिविटी और कम्युनिटी स्पिरिट को दिखाता है। फिनी एजुकेशनल प्रोग्राम , पब्लिक एंगेजमेंट एक्टिविटी और टूरिज्म कैंपेन के ज़रिए गेम्स को प्रमोट करेगा, साथ ही इवेंट के लिए एक यादगार पहचान बनाएगा और लोकल परंपराओं को पूरे कॉमनवेल्थ के एथलीट और दर्शकों से जोड़ेगा।

- भारतीय ग्रैंडमास्टर एस. रोहित कृष्णा ने फ्रांस में मेन्यूयर्स इंटरनेशनल चेस चैंपियनशिप 2026 में गोल्ड मेडल जीता , जबकि ग्रैंडमास्टर राजा ऋत्विक ने सिल्वर मेडल जीता। दोनों खिलाड़ी बिना हारे रहे , 9 राउंड में 7 पॉइंट बनाए , जिसमें रोहित ने बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर से जीत हासिल की। मैक्सिम लेगार्ड पर ऋत्विक की आखिरी राउंड की जीत एक बड़ी खासियत थी। उनके शानदार प्रदर्शन ने इंटरनेशनल चेस में भारत के बढ़ते दबदबे और देश के ग्लोबल चेस पावरहाउस के रूप में उभरने को और मज़बूत किया है।
- EU के बैन के बाद अर्काडी ड्वोरकोविच के हटने के बाद विश्वनाथन आनंद ने FIDE के अंतरिम प्रेसिडेंट का पद संभाला। FIDE के डिप्टी प्रेसिडेंट के तौर पर , आनंद समरकंद में सितंबर 2026 के प्रेसिडेंशियल इलेक्शन तक ऑर्गनाइज़ेशन को देखेंगे। लीडरशिप ट्रांज़िशन ग्लोबल चेस एडमिनिस्ट्रेशन में कंटिन्यूटी पक्का करता है और साथ ही चल रहे डेवलपमेंट इनिशिएटिव को भी बनाए रखता है। आनंद का अपॉइंटमेंट एक ऐतिहासिक माइलस्टोन है, जिससे भारतीय चेस लेजेंड एक ज़रूरी ट्रांज़िशन पीरियड के दौरान चेस के लिए दुनिया की गवर्निंग बॉडी को गाइड करने के लिए ज़िम्मेदार बन गए हैं।
- भारत के वैभव सूर्यवंशी ज़िम्बाब्वे के खिलाफ पहले T20I मैच में सिर्फ़ 15 साल और 118 दिन की उम्र में T20I में फिफ्टी बनाने वाले सबसे कम उम्र के बैट्समैन बन गए। उन्होंने 263 से ज़्यादा के ज़बरदस्त स्ट्राइक रेट से 19 गेंदों में हाफ सेंचुरी बनाई और लुइस ब्रूस का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह युवा लेफ्टहैंडर यह माइलस्टोन हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय और ICC फुल मेंबर देश के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए , जिससे भारत की उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभा का पता चलता है।
- लवलीना बोरगोहेन ने ग्लासगो में महिलाओं की 75 kg बॉक्सिंग के सेमीफ़ाइनल में पहुँचकर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए पहला मेडल पक्का किया। इस कैटेगरी में सिर्फ़ पाँच पार्टिसिपेंट्स होने की वजह से, सभी सेमीफ़ाइनलिस्ट का मेडल पक्का हो गया। 2018 और 2022 में पोडियम से चूकने के बाद यह लवलीना का पहला कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल था। इस इवेंट में शानदार फ़ॉर्म में उतरते हुए, वह फ़ाइनल में पहुँचकर अपने पक्के मेडल को अपग्रेड करने के मौके के साथ तारोना ताफ़ाकी का सामना करेंगी।
- कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 स्कॉटलैंड के ग्लासगो में स्कॉटिश कल्चर और विरासत का जश्न मनाने वाले एक रंगीन समारोह के साथ ऑफिशियली शुरू हुए। मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने फ्लैग बियरर के तौर पर भारतीय दल को लीड किया , जबकि किंग चार्ल्स III और क्वीन कैमिला इस इवेंट में शामिल हुए। कॉम्पिटिशन चार जगहों पर होंगे , हालांकि बैडमिंटन, शूटिंग और रेसलिंग जैसे खेल नहीं होंगे। ऑफिशियल मैस्कॉट फिनी , जो स्कॉटिश विरासत से प्रेरित है, गेम्स की भावना और पहचान को दिखाता है।
- भारत की अनाहत सिंह ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में लड़कियों का सिंगल्स टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। नई दिल्ली की 18 साल की इस खिलाड़ी ने मिस्र की रुकैया सलेम को हराया। फाइनल में 3-0 (11-3, 11-7, 11-9) से जीत हासिल की। उन्होंने छह मैचों में सिर्फ़ दो गेम हारकर टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाया और मिस्र की 13 साल की जीत का सिलसिला खत्म किया, और 2010 के बाद पहली गैर-मिस्र चैंपियन बनीं। अनाहत, जिन्होंने स्क्वैश में आने से पहले बैडमिंटन खेला था , ने 2005 में जोशना चिनप्पा के पिछले सबसे अच्छे प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया , जो भारतीय स्क्वैश के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।
- भारतीय वेटलिफ्टिंग स्टार मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं की 48 kg कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। 2018 , 2022 और 2026 में जीत के बाद यह उनका लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गेम्स का टाइटल है। 31 साल की मीराबाई ने कुल 190 kg वज़न उठाया , जिसमें स्नैच में 85 kg और क्लीन एंड जर्क में 105 kg वज़न शामिल है। इससे भारत को इन गेम्स का पहला गोल्ड मेडल मिला। नाइजीरिया की रूथ असुको न्योंग ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि मलेशिया की आइरीन जेन हेनरी ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। एक ओलंपिक सिल्वर मेडल और कई वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल के साथ , मीराबाई भारतीय खेलों को प्रेरित करती रहती हैं।
- इंडियन वेटलिफ्टर राजा मुथुपंडी ने ग्लासगो में 2026 के कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की 65 kg कैटेगरी में कुल 286 kg उठाकर सिल्वर मेडल जीता। वह मलेशिया के अज़नील बिन बिदिन मुहम्मद से पीछे रहे , जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स के रिकॉर्ड 299 kg के साथ गोल्ड मेडल जीता , जबकि पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। राजा ने एक मुश्किल स्नैच कोशिश और एक फेल क्लीन एंड जर्क लिफ्ट से उबरने के बाद कमाल का पक्का इरादा दिखाया। पिछली चोटों से उनकी वापसी ने गेम्स में इंडिया के वेटलिफ्टिंग कैंपेन को और मज़बूत किया।
- ऋषिकांत सिंह चनंबम ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 kg वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर पहले भारतीय मेडलिस्ट बने। मणिपुर के इंफाल वेस्ट के एथलीट ने स्नैच में 121 kg और क्लीन एंड जर्क में 143 kg उठाकर कुल 264 kg उठाकर नया कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाया। मलेशिया के मोहम्मद अनीक कसदन ने 273 kg के साथ गोल्ड जीता , जबकि जोशुआ अमुंगा म्बोया ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। इससे पहले, ऋषिकांत ने 2025 कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था , जिससे उन्होंने इंटरनेशनल स्टेज पर अपनी कंसिस्टेंसी दिखाई थी।
- निक डी व्रीस ने ABB FIA फॉर्मूला E वर्ल्ड चैंपियनशिप के टोक्यो E-Prix की दूसरी रेस में महिंद्रा रेसिंग के लिए जीत पक्की की , जिससे टीम का चैंपियनशिप कैंपेन और मज़बूत हुआ। पांचवें स्थान से शुरुआत करते हुए, उन्होंने गीले-से-सूखे ट्रैक की कंडीशन को अच्छे से संभाला , स्ट्रेटेजी के साथ अटैक मोड का इस्तेमाल किया , और देर से रेड फ्लैग रीस्टार्ट के बाद अपनी बढ़त बनाए रखी। यह जीत 2026 सीज़न की उनकी दूसरी जीत और महिंद्रा रेसिंग की साल की दूसरी जीत थी, 2017-18 के बाद यह उनका पहला मल्टी-विन सीज़न था। टीम ने टोक्यो डबल-हेडर के दौरान 38 पॉइंट्स इकट्ठा किए और 210 पॉइंट्स के साथ टीम्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर पहुंच गई , जबकि टीम के साथी एडोआर्डो मोर्टारा दूसरे स्थान पर रहे। सीज़न के पोल-पोज़िशन रिकॉर्ड की बराबरी की।

- भारतीय एथलीट सर्वेश अनिल कुशारे ने ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने अपनी आखिरी कोशिश में 2.25 मीटर की बेस्ट जंप लगाई। हालांकि वह 2.28 मीटर की जंप लगाने से चूक गए , लेकिन उनके परफॉर्मेंस ने भारत को इस इवेंट में अब तक का सबसे अच्छा रिजल्ट दिलाया , और पिछले ब्रॉन्ज़ मेडल की अचीवमेंट को पीछे छोड़ दिया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने काउंटबैक पर गोल्ड मेडल जीता , जबकि स्कॉटलैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। यह अचीवमेंट इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की नेशनल रिकॉर्ड जंप के बाद कुशारे के शानदार फॉर्म में शामिल है।
- इंडियन वेटलिफ्टर अजय बाबू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 79 kg इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 330 kg वज़न उठाया , जिसमें स्नैच में 149 kg और क्लीन एंड जर्क में 181 kg शामिल थे। वह गोल्ड मेडल से सिर्फ़ 1 kg से चूक गए , क्योंकि मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद ने कॉमनवेल्थ गेम्स के रिकॉर्ड 331 kg के साथ जीत हासिल की , जबकि इंग्लैंड के क्रिस मरे ने 325 kg के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। अजय का मेडल गेम्स में इंडिया का छठा वेटलिफ्टिंग मेडल बन गया , जिससे इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग कॉम्पिटिशन में देश की रेप्युटेशन और मज़बूत हुई।
- इंडियन वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं की 53 kg कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता , और गेम्स में इंडिया की चौथी वेटलिफ्टिंग मेडलिस्ट और ओवरऑल पांचवीं मेडलिस्ट बन गईं। उन्होंने स्नैच में 88 kg और क्लीन एंड जर्क में 111 kg वज़न उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स के रिकॉर्ड बनाए, इससे पहले नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला ने उन्हें पीछे छोड़कर गोल्ड जीता , जबकि कनाडा की रेबेका ग्रौल्क्स ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। छत्तीसगढ़ पुलिस में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर , ज्ञानेश्वरी ने एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भी मेडल जीते हैं और उनके नाम एक नेशनल रिकॉर्ड भी है , जो इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में उनकी लगातार सफलता को दिखाता है।
- भारतीय शूटर ईशा सिंह ने चीन के हांग्जो में ISSF वर्ल्ड कप 2026 में महिलाओं की 25m पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में चीन की झांग यूयुए को 40-37 से हराया। इस जीत से उन्हें रोम में ISSF वर्ल्ड कप फाइनल 2026 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन भी मिल गई। साथी भारतीय शूटर और ओलंपियन मनु भाकर ने करीबी मुकाबले वाले शूट-ऑफ के बाद 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। दोनों एथलीटों के शानदार प्रदर्शन ने इंटरनेशनल शूटिंग में , खासकर महिलाओं की पिस्टल इवेंट में, भारत की साख को और मजबूत किया , जिससे ग्लोबल स्टेज पर देश का बढ़ता दबदबा दिखा।
- भारत ने 30 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष और महिला दोनों टीम खिताब जीतकर ऐतिहासिक दोहरी उपलब्धि हासिल की। पुरुष टीम ने मलेशिया को 3-2 से हराया , जिसमें मानुष शाह ने निर्णायक मुकाबले सहित दो महत्वपूर्ण एकल मैच जीते। महिला टीम पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही और स्वास्तिका घोष , श्रीजा अकुला और यशस्विनी घोरपड़े की जीत की मदद से फाइनल में मलेशिया को 3-0 से हराया। 27 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित इस चैंपियनशिप में भारत को 10,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली और राष्ट्रमंडल के सबसे मजबूत टेबल टेनिस राष्ट्रों में से एक के रूप में इसका दर्जा मजबूत हुआ।
- भारतीय वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की +110 kg कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता , गोल्ड मेडल से सिर्फ़ एक किलोग्राम से चूक गए। 28 साल के लवप्रीत ने कुल 388 kg वज़न उठाया , जिसमें कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड भी शामिल है। 176 kg स्नैच और 212 kg क्लीन एंड जर्क। न्यूज़ीलैंड के डेविड लिटी ने क्लीन एंड जर्क में 223 kg उठाकर रिकॉर्ड 389 kg कुल वज़न के साथ गोल्ड मेडल जीता , जबकि लवप्रीत अपनी आखिरी कोशिश में 217 kg वज़न नहीं उठा पाए। उनके मेडल की मदद से भारत ने वेटलिफ्टिंग में आठ मेडल के साथ अपना सफल कैंपेन खत्म किया , जबकि मार्टिना देवी मैबाम महिलाओं की +86 kg कैटेगरी में पांचवें स्थान पर रहीं।
- भारतीय एथलीट सीमा कालीरमना ने ग्लासगो में 2026 के कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं की डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता , और 58.66 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ अपना पहला बड़ा इंटरनेशनल मेडल हासिल किया। जमैका की सामंथा हॉल ने 61.66 मीटर के साथ गोल्ड मेडल जीता , जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता। 27 साल की PhD स्कॉलर और चार साल के बेटे की माँ , सीमा ने दो साल के ब्रेक के बाद एक इंस्पायरिंग वापसी की , और 2026 में पहले 59.73 मीटर का पर्सनल बेस्ट हासिल किया। उनके ब्रॉन्ज़ मेडल ने भारत के एथलेटिक्स मेडल की संख्या चार कर दी , जो उनके पक्के इरादे और लगन को दिखाता है।
- पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे , जिन्हें "जिंक्स" के नाम से जाना जाता है , ने 2011 में अपने पदार्पण के साथ शुरू हुए एक शानदार करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। डोंबिवली (ठाणे), महाराष्ट्र में जन्मे बल्लेबाज ने बीसीसीआई , मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) , अपने साथियों, परिवार और पत्नी राधिका को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए एक इंस्टाग्राम वीडियो के माध्यम से घोषणा साझा की। अपने शांत नेतृत्व , ठोस तकनीक और मैच जीतने वाले विदेशी टेस्ट प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध रहाणे ने टेस्ट में भारत की कप्तानी भी की। उन्होंने संकेत दिया कि वह कोचिंग, मेंटरिंग या कमेंट्री के माध्यम से क्रिकेट से जुड़े रहने की योजना बना रहे हैं।
- भारत ने ISSF वर्ल्ड कप 2026 में चार मेडल जीते — एक गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज़ — जिससे इंटरनेशनल शूटिंग में उसकी बढ़ती ताकत का पता चलता है। आखिरी मेडल 10m एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में आया, जहाँ सोनम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों ने 441.2 पॉइंट्स के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। ईशा सिंह ने महिलाओं की 25m पिस्टल में गोल्ड जीता , संयम विज ने महिलाओं की 10m एयर पिस्टल में सिल्वर जीता , और मनु भाकर ने महिलाओं की 25m पिस्टल में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता , जिससे राइफल और पिस्टल इवेंट्स में भारत का लगातार अच्छा प्रदर्शन दिखा।
- स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने एथलेटिक्स में एक गोल्ड और दो सिल्वर मेडल जीतकर अपनी मेडल टैली और मज़बूत कर ली। दिलीप महादू गावित ने पुरुषों की 100m T47 में 10.71 सेकंड के कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड टाइम के साथ गोल्ड जीता , जबकि मोहम्मद बासिल मोरसिंगनाकाथी ने 10.83 सेकंड में सिल्वर जीता , जिससे भारत इस इवेंट में पहली बार पहले-दूसरे स्थान पर रहा। मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 8.09 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर जीता , जो गोल्ड से 6 cm से चूक गए , और लगातार दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स सिल्वर मेडल जीता।

- भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की डेकाथलॉन में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया और इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। 27 वर्षीय ने क्रोनिक पटेला टेंडोनाइटिस से पीड़ित होने के बावजूद चुनौतीपूर्ण 10-इवेंट प्रतियोगिता में 7,976 अंक हासिल किए। वह पूरे आयोजन के दौरान शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे और अंतिम 1,500 मीटर दौड़ में मजबूती से फिनिश करते हुए पोडियम स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के लिंडन विक्टर ने 8,096 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता , जबकि कनाडा के डेमियन वार्नर ने 8,036 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। 2022 के ऊंची कूद कांस्य पदक के बाद यह तेजस्विन का दूसरा राष्ट्रमंडल खेल पदक था
- हर्ष सिंह 31 जुलाई 2026 को ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के 60kg फ़ाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज़ को हराकर कॉमनवेल्थ गेम्स में जूडो में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष जूडोका बने। 23 साल के एथलीट ने गेम्स में भारत के लिए पुरुषों का पहला जूडो गोल्ड मेडल पक्का करने के लिए मज़बूत टैक्टिकल स्किल्स और धैर्य दिखाया। इंटरनेशनल जूडो फ़ेडरेशन (IJF) द्वारा टॉप 100 जूडोका में शामिल , हर्ष ने ज़ाग्रेब ग्रैंड प्रिक्स और कज़ाकस्तान सहित बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में भारत को रिप्रेज़ेंट किया है। बैरीसी ग्रैंड स्लैम। उनकी यह कामयाबी उसी दिन आई जिस दिन अस्मिता डे ने गोल्ड मेडल जीता था , जो जूडो में भारत का अब तक का सबसे अच्छा कॉमनवेल्थ गेम्स परफॉर्मेंस था और इस खेल में देश की बढ़ती ताकत को दिखाता है।
- अस्मिता डे ने 31 जुलाई 2026 को ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 48 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में कनाडा की हेइडी क्वैच को हराकर जूडो में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रच दिया। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने बेहतरीन सामरिक क्षमता और मानसिक शक्ति दिखाते हुए एक करीबी मुकाबले के बाद गोल्डन स्कोर प्रणाली के माध्यम से जीत हासिल की। वह क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड की ईवा इर्विंग और सेमीफाइनल में सारा एडलिंगटन को हराने के बाद फाइनल में पहुंची थीं। उनकी जीत ने राष्ट्रमंडल खेलों के जूडो में भारत के पांच रजत और छह कांस्य पदकों के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को समाप्त कर दिया। ऐतिहासिक जीत ने भारत को ग्लासगो खेलों में अपना पहला जूडो पदक भी दिलाया
- कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की, जब नीरज चोपड़ा ने पुरुषों की जेवलिन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में सिल्वर मेडल जीता और यश वीर सिंह ने ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया , जिससे भारत ने इस इवेंट में पहली बार डबल पोडियम फिनिश किया। नीरज ने 85.83 मीटर का सीज़न-बेस्ट थ्रो किया , जबकि श्रीलंका के रुमेश पथिरगे ने 89.75 मीटर के गेम्स रिकॉर्ड थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। यश वीर सिंह ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने के अपने आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर के पर्सनल-बेस्ट थ्रो के साथ करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया। उनकी सफलता ने भारत को 8वें दिन के अंत तक 23 मेडल तक पहुंचने में मदद की, जिसमें 5 गोल्ड, 12 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज़ मेडल शामिल हैं , जो एथलेटिक्स और इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन में भारत की बढ़ती ताकत को दिखाता है।

पुस्तकें और लेखक

- ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी यादों की किताब, "द सेकंड ऑर्बिट: बिलीफ ऑफ़ ए मैन... ड्रीम्स ऑफ़ 1.4 बिलियन हार्ट्स" रिलीज़ की। इसमें इंडियन एयर फ़ोर्स के फ़ाइटर पायलट से लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) के लिए एक्सिओम-4 मिशन पर एस्ट्रोनॉट बनने तक के उनके सफ़र के बारे में बताया गया है। एयर चीफ़ मार्शल अमर प्रीत सिंह द्वारा लॉन्च की गई इस किताब में एस्ट्रोनॉट की ट्रेनिंग, मिशन की तैयारी और भारत की बढ़ती स्पेस महत्वाकांक्षाओं पर रोशनी डाली गई है। यह किताब उन लोगों को भी सम्मानित करती है जो अंतरिक्ष में जाने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। राकेश शर्मा ने युवा भारतीयों को STEM शिक्षा लेने और भविष्य में ह्यूमन स्पेस एक्सप्लोरेशन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।
- वाइस-प्रेसिडेंट सीपी राधाकृष्णन ने "द वॉइस ऑफ़ जस्टिस: जस्टिस गवई स्पीक्स" रिलीज़ की , जिसे प्रो. (डॉ.) एस. शिवकुमार ने एडिट किया है और थॉमसन रॉयटर्स ने CLEA के साथ मिलकर पब्लिश किया है। इस किताब में पूर्व चीफ जस्टिस बीआर गवई के कॉन्स्टिट्यूशनल गवर्नेंस, ज्यूडिशियल फिलॉसफी, सोशल जस्टिस और कानून के राज पर भाषण और विचार शामिल हैं। इवेंट के दौरान, वाइस-प्रेसिडेंट ने संविधान को एक जीवित डॉक्यूमेंट बताया और न्याय तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए ज़्यादा प्रो-बोनो कानूनी सेवाओं की अपील की।

निधन

- पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित गिरीश भारद्वाज , जिन्हें "ब्रिज मैन ऑफ़ इंडिया" के नाम से जाना जाता है, का 76 साल की उम्र में निधन हो गया। एक मैकेनिकल इंजीनियर और ज़मीनी स्तर के इनोवेटर, उन्होंने कर्नाटक , केरल , तेलंगाना और ओडिशा में 140 से ज़्यादा कम लागत वाले सस्पेंशन ब्रिज बनाए , जो दूर के गांवों को स्कूल, हॉस्पिटल और मार्केट से जोड़ते थे। उनका पहला पुल, जो 1989 में पयस्विनी नदी पर बना था , मुश्किल इलाकों के लिए सस्ती इंजीनियरिंग की शुरुआत थी। भारद्वाज के काम ने गांवों की कनेक्टिविटी को बदल दिया और वे इनक्लूसिव इंफ्रास्ट्रक्चर , इनोवेशन और सस्टेनेबल कम्युनिटी डेवलपमेंट की एक हमेशा रहने वाली पहचान बने हुए हैं।
- पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। 1995 से 2013 तक अमीर के तौर पर काम करते हुए , उन्होंने नॉर्थ फील्ड गैस रिज़र्व के डेवलपमेंट , LNG प्रोडक्शन के विस्तार और कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की स्थापना के ज़रिए कतर को बदल दिया। उन्होंने अल जज़ीरा भी लॉन्च किया और 2022 FIFA वर्ल्ड कप की मेज़बानी की नींव रखी। उनके निधन के बाद, कतर ने राष्ट्रीय शोक घोषित किया , जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत नेताओं ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व और स्थायी वैश्विक विरासत को श्रद्धांजलि दी।

- क्रिकेट के सबसे महान ऑलराउंडरों में से एक सर गारफील्ड सोबर्स का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। वेस्टइंडीज के इस महान खिलाड़ी ने 8,032 टेस्ट रन बनाए , 235 टेस्ट विकेट लिए , उस समय का वर्ल्ड रिकॉर्ड 365 * बनाया, और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले क्रिकेटर बने। उन्हें 1975 में नाइटहुड दिया गया और ICC हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया , जिससे वे एक असाधारण क्रिकेट विरासत छोड़ गए।
- वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट का 26 जुलाई 2026 को देहरादून में 85 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। डोईवाला और राजपुर से तीन बार MLA रहे , उन्होंने ND तिवारी सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर के तौर पर काम किया, ट्रांसपोर्ट , लेबर और टेक्निकल एजुकेशन जैसे डिपार्टमेंट संभाले। पॉलिटिक्स के अलावा, उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड के फाउंडर मेंबर के तौर पर स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेशन में अहम योगदान दिया, रायपुर क्रिकेट स्टेडियम के डेवलपमेंट में मदद की , और INTUC में अपनी लीडरशिप के ज़रिए लेबर वेलफेयर के लिए काम किया।
- पूर्व थल सेनाध्यक्ष (COAS) जनरल विश्व नाथ (VN) शर्मा का 31 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में 95 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने चार दशकों से ज़्यादा के शानदार मिलिट्री करियर को खत्म किया। उन्होंने 1 मई 1988 से 30 जून 1990 तक 14वें आर्मी चीफ के तौर पर काम किया और आज़ादी के बाद आर्मी के सबसे ऊंचे पद पर पहुंचने वाले पहले कमीशन्ड ऑफिसर बने। 1950 में 16वीं लाइट कैवेलरी में कमीशन्ड होने के बाद, उन्होंने 1987 में चीन के साथ सुमदोरोंग चू स्टैंड-ऑफ के दौरान अहम भूमिका निभाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने भारत की रक्षा तैयारियों में उनकी शानदार सेवा और योगदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि दी।
- इटली के मशहूर फुटबॉलर फ्रैंको बारेसी का 66 साल की उम्र में निधन हो गया। AC मिलान ने पहले झूठी अफवाहों को खारिज करने के बाद 31 जुलाई 2026 को इस खबर की पुष्टि की। फुटबॉल इतिहास के सबसे महान डिफेंडरों में से एक माने जाने वाले बारेसी ने अपना पूरा 20 साल का प्रोफेशनल करियर AC मिलान के साथ बिताया , जिसमें उन्होंने 700 से ज़्यादा मैच खेले, 15 सीज़न तक क्लब की कप्तानी की और छह Serie A टाइटल और तीन यूरोपियन कप जीते। उन्होंने इटली के साथ 1982 का FIFA वर्ल्ड कप भी जीता और घुटने की सर्जरी से ठीक होने के बावजूद 1994 के FIFA वर्ल्ड कप फाइनल में नेशनल टीम की कप्तानी की। उनकी लीडरशिप , डिफेंसिव बेहतरीन और वफ़ादारी ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक हमेशा रहने वाली विरासत छोड़ी।

महत्वपूर्ण दिन

तारीख	महत्वपूर्ण दिन / घटना	थीम (2026)	कुंजी ले जाएं
1 जुलाई	चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस (सीए दिवस)	—	ICAI का 77वां स्थापना दिवस ; टैक्सेशन, ऑडिटिंग, फाइनेंशियल गवर्नेंस और इकोनॉमिक ग्रोथ में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के योगदान का जश्न मनाता है।
1 जुलाई	राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस	मुखौटे के पीछे: कौन मरहम लगाने वालों को ठीक करता है?	डॉक्टरों का सम्मान; डॉ. बिधान चंद्र रॉय की याद ; डॉक्टरों की मेंटल हेल्थ और वेल-बीइंग पर फोकस।
4 जुलाई	अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस	शांतिपूर्ण विश्व के लिए कोऑपरेटिव्स!	सामाजिक न्याय, फाइनेंशियल इनक्लूजन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में कोऑपरेटिव्स की भूमिका पर प्रकाश डालता है।
6 जुलाई	विश्व जूनोसिस दिवस	—	जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है; लुई पाश्चर की पहली रेबीज वैक्सीन की याद दिलाता है।
6 जुलाई	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती	—	भारतीय जनसंघ के संस्थापक के जीवन का जश्न मनाता है।
11 जुलाई	विश्व जनसंख्या दिवस	युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करना: आज और भविष्य में	जनसंख्या जागरूकता, प्रजनन स्वास्थ्य और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।
15 जुलाई	विश्व युवा कौशल दिवस	साझा भविष्य के लिए कौशल	युवाओं के लिए टेक्निकल, वोकेशनल, AI और डिजिटल स्किल्स को बढ़ावा देता है।
16 जुलाई	जगन्नाथ रथ यात्रा	—	भगवान जगन्नाथ का सालाना रथ उत्सव पुरी, ओडिशा में होता है।
16 जुलाई	विश्व साँप दिवस	—	सांपों के बचाव और इकोलॉजिकल महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
17 जुलाई	विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस	—	यह रोम संविधि (1998) की याद में मनाया जाता है और अंतर्राष्ट्रीय न्याय और मानवाधिकारों को बढ़ावा देता है।
18 जुलाई	विश्व श्रवण दिवस	—	ध्यान से सुनने, अकूस्टिक इकोलॉजी और नॉइज़ पॉल्यूशन के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है।

तारीख	महत्वपूर्ण दिन / घटना	थीम (2026)	कुंजी ले जाएं
22 जुलाई	विश्व मस्तिष्क दिवस	मस्तिष्क स्वास्थ्य: सभी के लिए पहुँच	न्यूरोलॉजिकल बीमारियों और सही ब्रेन हेल्थकेयर के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
22 जुलाई	राष्ट्रीय ध्वज दिवस (भारत)	—	यह 1947 में संविधान सभा द्वारा तिरंगे को अपनाने की याद दिलाता है।
23 जुलाई	लोकमान्य तिलक जयंती	—	भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी बाल गंगाधर तिलक की याद में।
24 जुलाई	आयकर दिवस	—	भारत में इनकम टैक्स के 167 साल पूरे ; टैक्सपेयर्स और डिजिटल टैक्स सुधारों का जश्न।
26 जुलाई	कारगिल विजय दिवस	—	1999 के कारगिल युद्ध में ऑपरेशन विजय के ज़रिए भारत की जीत की याद में।
27 जुलाई	सीआरपीएफ स्थापना दिवस	—	भारत की सबसे बड़ी सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स का 87वां स्थापना दिवस मनाया गया।
28 जुलाई	विश्व हेपेटाइटिस दिवस	हेपेटाइटिस: आइए इसे समझें	हेपेटाइटिस की रोकथाम, टेस्टिंग और इलाज को बढ़ावा देता है।
28 जुलाई	विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस	—	बायोडायवर्सिटी, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देता है।
30 जुलाई	मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस	घोटाले के पीछे फंसा	ह्यूमन ट्रैफिकिंग और पीड़ितों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
30 जुलाई	अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस	—	दोस्ती, शांति, अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बातचीत और दुनिया भर में सहयोग को बढ़ावा देता है।

विविध

- कानून और न्याय मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल, 2026 पेश किया , जिससे सुप्रीम कोर्ट में जजों की मंज़ूर संख्या 33 से बढ़कर 37 हो गई (CJI को मिलाकर कुल 38)। इस कदम का मकसद देश भर में लगभग 92,385 पेंडिंग मामलों को सुलझाना और न्यायिक काम करने की क्षमता में सुधार करना है।
- UIDAI ने इलेक्ट्रॉनिक्स और IT मिनिस्ट्री के तहत जो आधार ऐप बनाया है , उसके 2026 में 4 करोड़ डाउनलोड हो गए, जो डिजिटल इंडिया सर्विसेज़ को तेज़ी से अपनाने को दिखाता है। यह एड्रेस, मोबाइल और ईमेल अपडेट , ई-आधार डाउनलोड और बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक फ़ीचर देता है, साथ ही दिसंबर 2026 तक फ़्री ईमेल अपडेट भी मिलते हैं।
- CSIR-CSMCRI ने राइट वाटर सॉल्यूशंस के साथ पार्टनरशिप में , भारत की पहली सोलर पावर्ड वॉटर प्यूरिफिकेशन वैन , जल-यान लॉन्च की है , जिसे दूर-दराज और आपदा प्रभावित इलाकों के लिए डिज़ाइन किया गया है। रिवर्स ऑस्मोसिस (RO) और अल्ट्राफिल्ट्रेशन (UF) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके , यह मोबाइल यूनिट बाढ़, साइक्लोन और दूसरी आपदाओं के दौरान इमरजेंसी बिजली भी देती है।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश में सियोम नदी पर भारत-चीन सीमा के पास 1,000 MW के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट , नाइंग हाइडल प्रोजेक्ट को पर्यावरण मंज़ूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट से इस क्षेत्र में रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन , बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक-आर्थिक विकास को मज़बूती मिलने की उम्मीद है।
- सुप्रीम कोर्ट ने डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस के ज़रिए एक यूनिफ़ॉर्म पोस्ट-रिटायरमेंट बेनिफिट्स कमेटी बनाने का निर्देश दिया। यह कमेटी रिटायर्ड चीफ़ जस्टिस और हाई कोर्ट के जजों के लिए स्टैंडर्ड बेनिफिट्स की सिफारिश करेगी, जिसमें सिक्योरिटी, मेडिकल रीइंबर्समेंट, टेलीकम्युनिकेशन और रहने की जगह शामिल होगी।
- भारत ने विद्युत मंत्रालय / एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के तहत अपनी पहली 100 MWh वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) ऊर्जा भंडारण प्रणाली को मंज़ूरी दी, जो 2027 के लिए निर्धारित है। गुजरात के खावड़ा सोलर पार्क में स्थित , यह देश की पहली स्वदेशी उपयोगिता-पैमाने की गैर-लिथियम बैटरी परियोजना है , जो ग्रिड स्थिरता और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करती है।
- डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (DST) ने 2026 में जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी और इसके एप्लीकेशन पर 5वें BRICS वर्किंग ग्रुप की मेज़बानी की , जिसमें GIS, AI, रिमोट सेंसिंग और पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग (PNT) पर फोकस किया गया। मीटिंग का मकसद डिज़ास्टर मैनेजमेंट और इंटरऑपरेबल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में इंटरनेशनल कोऑपरेशन को मज़बूत करना है।
- सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के तहत DGCA, मैनुअल सिस्टम की जगह मैंडेटरी ऑकरेंस रिपोर्ट (MORs) को डिजिटाइज़ करने के लिए एक डिजिटल एविएशन इंसिडेंट रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म बना रहा है। इस पहल से भारत के एविएशन सेक्टर के बढ़ने के साथ-साथ तेज़ी से जांच , कम्प्लायंस मॉनिटरिंग और तेज़ी से रेगुलेटरी एक्शन हो सकेगा।
- पैनिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 2026 में आत्मनिर्भर भारत के तहत यंतूर 4.5 kN टर्बोफैन इंजन प्रोग्राम पेश किया , जिसे लड़ाकू ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बिना पायलट वाले एरियल प्लेटफॉर्म के लिए डिज़ाइन किया गया है। इंजन में डिजिटल ट्विन-बेस्ड हेल्थ मॉनिटरिंग और 12.5 kN तक का स्केलेबल थ्रस्ट है , जिससे स्वायत L1 प्लेटफॉर्म को पावर मिलने की उम्मीद है।

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत NHAI ने राजमार्गयात्रा मोबाइल ऐप पर डिजिटल लोकल पास और मार्गमित्र हेल्प सेंटर लॉन्च किया है। डिजिटल लोकल पास से टोल प्लाज़ा के 20 km के अंदर आने-जाने वाले लोग DigiLocker , VAHAN और FASTag के ज़रिए डिजिटल मंथली पास पा सकते हैं , जबकि मार्गमित्र , एक AI-पावर्ड मल्टीलिंगुअल असिस्टेंट , टोल सपोर्ट और शिकायत ट्रैकिंग देता है।
- सेंट्रल KYC (CKYC) , जिसे फाइनेंस मिनिस्ट्री के तहत CERSAI मैनेज करता है , एक सेंट्रलाइज़्ड आइडेंटिटी वेरिफिकेशन सिस्टम है जो कस्टमर्स को एक बार KYC पूरा करने और एक यूनिक 14-डिजिट CKYC आइडेंटिफिकेशन नंबर (KIN) के ज़रिए बैंकों, NBFCs, म्यूचुअल फंड्स और इंश्योरेंस कंपनियों में इस्तेमाल करने की सुविधा देता है।
- कोयला मंत्रालय ने जर्मनी की GIZ के साथ एक टेक्निकल कोऑपरेशन एग्रीमेंट पर साइन किया है। इसके तहत पहली AAROH (एनुअल रिपोर्ट ऑन माइन क्लोजर) जारी की जाएगी। इसमें आज़ादी के बाद से 42 कोयला खदानों को साइंटिफिक तरीके से बंद करने का डॉक्यूमेंटेशन किया गया है। यह पार्टनरशिप इकोसिस्टम को ठीक करने और कम्युनिटी डेवलपमेंट के लिए RECLAIM, LIVES, और SUVIKALP जैसे इनिशिएटिव को मज़बूत करती है।
- नेचर कंज़र्वेशन फ़ाउंडेशन (NCF) और नेशनल बायोडायवर्सिटी अथॉरिटी (NBA) ने कैंपस बायोडायवर्सिटी रजिस्टर (CBR) इनिशिएटिव लॉन्च किया है , जिससे कॉलेज और यूनिवर्सिटी iNaturalist, eBird, और SeasonWatch जैसे सिटिज़न साइंस प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल करके स्पीशीज़ को डॉक्यूमेंट कर सकेंगे। रजिस्ट्रेशन नवंबर 2026 तक खुले रहेंगे , और डॉक्यूमेंटेशन जून 2027 तक जारी रहेगा।
- न्यूक्लियर एनर्जी मिशन के तहत , भारत 2033 तक डिपार्टमेंट ऑफ़ एटॉमिक एनर्जी / BARC के ज़रिए कम से कम पाँच स्वदेशी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMRs) डेवलप करेगा , जिसमें भारत SMR, SMR-55, और HTGR टेक्नोलॉजी शामिल हैं। यह प्रोग्राम 2031-32 तक 22 GW न्यूक्लियर कैपेसिटी और 2047 तक 100 GW के भारत के टारगेट को सपोर्ट करता है।
- शिक्षा मंत्रालय एग्जाम पेपर लीक को रोकने के लिए एक नया कानून लाने की योजना बना रहा है , जिसमें फास्ट-ट्रैक कोर्ट और दोषियों के लिए सख्त सज़ा का प्रावधान होगा। प्रस्तावित कानून का मकसद ऑर्गनाइज़्ड एग्जाम फ्रॉड नेटवर्क को खत्म करना और भारत के रिक्रूटमेंट और एडमिशन सिस्टम में लोगों का भरोसा वापस लाना है।
- VDA और GAIL ने वाराणसी के नमो घाट पर इलेक्ट्रिक बोट कन्वर्जन पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया , जिसमें फ्यूल से चलने वाली नावों को 15 kW मोटर, लिथियम बैटरी और GPS ट्रैकिंग से लैस इलेक्ट्रिक नावों में बदला जाएगा। शुरुआत में, गंगा में साफ नदी ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए 20 नावों को बदला जाएगा।
- कपड़ा मंत्रालय ने वीव्स ऑफ़ इंडिया फ़ेस्टिवल 2026 का आयोजन किया , जिसमें बनारसी सिल्क, जामदानी, कांचीपुरम सिल्क और संबलपुरी इकत समेत 116 पारंपरिक हैंडलूम बुनाई दिखाई गई। यह इवेंट 1905 के स्वदेशी आंदोलन की याद में 12वां नेशनल हैंडलूम डे भी मनाता है।
- इंडियन रेलवे ने AC कोच के बेडरोल में हाइजीन को बेहतर बनाने के लिए कंप्यूटर विज़न और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके AI-बेस्ड लिनन के दाग पहचानने वाला पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस सिस्टम को पुणे, जयपुर और जोधपुर में मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री में पायलट किया जा रहा है , जो मौजूदा क्वालिटी चेक को सपोर्ट करता है।
- MeitY / गृह मंत्रालय के तहत आने वाले इंडियन साइबरक्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) ने GitHub को जैक डोर्सी के बनाए ब्लूटूथ-बेस्ड डीसेंट्रलाइज़्ड मैसेजिंग ऐप बिटचैट से जुड़ी रिपॉजिटरी हटाने का निर्देश दिया। सरकार ने IT एक्ट, 2000 के नियमों का इस्तेमाल करते हुए नेशनल सिक्योरिटी, साइबरक्राइम और गलत जानकारी की चिंताओं का हवाला दिया।

स्टेटिक टेकअवे

पहलू	विवरण
आंध्र प्रदेश	**मुख्यमंत्री:** चंद्रबाबू नायडू • **गवर्नर:** अब्दुर नज़ीर • **राजधानी:** अमरावती
असम	**मुख्यमंत्री:** हेमंत सरमा/ हिमनाता सरमा • **राज्यपाल:** लक्ष्मण प्रसाद आचार्य • **राजधानी:** दिसपुर
बिहार	**मुख्यमंत्री:** सम्राट चौधरी • **राज्यपाल:** आरिफ खान • **राजधानी:** पटना
छत्तीसगढ	**मुख्यमंत्री:** मोहन माझी • **गवर्नर:** रेमन डेका • **राजधानी:** रायपुर

पहलू	विवरण
दिल्ली	**मुख्यमंत्री:** रेखा गुप्ता • **राज्यपाल:** तरनजीत सिंह • **राजधानी:** नई दिल्ली
गुजरात	**मुख्यमंत्री:** भूपेंद्र पटेल • **राज्यपाल:** आचार्य देवव्रत • **राजधानी:** गांधीनगर
हरयाणा	**मुख्यमंत्री:** नायब सैनी • **राज्यपाल:** अशीम कुमार घोष • **राजधानी:** हरियाणा
झारखंड	**मुख्यमंत्री:** हेमंत सोरेन • **राज्यपाल:** संतोष गंगवार • **राजधानी:** रांची
कर्नाटक	**मुख्यमंत्री:** डीके शिवकुमार • **राज्यपाल:** थावर चंद गहलोत • **राजधानी:** बेंगलुरु
केरल	**मुख्यमंत्री:** वीडी सतीशन • **राज्यपाल:** आर. आर्लेकर • **राजधानी:** तिरुवनंतपुरम
मध्य प्रदेश	**मुख्यमंत्री:** मोहन यादव • **राज्यपाल:** मंगूभाई पटेल • **राजधानी:** भोपाल
महाराष्ट्र	**मुख्यमंत्री:** देवेंद्र फडणवीस • **राज्यपाल:** जिष्णु देव वर्मा • **राजधानी:** मुंबई
मेघालय	**मुख्यमंत्री:** कोनराड संगमा • **राज्यपाल:** सीएच विजयशंकर • **राजधानी:** शिलांग
ओडिशा	**मुख्यमंत्री:** मोहन माझी • **राज्यपाल** : हरिबाबू खंभापति खंभापति • **राजधानी:** भुवनेश्वर
राजस्थान	**सेमी:** भजनलाल शर्मा • **राज्यपाल:** हरिभाऊ बागड़े/ हरिभाऊ बागड़े • **राजधानी:** जयपुर
तमिलनाडु	**CM:** जोसेफ विजय/जोसेफ विजय • **राज्यपाल:** आर. आर्लेकर • **राजधानी:** चेन्नई
उत्तराखंड	**मुख्यमंत्री:** पुष्कर सिंह धामी • **राज्यपाल:** गुरमीत सिंह • **राजधानी:** देहरादून (शीतकालीन)
पश्चिम बंगाल	**सेमी:** सुवेंदु अधिकारी • **राज्यपाल:** आरएन रवि • **राजधानी:** कोलकाता

पहलू	विवरण
ऑस्ट्रेलिया	**प्रधानमंत्री:** एंथनी अल्बानसे
इंगलैंड	**प्रधानमंत्री:** कीर स्टारमर
फ्रांस	**राष्ट्रपति:** इमैनुएल मैक्रों
जर्मनी	**चांसलर:** फ्रेडरिक मर्ज़
इज़राइल	**प्रधानमंत्री:** बेंजामिन नेतन्याहू • **राजधानी:** यरुशलम
इटली	**प्रधानमंत्री:** जॉर्जिया मेलोनी
जापान	**प्रधानमंत्री:** साने ताकाइची • **राजधानी:** टोक्यो
नेपाल	**प्रधानमंत्री:** बालेन शाह
न्यूज़ीलैंड	**प्रधानमंत्री:** क्रिस्टोफर लक्सन
सऊदी अरब	**देश के प्रमुख:** मोहम्मद बिन सलमान
संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए)	**राष्ट्रपति:** डोनाल्ड ट्रम्प • **राजधानी:** वाशिंगटन, डीसी
वेनेज़ुएला	**अध्यक्ष:** डेल्सी रोड्रिगेज
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)	**राज्यपाल:** संजय मल्होत्रा
सेबी	**अध्यक्ष:** तुहिन कांता पांडे
डीबीएस बैंक	**सीएमडी और एमडी:** रजत वर्मा
आईसीसी	**अध्यक्ष:** जय शाह
ओपनएआई	**संस्थापक:** सैम ऑल्टमैन

APEX

RAILWAYS MAHAPACK

RRB NTPC, Group D, RRB ALP, Technician, RPF Constable & SI

Selection Ka Saathi

WHAT WILL YOU GET

- Access to Structured Classes in **Live** & **Recorded** Form
- Mock & Topic Tests based on **Latest Pattern** with Detailed Solution
- Doubt Solving on **App, Telegram** Groups & **In Person** at Offline Centers
- Seminar & **Topper Talks** at Offline Centers
- In-Person Counseling, Physical Support **Helpdesk** at Offline Centers

- Exams Covered: **8**
- Complete Preparation in One Mahapack
- Latest Pattern Focused Content
- Learn From Experts & Top Educators

PRODUCT OFFERINGS

13337	1620	9625	35420+
Mock Tests	E-Books	Videos	Live Classes

- Trusted by Lakhs of Aspirants
- High Quality Content by Experts
- Accessible Anytime, Anywhere
- Dedicated Support for Your Success